राष्ट्रीय संस्करण

दैनिक जागरण

वर्ष 3 अंक 138

मूल्य ₹6.00, नई दिल्ली, शनिवार, 26 अक्टूबर 2019

www.jagran.com

पृष्ठ 16

बिल गेट्स ने जेफ बेजोस से छीना दुनिया के सबसे अमीर शख्स का ताज

>> 12

हरियाणा में भाजपा और जजपा की जय-जय

बहुमत की 'चाबी'

अमित शाह ने किया नए गठबंधन का एलान, नई सरकार में जाट और गैर जाट को साधने की कोशिश

बिजेंद्र बंसल, नई दिल्ली

हरियाणा में भाजपा ने बहुमत की कसर महज 11 माह पहले बनी जननायक जनता पार्टी (जजपा) के सहारे पूरी कर ली है। चुनाव नतीजों में 40 पर अटक जाने वाली भाजपा को दस विधायकों वाली जजपा का समर्थन मिल गया और इसके साथ ही बहुमत का जादुई आंकड़ा (46) भी पार हो गया। वैसे भाजपा को गुरुवार को ही छह निर्दलीयों और हरियाणा लोकहित पार्टी के गोपाल कांडा के समर्थन का आश्वासन मिल गया था। अब जजपा के साथ आ जाने से उसके विधायकों की संख्या 57 हो गई है। हालांकि भाजपा विवादों में घिरे कांडा का समर्थन लेने के प्रति गंभीर नहीं है।

समझौते के तहत साझा सरकार में मनोहर लाल सीएम होंगे, जबकि जजपा प्रमुख दुष्यंत चौटाला को उपमुख्यमंत्री पद मिलेगा। दोनों दलों के बीच समझौते का एलान गृहमंत्री और भाजपा अध्यक्ष अमित शाह ने देर रात अपने निवास पर दुष्यंत चौटाला के साथ साझा प्रेस कांफ्रेंस में किया। इस दौरान दुष्यंत और मनोहर लाल के साथ भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष जेपी नड्डा, पार्टी के हरियाणा प्रभारी अनिल जैन और केंद्रीयमंत्री अनुराग ठाकुर भी मौजूद थे।

शनिवार को भाजपा विधायक दल की बैठक के बाद दोनों दलों की तरफ से नई सरकार के गठन का दावा पेश किया जाएगा। सरकार गठन के लिए दोनों दल शनिवार दोपहर राज्यपाल से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश कर सकते हैं। यह समझौता दोनों दलों के लिए अहम है। भाजपा को निर्दलीयों पर निर्भरता कम करने के साथ ही इसके सहारे जाट सियासत को साधने का मौका मिलेगा वहीं जजपा पहली बार चुनावी मैदान में उतरने के बाद सत्ता तक पहुंचने में कामयाब होगी।

रात से ही तेज हो गया था घटनाक्रम : हरियाणा में नई सरकार बनाने के लिए दिल्ली में गुरुवार रात से ही राजनीतिक घटनाक्रम तेज हो गया था। गुरुवार शाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पार्टी मुख्यालय में साफ कर दिया था कि सीएम दोबारा मनोहर लाल ही होंगे। शुक्रवार सुबह मनोहर जब चंडीगढ़ से दिल्ली पहुंचे तो निर्दलीय विधायकों ने उनसे अलग-अलग चर्चा की। शाम चार बजे जजपा विधायक दल के नेता दुष्यंत चौटाला अपने निवास पर दैनिक जागरण से खास बातचीत में भाजपा को न्यूनतम साझा एजेंडे के तहत युवाओं को रोजगार और बुजुर्गों को बढ़ी हुई पेंशन देने के वायदे के साथ समर्थन देने पर नरम दिखाई दिए।

सरकार बनाने का फार्मूला : नई सरकार में मुख्यमंत्री भाजपा के मनोहर लाल ही होंगे। जजपा के दुष्यंत चौटाला उपमुख्यमंत्री बनेंगे और उनके दल के दो विधायक राज्यमंत्री बनेंगे।

हुड्डा ने भी दुष्यंत को दिया था न्योता : दुष्यंत चौटाला ने जब सरकार बनाने के लिए अपना न्यूनतम साझा एजेंडा सामने रखा तो सबसे पहले कांग्रेस नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने उसे स्वीकार किया। हुड्डा ने दुष्यंत को कांग्रेस के साथ सरकार बनाने का न्योता भी दिया मगर दुष्यंत के छोटे भाई दिग्विजय सिंह ने यह कहते हुए हुड्डा का आमंत्रण खारिज कर दिया कि कांग्रेस के पास विधायकों के नंबर नहीं हैं।

जनसंघ के जमाने से हैं देवीलाल परिवार से रिश्ते : भाजपा और देवीलाल परिवार के बीच राजनीतिक रिश्तों का इतिहास जनसंघ के समय से शुरू होता है। इनेलो का जनाधार सिमटता जा रहा है। दुष्यंत चौटाला की जजपा देवीलाल की विरासत की ध्वजवाहक के रूप में उभरी है। इतिहास की बात करें तो भाजपा देवीलाल और ओमप्रकाश चौटाला को सीएम बनवाने में सहयोगी रही है। बंसीलाल सरकार के गिरने पर 24 जुलाई 1999 को ओमप्रकाश चौटाला भाजपा की मदद से ही सीएम बने थे। कारगिल युद्ध के बाद का लोकसभा चुनाव और उसी साल 1999 का विधानसभा चुनाव इनेलो व भाजपा ने मिलकर लड़ा था। चौटाला ने रोहतक में मेडिकल मोड़ पर देवीलाल और जनसंघ-भाजपा के दिग्गज मंगलसेन की प्रतिमाएं भी लगवाई थीं।

57 विधायकों के समर्थन से आज राज्यपाल के समक्ष दावा पेश करेंगे मनोहर

नई दिल्ली में शुक्रवार को भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के आवास पर जजपा नेता दुष्यंत चौटाला बैठक में शामिल हुए। इस मौके पर दुष्यंत ने हरियाणा में भाजपा को सरकार बनाने के लिए समर्थन देने का ऐलान किया। इसके बाद प्रेसवार्ता के दौरान अमित शाह, दुष्यंत चौटाला, जेपी नड्डा, अनुराग ठाकुर और मनोहर लाल खट्टर। प्रेट्र

- मतदाताओं के आदेश को मानते हुए हमने भाजपा और जजपा की साझा सरकार बनाने का फैसला किया है। यह गठबंधन लोगों की इच्छाओं के अनुरूप है। -अमित शाह, अध्यक्ष भाजपा
- हरियाणा में एक स्थायी सरकार देने के लिए भाजपा और जननायक जनता पार्टी का साथ आना महत्वपूर्ण है। -दुष्यंत चौटाला, जजपा संयोजक
- स्थिर सरकार देने के लिए भाजपा और जजपा का गठबंधन जरूरी था। शनिवार को हम राज्यपाल से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे। -मनोहर लाल, मुख्यमंत्री

अब संख्या बल का खेल

भाजपा	40
जजपा	10
निर्दलीय	7
कुल-57 विधायक	
(बहुमत के लिए जरूरी46 विधायक)	
कांग्रेस	31
इनेलो	1
हलोपा	1

न्यूनतम साझा कार्यक्रम

- बेरोजगार युवाओं को रोजगार के साधन उपलब्ध कराए जाएं। पहले ही वर्ष में सभी सरकारी विभागों में रिक्त पद भरे जाएंगे।
- बुजुर्गों की पेंशन सरकार गठन के पहले महीने में ही बढ़ी हुई दर से दी जाए

दो पार्टियों के बीच गठबंधन के फायदे

- राज्य को स्थायी सरकार मिलेगी
- सरकार निर्दलीय विधायकों के ऊपर निर्भर नहीं रह सकेगी
- मंत्रिपरिषद में शामिल मंत्रियों में जातीय संतुलन रखा जा सकेगा
- जाट और गैर-जाट के बीच समन्वय स्थापित हो सकेगा

निर्दलीयों की भूमिका

- जजपा के गठबंधन के साथ सरकार बनने के बाद नई सरकार पर निर्दलीयों का कोई दबाव नहीं रहेगा।
- निर्दलीय अब सरकार से बेहतर संबंध रखने के लिए बिना शर्त भी समर्थन देने को तैयार हो जाएंगे

लेकिन चुनौतियां भी रहेंगी

- सरकारी नौकरियों की भर्तियों में पारदर्शिता कायम रखना एक अहम काम होगा।
- जननायक जनता पार्टी(जजपा) कोटे के मंत्रियों को विभागों का बंटवारा करने में मतभेद पैदा हो सकता है मतभेद
- भाजपा और जजपा के मंत्रियों के बीच समन्वय बनाने में आ सकती है कठिनाई
- अनुशासन का प्रश्न खड़ा हो सकता है। जजपा राजनीति में अभी नवोदित है। उसके नेताओं और कार्यकर्ताओं का रुख अहम होगा।

महाराष्ट्र में कार्टून के जरिये शिवसेना ने बढ़ाई सियासी सरगर्मी

ओमप्रकाश तिवारी, मुंबई

महाराष्ट्र में अपना मुख्यमंत्री बनाने का मोह शिवसेना छोड़ नहीं पा रही है। कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस भी उसकी इस इच्छा को हवा देने में पीछे नहीं हैं। एक कार्टूनिस्ट बालासाहब ठाकरे द्वारा स्थापित शिवसेना का मंतव्य भी एक कार्टून के माध्यम से ही सामने आता दिख रहा है।

शिवसेना के राज्यसभा सदस्य एवं पार्टी मुखपत्र सामना के कार्यकारी संपादक संजय राऊत ने शुक्रवार सुबह ट्विटर पर एक कार्टून साझा किया, जिसमें शिवसेना का प्रतीक चिह्न बाघ, अपने गले में राकांपा का चुनाव चिह्न घड़ी बांधकर भाजपा का चुनाव चिह्न कमल सूंघता दिखाई दे रहा है। कार्टून के साथ संजय राऊत यह लिखना नहीं भूले कि 'बुरा न मानो दिवाली है'। हालांकि इस कार्टून में कांग्रेस के चुनाव चिह्न पंजे को स्थान नहीं दिया गया है, लेकिन इसकी प्रेरणा पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चह्वाण का चुनाव नतीजे आने के बाद दिया गया वह बयान माना जा रहा है, जिसमें चह्वाण ने भाजपा को रोकने के लिए शिवसेना, कांग्रेस और राकांपा को साथ आने का सुझाव दिया था। हालांकि उस समय राऊत ने ऐसी किसी संभावना से इन्कार किया था। लेकिन आज स्वयं उनके द्वारा जारी यह कार्टून इशारा कर रहा है कि शिवसेना अकेले भाजपा के भरोसे नहीं बैठी है। यदि उसे मनचाहा पद मिले, तो वह नए विकल्पों पर भी विचार कर सकती है।

शुक्रवार को ही शिवसेना की युवा इकाई युवा सेना की तरफ से वरली क्षेत्र में भारी बहुमत से चुनकर आए आदित्य ठाकरे के अभिनंदन में पोस्टर चिपकाए गए, जिनमें आदित्य को 'भावी मुख्यमंत्री' कहकर संबोधित किया गया है।

वहीं, भाजपा कोर कमेटी की गुरुवार देर रात मुख्यमंत्री के सरकारी आवास 'वर्षा' में हुई। पार्टी सूत्रों का कहना है कि शुक्रवार सुबह भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह की शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे से फोन पर बात हुई है। हालांकि बातचीत का ब्योरा नहीं मिल सका है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि सरकार बनाने संबंधी कोई भी बातचीत दिवाली की छुट्टी खत्म होने यानी मंगलवार 29 अक्टूबर के बाद ही शुरू हो सकेगी।

शिवसेना ने अपने नवनिर्वाचित विधायकों की बैठक शनिवार को बुलाई है। इस बैठक के एजेंडे का भी कुछ पता नहीं चल सका है। माना जा रहा है कि शिवसेना में दो तरह के विचार सामने आ रहे हैं। एक पक्ष भाजपा से तगड़ी सौदेबाजी कर अधिकतम लाभ लेते हुए उसके साथ ही सरकार बनाने का इच्छुक है, तो दूसरा पक्ष आदित्य ठाकरे को मुख्यमंत्री के रूप में पेश करते हुए कांग्रेस-राकांपा के साथ जाने में गुरेज नहीं करना चाहता।

चुनाव नतीजे अभिमानी शासकों को सबक : शिवसेना पेज>>4

संजय राउत का ट्विटर पर साझा किया कार्टून।

- मुख्यमंत्री पद का मोह नहीं छोड़ पा रही शिवसेना
- मनचाहा पद मिलने पर अलग राह अपना सकती है पार्टी
- पूर्व मुख्यमंत्री ने शिवसेना, कांग्रेस और राकांपा सरकार का दिया है सुझाव
- वरली में आदित्य ठाकरे को भावी मुख्यमंत्री बताने वाले पोस्टर लगे
- भाजपा अध्यक्ष अमित शाह ने शुक्रवार को फोन पर उद्धव ठाकरे से की बात
- शिवसेना का एक धड़ा तगड़ी सौदेबाजी कर भाजपा के साथ बने रहने का पक्षधर

अपना देश

इनसे सीखें, महालक्ष्मी से पहले करते बड़े-बूढ़ों की पूजा

जशपुर : छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में असुर जनजाति के कुछ गांव हैं। खुद

को महिषासुर का वंशज बताने वाले आदिवासी दिवाली मनाते हैं, लेकिन देवी-देवताओं से पहले घर के बुजुर्गों की पूजा करते हैं। घर में किसी वृद्ध के नहीं होने पर बस्ती के वृद्धजनों की पूजा की जाती है। (पेज-10)

जागरण विशेष

इस बार महाकाल के साथ दिवाली मनाएगी उज्जयिनी

उज्जैन : मध्य प्रदेश के उज्जैन में इस बार लोग महाकाल संग दिवाली मनाएंगे।

महाकाल मंदिर में एक दिन पहले यानी चतुर्दशी को दिवाली मनाई जाती है, पर 23 साल बाद यह विशेष संयोग आया है, जब चतुर्दशी और अमावस्या एक ही दिन हैं। शिवभक्तों में इसे लेकर खासा उत्साह है और उज्जैन के साथ-साथ ज्योतिर्लिंग मंदिर में तैयारियों जोरों पर हैं। (पेज-10)

आतंकियों पर पाक की कार्रवाई पर निर्भर है भारत के साथ शांति वार्ता

- अमेरिका ने कहा, दोनों देश राजी हों तो ट्रंप मध्यस्थता के लिए तैयार

वाशिंगटन, एजेंसियां : अमेरिका ने कहा है कि भारत-पाक के बीच शांति वार्ता की बहाली आतंकी समूहों के खिलाफ इस्लामाबाद की सतत व स्थायी कार्रवाई पर निर्भर है। अमेरिका ने राष्ट्रपति ट्रंप के कश्मीर मुद्दे पर मध्यस्थता के इच्छुक होने की बात भी दोहराई, बशर्ते की दोनों देश इसके लिए तैयार हों।

दक्षिण एवं मध्य एशिया मामलों की कार्यवाहक सहायक विदेश मंत्री एलिस जी वेल्स ने कहा,लश्कर, जैश और हिजबुल जैसे आतंकी संगठन निश्चित रूप से समस्या हैं। इसलिए भारत-पाक के बीच हम जिस तरह की सकारात्मक वार्ता की उम्मीद कर रहे हैं, वह तभी संभव है जब पाकिस्तान आतंकियों और उनके समूहों के खिलाफ सतत और ठोस कार्रवाई करे।

भारत-पाक तनाव पर ट्रंप चिंतित : वेल्स ने कहा, भारत-पाक के बीच मौजूदा तनाव के स्तर पर राष्ट्रपति ट्रंप चिंतित हैं। उन्होंने पिछले दिनों प्रधानमंत्री मोदी और इमरान खान के साथ मुलाकात में इस मुद्दे पर चर्चा भी की थी। इसलिए अगर दोनों देश कहते हैं तो ट्रंप कश्मीर पर मध्यस्थता करने को तैयार हैं। लेकिन भारत कश्मीर को अपना आंतरिक मामला बताता है और मामले में किसी तीसरे देश की मध्यस्थता नहीं चाहता। भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय वार्ता जनवरी, 2016 में पठानकोट में वायु सेना अड्डे पर हुए आतंकी हमले के बाद से बंद है। पाकिस्तान स्थित आतंकी समूहों ने इस हमले को अंजाम दिया था।

एलिस जी वेल्स फाइल फोटो

खास बातें

- करतारपुर कॉरिडोर पर दोनों देशों के बीच समझौते का किया स्वागत
- दोनों देशों के बीच शांति बहाली को इस तरह के और कदम जरूरी बताए
- पठानकोट एयर बेस पर हमले के बाद बंद है दोनों देशों के बीच बातचीत
- भारत को कश्मीर पर तीसरे पक्ष की मध्यस्थता मंजूर नहीं

करतारपुर पर समझौते का स्वागत : एलिस वेल्स ने भारत-पाक के बीच करतारपुर कॉरिडोर पर हुए समझौते का स्वागत करते हुए कहा,यह छोटा कदम है, लेकिन रचनात्मक बातचीत के माहौल के लिए इस तरह के और कदम उठाए जाने की जरूरत है।

अमेरिका ने कश्मीर में सामान्य स्थिति बहाली पर भारत से योजना मांगी पेज>>13

जीसी मुर्मू और आरके माथुर होंगे जम्मू कश्मीर और लद्दाख के पहले एलजी

नई दिल्ली, एजेंसियां : केंद्रीय व्यय सचिव गिरीश चंद्र मुर्मू (59) और पूर्व रक्षा सचिव राधा कृष्ण माथुर (65) को क्रमशः जम्मू-कश्मीर और लद्दाख का पहला उपराज्यपाल (एलजी) नियुक्त किया गया है। जम्मू-कश्मीर के वर्तमान राज्यपाल सत्यपाल मलिक को अब गोवा का राज्यपाल बनाया गया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विश्वस्त माने जाने वाले गिरीश चंद्र मुर्मू 1985 बैच के गुजरात कैडर के आइएएस अधिकारी हैं। वह 30 नवंबर को सेवानिवृत्त होने वाले थे। उन्हें 31 अक्टूबर को श्रीनगर में जम्मू-कश्मीर के प्रशासनिक प्रमुख पद की शपथ दिलाई जाएगी। मुर्मू की नियुक्ति के साथ ही जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल के सलाहकारों के. विजय कुमार, खुर्शीद गनई, के. सिकंदन और केके शर्मा का कार्यकाल भी संभवतः समाप्त हो जाएगा क्योंकि सेवाकाल के लिहाज से सभी नवनियुक्त उपराज्यपाल से वरिष्ठ हैं।

लद्दाख के नवनियुक्त उपराज्यपाल राधा कृष्ण माथुर 1977 बैच के त्रिपुरा कैडर के सेवानिवृत्त आइएएस अधिकारी हैं। वह 2013 से 2015 तक रक्षा सचिव के रूप में कार्य कर चुके हैं और पिछले साल नवंबर में मुख्य सूचना आयुक्त पद से सेवानिवृत्त हुए थे। उन्होंने आइआइटी कानपुर से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में ग्रेजुएशन और फिर आइआइटी दिल्ली से पोस्ट ग्रेजुएशन किया है। वह त्रिपुरा के मुख्य सचिव भी रह चुके हैं। बता दें कि दोनों केंद्र शासित प्रदेश (जम्मू-कश्मीर और लद्दाख) 31 अक्टूबर से औपचारिक रूप से अस्तित्व में आ जाएंगे। पांच अगस्त को मोदी सरकार ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद-370 को हटा दिया था और राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों के रूप में विभाजित कर दिया था।

- पीएम मोदी के विश्वस्त माने जाते हैं जम्मू-कश्मीर के नवनियुक्त एलजी
- गोवा भेजे गए जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल सत्यपाल मलिक

जीसी मुर्मू

आरके माथुर

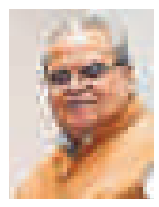

सत्यपाल मलिक

दिनेश्वर शर्मा बने लक्षद्वीप के प्रशासक

खुफिया ब्यूरो (आइबी) के पूर्व प्रमुख और जम्मू-कश्मीर पर केंद्र सरकार के वार्ताकार रहे दिनेश्वर शर्मा को लक्षद्वीप का प्रशासक नियुक्त किया गया है। 1976 बैच के केरल कैडर के सेवानिवृत्त आइपीएस अधिकारी दिनेश्वर शर्मा 2015 से 2017 तक आइबी के प्रमुख रहे।

श्रीधरन पिल्लई मिजोरम के राज्यपाल

भाजपा की केरल इकाई के अध्यक्ष पीएस श्रीधरन पिल्लई (65) को मिजोरम का नया राज्यपाल नियुक्त किया गया है। अभी तक असम के राज्यपाल जगदीश मुखी मिजोरम का अतिरिक्त कार्यभार संभाल रहे थे। तिरुअनंतपुरम में पिल्लई ने बताया कि कुछ दिन पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनसे नई नियुक्ति के बारे में बात की थी। वह पेशे से वकील होने के साथ-साथ लेखक भी हैं और सौ से ज्यादा किताबें लिख चुके हैं। इसके अलावा केरल से मिजोरम का राज्यपाल नियुक्त होने वाले तीसरे व्यक्ति हैं। इससे पहले 2011 से 2014 तक वक्कोम पुरुषोत्तमम और 29 मई, 2018 से आठ मार्च, 2019 तक के. राजशेखरन मिजोरम के राज्यपाल रहे। खास बात यह है कि पिल्लई से पहले राजशेखरन ही केरल भाजपा अध्यक्ष थे।

'अधिकारी और नेता करा रहे बांग्लादेश सीमा पर गो तस्करी'

जागरण संवाददाता, कोलकाता : भारत-बांग्लादेश सीमा पर गो तस्करी जोरों पर है। कुछ प्रशासनिक अफसर और कई राजनेता इस काम को मिलकर अंजाम दे रहे हैं। दरअसल, अंतरराष्ट्रीय सीमा की पहरेदारी में तैनात सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने सीबीआइ को एक रिपोर्ट भेजी गई थी, जिसमें यह बात कही गई थी। सीबीआइ की शुरुआती जांच में कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं।

सीबीआइ के अनुसार, तस्करी के पीछे अंतरराष्ट्रीय गिरोह सक्रिय है। सीमा के जिन स्थानों से गो तस्करी होती है, उसका दौरा करने के बाद सीबीआइ ने आरंभिक रिपोर्ट दिल्ली मुख्यालय को भेजी है। साथ ही बीएसएफ को भी अवगत कराया है। सूत्रों का कहना है कि अब सीबीआइ की ओर से दिल्ली में एफआइआर दर्ज कर आगे की जांच की जाएगी।

अंतरराष्ट्रीय गिरोह के सक्रिय होने का शक: बीएसएफ की ओर से जो शिकायत की गई है, उसमें अंतरराष्ट्रीय सीमा के कई स्थानों से तस्करी का जिक्र है। बीएसएफ का मानना है कि इस तस्करी में कोई बड़ा गिरोह शामिल है।

हजारों करोड़ का है यह धंधा : गो तस्करी का धंधा हजारों करोड़ का है। बंगाल के सीमावर्ती मालदा, मुर्शिदाबाद, उत्तर व दक्षिण 24 परगना, नदिया एवं उत्तर बंगाल के जिलों से होकर बड़े पैमाने पर विभिन्न माध्यमों से बांग्लादेश में गायों की तस्करी की जाती है।

जलवायु की चिंता

जनहित याचिका दाखिल कर जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से किया आगाह, 2025 तक ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को शून्य के स्तर पर पहुंचाने की मांग

'क्लाइमेट इमरजेंसी' का मामला पहुंचा सुप्रीम कोर्ट

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- जलवायु परिवर्तन से बढ़ रहा है जल संकट
- कहीं ज्यादा बरसात तो कहीं पड़ रहा सूखा
- तापमान में1.5 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि
- तापमान बढ़ने से तेजी से पिघलते ग्लेशियर

जलवायु परिवर्तन के चलते लगातार बढ़ रही प्राकृतिक चुनौतियों का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। इसे लेकर एक याचिका दाखिल की गई है। कोर्ट से इस मामले में दखल देते हुए ऐसी चुनौतियों से निपटने के लिए देश में 'क्लाइमेंट इमरजेंसी' घोषित करने की मांग की गई है। साथ ही जिन ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन के चलते यह समस्या खड़ी हो रही है, उसे 2025 तक जीरो स्तर पर लाने की भी गुहार लगाई गई है। ग्रीन हाउस गैसों के चलते पृथ्वी का औसत तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ा गया है। इसके चलते ग्लेशियर भी तेजी से पिघलने लगे हैं।

अधिवक्ता दुर्गेश गुप्ता की ओर से दाखिल की गई याचिका में पिछले कुछ सालों में लगातार बढ़ रही प्राकृतिक चुनौतियों की ओर ध्यान दिलाया गया है। इसमें हाल ही में तमिलनाडु के जल संकट का भी मामला शामिल है, तो कहीं ज्यादा बरसात और सूखे जैसी स्थिति का भी उल्लेख किया गया है। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय को प्रतिवादी बनाया गया है। साथ ही मौजूदा स्थितियों को देखते हुए तुरंत ही सभी जरूरी कदम उठाने की जरूरत बताई है।

फिलहाल जलवायु परिवर्तन की जो बड़ी चुनौती देखने को मिल रही है, वह जगह-जगह पैदा हो रहा जल संकट है। दुनिया के साथ भारत भी इसकी चपेट में है। हालांकि इससे निपटने के लिए सरकार के कई जरूरी कदम उठाए है, इनमें एक जंगल को बढ़ाना और जल संरक्षण जैसे मुहिम शामिल हैं।

क्या है जलवायु परिवर्तन ? : जलवायु परिवर्तन का आशय पृथ्वी के साल दर साल बढ़ते औसत तापमान से है। औद्योगिक क्रांति के बाद से पृथ्वी का औसत तापमान बढ़ रहा है। संयुक्त राष्ट्र की संस्था इंटरगवर्मेंटल पैनल ऑफ क्लाइमेट चेंज (आइपीसीसी) ने अपनी रिपोर्ट में पहली बार इससे आगाह किया था। अब इसके दुष्परिणाम भी सामने आने लगे हैं। पूरी दुनिया में गर्मी का मौसम लंबा होते जा रहा है और सर्दी का मौसम छोटा। प्राकृतिक आपदाओं की आवृत्ति और प्रवृत्ति बढ़ चुकी है। ऐसा ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन की वजह से हो रहा है।

जलवायु परिवर्तन पर आपातकाल लागू करने वाला ब्रिटेन पहला देश

जलवायु परिवर्तन पर आपातकाल (क्लाइमेट इमरजेंसी) लागू करने वाला ब्रिटेन पहला देश है। इस साल मध्य अप्रैल में,जलवायु परिवर्तन पर आपातकाल घोषित करने की मांग कर रहे एक समूह ने 11 दिन तक मध्य लंदन में आंदोलन किया था। प्रदर्शनकारियों ने सड़कें बंद कर दी थीं। इसके बाद संसद ने जलवायु आपातकाल की घोषणा की थी। अब यह आंदोलन जर्मनी और अन्य यूरोपीय देशों में भी फैल गया है।

संयुक्त राष्ट्र भी चिंतित

जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र समय-समय पर आगाह करता रहता है। हाल ही में बंजर हो रही जमीन के संरक्षण को लेकर सयुक्त राष्ट्र की अगुवाई में भारत में जुटे दुनिया भर के दो सौ देशों ने भी जलवायु परिवर्तन पर चिंता जताते हुए कहा था बचाव के लिए हमारे पास सिर्फ 12 साल का समय रह गया है। यदि समस्या जल्द हल नहीं की गई तो धरती पर तबाही आ जाएगी।

कमलेश के हत्यारोपित के वायरल ऑडियो पर गुजरात एटीएस और उत्तर प्रदेश पुलिस में ठनी

जागरण संवाददाता, लखनऊ

- पिता और पत्नी से हत्यारोपित अशफाक की बातचीत का है ऑडियो
- रिकॉर्डिंग लीक होने पर गुजरात एटीएस ने उठाए सवाल

कमलेश तिवारी के हत्यारोपित अशफाक और मोइनुद्दीन गुजरात एटीएस की जगह उत्तर प्रदेश पुलिस के हत्थे चढ़ सकते थे, लेकिन इससे पहले ही गुजरात एटीएस ने हत्यारोपित अशफाक के पिता व पत्नी से संपर्क कर लिया था। अशफाक और उसकी पत्नी और पिता के साथ हुई बातचीत की रिकॉर्डिंग में यह बात सामने आयी है। दोनों आरोपियों को पकड़ने तक गुजरात एटीएस ने उप्र पुलिस से जानकारी साझा नहीं की। अब जब रिकॉर्डिंग वायरल हो रही है तो गुजरात एटीएस ने आपत्ति दर्ज करायी है। इसे लेकर गुजरात एटीएस और उप्र पुलिस में ठन गई है। बता दें कमलेश की हत्या के बाद अशफाक ने शाहजहांपुर पहुंचकर फोन पर पत्नी को फोन किया था और सरेंडर करने को लेकर बात की थी। अशफाक लखनऊ लौटना चाहता था, लेकिन पत्नी और उसके पिता ने उससे गुजरात आने को कहा। इस ऑडियो के लीक होने के बाद गुजरात एटीएस द्वारा अशफाक और मोइनुद्दीन को गुजरात-राजस्थान सीमा से पकड़ने की थ्योरी पर सवाल उठने लगे हैं। सूत्रों के मुताबिक गुजरात एटीएस के एक आला अफसर ने उप्र पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी को फोन कर ऑडियो वायरल होने पर आपत्ति दर्ज कराई है।

- अब तक की जांच में जिन लोगों की भूमिका सामने आई है, उनकी गिरफ्तारी की गई है। पुलिस ने साजिशकर्ताओं की भूमिका के कई साक्ष्य भी जुटाए हैं। पुलिस कुछ अन्य लोगों की भूमिका की पड़ताल भी कर रही है। साक्ष्य मिलने पर आगे की कार्रवाई की जायेगी। -ओपी सिंह, डीजीपी

यह है ऑडियो में : जो ऑडियो वायरल हुआ है उसमें अशफाक पिता से कह रहा है कि वह कल लखनऊ जाएगा। पिता ने कहा, गुजरात आ जाओ। अशफाक ने कहा, आना मुमकिन नहीं है। इस पर पिता बोले,एटीएस से बात हो गई है। लखनऊ वालों ने न कह दिया है।

तीन और गिरफ्तार, अब तक 10 : हत्या के मामले में बरेली के मौलाना कैफी अली के बाद वकील मु.नावेद रजा सिद्दीकी के साथ लखीमपुर निवासी रईस व आसिफ को भी शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया गया। इस तरह गिरफ्तार आरोपितों की संख्या 10 हो गई है।

...तो कमजोर धाराओं में जेल भिजवा देता नावेद : नावेद के कहने पर रईस व आसिफ ने अशफाक व मोईनुद्दीन को मोबाइल व रुपये उपलब्ध कराये थे। नावेद दोनों मददगारों को छोटे मामले में जेल भिजवाने की तैयारी में था। नावेद ने हत्यारोपितों के नेपाल से वापस आने में भी अहम भूमिका निभाई थी। एटीएस नावेद की कॉल डिटेल्स भी खंगाल रही है।

39 स्थानों पर वैकल्पिक व्यवस्था की गई है राजधानी में दिवाली पर आग की घटनाओं पर काबू पाने के लिए। यहां फायर टेंडर, इनोवा कारें व मोटरसाइकिल दमकल तैनात किए जाएंगे। वहीं, 63 दमकल केंद्र अलर्ट पर रहेंगे।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
शनिवार 26 अक्टूबर 2019

सख्ती ▶ बिगड़ी हवा के चलते 30 अक्टूबर तक दिल्ली-एनसीआर में रहेगा प्रदूषण अलर्ट

पांच दिन के लिए निर्माण कार्यों पर रोक

हॉट मिक्स प्लांट और स्टोन क्रशर भी शाम छह से सुबह छह बजे तक रहेंगे बंद

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

दिवाली और बिगड़ी हवा के चलते शनिवार से 30 अक्टूबर तक दिल्ली- एनसीआर में प्रदूषण का हाई अलर्ट रहेगा। सोमवार से कोहरे की भी संभावना है। इसी के मद्देनजर केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) द्वारा गुरुवार को टास्क फोर्स की बैठक में की गई सिफारिशों को पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण एवं संरक्षण प्राधिकरण (ईपीसीए) ने भी शुक्रवार को स्वीकृति दे दी। साथ ही इन सिफारिशों पर अमल के लिए दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के मुख्य सचिवों को पत्र भी लिखा गया है। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति ने भी स्थानीय निकायों का आदेश जारी कर दिए हैं।

इन सिफारिशों के तहत उक्त समयावधि में कई तरह के प्रतिबंधों की घोषणा की गई है। इस दौरान दिल्ली-एनसीआर में निर्माण संबंधी गतिविधियां बंद रहेंगी। अन्य प्रतिबंधों में हॉट मिक्स प्लांट, स्टोन क्रशर, कोयला आधारित उद्योगों को शामिल किया गया है। प्रदूषण फैलाने वाले कारकों के खिलाफ कार्रवाई के अभियान को तेज करने के निर्देश भी दिए गए हैं। इस दौरान दिल्ली में केवल पीएनजी चालित औद्योगिक इकाइयां ही चल सकेंगी। गुरुग्राम, फरीदाबाद, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद, सोनीपत और बहादुरगढ़ में कोयले से चलने वाले उद्योगों को बंद कर दिया गया है। हालांकि इस प्रतिबंध में ऊर्जा संयंत्र शामिल नहीं हैं। दिल्ली और उक्त शहरों में चलने वाले हॉट मिक्स प्लांट और स्टोन क्रशर भी इस दौरान शाम छह बजे से सुबह छह बजे तक काम नहीं करेंगे। मालूम हो कि हॉट मिक्स प्लांट में रात को ही अधिकांश काम होता है।

ईपीसीए अध्यक्ष भूरेलाल ने बताया कि दिवाली के दौरान प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए ही यह ऐहतियातन कदम उठाए गए हैं। पंजाब और हरियाणा को निर्देश दिए गए हैं कि वह इस दौरान पराली न जलने दें। दिल्ली के चयनित हाई ट्रैफिक कॉरिडोरोंपर भी दिल्ली पुलिस से अतिरिक्त स्टाफ लगाने को कहा गया है। इसके अलावा अवैध उद्योगों और अनधिकृत ईंधन का इस्तेमाल करने वाले उद्यमों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति की घोषणा की गई है। इन सभी उद्योगों के खिलाफ अभियान तेज किया जाएगा।

इस मौसम में सबसे खराब रही दिल्ली-एनसीआर की हवा

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : दिवाली से दो दिन पहले शुक्रवार को ही दिल्ली-एनसीआर की हवा इस मौसम के सबसे खराब स्तर पर पहुंच गई। हवा की गति धीमी होने से हवा में प्रदूषक तत्वों का जमाव आसान हो गया है। शुक्रवार की सुबह साढ़े आठ बजे दिल्ली का एयर इंडेक्स 315 रहा, जबकि गुरुवार शाम को यह 311 था। इस श्रेणी की हवा को बहुत खराब कहा जाता है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) द्वारा जारी एयर बुलेटिन के मुताबिक नेहरू नगर, अशोक विहार, जहांगीरपुरी, रोहिणी, वजीरपुर, बवाना, मुंडका और आनंद विहार में भी एयर इंडेक्स क्रमश: 340, 335, 339, 349, 344, 363, 381 और 350 दर्ज किया गया। एनसीआर के शहरों में गाजियाबाद, ग्रेटर नोएडा, गुरुग्राम और नोएडा का एयर इंडेक्स क्रमश: 336, 311, 312 और 320 दर्ज किया गया।

आधे पटाखे भी जले तो दिवाली पर दम घुटना तय : सफर

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : दिवाली पर अगर पिछले साल के मुकाबले आधे पटाखे भी जले तो दिल्ली का दम घुटना तय है। सोमवार को दिल्ली में स्मॉग की मोटी चादर दिखेगी और प्रदूषण स्तर खतरनाक स्तर पर चला जाएगा। हालांकि पिछले साल की तुलना में यह दिवाली कुछ साफ रहेगी। सफर के पूर्वानुमान के मुताबिक यदि लोगों ने आतिशबाजी नहीं की तो भी दिवाली के बाद दिल्ली में प्रदूषण का स्तर बहुत खराब ही बना रहेगा। एयर इंडेक्स 350 के आसपास हो सकता है। यदि 2017 और 2018 से आधी आतिशतबाजी भी हुई तो कम समय के लिए ही सही दिल्ली खतरनाक स्तर पर पहुंच जाएगी। ऐसा इसलिए भी होगा क्योंकि हवाओं और ऊंची बाउंड्री लेयर की वजह से पटाखों का धुआं पिछले साल की तुलना में अधिक तेजी से ऊपर की तरफ फैल जाएगा।

लापरवाह अधिकारियों का वेतन काटेगी दिल्ली सरकार

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : दिल्ली सरकार ने लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) और अन्य एजेंसियों के नियंत्रण वाली सड़कों एवं क्षेत्रों से भवन निर्माण सामग्री एवं मलबा और अन्य अपशिष्ट पदार्थों को हटाने में विफल संबंधित कार्यकारी अभियंताओं की तनख्वाह में कटौती करने का निर्णय लिया है। यह निर्णय दिल्ली के मुख्य सचिव विजय देव की अध्यक्षता में हुई एक उच्च स्तरीय बैठक में लिया गया। ऐसा सख्त निर्णय पहली बार लिया गया है। प्रदूषण से जंग में इसे एक बड़ा कदम माना जा रहा है। बैठक में शामिल अधिकारी ने कहा, तय किया गया है कि पीडब्ल्यूडी और अन्य एजेंसियों के जो भी कार्यकारी अभियंता अपने नियंत्रण वाली सड़कों व क्षेत्रों से मलबा हटाने में लापरवाह हैं, उन्हें जिम्मेदार ठहराया जाएगा और उनकी तनख्वाह से उपयुक्त कटौती की जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट से निर्देश देने की मांग- न जले हरियाणा, राजस्थान और यूपी में कचरा

नई दिल्ली, प्रेट्र : पर्यावरण प्रदूषण रोकथाम एवं नियंत्रण प्राधिकरण (ईपीसीए) ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट से हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों को ये निर्देश देने का अनुरोध किया कि वे अपने क्षेत्र में कोई कचरा न जलने दें और चिमनी से निकलने वाले उत्सर्जन की कड़ी निगरानी करें।

एनसीआर में सर्वाधिक प्रदूषण वाले क्षेत्रों पर अपनी विशेष रिपोर्ट में ईपीसीए ने कहा है कि सर्वाधिक प्रदूषण वाले क्षेत्रों में बड़ी मात्रा में प्लास्टिक, औद्योगिक एवं अन्य कचरा एकत्रित है और उसे खाली पड़े स्थानों पर जलाया जाता है। अदालत तीनों राज्यों के प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दे सकती है कि उनके क्षेत्रों में कचरा न जलाया जाए और वे इकट्ठा हुए कचरे को हटाने के उपाय तलाश करें। रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रदूषण वाले क्षेत्रों में कई उद्योग काला धुआं उत्सर्जित कर रहे हैं। जबकि पार्टिकुलेट मैटर, नाइट्रोजन ऑक्साइड और सल्फर ऑक्साइड उत्सर्जन के मानक तय हैं। उद्योगों के लिए इन मानकों का पालन जरूरी है। तीनों प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों को निर्देश दिए जा सकते हैं कि वे उत्सर्जन पर विशेषकर रात में कड़ी निगाह रखें और पालन नहीं करने वाले उद्योगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करें। रिपोर्ट में ईपीसीए ने यह उल्लेख भी किया है कि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड निर्माण स्थलों पर धूल के कुप्रबंधन पर डेवलपर्स पर जुर्माना लगाते रहे हैं। लेकिन इससे भी हालात में सुधार नहीं हो रहा क्योंकि प्रदूषण से बेपरवाह डेवलपर्स अपना काम जारी रखे हुए हैं। ऐसी घटनाओं पर रोक के लिए प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों को लगाए गए जुर्माने पर स्थिति रिपोर्ट सौंपने के लिए कहा जा सकता है जिसमें उल्लंघन करने वालों के नामों का भी उल्लेख हो।

दिल्ली-एनसीआर की खराब हो रही हवा पर पीएमओ ने दिया दखल

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : दिल्ली और एनसीआर की तेजी से बिगड़ रही हवा को लेकर अब प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की चिंताएं भी सामने आई हैं। प्रधानमंत्री के प्रमुख सचिव पीके मिश्रा ने इसे लेकर मौजूदा स्थिति और तैयारियों की समीक्षा की है। साथ ही कहा कि हवा की गुणवत्ता और ज्यादा खराब हो, इससे पहले ही सभी जरूरी कदम उठाए जाएं। पीएमओ ने यह दखल ऐसे समय दिया है जब दिल्ली-एनसीआर की हवा की गुणवत्ता बेहद खराब स्थिति में पहुंच चुकी है। खासकर पीएम 2.5 का स्तर काफी बढ़ा हुआ है। प्रधानमंत्री कार्यालय में दिल्ली-एनसीआर की हवा की गुणवत्ता को लेकर यह बैठक गुरुवार शाम को हुई। बैठक में वन एवं पर्यावरण मंत्रालय, कृषि मंत्रालय, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड व दिल्ली, हरियाणा और पंजाब के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। इस दौरान पीएमओ ने पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने की घटनाओं को लेकर सख्ती से कदम उठाने का निर्देश दिया। साथ ही पराली जलाने की अब तक घटनाओं को लेकर रिपोर्ट भी मांगी है। पराली को खेत में ही नष्ट करने के लिए दी जाने वाली मशीनों के वितरण को लेकर भी पूरी रिपोर्ट देने को कहा है। मालूम हो कि पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश को खेतों में पराली जलाने की घटनाओं में कमी लाने के लिए केंद्र सरकार ने पिछले साल करीब 1,200 करोड़ रुपये का एक पैकेज दिया था। इसके तहत खेतों में पराली नष्ट करने वाली मशीनों को किसानों को सब्सिडी पर दिया जाना था। पीएमओ ने इस दौरान पंजाब और हरियाणा को खरीदी गई मशीनों का किसानों के बीच तुरंत वितरण कराने को कहा। वहीं, वन एवं पर्यावरण मंत्रालय से जुड़े अधिकारियों ने इससे निपटने के लिए उठाए गए कदमों और उससे दिखने वाले बदलावों की जानकारी पीएमओ को दी।

प्रदूषण से निजात के लिए वाटर स्प्रिंकलर ट्रकों का सहारा...

दिल्ली में वायु प्रदूषण लोगों के लिए एक गंभीर समस्या बनी हुई है। इससे निपटने के लिए विभिन्न उपाय किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में पूर्वी नगर निगम ने सड़कों पर वाटर स्प्रिंकलर ट्रकों को उतारा है। इन ट्रकों से प्रदूषित इलाकों में पानी का घना छिड़काव किया जा रहा है। शुक्रवार को आनंद विहार बस अड्डे की सड़क पर भारी यातायात के बीच हवा में घुले धूल-धुएं के कणों से निजात के लिए बौछार की गई। हरीश कुमार

दिवाली पर रात 10 बजे बंद हो जाएगा मेट्रो का परिचालन

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : दिवाली पर मेट्रो का परिचालन सामान्य दिनों के मुकाबले डेढ़ घंटा पहले बंद हो जाएगा। दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) ने कहा है कि दिवाली के दिन एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन सहित सभी कॉरिडोर के टर्मिनल स्टेशनों से आखिरी मेट्रो रात 10 बजे उपलब्ध होगी। मेट्रो का परिचालन बंद होने के बाद ट्रेन ऑपरेटर व अन्य संबंधित कर्मचारी ड्यूटी से जल्दी वापस घर जा सकेंगे।

सामान्य तौर पर सभी टर्मिनल स्टेशनों से आखिरी मेट्रो रात 11:30 बजे उपलब्ध होती है। 27 अक्टूबर को रात 10 बजे के बाद किसी भी टर्मिनल स्टेशन से मेट्रो उपलब्ध नहीं होगी। इसलिए शहीद स्थल-न्यू बस अड्डा गाजियाबाद, रिठाला, समयपुर बादली, हुडा सिटी सेंटर, नोएडा इलेक्ट्रॉनिक सिटी, द्वारका सेक्टर-21, वैशाली, कीर्ति नगर, इंद्रलोक, मुंडका, कश्मीरी गेट आदि टर्मिनल स्टेशनों से आखिरी मेट्रो रात 10 बजे उपलब्ध होगी। हालांकि सुबह के समय परिचालन सामान्य दिनों की तरह एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन पर 4:45 बजे व अन्य स्टेशनों पर छह बजे शुरू हो जाएगा।

उप्र से पीने का पानी लेकर बदले में सिंचाई को पानी देगी दिल्ली

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

राजधानी में पेयजल की मांग और आपूर्ति में भारी अंतर को दूर करने के लिए दिल्ली जल बोर्ड उत्तर प्रदेश सरकार के साथ मिलकर एक खास योजना पर काम कर रहा है। इसके तहत उत्तर प्रदेश दिल्ली को पेयजल के लिए गंगा का अतिरिक्त कच्चा पानी उपलब्ध कराएगा। इसके बदले जल बोर्ड उत्तर प्रदेश को सिंचाई के लिए सीवरेज का उपचारित पानी उपलब्ध कराएगा। खास बात यह कि उत्तर प्रदेश सरकार सिंचाई के लिए सीवरेज के उपचारित पानी के बदले दिल्ली को पेयजल जरूरतों के लिए पानी देने को तैयार है। यदि यह योजना परवान चढ़ी तो दिल्ली में पयेजल किल्लत दूर होगी। शुक्रवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अध्यक्षता में हुई जल बोर्ड की बैठक में इस योजना के लिए सलाहकार नियुक्त करने के लिए मंजूरी दे दी गई।

इसलिए उम्मीद है कि जल्द ही सलाहकार कंपनी की नियुक्ति होगी। इसके लिए जल बोर्ड उत्तर प्रदेश सरकार को बजट उपलब्ध कराएगा। यह सलाहकार कंपनी दोनों राज्यों के बीच बुनियादी ढांचा विकसित (दोहरी पाइप लाइन बिछाने) करने के लिए सर्वे करेगी क्योंकि उत्तर प्रदेश से कच्चा पानी दिल्ली लाने और यहां से सीवरेज का उपचारित पानी वहां भेजने के लिए बुनियादी ढांचा विकसित करना पड़ेगा। सलाहकार कंपनी द्वारा सर्वे रिपोर्ट सौंपने के बाद आगे की कार्रवाई शुरू होगी।

जल बोर्ड 935 एमजीडी (मिलियन गैलन डेली) पानी आपूर्ति करता है, जबकि करीब 1200 एमजीडी की जरूरत होती है। इस तरह 265 एमजीडी पानी की किल्लत होती है। जल बोर्ड का कहना है कि दिल्ली के पास पानी का अपना कोई स्रोत नहीं है। इसलिए वह पानी के लिए अपने पड़ोसी राज्यों पर निर्भर है। पानी की इस कमी को दूर करने के लिए जल बोर्ड ने उत्तर प्रदेश सरकार से अतिरिक्त पानी देने की मांग की थी और बदले में उपचारित पानी उपलब्ध करने का प्रस्ताव दिया था। इस पर उत्तर प्रदेश सरकार के अधिकारी सहमत हैं। मौजूदा समय में उत्तर प्रदेश से दिल्ली को 240 एमजीडी पानी मिलता है। यह पानी को सोनिया विहार और चंद्रावल जल शोधन संयंत्र में शोधित कर दिल्ली के कई हिस्सों में आपूर्ति की जाती है। नई योजना पर अमल होने के बाद दिल्ली का पेयजल संकट पूरी तरह दूर हो जाएगा।

दिवाली से पहले दिल्ली के स्टेशनों पर उमड़ी भीड़

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : दिवाली में घर जाने के लिए शुक्रवार को राजधानी के सभी रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की भीड़ उमड़ पड़ी। टिकट काउंटर से लेकर प्लेटफॉर्म तक हर जगह यात्रियों की भीड़ थी। कंफर्म टिकट होने के बावजूद ट्रेन पर सवार होने के लिए यात्रियों को भारी मशक्कत करनी पड़ रही थी। वहीं, भीड़ संभालने में रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के जवानों को पसीना बहाना पड़ा। यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष ट्रेनें भी चलाई जा रही हैं, बावजूद इसके परेशानी कम नहीं हो रही है। शनिवार को भीड़ और बढ़ने की संभावना है।

नई दिल्ली, पुरानी दिल्ली, हजरत निजामुद्दीन, आनंद विहार टर्मिनल और सराय रोहिल्ला रेलवे स्टेशनों के साथ ही अन्य स्टेशनों पर भी दिनभर यात्रियों की भीड़ लगी रही। स्टेशन परिसर में दाखिल होने के लिए यात्रियों की लंबी लाइन लग रही है। प्लेटफॉर्म पर पहुंचने के बाद ट्रेन में सवार होना चुनौती से कम नहीं है। दिल्ली से चलने वाली करीब सभी रूटों की ट्रेनें यात्रियों से ठसाठस भरी हुई हैं, लेकिन उत्तर प्रदेश और बिहार जाने वाली ट्रेनों का हाल ज्यादा खराब है। संपूर्ण क्रांति, वैशाली, पूर्वा, सप्त क्रांति सहित पूर्व दिशा की ओर जाने वाली अन्य ट्रेनों के अनारक्षित कोच में लोग शौचालय में यात्रा करने को मजबूर दिखे।

न्यूज गैलरी

कन्हैया के खिलाफ मुकदमा चलाने की नहीं मिली मंजूरी

नई दिल्ली : जेएनयू देशद्रोह मामले में छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष कन्हैया कुमार और अन्य के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी अभी दिल्ली सरकार से नहीं मिली है। दिल्ली पुलिस ने यह जानकारी अदालत को दी। इस पर अदालत ने मामले की सुनवाई टालते हुए 11 दिसबंर के लिए जांच अधिकारी को समन जारी किया है। इससे पहले 18 सितंबर को अदालत ने दिल्ली सरकार से कहा था कि वह एक माह में तय करे कि कन्हैया कुमार और अन्य पर देशद्रोह का मुकदमा चलाना है या नहीं। दिल्ली पुलिस ने जेएनयू देशद्रोह प्रकरण में गत 14 जनवरी को आरोपपत्र दायर किया था। (जासं)

फिल्म सांड की आंख को दिल्ली सरकार ने किया टैक्स फ्री

नई दिल्ली : तापसी पन्नू और भूमि पेडनेकर अभिनीत फिल्म 'सांड की आंख' को दिल्ली सरकार ने टैक्स फ्री कर दिया है। शूटर दादी पर बनी यह फिल्म शुक्रवार को रिलीज हुई है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर फिल्म को टैक्स फ्री स्टेटस दिए जाने की जानकारी दी। इस पर तापसी पन्नू ने भी ट्वीट कर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को धन्यवाद दिया। (जासं)

गिफ्ट बॉक्स में लेकर जा रहा था हथियारों की खेप, गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : द्वारका जिला पुलिस के स्पेशल स्टाफ ने उत्तर प्रदेश के बदायूं से अवैध हथियारों की खेप के साथ दिल्ली पहुंचे बदमाश को गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान बदायूं निवासी गुलफाम (27) के रूप में हुई। आरोपित के पास से पुलिस ने 10 पिस्टल व 12 कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस कोई शक न हो, इसके लिए आरोपित ने पूरी खेप को एक डिब्बे में रखा था, ताकि वह डिब्बा गिफ्ट बॉक्स नजर आए।

द्वारका जिला पुलिस उपायुक्त एंटो अल्फोंस ने बताया कि 24 अक्टूबर को पता चला कि हथियारों की खेप के साथ गुलफाम गोल्फ लिंक रोड, द्वारका आने वाला है। यह खेप नंदू गिरोह के किसी बदमाश को सौंपी जाएगी। इस जानकारी के बाद एसीपी राजेंद्र सिंह की देखरेख व इंस्पेक्टर नवीन कुमार के नेतृत्व में टीम बनाई गई। गोल्फ लिंक रोड पहुंची टीम ने पाया कि आरोपित सड़क पर 10 मिनट से किसी के आने का इंतजार कर रहा था। उसके पास एक बैग था। जैसे ही उसकी नजर पुलिस टीम पर पड़ी वह वहां से निकलने लगा। पुलिस ने आरोपित को काबू में ले लिया। पुलिस ने उसके बैग की तलाशी ली तो पाया कि एक गिफ्ट बॉक्स अंदर है। गिफ्ट बॉक्स को खोला तो उसके अंदर हथियार मिले।

फोलिक एसिड युक्त आटे से दूर हो सकती है रीढ़ की जन्मजात बीमारी

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

▶ महिलाओं में फोलिक एसिड की कमी से बच्चों को होती है रीढ़ विकार की बीमारी

बच्चों में जन्मजात रीढ़ विकार हाइड्रोसिफेलस व स्पाइनाबाइफिडा दिवस के मद्देनजर आरएमएल अस्पताल में कार्यक्रम किया गया ताकि लोगों को इस बीमारी के प्रति जागरूक किया जा सके। दरअसल, देश में हर एक हजार में से एक बच्चा इस बीमारी से पीड़ित होता है। महिलाओं में फोलिक एसिड की कमी से बच्चों में यह बीमारी होती है। इसलिए डॉक्टर सलाह देते हैं कि शादी के बाद सभी महिलाओं को फोलिक एसिड की दवा शुरू कर देनी चाहिए। इसके लिए प्रेग्नेंसी का इंतजार नहीं करना चाहिए। साथ ही डॉक्टर कहते हैं कि यदि फोलिक एसिड युक्त आटा तैयार किया जा सके तो महिलाओं को अलग से दवा लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी। फोर्टिफाइड (फोलिक एसिड युक्त) आटे से इस बीमारी को खत्म किया जा सकता है।

आरएमएल अस्पताल के न्यूरो सर्जरी विभाग के डॉ. अजय चौधरी ने कहा कि हाइड्रोसिफेलस व स्पाइनाबाइफिडा जन्मजात बीमारी है। इस वजह से बच्चों के पैरों में कमजोरी आ जाती है। बच्चों के मस्तिष्क में पानी भर जाता है तो कई दिव्यांग हो जाते हैं। इसका कारण फोलिक एसिड (विटामिन बी 9) की कमी है। उन्होंने कहा कि ज्यादातर महिलाएं गर्भावस्था में फोलिक एसिड की दवाएं तब लेना शुरू करती हैं, जब प्रेग्नेंसी की जानकारी मिलती है। दिक्कत यह है कि यहां प्रेग्नेंसी की जानकारी ही गर्भावस्था के डेढ़ माह बाद मिलती है, जबकि शुरुआती 27 दिन में फोलिक एसिड की सबसे अधिक जरूरत होती है। इस वजह से महत्वपूर्ण समय गुजर चुका होता है। यही वजह है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने फोलिक एसिड युक्त आटा तैयार कर इस्तेमाल को बढ़ावा देने का निर्देश दिया है। कई देशों में यह प्रयोग सफल हुआ है। यहां भी इसके लिए प्रयास चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि फिलहाल शादी के बाद ही लड़कियों को फोलिक एसिड की दवा शुरू कर देनी चाहिए।

डॉक्टर कहते हैं कि इस बीमारी से पीड़ित ज्यादातर बच्चों के कमर के आसपास फोड़ा जैसा होता है। कुछ बच्चों में यह सिर या गर्दन पर भी दिखाई देता है। इसके कारण रीढ़ की हड्डी का आपस में ठीक से जुड़ाव नहीं होता। यही वजह है कि सही समय पर इलाज नहीं होने पर इस बीमारी से पीड़ित बच्चे दिव्यांगता से पीड़ित हो जाते हैं।

दिवाली को लेकर बाजारों में बढ़ी रौनक

नई दिल्ली में छोटी दिवाली की पूर्व संध्या पर बाजारों में रौनक देखने को मिली। लोगों ने अपने परिवार के साथ घर को सजाने व संवारने के सामान के अलावा बरतन की खरीदारी की। इस अवसर पर कश्मीरी गेट, सदर बाजार, खारी बावली, पहाड़गंज, करोलबाग, पटेल नगर और लाजपतनगर के बाजारों में जबरदस्त भीड़ देखने को मिली। धनतेरस के चलते ज्वेलरी की खरीदारी हुई। मार्केट एसोसिएशन की ओर से बाजारों को रंगी-बिरंगी रोशनी से सजाया गया है। जागरण

राजनीति

दिल्ली सरकार कनॉट प्लेस में लेजर शो कर रही है आयोजित, इसके जवाब में भाजपा झुग्गियों में मनाएगी रोशनी का त्योहार

दिवाली में जगमग हो रही सियासत की रोशनी

संतोष कुमार सिंह, नई दिल्ली

दिल्ली में विधानसभा चुनाव नजदीक हैं। यही वजह है कि इस बार पर्व-त्योहार में सियासत का भी रंग घुल रहा है। पहले रामलीला व दशहरा समारोह के मंच पर सियासत की छटा बिखर रही थी और अब दिवाली भी सियासी रोशनी से जगमगा रही है। आम आदमी पार्टी की सरकार कनॉट प्लेस में लेजर शो आयोजित कर रही है। इसके जवाब में भाजपा ने झुग्गियों में रोशनी का त्योहार मनाने का फैसला किया है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मनोज तिवारी ने पटपड़गंज विधानसभा क्षेत्र में स्थित झुग्गी में रात्रि प्रवास करके इसकी शुरुआत भी कर दी है। शनिवार को भाजपा नेता अनधिकृत कॉलोनियों में जाकर वहां के लोगों के साथ दिवाली मनाएंगे।

करवाचौथ पर नेताओं द्वारा जगह-जगह महिलाओं के लिए मुफ्त मेहंदी स्टॉल लगाए गए थे। इसी तरह इन दिनों दिवाली मिलन समारोह आयोजित किए जा रहे हैं। कनॉट प्लेस में शनिवार से दिल्ली सरकार का चार दिवसीय लेजर शो शुरू हो रहा है। दिल्लीवासियों से पटाखे चलाने से परहेज करने और लेजर शो में शामिल होकर दिवाली मनाने की अपील की जा रही है। सरकार का कहना है आतिशबाजी से पर्यावरण को नुकसान पहुंचता है इसलिए यह आयोजन किया जा रहा है।

दूसरी ओर भाजपा नेता झुग्गियों व अनधिकृत कॉलोनियों में दिवाली समारोह आयोजित कर रहे हैं। इस बहाने वे यहां के मतदाताओं में अपनी पकड़ मजबूत करने की भी कोशिश कर रहे हैं। गरीबों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने के लिए केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा शुरू की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दे रहे हैं।

दो दिन पहले केंद्र सरकार ने दिल्ली की अनधिकृत कॉलोनियों को नियमित करने का फैसला किया है। भाजपा इसे दिल्ली के लाखों लोगों के लिए मोदी सरकार का तोहफा बता रही है और इसे प्रचारित करने के लिए अनधिकृत कॉलोनियों में नेता व कार्यकर्ता कार्यक्रम आयोजित करके दीये जला रहे हैं। शनिवार को लगभग सभी अनधिकृत कॉलोनियों में दिवाली कार्यक्रम होंगे। मनोज तिवारी का कहना है कि भाजपा हमेशा गरीबों के साथ खड़ी है। भाजपा नेता कनॉट प्लेस की जगह झुग्गियों में रहने वाले गरीबों के बीच जाकर दिवाली की खुशी बांटेंगे।

कनॉट प्लेस में आज से होगा लेजर शो कार्यक्रम का आगाज

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : राजधानी में दिवाली प्रदूषण रहित मनाने के लिए दिल्ली सरकार द्वारा कनॉट प्लेस के सेंट्रल पार्क में लेजर शो का आयोजन किया जा रहा है। इस चार दिवसीय शो का आगाज आज शाम छह बजे से होगा जो कि 29 अक्टूबर तक चलेगा। लोगों के लिए इस कार्यक्रम में निःशुल्क प्रवेश रखा गया है।

लेजर शो के रंगारंग कार्यक्रम के लिए कनॉट प्लेस के इनर सर्कल को रंग-बिरंगी लाइटों से सजाया गया है। सेंट्रल पार्क के भीतर भी लाइटों से सजावट करने के साथ चार फीट ऊंचा एक मंच तैयार किया गया है। यहां से कलाकार अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। बताया जा रहा है कि पहले दिन यहां पर बॉलीवुड गायक जावेद अली की आवाज सुनने को मिलेगी। इसके बाद आगामी तीन दिनों में यहां पर इंडियन ओशन बैंड, पलाश सेन की यूफोरिया बैंड की प्रस्तुति भी देखने को मिलेगी।लेजर शो के साथ-साथ यहां कलाकृति व व्यंजनों के भी स्टॉल लगाए गए हैं।

दीपक जैसी रोशनी करने वाली सुंदर लाइटों से सजा कनॉट प्लेस का सेंट्रल पार्क। पारस कुमार

मुख्यमंत्री ने 104 बसों को दिखाई हरी झंडी

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने द्वारका सेक्टर-22 स्थित डिपो से क्लस्टर बसों के बेड़े में 104 बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान उन्होंने बताया कि आने वाले छह माह के भीतर 3000 नई बसों को दिल्ली की सड़कों पर उतार दिया जाएगा। इस मौके पर दिल्ली के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने कहा कि दिल्ली सरकार की एक हजार बसों की खेप की सभी बसें नवंबर से फरवरी 2020 के बीच दिल्ली की सड़कों पर होंगी। ये बसें रानीखेड़ा, रेवला खानपुर, खड़खड़ी नाहर और बवाना डिपो से संचालित होंगी। इन बसों को मेट्रो स्टेशन, बस अड्डे, कश्मीरी गेट, आनंद विहार और सराय काले खां मार्ग जैसे अतिरिक्त रूटों पर भी चलाया जाएगा। इसके अलावा दिसंबर से हर माह लो फ्लोर एयरकंडीशन बसें मिलनी शुरू हो जाएंगी। अप्रैल तक लो फ्लोर की 400 बसें सड़कों पर उतार दी जाएंगी। इन बसों के लिए घुम्मनहेड़ा, दौराला, रोहिणी और बवाना सेक्टर पांच में डिपो बनाया जाना है। कैलाश गहलोत ने कहा कि इन बसों के अलावा दिल्ली परिवहन निगम की एक हजार लो फ्लोर की एयरकंडीशन और तीन सौ इलेक्ट्रिक बसें को उतारने के लिए टेंडर जारी कर दिया गया है। आनेवाले दिनों में ये बसें भी दिल्ली की सड़कों पर होंगी। इस मौके पर मटियाला विधानसभा क्षेत्र के विधायक गुलाब सिंह यादव व स्थानीय निगम पार्षद रमेश मटियाला आदि मौजूद रहे।

द्वारका सेक्टर-22 से चलाई गई 37 सीटवाली इन सभी बसों में जीपीएस लगा है जिससे बसों की स्थिति का पता लगाया जा सके। बसों में तीन सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। एक कैमरा बस के पीछे लगा हुआ है। जो पीछे से आ रहे वाहनों पर नजर रखेगा। बसों में 14 पैनिक बटन लगे हैं जो सीधे परिवहन विभाग और दिल्ली पुलिस के नियंत्रण कक्ष से जुड़े हैं।

1175 करोड़ रुपये की लागत से अरुणाचल प्रदेश में चीनी सीमा के पास बनाई जाएंगी 1607 किलोमीटर लंबी 18 सड़कें। विकास ही नहीं सामरिक दृष्टि से भी ये सड़कें देश के लिए बेहद अहम होंगी।

सरकार ने की सीआइसी के कार्यकाल में कटौती

- अब सूचना आयुक्तों का कार्यकाल केवल तीन साल रहेगा
- वेतन और अन्य सेवा शर्तों में भी बदलाव किया गया

नई दिल्ली, प्रेट्र : केंद्र सरकार ने नए सूचना अधिकार कानून (आरटीआइ) के तहत देश के मुख्य सूचना आयुक्त से लेकर देश भर के सूचना आयुक्तों के कार्यकाल में कटौती कर दी है। उनका पांच साल का कार्यकाल विगत गुरुवार रात से तीन साल कर दिया गया है। सूचना के अधिकार के कार्यकर्ता इस कदम को उनकी आजादी और स्वायत्तता पर हमला बता रहे हैं।

केंद्र सरकार ने सूचना के अधिकार अधिनियम, 2005 में विगत अगस्त में संशोधन कर दिया था। इससे पहले मुख्य सूचना आयुक्त और सूचना आयुक्तों का कार्यकाल और अन्य सेवा शर्तें मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों जैसी ही थीं। सूचना के अधिकार (मुख्य सूचना आयुक्त, केंद्रीय सूचना आयोग में सूचना आयुक्तों, राज्य का मुख्य सूचना आयुक्त और राज्य के सूचना आयुक्तों) नियम, 2019 के तहत नई नियुक्तियों के साथ लागू होंगी। इसमें कार्यालय की शर्तें, वेतन, भत्ते और अन्य सेवा शर्तें शामिल हैं।

नए नियम के तहत सरकार को उनकी सेवा शर्तों और भत्तों पर फैसला लेने का अधिकार है। सरकार को इनमें से किसी भी नियम में छूट देने का भी अधिकार है। नए नियम से सूचना आयुक्तों के कार्यकाल में भी दो साल की कटौती हुई है। अधिनियम, 2005 के तहत पांच साल का कार्यकाल या 65 साल की आयु में सेवानिवृत्त मिलती थी। इसमें से जो भी पहले लागू हो जाए। इसके साथ ही अब मुख्य सूचना आयुक्त का वेतन 2.5 लाख तय कर दिया गया है। जबकि सूचना आयुक्तों का वेतन 25000 रुपये कम होगा।

उल्लेखनीय है कि सूचना अधिकार कानून में संशोधन का विपक्ष और सामाजिक संगठन विरोध कर रहे हैं। सूचना अधिकार कार्यकर्ताओं का कहना है कि आरटीआइ के पुराने नियमों का मकसद यह सुनिश्चित करना था कि सूचना आयुक्त अपने शक्तियों का इस्तेमाल अपनी नौकरी के भय के बिना भी विभाग के उच्चतम अधिकारियों पर भी कर सकें। मोदी सरकार ने कानून में संशोधन कर इस भावना को समाप्त कर दिया है।

पांच सितारा सुविधाओं से लैस होगा संसद का नया भवन

सुरेंद्र प्रसाद सिंह, नई दिल्ली

देश की राजधानी दिल्ली का चेहरा बदलने की पहल शुरू कर दी गई है। संसद भवन को पंच सितारा बनाने की तैयारी चल रही है। आधुनिकतम टेक्नोलॉजी से युक्त होने की वजह से देश के नए संसद भवन पर साइबर हमला संभव नहीं होगा। नया संसद भवन भूकंपरोधी और फायरप्रूफ होगा। प्रस्तावित योजना में अगले ढाई सौ साल तक की भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखा गया है। परियोजना के समय पर पूरा करने के लिए कंसलटेंट कंपनी का चयन किया गया है, जो आइडिया, डिजाइन और प्लानिंग के साथ क्रियान्वयन का काम भी करेगी।

चयनित कंसलटेंट कंपनी के मसौदे को मंजूरी के बाद उस पर लोगों की राय लेने के लिए वेबसाइट पर डाला जाएगा। डिजाइन व आर्किटेक्चर के आइडिया देने के लिए वैश्विक टेंडर में कुल 24 कंपनियों ने हिस्सा लिया था, जिसमें से प्रक्रिया के बाद छह को चुना गया था। प्रो. पीएसएन राव की छह सदस्यीय समिति ने अंत में गुजरात की फर्म एचसीपी डिजाइन, प्लानिंग एंड मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड का चयन किया। कंपनी

नई दिल्ली में शुक्रवार को केंद्रीय शहरी विकास मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने संसद के नए भवन, कामन सेंट्रल सेक्रेट्रिएट और सेंट्रल विस्टा पर प्रेसवार्ता की। प्रेट्र

को शुल्क के रूप में 229 करोड़ रुपये का भुगतान किया जाएगा। यह कंसलटेंट कंपनी परियोजना के आर्किटेक्चर और डिजाइनिंग के साथ क्रियान्वयन का कार्य भी करेगी जबकि परियोजना की नोडल एजेंसी सीपीडब्लूडी होगी। केंद्रीय शहरी विकास मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शुक्रवार को प्रेसवार्ता में कहा कि इसके निर्माण में आधुनिकतम टेक्नोलॉजी का प्रयोग किया जाएगा। उन्होंने बताया कि संसद के नए भवन, कामन सेंट्रल सचिवालय और सेंट्रल विस्टा के निर्माण जैसे अत्यंत अहम कार्य के लिए एक विश्व स्तरीय कंपनियों को अनुबंधित किया जाएगा।

केंद्रीय मंत्री पुरी ने बताया नया संसद भवन परिसर साइबर क्राइम मुक्त होगा। भवन को फायरप्रूफ बनाने के लिए विश्वस्तरीय आधुनिक टेक्नोलॉजी का प्रयोग किया जाएगा।

शहरी विकास सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर की टेक्नोलॉजी के लिए कहीं भी संपर्क किया जा सकता है। यह इमारत ढाई सौ साल की जरूरतों के हिसाब से बनाई जाने वाली है। इसके निर्माण में किसी तरह की कोताही नहीं बरती जा सकती है।

- नार्थ और साऊथ ब्लॉक के हेरिटेज भवनों का होगा भूकंपरोधी ट्रीटमेंट

कई प्रोजेक्ट डेवलप कर चुकी है गुजरात की फर्म एचसीपी

आर्टिटेक्ट बिमल पटेल की अगुआई वाली अहमदाबाद स्थित फर्म एचसीपी कई प्रोजेक्ट डेवलप कर चुकी है। इसी फर्म ने साबरमती रीवरफ्रंट डेवलप किया है जहां हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महात्मा गांधी की 150वीं जयंती समारोह आयोजित किया था। इसके अलावा इस फर्म ने गांधीनगर में सेंट्रल विस्टा और मुंबई पोर्ट कांप्लेक्स डेवलप किया है।

एक सवाल के जवाब में केंद्रीय शहरी विकास मंत्री पुरी ने बताया कि संसद के नए भवन में एक हजार से अधिक सांसदों के बैठने की व्यवस्था होगी। सभी सांसदों के साथ उनके स्टाफ के लिए भी अलग-अलग कमरे दिए जा सकेंगे। उन्होंने कहा कि 10 से 15 लाख वोटरों के प्रतिनिधियों को संसद भवन में बैठने की उचित व्यवस्था तो होनी ही चाहिए। पुराने संसद भवन के उचित उपयोग पर विचार किया जा सकता है। हेरिटेज भवन के तौर पर उसका बाहरी हिस्सा जस का तस बना रहेगा, जबकि अंदरूनी हिस्से में बदलाव किए जाने की संभावना है।

दुर्गा शंकर मिश्र ने बताया कि देश की शान से जुड़े इस प्रोजेक्ट को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाएगा। इसमें सबसे अच्छे वास्तुकारों के साथ प्लानिंग भी भविष्य को ध्यान में रखकर की जा रही है। उन्होंने बताया कि मई 2020 तक सारे निर्माण कार्य चुनी कई कंपनियों को आवंटित कर दिए जाएंगे। सीपीडब्लूडी के डायरेक्टर जनरल प्रभाकर सिंह ने बताया कि पूरी परियोजना की नोडल एजेंसी के रूप में उनका विभाग काम करेगा। एक सवाल के जवाब में उन्होंने बताया कि संसद भवन की नई इमारत, कामन केंद्रीय सचिवालय और सेंट्रल विस्टा का काम कराने के लिए प्राथमिक तौर पर 12450 करोड़ रुपये खर्च का अनुमान है। नार्थ और साउथ ब्लाक की इमारतों को भूकंपरोधी ट्रीटमेंट की सख्त जरूरत है, जिसे इसी दौरान पूरा किया जाएगा। राष्ट्रपति भवन समेत इन हेरिटेज इमारतों को संरक्षित किया जाएगा।

मुस्लिम महिलाओं के मस्जिद में प्रवेश मामले पर केंद्र दे जवाब

पर्सनल लॉ बोर्ड, सेंट्रल वक्फ काउंसिल और महाराष्ट्र स्टेट बोर्ड ऑफ वक्फ को नए सिरे से जारी किया नोटिस

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट फाइल फोटो

मुस्लिम महिलाओं के मस्जिदों में प्रवेश और नमाज पढ़ने की इजाजत मांगने वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार और अन्य पक्षों से जवाब मांगा है। साथ ही कोर्ट ने कुछ ऐसे पक्षकारों को फिर नोटिस भेजने के आदेश दिए हैं जिन्हें अभी तक नोटिस सर्व नहीं हुआ था। कोर्ट मामले पर पांच नवंबर को फिर सुनवाई करेगा।

ये आदेश प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई, एसए बोबडे और एस. अब्दुल नजीर की पीठ ने पुणे निवासी दंपती यास्मीन जुबैर अहमद पीरजादा और जुबैर अहमद नजीर अहमद पीरजादा की याचिका पर सुनवाई के दौरान दिए। याचिका में सभी मस्जिदों में मुस्लिम महिलाओं के प्रवेश और नमाज पढ़ने की इजाजत मांगी गई है। कोर्ट ने इस मामले में पहली बार 16 अप्रैल को केंद्र सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, कानून मंत्रालय, अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय, राष्ट्रीय महिला आयोग, महाराष्ट्र स्टेट बोर्ड ऑफ वक्फ, सेंट्रल वक्फ काउंसिल और ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड को नोटिस जारी किए थे। शुक्रवार को जब मामला दोबारा सुनवाई पर आया तो याचिकाकर्ता के वकील आशुतोष दुबे ने कोर्ट को बताया कि कुछ पक्षकारों को अभी तक नोटिस सर्व नहीं हुए हैं। लिहाजा कोर्ट ने ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड, सेंट्रल वक्फ काउंसिल और महाराष्ट्र स्टेट बोर्ड ऑफ वक्फ को नए सिरे से नोटिस जारी करते हुए विशेष संदेशवाहक के जरिये तत्काल नोटिस सर्व करने का आदेश दिया। हालांकि नोटिस सर्व होने के बावजूद सरकार की ओर से अभी तक याचिका पर जवाब दाखिल नहीं किया गया है। वैसे सरकार की ओर से वकील मौजूद थे। कोर्ट ने सभी पक्षों से याचिका पर जवाब मांगा है।

याचिका में सुप्रीम कोर्ट के सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश पर रोक को असंवैधानिक और भेदभाव वाला बताए जाने के आदेश को आधार बनाते हुए कहा गया है कि मस्जिद में महिलाओं के प्रवेश पर रोक मुस्लिम महिलाओं के मौलिक अधिकार का उल्लंघन है। कुरान और हदीस में लिंग आधारित भेदभाव नहीं किया गया है। पाबंदी को असंवैधानिक घोषित किया जाए।

याचिकाकर्ता ने कहा है कि उसने पत्र लिखकर 19 अक्टूबर, 2018 को पुणे के बोपोडी में मुहम्मदिया जामा मस्जिद में नमाज पढ़ने की इजाजत मांगी थी जिसके जवाब में जामा मस्जिद ने कहा कि पुणे और अन्य क्षेत्रों में महिलाओं के मस्जिद में प्रवेश का चलन नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि इस बारे में दाउद ख्वाजा और दारुल उलूम देवबंद को लिखा गया है। जब याचिकाकर्ता को जवाब नहीं मिला तो उसने 26 नवंबर, 2018 को फिर पत्र लिखकर मांग की याद दिलाई। जिस पर जामा मस्जिद के इमाम ने जवाब दिया कि महिलाओं को मस्जिद मे प्रवेश की इजाजत नहीं दी जा सकती। उन्होंने कुछ अस्पष्ट से कारण भी बताए और कहा कि इस बारे में निर्देश के लिए उच्च अथॉरिटी को लिखा है। याचिकाकर्ता ने कहा है कि उसने सुप्रीम कोर्ट में याचिका इसलिए दाखिल की है क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ही उसके संवैधानिक अधिकारों की रक्षा करते हुए उचित आदेश दे सकता है। मांग है कि कोर्ट आदेश दे कि मुस्लिम महिलाओं को मस्जिद में प्रवेश दिया जाए। उन्हें मस्जिद के मुख्य द्वार से अंदर जाने की इजाजत मिले। महिलाओं के मस्जिद में प्रवेश पर रोक का फतवा रद किया जाए।

गुलाम कश्मीर पर आतंकियों का कब्जा : जनरल रावत

- सेना प्रमुख बोले-जम्मू-कश्मीर में गुलाम कश्मीर समेत गिलगित और बल्टिस्तान भी शामिल
- फील्ड मार्शल करिअप्पा के बनाए मानकों को आज भी बरकरार रखे है भारतीय सेना

नई दिल्ली में फील्ड मार्शल केएम करियप्पा मेमोरियल लेक्चर के दौरान लोगों को संबोधित करते सेना प्रमुख बिपिन रावत। एएनआइ

नई दिल्ली, एएनआइ : सेना प्रमुख जनरल बिपिन रावत ने कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाले गुलाम कश्मीर में पाकिस्तानी प्रशासन का नहीं बल्कि आतंकवादियों का कब्जा है। उन्होंने कहा कि गुलाम कश्मीर में गिलगित-बल्टिस्तान भी शामिल हैं।

थल सेना प्रमुख बिपिन रावत ने शुक्रवार को नई दिल्ली में फील्ड मार्शल केएम करियप्पा मेमोरियल लेक्चर के दौरान उक्त उद्गार व्यक्त किए। रावत ने कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाला गुलाम कश्मीर वास्तव में आतंकवादियों के नियंत्रण वाला देश या आतंकियों के शिकंजे में जकड़ा पाकिस्तान के कब्जेवाला हिस्सा है। उन्होंने कहा कि जब हम जम्मू और कश्मीर कहते हैं तो इस संपूर्ण राज्य में गिलगित-बल्टिस्तान समेत पूरा गुलाम कश्मीर शामिल हो जाता है। इसलिए गिलगित-बल्टिस्तान भी हमारे पड़ोसी देश पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले इलाके हैं।

सेना प्रमुख जनरल बिपिन रावत ने फील्ड मार्शल करिअप्पा को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि हमने सेना के लिए ऊंचे मानक तैयार रखे हैं। यह मानक फील्ड मार्शल करिअप्पा ने भारतीय सेना के लिए स्थापित किए हैं। हमारा देश भारतीय सेना पर गर्व करता है।

जवानों को मिलेंगी सर्वश्रेष्ठ सिग सॉयर राइफलें : जनरल बिपिन रावत ने बताया कि सेना को अत्याधुनिक साजो-सामान की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी। सशस्त्र जवानों को इस साल के अंत तक दुनिया की सबसे बेहतरीन अमेरिका की सिग-सॉयर राइफलें मिल जाएंगीं। सेना प्रमुख ने बताया कि नवीनतम कलशनिकोव-203 रायफलों का निर्माण भी जल्द ही अमेठी (उत्तर प्रदेश) में शुरू हो जाएगा।

डीके शिवकुमार की जमानत के खिलाफ ईडी सुप्रीम कोर्ट पहुंचा

नई दिल्ली, प्रेट्र : कर्नाटक कांग्रेस के नेता डीके शिवकुमार को मनी लांड्रिंग के मामले में दिल्ली हाईकोर्ट से मिली जमानत के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

इस मामले से जुड़े एक वकील ने बताया कि शिवकुमार को राहत देने वाले 23 अक्टूबर के फैसले के खिलाफ विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) दायर की गई है। शिवकुमार को ईडी ने विगत तीन सितंबर को गिरफ्तार किया था और पिछले बुधवार को वह तिहाड़ जेल से बाहर आ गए। इस मामले में सुनवाई अदालत ने उन्हें जमानत देने से इन्कार कर दिया था, इसलिए वह न्यायिक हिरासत में थे।

दिल्ली हाईकोर्ट ने विगत बुधवार को उन्हें जमानत देते हुए कहा था कि वह सुबूतों से छेड़छाड़ नहीं कर सकते क्योंकि सारे दस्तावेज जांच एजेंसियों के पास हैं। जबकि ईडी ने जमानत मंजूर किए जाने का विरोध करते हुए कहा है कि वह एक प्रभावशाली व्यक्ति हैं और रिहा किए जाने की स्थिति में गवाहों को प्रभावित कर सकते हैं।

कर्नाटक से सात बार विधायक रहे शिवकुमार के साथ ही नई दिल्ली में कर्नाटक भवन के कर्मचारी हनुमनथैया और अन्य के खिलाफ मनी लांड्रिंग के आरोप में मामला दर्ज किया है। आयकर विभाग की ओर से पिछले साल दायर आरोप पत्र पर यह मामला आधारित है। इसमें कांग्रेस नेता पर कर चोरी से लेकर हवाला लेन-देन के आरोप लगाए गए हैं।

जस्टिस कुरैशी की नियुक्ति की याचिका पर सुनवाई स्थगित

नई दिल्ली, एएनआइ : सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस कुरैशी की त्रिपुरा हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्ति की मांग वाली याचिका पर सुनवाई स्थगित कर दी। मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई की अध्यक्षता वाली पीठ ने मामले की सुनवाई चार नवंबर तक टाल दी। केंद्र की ओर से पेश सालिसिटर जनरल तुषार मेहता ने जवाब देने के लिए और समय की मांग की। सुप्रीम कोर्ट कोलेजियम ने जस्टिस कुरैशी को मध्य प्रदेश हाई कोर्ट का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने की सिफारिश की थी। केंद्र द्वारा सिफारिश लौटाए जाने के बाद कोलेजियम ने जस्टिस कुरैशी को त्रिपुरा हाई कोर्ट का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने की सिफारिश की। केंद्र ने अभी तक जस्टिस कुरैशी को त्रिपुरा हाई कोर्ट का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने संबंधी अधिसूचना जारी नहीं की है।

बाल संरक्षण कानून पर सवाल उठाने वाली अर्जी सुनेगा कोर्ट

नई दिल्ली, आइएएनएस : सुप्रीम कोर्ट देश में माता-पिता के अभाव में बच्चों के संरक्षण और अभिभावकत्व कानून के बारे में सवाल उठाने वाली याचिका पर विचार करने को राजी हो गया है। पति-पत्नी के अलग रहने की दशा में दोनों में से किसी एक की ही देखरेख में बच्चे को सौंपा जाता है। सालिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया कि मामले पर विचार किए जाने की जरूरत है। मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई, जस्टिस एसए बोब्डे और एस. अब्दुल नजीर की पीठ ने केंद्र को इस बारे में जवाब सौंपने को कहा है। यह याचिका वाई. सुलोचना रानी ने दायर की है। याची महिला आंध्र प्रदेश की रहने वाली है और वर्तमान में लंदन में कर्मचारी हैं। वकील कालीश्वरम राज ने यह याचिका दायर की है। वकील ने कहा कि वर्तमान में विभिन्न पर्सनल लॉ के अनुसार ही इस कानून के प्रावधान हैं।

केरल सरकार मारादु फ्लैट मालिकों को दे 25 लाख रुपये : कोर्ट

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने केरल सरकार को निर्देश दिया है कि वह मारादु फ्लैट मालिकों को 25 लाख रुपये की अंतरिम राहत प्रदान करे। शीर्ष कोर्ट ने फ्लैट मालिकों द्वारा यह बताए जाने पर कि उन्हें बेहद कम राशि दी गई है यह आदेश दिया है। ज्ञात हो, बिल्डरों द्वारा पर्यावरण नियमों का उल्लंघन के कारण शीर्ष कोर्ट के आदेश पर फ्लैट ध्वस्त किए जा रहे हैं।

जस्टिस अरुण मिश्रा और एस रवींद्र भट की पीठ ने बिल्डरों को बैंकिंग ब्योरा कोर्ट में जमा कराने और माह भीतर कोर्ट द्वारा गठित कमेटी के पास 20 करोड़ रुपये जमा कराने को कहा है। कोर्ट ने फ्लैट नहीं गिराने का आग्रह ठुकराते हुए कहा, आदेश एक आदेश है। लोग बाढ़ व अन्य प्राकृतिक आपदा से मर रहे हैं। कौन जवाबदेह है? हमें अब जवाबदेही तय करनी चाहिए।

यात्रियों के पैसे लौटाने में जेट की विफलता पर याचिका मंजूर नहीं : सुप्रीम कोर्ट ने जेट एयरवेज के खिलाफ निर्देश देने की मांग करने वाली जनहित याचिका स्वीकार करने से मना कर दिया। जेट एयरवेज अपने कई यात्रियों के पैसे लौटाने में विफल है। इसी विफलता पर निर्देश देने की मांग की गई थी।

नोटबंदी-जीएसटी से भी ज्यादा घातक होगा आरसीईपी : कांग्रेस

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- चीनी वस्तुएं और सस्ते डेयरी आयात देशी कारोबार को करेंगे तबाह
- सरकार की घेरेबंदी के लिए देशव्यापी आंदोलन की घोषणा
- दूसरे विपक्षी दलों को भी आरसीईपी के खिलाफ करेगी एकजुट

नई दिल्ली में शुक्रवार को कांग्रेस मुख्यालय में प्रेसवार्ता करते पार्टी के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश, साथ में रणदीप सुरजेवाला और एके एंटनी। प्रेट्र

कांग्रेस ने मोदी सरकार के क्षेत्रीय समग्र आर्थिक साझेदारी समझौते (आरसीईपी) पर हस्ताक्षर करने की तैयारी का खुला विरोध करने की घोषणा की है। पार्टी ने कहा है कि नोटबंदी और जल्दबाजी में लागू किए गए जीएसटी के बाद आरसीईपी पर हस्ताक्षर देश की अर्थव्यवस्था पर तीसरा बड़ा प्रहार होगा। समझौते पर हस्ताक्षर से देश का कृषि और डेयरी उद्योग ही नहीं छोटा मध्यम कारोबार तबाह हो जाएगा। चीन के सस्ते वस्तुओं के आयात की बौछार शुरू हो जाएगी। सरकार के इस कदम को आत्महत्या करने सरीखा बताते हुए कांग्रेस ने इसके खिलाफ देशव्यापी आंदोलन करने की घोषणा की है। पार्टी दूसरे विपक्षी दलों को भी सरकार की इस योजना के खिलाफ गोलबंद करने का प्रयास करेगी।

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी की अगुआई में पार्टी के चिंतन समूह की पहली बैठक में हुई गंभीर मंत्रणा के बाद पार्टी ने आरसीईपी के विरोध का फैसला लिया। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा समेत इस समूह के सभी 18 सदस्य बैठक में मौजूद थे। वरिष्ठ नेता एके एंटनी, जयराम रमेश, केसी वेणुगोपाल और रणदीप सुरजेवाला ने बैठक के बाद संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में आरसीईपी का पूरी ताकत से विरोध करने की घोषणा की। एंटनी ने कहा कि देश गहरे आर्थिक संकट और मंदी की चपेट में है। कृषि, उद्योग, व्यापार समेत कोई ऐसा सेक्टर नहीं जो इसकी आंच से बचा हो। पूर्व रक्षा मंत्री ने कहा कि सरकार आर्थिक संकट का हल निकालने की जगह आरसीईपी करार पर हस्ताक्षर करने जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले महीने अपने बैंकाक दौरे में यह करार करेंगे जो देशहित के खिलाफ है।

जयराम रमेश ने आरसीईपी को भारत के पूरे कारोबार जगत के लिए खतरा बताते हुए कहा कि यह नोटबंदी और जीएसटी से भी ज्यादा घातक होगा। आरसीईपी के 16 देशों में चीन भी शामिल है और इस मुक्त व्यापार समझौते से चीन अपने यहां निर्मित सस्ती वस्तुओं से भारतीय बाजार को पाट देगा। इससे हमारे सभी छोटे-बड़े उद्योग व कारोबार ठप हो जाएंगे और करोड़ों लोग बेरोजगार होंगे।

आरसीईपी को कृषि और डेयरी उद्योग के लिए विनाशकारी कदम बताते हुए जयराम रमेश ने कहा कि आस्ट्रेलिया से सस्ते गेहूं और चीनी का आयात तो न्यूजीलैंड के सस्ते डेयरी उत्पादों का आयात हमारे किसानों को तबाह कर देंगे। आर्थिक संकट के चलते पहले से ही मुश्किलों से घिरे कृषि क्षेत्र और किसानों के हित के साथ यह खिलवाड़ है। देश के सबसे प्रसिद्ध डेयरी कोआपरेटिव अमूल के प्रमुख ने भी आरसीईपी के खिलाफ सरकार को पत्र लिखा है।

चीन के दबाव में भारत के करार पर हस्ताक्षर करने की ओर इशारा करते हुए जयराम ने इसे वुहान और महाबलीपुरम में पीएम नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग की अनौपचारिक बैठक का नतीजा बताया।

यूपीए सरकार ने भी मुक्त व्यापार समझौता किया था तो फिर क्या कांग्रेस उदारीकरण पर यू-टर्न ले रही है? जयराम ने इस पर सफाई दी कि कांग्रेस ने तो उदारीकरण की शुरुआत की थी तो रुख पलटने की बात ही नहीं है। कांग्रेस का विरोध भारत को चीनी वस्तुओं के आयात का बाजार बनाने को लेकर है। जयराम के अनुसार, यूपीए सरकार ने कभी किसी ऐसे मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर नहीं किए जिसमें चीन शामिल रहा हो।

पार्टी संगठन महासचिव वेणुगोपाल ने कहा कि आर्थिक मंदी और बेरोजगारी के खिलाफ पांच से 15 नवंबर तक पहले से घोषित आंदोलन में अब आरसीईपी की भी मुखर खिलाफत होगी। कांग्रेस इस मुद्दे पर दूसरे विपक्षी दलों को भी एक मंच पर लाकर सरकार को ऐसे आत्मघाती कदम उठाने से रोकेगी।

कर्नाटक के 17 विधायकों की अयोग्यता मामले में सुप्रीम कोर्ट का फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली, आइएएनएस : कर्नाटक में कांग्रेस और जदएस के 17 विधायकों की अयोग्यता के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को फैसला सुरक्षित रख लिया। इन विधायकों ने तत्कालीन विधानसभा स्पीकर के उन्हें अयोग्य ठहराने के फैसले को चुनौती दी है।

जस्टिस एनवी रमना, जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस कृष्ण मुरारी की पीठ ने लगातार तीन दिनों तक सुनवाई के बाद वकीलों से मामले से संबंधित दस्तावेज दाखिल करने को कहा। कांग्रेस और जदएस की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल, राजीव धवन, देवदत्त कामत और के. शशि किरण शेट्टी पेश हुए। जबकि विधायकों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी, सीए सुंदरम, वीवी गिरी, एके गांगुली और केवी विश्वनाथन पेश हुए। गुरुवार को सुनवाई के दौरान वर्तमान विधानसभा स्पीकर की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा था कि नए विधानसभा स्पीकर मामले की जांच करने के इच्छुक हैं। जबकि बागी विधायकों का कहना था कि पिछले स्पीकर केआर रमेश कुमार ने उनके इस्तीफे स्वीकार नहीं करके सही नहीं किया था और बाद में उन्हें अयोग्य ठहराने का फैसला किया था। इस अयोग्यता की वजह से वह सदन की सदस्यता खो चुके हैं और दोबारा चुनाव लड़ने में भी मुश्किल आ रही है। विधायकों ने कहा कि तत्कालीन स्पीकर ने उन्हें कानून और शीर्ष अदालत के निर्देशों के खिलाफ जाकर अयोग्य ठहराया है।

ई-नीलामी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेंट में मिले सभी 2,772 सामानों की नीलामी पूरी, मोदी और उनकी मां की फोटो बीस लाख रुपए में बिकी

25 लाख में बिकी पीएम मोदी और महात्मा गांधी की पेंटिंग

नई दिल्ली, प्रेट्र : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मिली तोहफों की प्रदर्शनी में ई-नीलामी का शुक्रवार को समापन हो गया। इसमें सबसे ऊंची बोली प्रधानमंत्री और महात्मा गांधी की पेंटिंग की लगी, जिसे 25 लाख रुपये में बेचा गया है।

सरकार की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार ई-नीलामी में बिके सामान से मिली धनराशि को सरकार के नमामि गंगे अभियान के लिए दान कर दिया जाएगा। केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय की ओर से आयोजित विगत 14 सितंबर से शुरू हुई ई-नीलामी के दौरान प्रधानमंत्री को भेंट किए गए 2,772 स्मृति चिन्हों की ऑनलाइन बिक्री की गई है। प्रधानमंत्री मोदी को भेंट में मिली इन सभी वस्तुओं को प्रदर्शनी के लिए नेशनल गैलरी ऑफ मार्डन आर्ट (एनजीएमए) में रखा गया है। इसमें स्मृति चिन्हों के साथ ही पेंटिंग, प्रतिमाएं, शॉल, जैकेट और परंपरागत वाद्य यंत्र शामिल हैं।

पहले ई-नीलामी सिर्फ तीन अक्टूबर तक ही होने वाली थी, लेकिन फिर इस प्रक्रिया को और तीन हफ्ते के लिए बढ़ा दिया गया। शुक्रवार तक प्रधानमंत्री मोदी को देश-विदेश से भेंट में मिली सभी वस्तुओं की नीलामी हो चुकी थी।

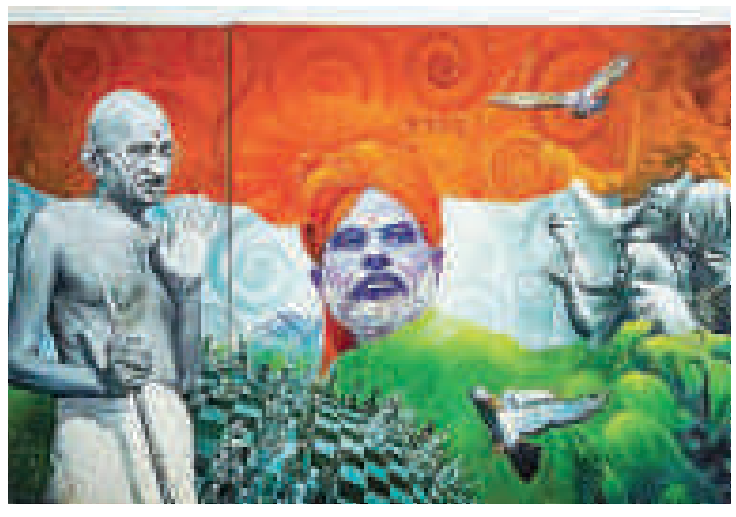

महात्मा गांधी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पेंटिंग। प्रेट्र

प्रख्यात हस्तियों, नेताओं और कार्यकर्ताओं ने इस नीलामी में रुचि ली। बॉलीवुड सितारों जैसे अनिल कपूर, अर्जुन कपूर और गायक कैलाश खेर ने इसका प्रचार किया। नीलामी किए जाने वाले तोहफों में सबसे सस्ता सामान 500 रुपये के बेस प्राइस की गणपति की एक छोटी प्रतिमा थी। इतनी ही कीमत का कमल के आकार का एक लकड़ी का बॉक्स भी नीलामी में रखा गया था। नीलामी के लिए सबसे अधिक बेस प्राइस 2.5 लाख रुपये प्रधानमंत्री और महात्मा गांधी की एक्रेलिक पेंटिंग थी जिसकी पृष्ठभूमि में तिरंगा बना था। इसकी सबसे ऊंची बोली 25 लाख रुपये की लगी थी। इसके अलावा, एक हजार रुपये के बेस प्राइस वाली प्रधानमंत्री मोदी की अपनी मां के साथ फोटो बीस लाख रुपये में बिकी है।

प्रदर्शनी में नीलाम किया गया एक अन्य चर्चित तोहफा मणिपुर की लोककला थी। इसका बेस प्राइस तो 50 हजार रुपये ही रखा गया था, लेकिन इसकी बिक्री दस लाख रुपये में हुई। धातु की बनी बछड़े को दूध पिलाती गाय की कलाकृति का आधार मूल्य मात्र 4 हजार रुपये था, लेकिन इसकी बिक्री दस साल रुपये में हुई। 14 सेंटीमीटर की धातु की बनी स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा का आधार मूल्य चार हजार रुपये था, लेकिन यह छह लाख रुपये में बिकी है। केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय और नेशनल गैलरी ऑफ मार्डन आर्ट की ओर से यह नहीं बताया गया है कि यह सभी तोहफे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को किसने दिए थे और उसे किसे बेचा गया है।

कह के रहेंगे माधव जोशी

02 सीटों पर महाराष्ट्र में दूसरे नंबर पर नोटा को स्थान मिला है। इसमें एक सीट लातूर ग्रामीण तो दूसरी पलूस-कड़ेगांव सीट है।

20 जाट उम्मीदवारों को टिकट दिए थे भाजपा ने हरियाणा में, जिनमें से सिर्फ चार की जीत हुई है। बाकी को लोगों ने नकार दिया।

दुष्यंत चौटाला होंगे हरियाणा के छठे डिप्टी सीएम

अनुराग अग्रवाल, चंडीगढ़

हरियाणा में सत्ता के लिए होने वाले उलट-फेर को रोकने के लिए डिप्टी सीएम का फार्मूला कारगर रहा है। राज्य में अब तक पांच डिप्टी सीएम रहे हैं। जननायक जनता पार्टी के संयोजक दुष्यंत सिंह चौटाला उप मुख्यमंत्री बनने वाले छठे नेता होंगे।

राज्य में अब तक चांदराम, डा. मंगलसेन, बनारसी दास गुप्ता, मा. हुकम सिंह और चंद्रमोहन बिश्नोई डिप्टी सीएम रहे हैं। इनमें चांदराम की कहानी बहुत रोचक है। 1966 में संयुक्त पंजाब से अलग हुए हरियाणा के हिस्से के विधायक ज्यादा कांग्रेस के थे, इसलिए कांग्रेसी नेता पंडित भगवत दयाल शर्मा को सीएम बना दिया। उस समय देवीलाल, छोटूराम के भतीजे श्रीचंद और चांदराम भी कांग्रेस में थे। कैबिनेट मंत्री बनने का ख्वाब देख रहे चांदराम का नाम जब मंत्रिमंडल की सूची में नहीं आया तो वे नाराज हो गए। वह मुख्यमंत्री के पास गए और बोले 'यूं तो राम-लक्ष्मण की जोड़ी टूट जाएगी।' 12 दिन बाद जब स्पीकर के चुनाव का वक्त आया तो 17 कांग्रेसियों ने बगावत कर दी। कांग्रेस अपना स्पीकर नहीं चुन पाई और शर्मा को इस्तीफा

जजपा के नेता दुष्यंत चौटाला ने पार्टी के नवनिर्वाचित विधायकों के साथ बैठक की। प्रेट्र

देना पड़ा। इसके बाद हरियाणा विशाल पार्टी के राव बीरेंद्र सिंह (केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत के पिता) ने कांग्रेस के 17 विधायकों के सहयोग से सरकार बनाई और चांदराम प्रदेश के पहले डिप्टी सीएम बने।

इमरजेंसी के बाद कई पार्टियां कांग्रेस के खिलाफ एकजुट हुईं। भारतीय जनसंघ, भारतीय क्रांति दल, कांग्रेस फॉर डेमोक्रेसी और कांग्रेस-ओ को मिलाकर जनता पार्टी का गठन हुआ। चुनाव से पहले ही भारतीय क्रांति दल के नेता रहे देवीलाल को सीएम कंडीडेट घोषित कर दिया गया था। प्रदेश की 90 सीटों में 75 सीटें जनता पार्टी के खाते में गईं। डॉ मंगल सेन पांचवीं बार रोहतक से विधायक बने, वे जनसंघ के बड़े नेता भी थे। इसलिए देवीलाल ने सीएम की शपथ ली तो मंगल सेन को डिप्टी सीएम बनाया गया। 1979 में चौधरी भजन लाल ने सरकार गिराई और खुद सीएम बन गए। मंगल सेन उनके साथ नहीं गए।

कई मुख्यमंत्री भी उप मुख्यमंत्री रहे। 1987 में प्रदेश में भाजपा, लोकदल ने गठबंधन कर चुनाव लड़ा। पूर्ण बहुमत आने पर देवीलाल सीएम बने और बनारसीदास गुप्ता को डिप्टी सीएम बनाया गया। 1975 में बंसीलाल के केंद्र में जाने के बाद बनारसीदास 1977 तक मुख्यमंत्री रहे थे। 1989 में देवीलाल उप प्रधानमंत्री बन गए। उन्होंने बेटे ओमप्रकाश चौटाला को सीएम बनाया, जो उस वक्त विधायक भी नहीं थे। महम से चौटाला को चुनाव लड़वाया गया, लेकिन वहां विवाद हो गया। गोलियां तक चली थीं, इस पर चुनाव स्थगित हो गए। यह मामला पूरे देश में चर्चा में रहा। केंद्रीय नेताओं के दबाव में देवीलाल ने चौटाला से इस्तीफा दिलाकर 1991 में अपने विश्वासपात्र मास्टर हुकम सिंह को सीएम बना दिया। कुछ समय बाद फिर चौटाला सीएम बन गए तो हुकम सिंह को डिप्टी सीएम के पद पर रखा गया। वह दो बार डिप्टी सीएम रहे थे। वह हरियाणा के चौथे डिप्टी सीएम बने।

भजनलाल को शांत करना था तो 'चंद्रमोहन' को ताज

पांचवें डिप्टी सीएम 2005 में कांग्रेस शासन में चंद्रमोहन बने थे। इस दौरान कांग्रेस ने चौधरी भजनलाल के नेतृत्व में चुनाव लड़ा था। विधानसभा चुनाव में पार्टी ने पूर्ण बहुमत भी हासिल किया लेकिन केंद्रीय नेतृत्व ने सीएम पद के लिए तत्कालीन सांसद भूपेंद्र सिंह हुड्डा के नाम की घोषणा कर दी। भजनलाल ने न केवल विरोध किया बल्कि उनके समर्थकों ने कई जगह आगजनी की, रोड जाम किए। ऐसे में भजनलाल को शांत करने के लिए उनके बड़े बेटे चंद्रमोहन को डिप्टी सीएम बनाया गया। इसके बावजूद नाराज भजन नहीं माने और उन्होंने अपनी अलग पार्टी हरियाणा जनहित कांग्रेस बना ली। छोटे बेटे कुलदीप बिश्नोई तो उनके साथ चले गए लेकिन चंद्रमोहन कांग्रेस में ही रहे। बाद में चंद्रमोहन के अनुराधा बाली से प्रेम प्रसंग, धर्म बदलकर विवाह करने आदि की वजह से उनकी डिप्टी सीएम की कुर्सी चली गई।

हरियाणा में हुड्डा का नेता विपक्ष बनना तय

अनुराग अग्रवाल, चंडीगढ़

हरियाणा के चुनाव नतीजे लड़खड़ाती कांग्रेस के लिए आक्सीजन साबित हुए हैं। वर्ष 2014 के चुनाव में 15 सीटों पर सिमटी कांग्रेस को इस बार 31 विधानसभा सीटें मिली हैं। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा और प्रदेश अध्यक्ष कुमारी सैलजा ने एक माह के अल्प समय में पार्टी के भीतर नई जान फूंक दी। कांग्रेस हाईकमान यदि हुड्डा और उनके समर्थक विधायकों द्वारा लंबे समय से की जा रही अशोक तंवर को हटाने की मांग को समय रहते गंभीरता से ले लेता तो नतीजे चौंकाने वाले हो सकते थे। विधानसभा में अब विधायकों के संख्या बल के आधार पर हुड्डा का दोबारा विपक्ष का नेता बनना तय है।

हरियाणा में कांग्रेस ने इस बार 28.12 फीसद वोट हासिल किए हैं। 2014 के चुनाव के 22.60 फीसद मतों से यह 7.56 फीसद अधिक हैं। उस समय कांग्रेस के 15 विधायक थे। हरियाणा जनहित कांग्रेस के दो विधायकों कुलदीप बिश्नोई व रेणुका बिश्नोई के कांग्रेस में शामिल हो जाने के बाद विधायकों की संख्या बढ़कर 17 हो गई थी। इस बार कांग्रेस ने सीधे 14 विधायकों की बढ़ोतरी दर्ज कराई है।

कांग्रेस के बड़े चेहरों में शामिल रणदीप सिंह सुरजेवाला, आनंद सिंह दांगी, अशोक अरोड़ा,

नई दिल्ली में अपने आवास पर कांग्रेस नेता रघुवीर सिंह कादयान के साथ भूपेंद्र सिंह हुड्डा। प्रेट्र

करण सिंह दलाल, चंद्रमोहन बिश्नोई, कुलदीप शर्मा और रणबीर सिंह महेंद्रा हालांकि चुनाव हार गए, लेकिन कई नए चेहरे चुनाव जीते हैं। जींद उपचुनाव के बाद सुरजेवाला लगातार दूसरी बार चुनाव हारे हैं।

दरअसल, अशोक तंवर के रहते कांग्रेस हाईकमान खासकर राहुल गांधी ने कभी हुड्डा और उनके विधायकों की मांग को गंभीरता से नहीं लिया। हुड्डा और उनके समर्थक विधायक बार-बार तंवर को प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाने की मांग कर रहे थे, लेकिन हाईकमान ने फैसला लेने में पूरे तीन साल गुजार दिए। एक समय वह भी आया, जब हुड्डा पार्टी छोड़ने को तैयार हो गए थे, लेकिन जब हाईकमान में तंवर को हटाकर सैलजा को बागडोर सौंपी और हुड्डा को चुनावी रण में प्रमुख चेहरा बनाकर पेश किया तो उसके अच्छे नतीजे सामने आए। अशोक तंवर के साढ़े पांच साल के कार्यकाल की सबसे बड़ी कमजोरी संगठन का अभाव रही। तंवर अपने कार्यकाल में न तो किसी के साथ मिलकर चल सके और न ही किसी को साथ लेकर चल पाए। हुड्डा व सैलजा की जोड़ी को कमान सौंपे जाने के बाद तंवर ने जिस तरह कभी भाजपा तो कभी इनेलो व जजपा का साथ दिया, उनका वह कदम भी तंवर को ले बैठा है। तंवर हालांकि अब कांग्रेस में वापसी का प्रयास करते नजर आ रहे हैं, लेकिन हुड्डा के रहते उनकी वापसी होगी, इसकी संभावना कम है।

पूरे पांच साल फर्राटे से दौड़ेगी मनोहर-दुष्यंत की गाड़ी

अनुराग अग्रवाल, चंडीगढ़ : हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी और करीब एक साल पुरानी जननायक जनता पार्टी के बीच राजनीतिक गठजोड़ प्रदेश को स्थायी सरकार की दिशा की तरफ मोड़ेगा। भाजपा ने जजपा के साथ गठबंधन कर जहां बिना किसी डर, भय और राजनीतिक बाधा के पूरे पांच साल का सफर तय करने का रास्ता साफ किया है, वहीं जननायक जनता पार्टी ने अपने न्यूनतम साझा कार्यक्रम को लागू करने के लिए सरकार में शामिल होने को जरूरी बताते हुए राजनीति में ऊंची उड़ान भर ली है।

हरियाणा में अब भाजपा व जजपा गठबंधन की सरकार से जातीय संतुलन भी साधने की कोशिश होगी। मुख्यमंत्री मनोहर लाल जहां भाजपा का बड़ा गैर जाट चेहरा हैं, वहीं दुष्यंत चौटाला को सत्ता में शामिल कर भाजपा जाटों का समर्थन हासिल करने की पूरी कोशिश करेगी। इस बार के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने अपनी पार्टी से करीब 20 जाट उम्मीदवारों को टिकट दिए थे, लेकिन जीत सिर्फ चार की हुई। भाजपा के बाकी जाट उम्मीदवारों को लोगों ने पूरी तरह से नकार दिया है।

भाजपा की मनोहर सरकार के कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश धनखड़, कैप्टन अभिमन्यु और पूर्व केंद्रीय मंत्री चौ. बीरेंद्र सिंह की पत्नी प्रेमलता तक चुनाव हार गए। जजपा ने करीब 30 जाटों को टिकट दिए थे, जिसमें ज्यादातर चुनाव जीत कर आए हैं। जजपा को इस बार पहली दफा में ही 10 विधायक मिले हैं। उसने भाजपा के साथ सत्ता में शामिल होने के पीछे युवाओं व बुजुर्गों के साथ-साथ बेरोजगारों के लिए पार्टी के न्यूनतम साझा कार्यक्रम को लागू करने के प्रयासों को आधार बनाया है।

जजपा ने कहा है कि वह हरियाणा में स्थापित उद्योगों तथा सरकारी नौकरियों में यहां के मूल निवासी 75 फीसद युवाओं को रोजगार चाहती है। पेंशन भी करीब पांच हजार रुपये मासिक करने का एजेंडा जजपा ने रखा है। भाजपा इन दोनों मुद्दों को धीरे धीरे हल करने के दुष्यंत चौटाला के प्रस्ताव को लागू करने के लिए राजी हो गई है। दुष्यंत चौटाला की सोच सिर्फ सत्ता तक ही सीमित नहीं है। दुष्यंत हालांकि सांसद भी रह चुके हैं, लेकिन हरियाणा की राजनीति में सत्ता के शीर्ष पर पहुंचने की उनकी महत्वकांक्षा का यह पहला बड़ा पड़ाव है, जिसे जरिये वह बहुत दूर तक जाने का इरादा रखते हैं। सीएम मनोहर लाल व भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व की सोच यही है कि सरकार पूरे पांच साल चले। इसलिए वह सिर्फ निर्दलीय विधायकों के सहारे नहीं रहना चाहते थे।

हिसाब चुकता करने के मूड में शिवसेना

रणनीति ▶ पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने भाजपा को दिलाई 50-50 समझौते की याद

शिवसेना नेता अनंत तरे बोले, सारा बैकलॉग लेकर रहेंगे

राज्य ब्यूरो, मुंबई

विधानसभा चुनाव में भाजपा से लगभग आधी सीटें जीतने के बावजूद शिवसेना इस बार सरकार में शामिल होने से पहले तगड़ी सौदेबाजी करने के मूड में है। नतीजे घोषित होने के बाद से ही शिवसेना नेता इस बात के संकेत देने लगे हैं। इस सौदेबाजी के चलते जल्द सरकार बनने की गुंजाइश भी नजर नहीं आ रही है।

चुनाव परिणाम आने के तुरंत बाद गुरुवार को ही प्रेस से बात करते हुए स्वयं शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने अपने तीखे तेवर दिखा दिए थे। उद्धव ने प्रदेश के भाजपा नेताओं को लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह से हुए समझौते की याद दिलाते हुए कहा था कि विधानसभा चुनाव में तो हम कम सीटों पर लड़ने को तैयार हो गए। लेकिन अब पहले तय हुए 50-50 फॉर्मूले के अनुसार ही पूरी पारदर्शिता के साथ सरकार बनाने की दिशा में आगे बढ़ा जाएगा। उद्धव के 50-50 फॉर्मूले का अर्थ ढाई-ढाई साल मुख्यमंत्री पद दोनों दलों के पास रखने से है। यह फॉर्मूला वास्तव में 1999 में भाजपा नेता गोपीनाथ मुंडे का दिया हुआ है, जिसपर तब स्वयं शिवसेना तैयार नहीं हुई थी, और गठबंधन की सरकार बनते-बनते रह गई थी।

दूसरा फॉर्मूला 1995 में बनी शिवसेना-भाजपा गठबंधन सरकार का है। जिसमें अधिक सीटें पाने वाले दल को मुख्यमंत्री और कम सीटें पानेवाले दल को उप मुख्यमंत्री पद मिला था। लेकिन तब गृह मंत्रालय सहित ग्राम विकास, सिंचाई और पीडब्ल्यूडी जैसे कई महत्वपूर्ण विभाग उप मुख्यमंत्री पद पानेवाले छोटे दल के पास थे। माना जा रहा है कि शिवसेना 2014 का अपमान कतई भूली नहीं है। तब दोनों दलों के बीच 25 सालों से चला आ रहा गठबंधन टूट गया था। भाजपा सबसे बड़े दल के रूप में उभरी और बहुमत न होने के बावजूद शिवसेना को सरकार में शामिल होने का न्योता देने के बजाय राकांपा के बाहरी समर्थन से सरकार बना ली। कुछ माह बाद शिवसेना सरकार में शामिल भी हुई तो उसे न तो उप मुख्यमंत्री पद दिया, न ही कोई महत्वपूर्ण मंत्रालय। शिवसेना नेता अनंत तरे साफ कहते हैं कि पहले का बहुत बैकलॉग बाकी है। वह सब लेकर रहेंगे। भाजपा के साथ शिवसेना की सौदेबाजी सिर्फ राज्य तक सीमित नहीं रहने वाली। अनंत तरे के अनुसार शिवसेना के 18 सांसद होने के बावजूद उसे केंद्र में सिर्फ एक मंत्रीपद दिया गया है। वह भी ऐसा, जिसका जनसामान्य से कोई खास मतलब नहीं है। शिवसेना इस बार केंद्र और राज्य, दोनों सरकारों में अपना पिछला हिसाब चुकता करके रहेगी।

कांग्रेस-राकांपा जैसे दल शिवसेना को मुख्यमंत्री पद का लालच दिखा रहे हैं, लेकिन शिवसेना के वरिष्ठ नेता कांग्रेस-राकांपा के साथ जाने के नुकसान समझ रहे हैं। इसलिए उम्मीद है कि शिवसेना रहेगी तो हिंदुत्व के बंधन के साथ ही, लेकिन पूरा मुआवजा वसूल कर।

1999 में गोपीनाथ मुंडे ने सुझाया था 50-50 का फॉमूला, तब शिवसेना नहीं हुई भी तैयार

1995 में गठबंधन सरकार में शिवसेना से डिप्टी सीएम बने, कई अहम विभाग थे उनके पास

2014 में शिवसेना से गठबंधन टूटा, भाजपा ने राकांपा के बाहरी समर्थन से बनाई सरकार

मुंबई में शुक्रवार को शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे का पार्टी नेताओं ने अभिनंदन किया। प्रेट्र

चुनाव नतीजे अभिमानी शासकों को सबक : शिवसेना

▶ प्रथम पृष्ठ से आगे

मुंबई, प्रेट्र : महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भाजपा के कमजोर प्रदर्शन पर उसकी सहयोगी शिवसेना ने तंज कसा है। पार्टी के मुखपत्र 'सामना' के संपादकीय में कहा गया है कि यह कोई 'महाजनादेश' नहीं है, बल्कि अभिमानी शासकों को सबक है। बता दें कि चुनाव से पहले मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस ने महाजनादेश यात्रा निकाली थी। दैनिक ने आगे कहा है कि नतीजों ने इस धारणा को खारिज कर दिया है कि दलबदल और विपक्षी दलों को तोड़कर चुनाव जीते जा सकते हैं। महाराष्ट्र की जनता का रुझान सीधा और साफ है। अति नहीं, उन्माद नहीं वर्ना खत्म हो जाओगे।

कांग्रेस-राकांपा का शिवसेना को समर्थन से इन्कार

मुंबई, प्रेट्र : महाराष्ट्र में भाजपा-शिवसेना गठबंधन की सरकार बनने की संभावना शुक्रवार को और मजबूत हो गई। कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने भाजपा को सत्ता से दूर रखने के लिए शिवसेना को सरकार बनाने के लिए समर्थन देने की संभावना को खारिज कर दिया।

महाराष्ट्र की 288 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा के 105 सदस्य हैं। शिवसेना के 56, राकांपा के 54 और कांग्रेस के सदस्यों की संख्या 44 है। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बालासाहेब थोरट ने शुक्रवार को यहां प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि उनकी पार्टी को जिम्मेदार विपक्ष की भूमिका निभाने के लिए जनादेश मिला है। अगर शिवसेना समर्थन के लिए संपर्क करती है तो हम अपने केंद्रीय नेतृत्व से बात करेंगे और केंद्रीय नेतृत्व का फैसला ही अंतिम होगा।

राकांपा प्रमुख शरद पवार ने भी शिवसेना को समर्थन देने की संभावना से इन्कार किया है। उन्होंने कहा कि लोगों ने हमें विपक्ष में बैठने के लिए जनादेश दिया है। हमारे मन में सरकार बनाने का विचार तक नहीं उठ रहा।

पार्टी सिरमौर के रूप में लौटेंगे राहुल गांधी, कांग्रेस ने दिए साफ संकेत

संजय मिश्र, नई दिल्ली

हरियाणा और महाराष्ट्र के चुनाव में उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन से उत्साहित कांग्रेस ने पार्टी के सियासी सिरमौर के रूप में राहुल गांधी की वापसी के पुख्ता संकेत दे दिए हैं। कांग्रेस के सबसे वरिष्ठ नेताओं में शामिल पूर्व रक्षा मंत्री एके एंटनी ने साफ कहा कि राहुल गांधी ज्यादा ताकतवर होकर लौटेंगे। उन्होंने यह भी साफ किया कि पार्टी में नेतृत्व का कोई संकट नहीं है और कांग्रेस जब तक चाहेगी सोनिया गांधी अध्यक्ष बनी रहेंगी।

राहुल गांधी की वापसी का इशारा करती एंटनी की टिप्पणी के गहरे सियासी मायने हैं। खासतौर पर यह देखते हुए कि एंटनी दस जनपथ के सबसे भरोसेमंद नेताओं में गिने जाते हैं। उनकी यह टिप्पणी कांग्रेस के शीर्ष नेताओं के नवगठित चिंतन समूह की पहली बैठक के बाद आई। हालांकि हरियाणा और महाराष्ट्र के चुनाव में कांग्रेस नेतृत्व के पूरी ताकत नहीं झोंकने और उदासीनता से जुड़े पत्रकारों के सवाल का जवाब

राहुल गांधी। फाइल

देने के क्रम में एंटनी ने यह टिप्पणी की।

राहुल की पार्टी में सक्रिय भूमिका जारी रहने की बात कहते हुए एंटनी ने कहा 'राहुल गांधी कांग्रेस को लीड करेंगे। वे पहले से ज्यादा ताकत के साथ वापस लौटेंगे।' हालांकि एंटनी ने लगे हाथ यह भी साफ किया कि सोनिया गांधी पार्टी अध्यक्ष हैं और कांग्रेस जब तक चाहेगी वे पार्टी का नेतृत्व करती रहेंगी। हरियाणा और महाराष्ट्र के चुनाव नतीजों में बेहतर प्रदर्शन की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि साफ है कि कांग्रेस पुर्नजीवित हो रही है और नेतृत्व को लेकर चिंता की अब जरूरत नहीं है। वैसे सोनिया गांधी की अगुआई में दस जनपथ पर शनिवार को हुई चिंतन समूह की पहली बैठक में हरियाणा और महाराष्ट्र चुनाव के नतीजों की भी समीक्षा की गई। रणनीतिकारों को हरियाणा में सरकार बनाने की गुंजाइश आखिर तक तलाशने की सलाह दी गई। साथ ही हरियाणा के प्रभारी महासचिव गुलाम नबी आजाद से पार्टी के बहुमत से दूर रह जाने के कारणों को लेकर सवाल दागे गए। सूत्रों के अनुसार, आजाद से इस पर भी स्पष्टीकरण पूछा गया कि चुनाव पूर्व उनका आंतरिक आकलन कैसे गलत हो गया।

इसी तरह महाराष्ट्र की चुनाव की खामियों और कमजोरियों को लेकर समूह के सदस्यों ने सूबे के प्रभारी महासचिव मल्लिकार्जुन खड़गे से सवाल पूछे। कांग्रेस के इस चिंतन समूह में राहुल गांधी, पूर्व पीएम मनमोहन सिंह, एके एंटनी, अहमद पटेल, गुलाम नबी आजाद, आनंद शर्मा, अंबिका सोनी, कपिल सिब्बल, जयराम रमेश, केसी वेणुगोपाल और अधीर रंजन चौधरी जैसे वरिष्ठ नेता शामिल हैं।

फायर ब्रांड नेता उमा भारती ने हरियाणा में रोकी कांडा की राह

राज्य ब्यूरो, चंडीगढ़

एयर होस्टेस सुसाइड मामले में सुर्खियों में रहे हरियाणा के पूर्व गृह राज्यमंत्री गोपाल कांडा ने सरकार बनाने के लिए जरूरी बहुमत के आसपास खड़ी भाजपा को बिना शर्त समर्थन देने की घोषणा की है। अपने पिता के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) कार्यकर्ता होने की दुहाई देते हुए कांडा ने जब भाजपा का सहयोग करने का दम भरा तो सोशल मीडिया पर लोग उनके पीछे पड़ गए।

हिमालय प्रवास पर चल रहीं भाजपा की तेज तर्रार नेत्री उमा भारती ने तो एक बाद एक आठ ट्वीट कर उनकी छवि पर सवाल उठाए। इसके बाद सोशल मीडिया पर कांडा काफी ट्रोल हुए। उमा ने ट्वीट के जरिये कहा कि विधायक बनने का मतलब यह कतई नहीं है कि संबंधित व्यक्ति की आपराधिक छवि साफ हो गई। उमा के हमले के बाद सिरसा से चुनाव जीते हरियाणा लोकहित पार्टी के संयोजक गोपाल कांडा का भाजपा सरकार में मंत्री बनने का सपना चूर-चूर हो गया। भाजपा के हरियाणा प्रभारी डॉ. अनिल जैन ने कहा कि अभी इस बारे में कोई फैसला नहीं लिया गया है। उधर, गोपाल कांडा ने सफाई दी कि जिस तरह के आरोप लगाए जा रहे, उनमें कोई दम नहीं है और मैं पाक साफ हूं। अपनी रगों में आरएसएस का खून दौड़ने की दुहाई देते हुए भाजपा को सरकार बनाने में सहयोग के लिए आखिर तक आश्वस्त करने की कोशिश की।

उमा भारती ने ट्वीट कर पार्टी के थिंक टैंक को सोचने पर मजबूर कर दिया है। उन्होंने हरियाणा में सरकार बनाने की चल रही संभावनाओं पर संतोष तो जाहिर किया, लेकिन अगले ही पल लिखा कि गोपाल कांडा शायद वही व्यक्ति है, जिसकी वजह से एक लड़की ने आत्महत्या की थी और उसकी मां ने भी न्याय नहीं मिलने पर आत्महत्या कर ली थी। मामला अभी कोर्ट में विचाराधीन है तथा यह व्यक्ति जमानत पर बाहर है। उमा ने ट्वीट में लिखा कि गोपाल कांडा बेकसूर है या अपराधी, यह तो कानून साक्ष्यों के आधार पर तय करेगा, किंतु उसका चुनाव जीतना उसे अपराधों से बरी नहीं करता। हम (पार्टी) अपने नैतिक अधिष्ठान को न भूलें। हमारे पास नरेंद्र मोदी जैसी शक्ति है। इस बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि कभी भाजपा कांडा को घेरती थी और अब उनको साथ लेने के प्रयास कर रही है।

भाजपा ने शुरुआत में कांडा को किया था मैनेज : त्रिशंकु विधानसभा वाली स्थितियों के बीच गोपाल कांडा एकाएक सुर्खियों में आए गए थे। माना जाने लगा था कि कांडा ही वे व्यक्ति हैं जिनको अगर साथ जोड़ लिया जाए तो सरकार आसानी से बनाई जा सकती है। कांडा को चुनाव नतीजे आते ही दिल्ली पहुंचने का संदेश दे दिया था और भाजपा सांसद सुनीता दुग्गल उन्हें व कुछ अन्य निर्दलीयों को लेकर गुरुवार रात को ही चार्टर प्लेन से दिल्ली पहुंच गई थीं।

उमा भारती। फाइल

कांडा हुड्डा राज में भी सुर्खियों में आए थे

साल 2009 में गोपाल कांडा निर्दलीय चुनाव जीतकर आए थे और उस समय भूपेंद्र सिंह हुड्डा की अगुआई में कांग्रेस को सरकार बनाने के लिए निर्दलीयों की दरकार थी। कांडा ने हुड्डा की सरकार बनवाने में अहम भूमिका निभाई। बदले में उन्हें गृह राज्य मंत्री जैसा अहम पद मिला। 2012 में वे एयर होस्टस सुसाइड प्रकरण में घिर गए थे, जिसके बाद उन्हें गृह राज्यमंत्री के पद से इस्तीफा देना पड़ गया था। 18 महीने जेल में रहने के बाद उन्हें जमानत मिल गई थी। उसके बाद कांडा ने अपनी पार्टी बना ली थी।

एयर होस्टेस मामले में कांडा को कोर्ट में पेश होने का आदेश

जासं, नई दिल्ली : एयर होस्टेस आत्महत्या मामले में राउज एवेन्यू स्थित विशेष अदालत ने शुक्रवार को हरियाणा के पूर्व मंत्री एवं नवनिर्वाचित विधायक गोपाल गोयल कांडा को 27 और 28 नवंबर को पेश होने का आदेश दिया है। चुनाव के चलते अदालत ने उन्हें पेशी से छूट दे दी थी। अदालत इस मामले में रुचि नहीं लेने पर दिल्ली सरकार की खिंचाई कर चुकी है। पिछली सुनवाई के दौरान विशेष लोक अभियोजक के उपस्थित न होने पर विशेष न्यायाधीश अजय कुमार कुहार ने कड़ी आपत्ति जताते हुए दिल्ली सरकार को नोटिस जारी किया था। कहा था कि यह बहुत ही अजीब स्थिति है कि दिल्ली सरकार इस मामले में रुचि नहीं दिखा रही है। कांडा की एमएलडीआर एयरलाइंस में काम करने वाली एयर होस्टेस 5 अगस्त, 2012 को दिल्ली में अशोक विहार स्थित आवास पर मृत पाई गई थी। उन्होंने सुसाइड नोट में लिखा था कि वह कांडा और उसके कर्मचारी अरुणा चड्ढा के उत्पीड़न के कारण खुदकशी कर रही हैं।

रिपोर्ट

90 सदस्यीय विधानसभा में 42 विधायक पहली बार देंगे दस्तक, 27 विधायक पांचवीं से 12वीं कक्षा तक पढ़े लिखे, 63 डिग्रीधारी

हरियाणा में 93 फीसद विधायक करोड़पति

अनुराग अग्रवाल, चंडीगढ़

हरियाणा की 14वीं विधानसभा इस बार कुछ अलग तरह की होगी। इसमें न केवल अधिक पढ़े लिखे विधायक जनता का प्रतिनिधित्व करने वाले हैं, बल्कि 84 विधायक ऐसे होंगे, जो करोड़पति हैं। पिछली बार करोड़पति विधायकों की संख्या 75 थी। वहीं 50 साल से अधिक उम्र के 63 विधायक नई विधानसभा में नजर आएंगे।

90 सदस्यीय विधानसभा में 42 विधायक पहली बार चुनकर आए हैं। दोबारा चुने गए 30 विधायकों की औसत संपत्ति 2014 में 13.73 करोड़ रुपये थी, जो 2019 में बढ़कर 16.98 करोड़ रुपये हो गई है। 24 फीसद बढ़ोतरी के साथ इन दोबारा चुने गए विधायकों ने औसत सवा तीन करोड़ रुपये की अधिकतम संपत्ति अर्जित की है। 63 विधायक स्नातक अथवा इससे ऊपर की शिक्षा वाले हैं। 27 विधायक पांचवीं से 12वीं तक पढ़े-लिखे हैं। खास बात यह है कि इस बार की विधानसभा में कोई विधायक निरक्षर नहीं है। 2014 में चुनी गई 13 विधायकों की अपेक्षा इस बार मात्र नौ महिला विधायक चुनकर आई हैं। इनमें पांच महिला विधायक दोबारा विधानसभा पहुंची हैं। एसोसिएशन फार डेमोक्रेटिक रिफार्म्स (एडीआर) की रिपोर्ट के मुताबिक विधानसभा में इस बार आपराधिक प्रवृत्ति के कुछ विधायक भी नजर आएंगे। पिछली बार नौ विधायक आपराधिक प्रवृत्ति के थे, लेकिन इस बार यह संख्या 12 हो गई है। सात विधायक गंभीर आपराधिक प्रवृत्ति के हैं। पिछली बार यह संख्या मात्र पांच थी। इनमें चार कांग्रेस, दो भाजपा, एक-एक जजपा, हलोपा व इनेलो और तीन निर्दलीय हैं। 84 करोड़पति विधायकों में 37 भाजपा, 29 कांग्रेस, 10 जजपा, छह निर्दलीय और एक-एक विधायक इनेलो व हलोपा के हैं। जजपा के सभी 10 विधायक करोड़पति हैं। इनमें 56 फीसद विधायकों की आय पांच करोड़ रुपये से ऊपर है। 28 फीसद की आय दो से पांच करोड़ के बीच, 14 फीसद की 50 लाख से दो करोड़ के बीच और दो फीसद विधायकों की आय 50 लाख रुपये से कम है।

प्रमोद विज, बलराज और नैना चौटाला की आय सबसे ज्यादा : महम से आजाद विधायक चुने गए बलराज कुंडू की आय इनकम टैक्स रिटर्न के अनुसार सात करोड़ रुपये वार्षिक है। इनकी कुल संपत्ति 141 करोड़ रुपये है। पानीपत शहरी के विधायक प्रमोद विज की आय दो करोड़ और बाढ़डा की विधायक नैना सिंह चौटाला की आय 95 लाख रुपये है। आदमपुर से विधायक चुने गए कुलदीप बिश्नोई की संपत्ति 105 करोड़ और सिरसा से विधायक बने गोपाल कांडा की कुल संपत्ति 95 करोड़ रुपये की है। तीन विधायकों की आय सबसे कम है। इनमें इसराना से कांग्रेस विधायक बलबीर सिंह, पटौदी से भाजपा विधायक सत्यप्रकाश और हथीन से भाजपा विधायक प्रवीण डागर हैं।

63 विधायकों की उम्र 50 साल से अधिक

इस बार 90 में से 63 विधायक 50 साल से अधिक उम्र के हैं। 10 विधायक ऐसे हैं, जिन्होंने अपनी आयु 31 से 40 साल के बीच बताई है, जबकि 17 विधायक 41 से 50 साल की उम्र के बीच के हैं। 57 विधायकों की उम्र 51 से 70 साल के बीच है और छह विधायकों की आयु 71 से 80 साल के बीच है।

शिक्षा के मामले में हरियाणा से पिछड़े दिखे महाराष्ट्र के विधायक

नई दिल्ली, आइएएनएस : शिक्षा के मामले में हरियाणा के विधायक महाराष्ट्र के अपने समकक्षों से आगे हैं। यह दावा पीआरएस लेजिसलेटिव रिसर्च ने अपनी रिपोर्ट में किया है। रिपोर्ट के अनुसार, हरियाणा के कुल 90 विधायकों में 69 फीसद कम से कम स्नातक हैं, जबकि महाराष्ट्र के कुल 288 विधायकों में स्नातक शिक्षितों का प्रतिशत 57 है। हरियाणा के 18 फीसद विधायक स्नातकोत्तर की शिक्षा पा चुके हैं, जबकि महाराष्ट्र में ऐसे विधायकों का प्रतिशत 15 है। उम्र के हिसाब से देखें तो महाराष्ट्र के 85 फीसद विधायक 40 वर्ष से अधिक के हैं, जबकि हरियाणा के विधायकों की औसत आयु 55 साल है। महिलाओं के प्रतिनिधित्व के मामले में दोनों राज्यों की स्थिति अच्छी नहीं है। महाराष्ट्र में कुल 24 महिलाएं विधायक चुनी गईं जो सदन की क्षमता के मुकाबले आठ फीसद है, जबकि हरियाणा में 10 फीसद महिलाओं को प्रतिनिधित्व मिला है। हालांकि, वर्ष 2014 में हरियाणा में 14 फीसद महिलाओं को प्रतिनिधित्व मिला था। उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र व हरियाणा के विधानसभा चुनावों के परिणाम शुक्रवार को घोषित हुए हैं।

मप्र में उपचुनाव हारने के बाद एक और भाजपा नेता ने उठाए सवाल

नईदुनिया, भोपाल

मध्य प्रदेश के झाबुआ विधानसभा उपचुनाव में भाजपा को पराजय क्या मिली, एक के बाद एक पार्टी नेता प्रदेश नेतृत्व के खिलाफ आवाज उठाने लगे। शुक्रवार को राज्यसभा के पूर्व सदस्य रघुनंदन शर्मा ने कहा कि लोग जवाबदेह हैं, लेकिन जवाबदेही लेना नहीं चाहते हैं। संगठन, संगठन की स्थिति और वर्तमान राजनीतिक परिस्थिति के बारे में तथाकथित नेतृत्व को बात करनी चाहिए। गौरतलब है कि गुरुवार को विधायक केदार शुक्ला ने पराजय के लिए पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष राकेश सिंह को जिम्मेदार ठहराया था। इस पर शुक्ला को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था।

पत्रकारों से चर्चा के दौरान शर्मा ने कहा कि कोई जवाबदेही से बचता है तो यह स्वस्थ लक्षण नहीं है। केदार शुक्ला के बयान पर शर्मा ने कहा कि यह सारी बातें जब बाहर आती हैं तो उसके पीछे के कारण खोजने चाहिए। इस बुराई और कमी के पीछे संवादहीनता है। संवादहीनता की स्थिति में ही सारी बातें बाहर आती हैं। मजबूत व्यक्ति को अंदर जगह नहीं मिलती तो बाहर बोलता है। शर्मा ने कहा कि मैंने विधानसभा चुनाव के समय भी कहा था कि यदि भाजपा जीतती है तो इसका सारा श्रेय एक व्यक्ति शिवराज सिंह चौहान को जाएगा, लेकिन पार्टी सरकार बनाने में विफल रही।

शर्मा बोले-जगत मामा के जाने के बाद भी हार गए : शर्मा ने कहा कि झाबुआ में शिवराज सिंह चौहान ने कई सभाएं की। हम इस उम्मीद में थे कि उनका प्रभाव वैसा ही होगा, जैसा मामा के रूप में पहले था।

केदार ने कहा-बयान पर कायम हूं

सीधी जिले के विधायक केदार शुक्ला ने कहा कि वह अपने बयान पर अब भी कायम हैं। शुक्ला ने कहा कि उन्हें कारण बताओ नोटिस नहीं मिला है, जब मिलेगा तो वह जवाब देंगे।

55 फीसद कम हुआ छत्तीसगढ़ का सेंट्रल पूल में चावल का कोटा। अब केंद्र सरकार छत्तीसगढ़ से केवल 11 लाख मीट्रिक टन चावल खरीदेगी। इससे राज्य सरकार की मुश्किलें बढ़ गई हैं।

हत्या के दो घंटे बाद ही वसीम को मिली थी धमकी

पर्दाफाश ▶ शिया वक्फ बोर्ड के चेयरमैन को भेजा था ऑडियो संदेश

एसएसपी को पत्र भेजकर वसीम रिजवी ने की कार्रवाई की मांग, दी गई सुरक्षा

जागरण संवाददाता, लखनऊ

कमलेश तिवारी के हत्यारोपित शिया वक्फ बोर्ड के चेयरमैन वसीम रिजवी समेत तीन अन्य लोगों की भी हत्या करना चाहते थे। 'दैनिक जागरण' में खबर प्रकाशित होने के बाद वसीम रिजवी ने भी शुक्रवार को इसकी पुष्टि की। वसीम ने कहा कि कमलेश की हत्या के दो घंटे बाद ही उनके पास वाट्सएप पर एक ऑडियो भेजा गया था। ऑडियो में एक शख्स ने धमकी देते हुए कहा था कि अगला नंबर उनका है। सुरक्षा के मद्देनजर वसीम को चार गनर, दो पीएसओ उपलब्ध कराए गए हैं। इसके अलावा एक कांस्टेबल और चार हेड कांस्टेबल की गारद घर पर तैनात रहती है। उनके घर पर भी दो पुलिसकर्मियों की ड्यूटी है। वसीम रिजवी के मुताबिक 26 अगस्त को उन्होंने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर बताया था कि उनके खिलाफ मुंबई के एक अल्लामा (धर्मगुरु) ने फतवा जारी कर उनका सिर कलम करने की बात कही थी। यह बात उन्हें सोशल मीडिया के जरिए पता चली थी। वसीम ने यह भी बताया कि कमलेश की हत्या के अगले दिन दिल्ली में उन्हें अगवा करने की कोशिश की गई, जिसमें गुजरात का ही एक आदमी शामिल था। उन्होंने इसकी शिकायत दिल्ली कमिश्नर से की थी।

अलीगढ़ के पूर्व छात्र से भी कनेक्शन

अलीगढ़ के एक पूर्व छात्र से भी कमलेश तिवारी हत्याकांड के आरोपितों का कनेक्शन सामने आया है। आरोपितों ने उससे फोन पर बात की थी। पुलिस सूत्रों के मुताबिक पूर्व छात्र इस्लामिक स्टूडेंट एसोसिएशन से भी जुड़ा है। आरोपित आसिम उनसे लगातार संपर्क में था। बताया जा रहा है कि दिल्ली में हत्यारोपितों की मदद इसी ने की थी। खुफिया एजेंसियां उस पूर्व छात्र के बारे में पता लगा रही हैं।

यह है ऑडियो में : वसीम को भेजे गए दो ऑडियो रिकॉर्डिंग में अपशब्दों की भरमार है। ऑडियो में वसीम को संबोधित करते हुए बोला गया है कि आज वो (कमलेश तिवारी) मर गया न। अगली बारी तेरी है, ढूंढ़ रहे हैं तुझे... बोलने के लिए अल्फाज नहीं मिल रहे हैं... इंतजार है, कब सुनेंगे कि तुझे गोलियों से छलनी कर कर दिया गया... सामने मिल जा... इतने टुकड़े करेंगे कि कोई गिन नहीं पाएगा।

बड़ा सवाल, किसने भेजा ऑडियो : वसीम को धमकी भरा ऑडियो मिलने के बाद पुलिस ने अब तक कोई कार्रवाई नहीं की है। बताया जा रहा है कि वसीम घटना के समय दिल्ली में मौजूद थे। सवाल यह है कि वसीम को ऑडियो भेजने वाला शख्स कौन था? कहीं आरोपितों के किसी साथी ने तो वह ऑडियो नहीं भेजा था।

हत्या के बाद मददगारों को किए 13 फोन : छानबीन में सामने आया है कि अशफाक और मोइनुद्दीन ने हत्या के बाद कुल 13 फोन किए थे। आरोपितों ने पकड़े जाने के डर से अपने फोन का इस्तेमाल कम किया था और राह चलते लोगों से मोबाइल लेकर बात की थी।

सावरकर को अदालत ने नहीं बताया था बेगुनाह : तुषार गांधी

मुंबई, प्रेट्र : राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के परपोते तुषार गांधी ने हिंदुत्व विचारक विनायक दामोदर सावरकर को भारत रत्न देने संबंधी महाराष्ट्र भाजपा के प्रस्ताव की शुक्रवार को आलोचना की। उन्होंने कहा कि सावरकर महात्मा गांधी की हत्या की साजिश के 'संरक्षक' थे। तुषार ने दावा किया कि गांधी की हत्या के मामले में सुनवाई का सामना करने वाले सावरकर को भले ही बरी कर दिया गया था, लेकिन अदालत ने उन्हें बेगुनाह करार नहीं दिया था।

उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, 'मेरा मानना है कि ऐसे में जब महात्मा गांधी की हत्या की साजिश के संरक्षक को भारत रत्न देने की मांग हो रही है, यह महत्वपूर्ण है कि हम उनकी हत्या के पीछे के उद्देश्य और षड्यंत्र को समझें।' उन्होंने कहा, 'अदालत ने कहा था कि सावरकर को संदेह से परे दोषी साबित करने के लिए उसके समक्ष पर्याप्त सुबूत पेश नहीं किए गए।' तुषार गांधी ने कहा, '...हमें इसे जरूर याद रखना चाहिए, जबकि संघी (आरएसएस से जुड़े लोग) उन्हें सर्वोच्च नागरिक सम्मान देने का विचार कर रहे हैं।'उन्होंने कहा कि अगर सावरकर को भारत रत्न मिलता है तो यह उनके प्रति देश की सच्ची श्रद्धांजलि होगी और देशवासियों को इसका इंतजार है।

उल्लेखनीय है कि भाजपा ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए जारी घोषणापत्र में सावरकर को भारत रत्न देने की मांग करने का वादा किया था।

सीट बेल्ट बांधना तक नहीं जानते मंत्रियों के ड्राइवर

राज्य ब्यूरो, पटना

- बिहार के परिवहन विभाग के प्रशिक्षण में उजागर हुईं खामियां
- कुछ ड्राइवर प्रदूषण नियंत्रण के प्रमाण पत्र से थे अपरिचित
- बिना ड्राइविंग लाइसेंस के भी चलाते हैं सरकारी गाड़ी

बिहार में सरकारी गाड़ी, जिसकी सवारी मंत्री और बड़े हाकिम करते हैं, के ड्राइवर भी ट्रैफिक के सामान्य नियमों का पालन नहीं करते हैं। यहां तक कि उनमें से कई ऐसे भी हैं, जिन्हें सीट बेल्ट बांधने का शऊर तक नहीं है। यह जानकारी परिवहन विभाग के एक पत्र से मिलती है। उसकी प्रति विभाग के प्रधान सचिवों और मंत्रियों के आप्त सचिवों को दी गई है।

परिवहन विभाग ने पिछले महीने की 17-18 तारीख को सरकारी गाड़ियों के ड्राइवर के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया था। उस दौरान ड्राइवरों में पाई गई कमियों की एक सूची बनाई गई। वही इस पत्र में दर्ज है। इस हिदायत के साथ कि इन्हें दूर किया जाए। यह भी जानकारी मिली कि गाड़ियों में निहायत जरूरी कागजात भी नहीं हैं या अपूर्ण हैं। ये कागजात अगर सामान्य नागरिकों की गाड़ियों में न रहें तो चालान कट जाएगा।

प्रशिक्षण के दौरान पाया गया कि कई सरकारी गाड़ियों आरसी नहीं हैं। अगर हैं तो उनकी फोटो स्टेट कॉपी ही ड्राइवर के पास उपलब्ध है। कई ड्राइवरों को यह पता ही नहीं था कि प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण पत्र जैसा कोई कागज भी गाड़ी में रखना है। कुछ ड्राइवर बिना ड्राइविंग लाइसेंस के ही प्रशिक्षण लेने पहुंच गए थे और सबसे बड़ी बात कि उन्हें सीट बेल्ट बांधने का कोई अनुभव नहीं था। इस बात के सामने आने के बाद विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं।

परिवहन विभाग ने प्रधान सचिवों से आग्रह किया है कि जरूरी कागजातों को गाड़ी में रखने का इंतजाम करें। आउससोर्सिंग वाले वाहनों के लिए भी इन कागजातों को अनिवार्य बताया गया है। इस तरह की गाड़ियों में व्यावसायिक निबंधन, इंश्योरेंस, फिटनेस सर्टिफिकेट एवं परमिट की प्रति रखना भी जरूरी है। प्रशिक्षण के दौरान आउटसोर्सिंग वाले वाहनों के कई ड्राइवरों ने इन जरूरी दस्तावेजों के बारे में अनभिज्ञता जाहिर की।

सुप्रीम कोर्ट ने छत्तीसगढ़ सरकार से कहा, नहीं करें अधिकारी का फोन टैप

नई दिल्ली, आइएएनएस : सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी की याचिका पर सुनवाई करते हुए छत्तीसगढ़ सरकार की खिंचाई की। पुलिस अधिकारी मुकेश गुप्ता ने अपनी याचिका में दावा किया है कि राज्य पुलिस उनकी पुत्री व परिवार के अन्य सदस्यों का फोन टैप कर रही है। कोर्ट ने छत्तीसगढ़ सरकार से फोन टैपिंग पर तत्काल रोक लगाने का आदेश दिया तथा गुप्ता के खिलाफ दर्ज मामलों में उनकी गिरफ्तारी से भी राहत प्रदान की। मुकदमे की अगली सुनवाई चार नवंबर को होगी।

जस्टिस अरुण मिश्रा की अध्यक्षता वाली पीठ ने छत्तीसगढ़ सरकार से कहा कि अधिकारी के खिलाफ दर्ज मुकदमों पर लगाई गई अंतरिम रोक जारी रहेगी। हालांकि, कोर्ट ने मुकदमों को खत्म करने के संबंध में कोई आदेश नहीं दिया।

गुप्ता छत्तीसगढ़ के नागरिक आपूर्ति घोटाले में आरोपित हैं। इस मामले का पर्दाफाश वर्ष 2015 में हुआ था। उन पर विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) के उल्लंघन के मामले में भी रिपोर्ट दर्ज है। जिस ट्रस्ट पर एफसीआरए के उल्लंघन का आरोप है, उसकी स्थापना गुप्ता के पिता ने की थी। इस मामले में कोर्ट में सुनवाई चल रही है। कांग्रेस इसे लेकर लगातार पूर्ववर्ती भाजपा सरकार पर हमले करती रही है।

'फैसला चाहे जो आए, बहकावे में ना आएं'

- मारहरा की दरगाह के सज्जादानशीन ने मुसलमानों से किया सब्र का आह्वान
- बोले, तीन तलाक पर संसद से वॉकआउट करने वाले तुम्हें भड़काएंगे जरूर

जागरण संवाददाता, बरेली

बरेली में आला हजरत के 101वें उर्स के मंच से शुक्रवार को मारहरा की खानकाह बरकातिया के नायब सज्जादानशीन सय्यद नजीब मियां ने मुसलमानों के लिए बड़ा एलान किया है, जिसमें नसीहत और पैगाम दोनों छिपे हैं। अयोध्या या कोर्ट का नाम लिए बगैर बोले कि अगले कुछ दिनों में बेहद अहम फैसला आने वाला है। खयाल रखें-फैसला हक में आए तो खुदा का शुक्र अदा करें, हक में न आए तो सब्र (धैर्य) करें। किसी सियासतदां के बहकावे में आकर सड़क पर न उतरें। वे आपको भड़काने जरूर आएंगे। तब सब्र का दामन थामकर घरों में बैठे रहें। क्योंकि ये वही लोग हैं जो तीन तलाक के बिल पर संसद से वॉकआउट कर गए थे। ऐसे हालात में सड़क पर कभी कोई नेता नहीं, बल्कि आम इंसान मरता है।

आला हजरत के पीर घराने से जुड़े सय्यद नजीब मियां के इस पैगाम का मंच के सामने लाखों की तादाद में बैठे मुरीदों ने हाथ खोलकर इस्तकबाल किया। उनके बाद मारहरा के सज्जादानशीन व अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर रहे सय्यद अमीन मियां ने नजीब मियां के बयान पर मुहर लगाते हुए कहा कि मुसलमानों के पास सबसे बड़े दो हथियार हैं। एक सब्र और दूसरा शुक्र। हालात कैसे भी हों, सब्र और शुक्र पर बने रहना है।

इसी मुल्क में अब्दुल कलाम राष्ट्रपति बने

सय्यद अमीन मियां ने बच्चों को दीनी, दुनियावी तालीम दिलाने का पैगाम दिया। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की गरीबी का हवाला देकर कहा कि वह हालात से ऊपर उठकर इसी देश के राष्ट्रपति बने। जब वह राष्ट्रपति बन सकते हैं तो आपके बच्चे क्यों नहीं बन सकते। खुदा का वास्ता देकर पानी बचाने की अपील की। बोले, जरा भी पानी बर्बाद न करें, क्योंकि दुनिया में अब जब कोई युद्ध होगा वह पानी के लिए ही होगा।

सुप्रीम फैसले के इंतजार में मंद पड़ी शहनाई की गूंज

प्रवीण तिवारी, अयोध्या

- अयोध्या विवाद की वजह से ठिठकने लगे मांगलिक आयोजन
- पाल्यों के विवाह की तिथि तय करने के बाद पीछे खींचे कदम

सुप्रीम कोर्ट में चल रहे अयोध्या विवाद के संभावित फैसले का असर अयोध्या के मांगलिक आयोजनों पर है। प्रशासनिक सख्ती के चलते ऐसे कार्यक्रम स्थगित होने लगे हैं। माना जा रहा है कि 17 नवंबर के पहले फैसला आ जाएगा। इसे लेकर दिन-ब-दिन अयोध्या में सुरक्षाबलों की आमद बढ़ रही है। रामनगरी का मानस भवन 24 नवंबर को विवाह के लिए बुक था, लेकिन आयोजकों ने इसे रद करा दिया। इसी तरह बिड़ला धर्मशाला में नवंबर की भिन्न-भिन्न तिथियों पर कराई गई बुकिंग में दो निरस्त करा दी गईं। इसी तरह अयोध्या एवं फैजाबाद के कई अन्य वैवाहिक स्थलों में नवंबर की बुकिंग रद हुई हैं।

कथा-भागवत भी स्थगित : वैवाहिक कार्यक्रम ही नहीं, कथा-भागवत पर भी विवाद का असर है। बिड़ला धर्मशाला में ही कथा की बुकिंग निरस्त हुई है। पहाड़गंज में हर वर्ष कार्तिक शुक्ल पक्ष में आयोजित होने वाले अखंड रामायण का आयोजन टाल दिया गया।

एबीवीपी का अभ्यास वर्ग टला : अयोध्या में 15 से 17 नवंबर के मध्य आयोजित होने वाला अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का प्रांतीय अभ्यास वर्ग दो माह के लिए स्थगित कर दिया गया है। इसे भी अयोध्या की हलचल से जोड़कर देखा जा रहा है। अब यह आयोजन चार जनवरी से होगा। विभाग संगठन मंत्री अभिलाष मिश्र ने बताया कि इसमें विभिन्न जिलों से डेढ़ हजार कार्यकर्ताओं को प्रतिभाग करना था।

पाकिस्तानी श्रद्धालुओं को रोजा शरीफ में सजदा के लिए वीजा का इंतजार

धरमिंदर सिंह, फतेहगढ़ साहिब

- वार्षिक उर्स में अफगानिस्तान व बांग्लादेश से श्रद्धालु पहुंचे
- पाकिस्तान की तरह से नहीं दिखाई गई सक्रियता

करतारपुर साहिब मामले में उत्साह दिखाने वाले पाकिस्तान के ही लोग रोजा शरीफ में सजदा करने को तरस रहे हैं। भारत का मक्का कही जाने वाली हजरत शेख अहमद फारूकी सरहिंदी मुजदद अलफसान की पवित्र दरगाह पर वार्षिक उर्स शनिवार से शुरू हो रहा है।

407वें उर्स में अफगानिस्तान और बांग्लादेश से श्रद्धालु पहुंच चुके हैं, लेकिन पाकिस्तान से एक भी श्रद्धालु नहीं आया। दोनों देशों की सरकारों में इस विषय पर कोई संपर्क कायम न होने के कारण अभी तक किसी को वीजा नहीं मिला है। सूत्रों का कहना है कि पाकिस्तान में करीब सौ श्रद्धालुओं ने डेढ़ महीना पहले ही उर्स में भाग लेने के लिए वीजा का आवेदन किया था, लेकिन भारतीय दूतावास ने वीजा नहीं दिया। पाकिस्तान सरकार ने भी समझौता एक्सप्रेस और सदा-ए-सरहद बस सेवा बंद होने के बाद अपने श्रद्धालुओं के लिए कोई प्रबंध नहीं किया। पाकिस्तानी सरकार ने इस मुद्दे पर कोई पहल नहीं की। पाकिस्तान में रहने वाले हजरत शेख अहमद फारूकी सरहिंदी मुजदद अलफसान के परिवारवालों को भी भारत आने की इजाजत नहीं मिली। उन्होंने कहा, 'सरहद से ज्यादा मन की दूरियां बढ़ गई हैं। दो देशों की कड़वाहट का असर आस्था पर पड़ रहा है।

फतेहगढ़ साहिब में हजरत शेख अहमद फारूकी सरहिंदी मुजदद अलफसान की दरगाह पर वार्षिक उर्स में भाग लेने पहुंचे बांग्लादेश के श्रद्धालुओं के साथ सैय्यद मोहम्मद सादिक रजा मुजददी। जागरण

इससे बड़ी बदकिस्मती क्या होगी कि चाहकर भी अपने पीर पैगंबर की दरगाह पर सजदा नहीं हो सकते।'

इस बार तो किसी का फोन भी नहीं आया : रोजा शरीफ के खलीफा सैय्यद मोहम्मद सादिक रजा मुजददी ने बताया कि अभी तक पाकिस्तान से एक भी श्रद्धालु को वीजा मिलने की सूचना नहीं मिली है। किसी से संपर्क भी नहीं हो रहा। न ही किसी का फोन आया। जिन परिस्थितियों का सामना लोगों को करना पड़ रहा है वह चिंताजनक है। अमन-शांति से सभी मसलों का हल निकालना चाहिए। हर वर्ष उर्स होता है। इससे जुड़ी आस्था को ध्यान में रख वीजा प्रक्रिया आसान बनानी चाहिए। अभी जिन लोगों ने वीजा के लिए आवेदन दिया है, उन्हें फौरन भारत आने की इजाजत देनी चाहिए, ताकि वे सोमवार को होने वाली अंतिम दुआ में शिरकत कर सकें।

अपने आराध्य की अगवानी को अकुलाई अयोध्या

रमाशरण अवस्थी, अयोध्या

- दीपों की संख्या बढ़ने से इस बार और चटख हुआ उत्सव का रंग
- भगवान राम की लंका विजय के साथ बंधी है मूल्यों, विश्वासों की डोर

प्रतीक के तौर पर भगवान राम, सीता और लक्ष्मण के साथ शनिवार को अयोध्या की धरती पर उतरेंगे, लेकिन साकेतवासियों ने अभी से ही पलक पांवड़े बिछा दिए हैं। अयोध्या के हर घर में उत्सव की तैयारियां हैं और सबको उस क्षण की प्रतीक्षा है, जब राम की पैड़ी दीपों की रोशनी से नहाएगी। रामनगरी विजयोल्लास की स्मृति भर से निहाल है। यह स्मृति अयोध्या के राजकुमार राम की लंका विजय तक ही सीमित नहीं है। असत्य पर सत्य की, अन्याय पर न्याय की और अज्ञान रूपी अंधकार पर ज्ञान रूपी प्रकाश की विजय का भी स्मृति-पर्व है। यह पर्व मनाते हुए नगरी ने युगों का सफर तय किया है। ...और इस लंबे सफर में विजयोल्लास की स्मृति ऐसी थाती बन गई है, जिससे राम और रामनगरी की पहचान मुकम्मल होती है।

युगों के सफर के बावजूद विजयोल्लास की स्मृति का रंग फीका नहीं पड़ा है, चटख ही हुआ है। दीपोत्सव इस हकीकत की भव्य बानगी है। रामनगरी में यूं तो राम की विजय का स्मृति-पर्व कार्तिक अमावस्या के दिन मनाया जाता रहा है पर तीन वर्ष पूर्व प्रदेश की सत्ता संभालने के साथ गैरिकवसनी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक दिन पूर्व छोटी दीपावली के दिन मेगा इवेंट के रूप में दीपोत्सव की शुरुआत की। पहले संस्करण में ही राम की पैड़ी पर रिकार्ड एक लाख 87 हजार दीप जले।

2018 में दीपोत्सव का दूसरा संस्करण उत्सव की परिपाटी को शिखर प्रदान करने वाला बना। इस वर्ष प्रज्ज्वलित दीपों की संख्या तीन लाख 11 हजार तक जा पहुंचीं। दीपोत्सव का तीसरा यानी मौजूदा संस्करण भव्यता के और उच्च सोपान की ओर अग्रसर है। इस बार पांच लाख 51 हजार दीप जलाए जाने की तैयार है। इसमें चार लाख राम की पैड़ी पर एवं एक लाख 51 हजार दीप 15 अन्य पौराणिक स्थलों पर जलेंगे।

अयोध्या में प्रज्ज्वलन से पूर्व यथास्थान रखे जा रहे दीप जीतू निषाद

आनंदी बेन ने कहा, अस्पतालों में वसूली व थानों में डर का माहौल

जागरण संवाददाता, लखनऊ

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा है कि राज्य के अस्पतालों में मरीजों से वसूली की जा रही है। केंद्र और राज्य सरकार द्वारा करोड़ों खर्च किए जाने के बाद भी यह अमानवीय रवैया अपनाया जा रहा है। वह शुक्रवार को लखनऊ में किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) के दीक्षा समारोह को संबोधित कर रही थीं। कहा कि मरीजों से पैसे मांगते समय सोचना चाहिए कि क्या उन्हें सेलरी नहीं मिल रही। अस्पतालों में मरीज की मेडिकल हिस्ट्री नहीं रहती। रहती भी है तो नर्स या डॉक्टर के पास। मरीजों के साथ ऐसा व्यवहार किसी भी अस्पताल में नहीं होना चाहिए।

उन्होंने इस मौके पर राज्य में पुलिस थानों पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी। राज्यपाल ने कहा, बच्चे पुलिस से डर रहे हैं। ऐसे में यदि उन पर विपत्ति आती है तो वह कहां जाएंगे। पुलिस को लेकर लोगों की धारणा सकारात्मक नहीं है। बाल विवाह व दहेज जैसी सामाजिक कुरीतियों का भी विरोध करते हुए कहा कि दहेज की मांग होने पर बेटियों में मंडप में खड़े होने की हिम्मत होनी चाहिए। बच्चों को पालना मां-बाप का काम है, मगर शादी बच्चों का अपना अधिकार है। यदि इसे लेकर किसी को परेशानी है तो वह कभी भी मुझसे मिल सकते हैं।

उप्र के चिकित्सा शिक्षा मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि डॉक्टर किसी भी स्थिति में झल्लाएं नहीं, धैर्य रखें। अपने व्यवहार से संस्थान को ऐसा बनाएं कि लखनऊ में प्रवेश करने के साथ ही मरीज सबसे पहले केजीएमयू आएं।

इमरजेंसी व्यवस्था को सशक्त बनाना होगा: इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च के डायरेक्टर जनरल डॉ. बलराम भार्गव ने कहा कि हमारे पास विश्व के सबसे अच्छे अस्पताल हैं। सबसे अच्छे चिकित्सक हैं। हमें इमरजेंसी व्यवस्था को सशक्त बनाना होगा। उन्होंने मेट्रो मैन श्रीधरन का उदाहरण देते हुए कहा सफल जीवन के लिए समयबद्धता, व्यावसायिक दक्षता, ईमानदारी और सामाजिक दायित्वबोध का होना जरूरी है।

रिटायरमेंट लाभ के लिए धक्के खा रहे हैं पूर्व सीबीआइ प्रमुख वर्मा

नई दिल्ली, आइएएनएस : कभी देश के सबसे ताकतवर पुलिस अधिकारी माने जाने वाले सीबीआइ के पूर्व महानिदेशक आलोक वर्मा पिछले कुछ महीनों से सामान्य भविष्य निधि (जीपीएफ) सहित अन्य बुनियादी रिटायरमेंट लाभ के लिए जहां-तहां धक्के खाते फिर रहे हैं।

1979 बैच के आइपीएस अधिकारी वर्मा की सेवा अवधि के सभी लाभ रोक लिए गए हैं। एक अप्रत्याशित कदम उठाते हुए उन्होंने सीबीआइ प्रमुख पद से हटाने के सरकार के फैसले को चुनौती दी थी। गृह मंत्रालय के 14 अक्टूबर के एक गोपनीय पत्र से पता चला है कि सरकार ने वर्मा के जीपीएफ एवं अन्य लाभ को रोक लिया है।

इसका कारण यह है कि वह अनधिकृत अवकाश पर चले गए थे जिसे सरकारी सेवा में गंभीर चूक माना जाता है। उनके अवकाश की इस अवधि को सेवा में ब्रेक माना जा रहा है जिससे उन्हें रिटायरमेंट लाभ से वंचित होना पड़ सकता है।

निर्देश दरकिनार

निगरानी कमेटी के चेयरमैन की सख्त हिदायत के बावजूद बरती जा रही लापरवाही, कपूरथला के अलावा कई गांवों का गंदा पानी काली बेई में गिराया जा रहा है...

बाबा नानक की पवित्र बेई में फेंका जा रहा गंदा पानी

हरनेक सिंह जैनपुरी, कपूरथला :

श्री गुरु नानक देव जी के 550वें प्रकाश पर्व पर देश-विदेश से आने वाली संगत को अच्छा संदेश देने की तैयारियों में सरकार और संगत ने पूरी ताकत लगा दी है, लेकिन नगर निगम कपूरथला व प्रशासन इस पर गंदा पानी फेरने में जुटा है। एनजीटी के आदेशों के बावजूद निगम शहर का पानी बिना ट्रीट किए काली बेई में फेंक रहा है। इसी काली बेई में प्रकाश पर्व पर देश विदेश से आने वाली संगत स्नान करेगी। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) की सख्त हिदायत के बाद भी काली बेई में कपूरथला शहर के सीवरेज का गंदा पानी फेंका जा रहा है।

एनजीटी की निगरानी कमेटी के चेयरमैन जस्टिस जसप्रीत सिंह ने प्रशासन को सख्त हिदायत दी थी कि 550वें प्रकाशोत्सव पर देश-विदेश से संगत काली बेई में श्रद्धापूर्वक स्नान करेगी। बेई में गंदा पानी बहना बंद नहीं हुआ तो जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई होगी। इसके बावजूद नगर निगम गंदा पानी बेई में बहा रहा है। आरसीएफ (रेल कोच फैक्ट्री) के बाहर स्थित कॉलोनियों के अलावा डोगरावाल, ढडिया, चार चक्क, नानकपुर गांवों का सीवरेज का पानी भी बेई में बहाया जा रहा है। यही नहीं होशियारपुर जिले के गांव परेज रोलिया, प्रेमपुर, बधाइया, अहमदपुर का गंदा पानी भी बेई में गिर रहा है। होशियारपुर जिले के गांव टेरकियाणा से शुरू होने वाली 165 किलोमीटर लंबी काली बेई सतलुज और ब्यास दरिया के साथ हरीके पत्तन में मिलती है।

कपूरथला के सीवरेज ट्रीटमेंट का पानी बिना ट्रीट किए काली बेई में छोड़ा जा रहा है। हालांकि एनजीटी ने रोक लगा रखी है, लेकिन नगर निगम कपूरथला आंख मूंदे बैठा है। जागरण

पिछले करीब छह साल से कपूरथला शहर का सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट बंद पड़ा है। पूरे शहर का दूषित पानी बिना ट्रीट किए बेई में जा रहा है। बेई का पानी इतना दूषित हो चुका है कि उससे लोग कई भयानक बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। काली बेई के आसपास बसे करीब 170 गांवों का धरती के नीचे का पानी भी दूषित हो चुका है। बेगोवाल, भुलत्थ, टांडा और दसूहा आदि में ट्रीटमेंट प्लांट लग चुके हैं और ठीक से काम भी कर रहे हैं लेकिन कपूरथला का ट्रीटमेंट प्लांट नगर कौंसिल और सीवरेज बोर्ड के बीच फंसा रहा। अब नगर काउंसिल की जगह पर नगर निगम बन गया है।

संत बलबीर सिंह सीचेवाल का कहना है कि ऐसा अपराध करने वाले अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक केस दर्ज होना चाहिए। एनजीटी कई बार हिदायत दे चुकी है लेकिन इन पर कोई असर नहीं है। वहीं, डिप्टी कमिश्नर डीपीएस खरबंदा का कहना है कि जिला प्रशासन काली बेई को लेकर गंभीर है। जल्द समस्या का हल निकाला जा रहा है।

आयकर की छापेमारी में 80 करोड़ की रुपये हेराफेरी पकड़ी गई

राज्य ब्यूरो, रांची

व्यवसायी रामअवतार अग्रवाल के बेटे अनिल कुमार अग्रवाल, मनीष अग्रवाल व अन्य की कंपनियों ने करीब 80 करोड़ की हेराफेरी की है। आयकर विभाग की तीन दिनों तक चली छापेमारी में यह जानकारी सामने आई है। सर्वाधिक हेराफेरी बालाजी न्यूज प्रिंट प्राइवेट लिमिटेड (40 करोड़) व इंडियन पल्प एंड पेपर प्राइवेट लिमिटेड (करीब 32 करोड़) ने की है। दोनों कंपनियां रांची व कोलकाता में हैं।

आयकर विभाग रांची के संयुक्त आयकर निदेशक (अनुसंधान) मनीष कुमार झा ने बताया कि अनिल कुमार अग्रवाल व मनीष कुमार अग्रवाल की कंपनियों के माध्यम से करीब 80 करोड़ रुपये की हेराफेरी की पुष्टि हुई है। इन कंपनियों ने फर्जी शेल कंपनियों व फर्जी नामों के माध्यम से हेराफेरी की है, जो छापेमारी में पकड़ ली गई है। अब इनके विरुद्ध आगे की कार्रवाई की जा रही है।

रामअवतार अग्रवाल के बेटे अनिल कुमार अग्रवाल व मनीष कुमार अग्रवाल हैं। इन्होंने रांची में गणपति डिस्ट्रीब्यूटर्स नाम से व्यवसाय शुरू किया था। इसके बाद बालाजी न्यूज प्रिंट प्राइवेट लिमिटेड व इंडियन पल्प एंड पेपर प्राइवेट लिमिटेड नाम से दो कंपनियां शुरू कीं। ये पेपर निर्माण और उसका व्यवसाय करते हैं। आयकर अधिकारी के अनुसार यह समूह रांची, कोलकाता सहित विभिन्न शहरों में अपार्टमेंट निर्माण में भी जुटा है। इसी समूह ने रांची में बलदेव भवन, लेक व्यू अपार्टमेंट, शेल्टर मॉल (दुकान व फ्लैट), शेल्टर आर्केड अपर बाजार, कृष्णा कुंज आदि का निर्माण कराया है, जिसके दस्तावेज खंगाले जा रहे हैं।

आयकर विभाग की टीम ने रांची सहित पूरे देश में 24 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की है। इनके कार्यालय व आवास रांची के रातू रोड में शेल्टर आर्केड, अपर बाजार के गणपति ट्रेडिंग, लालपुर में वर्द्धमान कंपाउंड स्थित आवास, पश्चिम बंगाल के मिदनापुर, झाड़ग्राम, हॉली शहर, कोलकाता, दिल्ली, मुंबई में है, जहां आयकर विभाग की टीम ने छापेमारी की।

2 सैनिक घायल हो गए जम्मू-कश्मीर के बावा खोड़ी व लाम सेक्टर में हुए दो अलग-अलग बारूदी सुरंग विस्फोट में। दोनों जगह सेना के जवान गश्त कर रहे थे। इसी दौरान जवानों का पांव गलती से सीमा पर बिछी बारूदी सुरंग के ऊपर पड़ गया और जोरदार धमाका हुआ।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
शनिवार 26 अक्टूबर 2019

ट्रकों की आवाजाही के लिए बनेगा विशेष कॉरिडोर

एहतियात ▶ आतंकवादी हमलों के बाद अधिकारियों की बैठक में चालकों की सुरक्षा को देखते हुए लिया गया फैसला

बिना अनुमति भीतरी इलाकों में न जाएं ट्रक चालक, सेफ जोन से बाहर न जाने की भी दी गई हिदायत

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

कश्मीर में आतंकियों द्वारा ट्रक चालकों को निशाना बनाए जाने की लगातार बढ़ रही घटनाओं से निपटने के लिए राज्य प्रशासन ने उनकी सुरक्षा को यकीनी बनाने के लिए विशेष कदम उठाए हैं। ट्रकों की आवाजाही के लिए विशेष कॉरिडोर बनाने का फैसला किया गया है। इसके तहत निर्धारित व सुरक्षित रूप से आवाजाही सुनिश्चित की जाएगी। इसके अलावा भीतरी इलाकों में ट्रक चालकों को सुरक्षा दस्ते की मौजूदगी में ही काफिले के साथ आने-जाने के लिए कहा गया है। उन्हें सिर्फ निर्धारित स्थानों पर ही रुकने और सेफ जोन से बाहर न जाने की हिदायत भी दी गई है। इस बीच, आतंकी हमलों से घबराए कुछ ट्रक चालकों ने बिना माल उठाए ही कश्मीर से अपने घरों की तरफ रुख कर लिया है।

गौरतलब है कि आतंकियों ने कश्मीर में स्थानीय सेब उत्पादकों को अपनी फसल नहीं उतारने और उसे दूसरे राज्यों में नहीं भेजने का फरमान सुना रखा है। बावजूद इसके स्थानीय किसान अपनी फसल मंडियों में पहुंचा रहे हैं। करीब छह लाख मीट्रिक टन सेब कश्मीर से बाहर भेजा जा चुका है। इससे हताश आतंकियों ने वादी में सेब उत्पादकों के साथ मारपीट करने के अलावा तीन अन्य राज्यों के ट्रक चालकों की हत्या व एक सेब व्यापारी को भी मौत के घाट उतारा है। आतंकी हमलों में एक ट्रक चालक और एक सेब व्यापारी जख्मी भी हुआ है।

श्रीनगर के शोपियां में ट्रक पर लदीं सेब की पेटियों को ढकता ड्राइवर। गुरुवार को इसी इलाके में एक ट्रक ड्राइवर समेत दो लोगों की हत्या कर दी गई थी। इससे ट्रक ड्राइवर थोड़े डरे हुए हैं। एपी

तलाशी अभियान चलाने का भी दिया गया निर्देश

डीआइजी रैंक के एक पुलिस अधिकारी ने अपना नाम न छापने पर बताया कि हताश आतंकियों द्वारा सेब उत्पादकों, व्यापारियों और ट्रक चालकों को निशाना बनाए जाने की घटनाओं को देखते हुए बीती रात वरिष्ठ अधिकारियों की एक बैठक हुई है। इसमें वादी में सभी फल मंडियों विशेषकर दक्षिण कश्मीर और उत्तरी कश्मीर के सोपोर में ट्रक चालकों और व्यापारियों की सुरक्षा को यकीनी बनाने के उपायों पर विचार-विमर्श किया गया है। पुलिस, सेना व केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की संयुक्त टुकड़ियों को दक्षिण कश्मीर के विभिन्न इलाकों में तलाशी अभियान चलाने का भी निर्देश दिया गया है।

आतंकियों ने गत गुरुवार को ही शोपियां के चित्रीगाम इलाके में दो ट्रक चालकों की हत्या कर दी थी।

रास्ते में कोई वाहन रोके तो न रुकें : अधिकारी ने बताया कि बैठक में लिए गए फैसले के मुताबिक सभी ट्रक चालकों को सख्त निर्देश दिया गया है कि वह बीते सप्ताह उनके लिए बनाए गए सेफ जोन से बिना अनुमति बाहर न जाएं। वह दोपहर बाद दूर देहात में माल की लदाई के लिए नहीं जाएं और निर्धारित मंडियों में ही सेब की लदाई करें। स्थानीय सेब व्यापारियों व किसानों को कहा गया है कि वह छोटे वाहनों में सेब की पेटियों को मंडियों या फिर जिला मुख्यालय में चिह्नित किए गए स्थानों पर पहुंचाएं, जहां उन्हें कश्मीर से बाहर भेजने के लिए ट्रकों में भरा जाएगा। सभी ट्रक चालकों को पुलिस थानों, चौकियों और सुरक्षा शिविरों के पास बनाए गए सेफ जोन में ही रात को रहने के लिए कहा गया है। उन्हें कहा गया है कि अगर किसी इलाके में जाते हुए रास्ते में अगर कोई उन्हें रोकने का प्रयास करता है तो वह कतई अपना वाहन न रोकें। सभी फल मंडियों और सेब बागानों में जहां अभी फसल उतारी जा रही है, वहां पुलिस व केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की अस्थायी चौकियां स्थापित करने के अलावा सभी संवेदनशील इलाकों में गश्त बढ़ाई गई है। सभी ट्रक चालकों से कहा गया है कि वह बिना अनुमति भीतरी इलाकों में न जाएं और अगर जाएं तो सुरक्ष अधिकारियों को सूचित करते हुए एक काफिले के रूप में ही जाएं।

हताश आतंकी कश्मीर को डुबोना चाहते हैं अंधेरे में

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

अपने जिहादी मंसूबे नाकाम होते देख हताश आतंकियों ने निर्दोष ट्रक चालकों और सेब उत्पादकों को निशाना बनाने के बाद अब आम लोगों की जिंदगी अंधेरे में धकेलने के लिए बुनियादी ढांचों को तबाह करने की साजिश शुरू कर दी है। इस साजिश का राज शोपियां के चित्रीगाम में 400 केवी के ट्रांसमिशन टावर के दो आधार स्तंभों (लिंब) के कटे होने से खुला है। अगर आतंकी इस साजिश में कामयाब रहते तो न सिर्फ दक्षिण कश्मीर, बल्कि मध्य और उत्तरी कश्मीर का एक बड़ा हिस्सा अंधेरे में डूब जाता। फिलहाल, बिजली विभाग के इंजीनियरों ने इस टावर की मरम्मत शुरू कर दी है।

अधिकारियों ने बताया कि जिस टावर को गिराने के लिए उसके दो आधार स्तंभ काटे हैं, वह मुलू चित्रीगाम में उस जगह से कुछ ही दूरी पर है, जहां गुरुवार की शाम आतंकियों ने दो ट्रक चालकों की हत्या और एक को गोली मार दी। हमले के बाद सुरक्षा बलों के तलाशी अभियान के दौरान टावर को कटा देखा गया। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। साथ ही पता लगाया जा रहा है कि इसे काटने का प्रयास करने वाले और ट्रक चालकों पर हमला करने वाले आतंकी अलग हैं या फिर एक ही गुट है।

ट्रांसमिशन टावर को काटने के लिए आतंकियों ने गैस कटर इस्तेमाल किया है। यह ट्रांसमिशन लाइन पावर ग्रिड कार्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के अधीन है। अगर टावर गिर जाता तो जानी नुकसान भी होता और वादी में कई दिनों तक अंधेरा भी रहता। अधिकारी ने बताया कि टावर गिरने से रोकने के लिए तत्काल अस्थायी व्यवस्था की गई और सुरक्षाबलों की टुकड़ी भी तैनात कर दी गई। जिस टावर को निशाना बनाया गया है, उसका नंबर 348 है और वह सस्पेंशन टावर है।

...तो पूरा कश्मीर में अंधेरे में डूब जाता

राज्य पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि ऐसा लगता है कि आतंकी जब टावर काट रहे थे तो गैस खत्म हो गई होगी, अन्यथा वह चारों लिंब काटकर पूरे कश्मीर को अंधेरे में डुबो देते। इस घटना से पता चलता है कि आतंकी अब कश्मीर में आम लोगों का कत्ल करने के अलावा उनकी जिंदगी को पूरी तरह नरक बनाने के लिए कोई भी घटना अंजाम दे सकते हैं।

न्यूज गैलरी

पीएम ने 'ऐतिहासिक फैसले' को दिया श्रेय

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर में पहली बार हुए प्रखंड विकास परिषद (बीडीसी) चुनाव में भारी मतदान का श्रेय राज्य से अनुच्छेद-370 को हटाने के ऐतिहासिक फैसले को दिया। उन्होंने ट्वीट किया, 'फैसले के लिए संसद को धन्यवाद। जम्मू-कश्मीर के युवा व ऊर्जावान प्रतिनिधि अब राज्य के लोगों के भविष्य को आकार देंगे।' उन्होंने लिखा, 'मैं सभी दलों के सांसदों को जम्मू-कश्मीर पर ऐतिहासिक निर्णय के लिए बधाई देता हूं। इस साल अगस्त में लिया गया ऐतिहासिक निर्णय भारतीय संसद को गौरवान्वित करेगा। जम्मू-कश्मीर के लोग अब अभूतपूर्व उत्साह के साथ प्रजातांत्रिक अधिकारों का प्रयोग कर रहे हैं।' पीएम ने लिखा, 'मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि जम्मू-कश्मीर, लेह व लद्दाख में बीडीसी चुनाव शांतिपूर्वक संपन्न हो गए। यह वहां के लोगों का लोकतंत्र में विश्वास को दर्शाता है।' उल्लेखनीय है कि राज्य में गुरुवार को हुए बीडीसी चुनाव में 98.3 फीसद मतदान हुआ था। भाजपा के 22 समेत कुल 27 प्रत्याशी निर्विरोध चुने गए थे। इस चुनाव में पिछले साल चुने गए पंचों व सरपंचों ने मतदान किया। कांग्रेस, नेकां तथा पीडीपी ने चुनाव के बहिष्कार का एलान किया था। (प्रेट्र)

बंगाल की तीन विस सीटों पर 25 नवंबर को उपचुनाव

कोलकाता : बंगाल की तीन विधानसभा सीटों पर 25 नवंबर को उपचुनाव होंगे। चुनाव आयोग ने शुक्रवार को इसकी घोषणा कर दी। आयोग की ओर से कहा गया है कि बंगाल के कालियागंज, करीमपुर तथा खड़गपुर सदर सीटों पर उपचुनाव के लिए अधिसूचना 30 अक्टूबर को जारी की जाएगी। तीनों सीटों पर 25 नवंबर को मतदान होगा और मतगणना 28 नवंबर को होगी। उल्लेखनीय है कि लोकसभा की दो और विधानसभा की 51 सीटों पर बीते 21 अक्टूबर को उपचुनाव हुआ था। लेकिन, बंगाल व उत्तराखंड सरकार के अनुरोध पर इन दो राज्यों में उपचुनाव नहीं कराए गए थे। बंगाल में दुर्गापूजा उत्सव का हवाला दिए जाने व उत्तराखंड में स्थानीय निकाय चुनाव के कारण उपचुनावों को टाल दिया गया था। (राब्यू)

राज्यपाल को न्योता देने से क्षुब्ध तृकां नेता ने दिया इस्तीफा

कोलकाता : बंगाल के 24 परगना जिले के बारासात में एक क्लब के मुख्य संरक्षक व तृणमूल कांग्रेस के नेता ने काली पूजा के शुभारंभ के लिए राज्यपाल जगदीप धनखड़ को आमंत्रित करने के बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया। बारासात नगर पालिका के अध्यक्ष सुनील मुखर्जी को जब ये पता चला कि उनके यहां क्लब में होने वाली काली पूजा के शुभारंभ के लिए अधिकारियों ने राज्यपाल धनखड़ को मुख्य अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया है, तो उन्होंने इस्तीफा दे दिया। (जासं)

पाक ने की गोलाबारी सूबेदार घायल

जेएनएन, जम्मू : पाकिस्तान ने शुक्रवार को हीरानगर सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा (आइबी) से लेकर पुंछ में नियंत्रण रेखा (एलओसी) तक भारत की अग्रिम चौकियों के साथ-साथ रिहायशी क्षेत्रों पर भारी गोलाबारी की। इसमें एक सूबेदार घायल हो गया और कई मवेशी भी मारे गए। भारतीय सेना और बीएसएफ ने भी पाकिस्तान को करार जवाब दिया है।

इससे पहले अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पाकिस्तानी रेंजर्स ने गुरुवार देर रात कठुआ जिले के मन्यारी, पानसर, कडियाला व देवो चक सहित कई गांवों को निशाना बनाकर मोर्टार दागे। जान बचाने के लिए कुछ लोग घरों के अंदर व कई बंकरों में छिप गए। लेकिन गोलाबारी में कई मवेशी मारे गए हैं। गोलाबारी से अब तक तीन घरों को नुकसान पहुंचा है। शुक्रवार सुबह बीएसएफ के सेकेंड कमांडेंट विरेंद्र सिंह, एसडीएम हीरानगर सुरेश कुमार भी राजस्व विभाग की टीम के साथ गांव में पहुंचे और नुकसान का जायजा लिया। एसडीएम ने आश्वस्त किया कि गोलीबारी से जिन लोगों का नुकसान हुआ है उन्हें सरकार की तरफ से उचित मुआवजा दिया जाएगा। उन्होंने लोगों को गोलीबारी के दौरान बाहर न निकलने की सलाह दी।

नए जम्मू-कश्मीर में पुलिस से बच नहीं पाएंगे अपराधी

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

अब नए जम्मू-कश्मीर में अपराधी बच नहीं पाएंगे। केंद्र शासित प्रदेश बनने जा रहे जम्मू-कश्मीर में अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए राज्य प्रशासनिक परिषद (एसएसी) ने जम्मू-कश्मीर फॉरेंसिक साइंस लैबोरेटरी (जेएंडके एफएसएल) के पुनर्गठन को मंजूरी प्रदान कर दी है। इसके साथ ही एफएसएल जम्मू और एफएसएल श्रीनगर की मौजूदा चार डिवीजनों का भी आपस में विलय करने के साथ ही लेह-करगिल समेत राज्य के सभी 22 जिलों के लिए मोबाइल फॉरेंसिक यूनिट भी मंजूर किए गए हैं। इसके अलावा 28 पदों के साथ लाई डिटेक्शन यूनिट को समाप्त कर दिया गया है, लेकिन 154 नए पद भी मंजूर किए गए हैं।

31 अक्तूबर को जम्मू-कश्मीर दो केंद्र शासित राज्यों जम्मू कश्मीर व लद्दाख के रूप में पुनर्गठित हो जाएगा। राज्यपाल सत्यपाल मलिक की अध्यक्षता में गत दिनों हुई राज्य प्रशासनिक परिषद की बैठक में ही जम्मू-कश्मीर फॉरेंसिक साइंस लैबोरेटरी को सुदृढ़ और अत्याधुनिक बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। संबंधित अधिकारियों ने बताया कि एसएसी द्वारा लिए गए फैसले के मुताबिक, एफएसएल जम्मू और एफएसएल श्रीनगर की मौजूदा चार डिवीजनों का आपस में विलय किया गया है। विलय के बाद नारकोटिक्स, कैमिस्ट्री एंड टाक्सिकोलॉजी डिवीजन को नारकोटिक्स, कैमिकल डिवीजन बनाया गया है, जबकि बायोलाजी, सिरोलाजी व डीएनए डिवीजन को विलय के बाद बायोलाजी सिरोलाजी डिवीजन का नाम दिया गया है। फिजिक्स एंड बैलेस्टिक डिवीजन को फिजिकल डिवीजन और साइबर एंड डाक्यूमेंट्स डिवीजन को टेक्निकल डिवीजन बनाया गया है। डीएनए डिवीजन को बायोलाजी सिरोलाजी डिवीजन का हिस्सा बनाया गया है।

हर साल 4100 केसों की जांच : मौजूदा समय में एफएसएल हर साल औसतन 4100 केसों की जांच करती है। अत्याधुनिक तकनीक और अपराधों की प्रकृति में आते बदलाव से एफएसएल के विशेषज्ञों के लिए भी चुनौतियां लगातार बढ़ती जा रही हैं। इसलिए एफएसएल को वायस आइडेंटिफिकेशन, वीडियो ऑथेंटिकेशन, डीएनए प्रोफाइलिंग, कंप्यूटर और साइबर फॉरेंसिक में विशेषज्ञों की जरूरत है।

गुजरात में मोदी के अतिरिक्त प्रधान सचिव रह चुके हैं जीसी मुर्मू

नई दिल्ली, एजेंसियां : जम्मू-कश्मीर के पहले उपराज्यपाल नियुक्त किए गए 1985 बैच के आइएएस अधिकारी गिरीश चंद्र मुर्मू को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विश्वस्त माना जाता है। 2014 से पहले जब मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे तब मुर्मू उनके अतिरिक्त प्रधान सचिव हुआ करते थे।

ओडिशा के रहने वाले मुर्मू को गुजरात में तत्कालीन मुख्यमंत्री मोदी के अतिरिक्त प्रधान सचिव रहते हुए राज्य सरकार की सभी प्रमुख परियोजनाओं की निगरानी का जिम्मा सौंपा गया था। इसी साल एक मार्च को प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें वित्त मंत्रालय में विशेष सचिव (राजस्व) पद से पदोन्नत कर व्यय सचिव बनाया था। उन्हें सरकारी योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए जाना जाता है। सूत्रों ने बताया कि साधारण तरीके से रहने वाले मुर्मू पहले राजस्व विभाग में और अब व्यय विभाग में कई महत्वपूर्ण कार्यों को संभाल संभाल रहे हैं। व्यय सचिव के रूप में उन्होंने प्रधानमंत्री कार्यालय और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के बीच करीबी समन्वय से काम किया है।

▶ सरकारी योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन में माने जाते हैं कुशल

▶ 1985 बैच के आइएएस अधिकारी हैं गिरीश चंद्र मुर्मू

सुब्रह्मण्यम को भी मोदी ने खुद चुना था

प्रधानमंत्री मोदी ने अनुच्छेद-370 हटाए जाने से काफी पहले बीवीआर सुब्रह्मण्यम को जम्मू-कश्मीर का मुख्य सचिव नियुक्त किया था। छत्तीसगढ़ कैडर के वरिष्ठ आइएएस अधिकारी सुब्रह्मण्यम ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ उनके पहले कार्यकाल में काम किया था। सूत्रों ने बताया कि जम्मू-कश्मीर के मुख्य सचिव पद के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने खुद सुब्रह्मण्यम का चयन किया था। उन्होंने भी प्रधानमंत्री को निराश नहीं किया और राज्य की कानून-व्यवस्था व पूरे प्रशासन को संभालने में उन्होंने अपने असाधारण कौशल का प्रदर्शन किया है।

ओडिशा में खुशी की लहर

भुवनेश्वर, जागरण संवाददाता : गिरीश चंद्र मुर्मू को नवगठित केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर का पहला उपराज्यपाल नियुक्त किए जाने की खबर सामने आते ही ओडिशा में खुशी की लहर दौड़ गई है। ओडिशा के आदिवासी बहुल मयूरभंज जिले के वेतनटी में पैदा हुए मुर्मू ने उत्कल विश्वविद्यालय से राजनीति शास्त्र में स्नातकोत्तर किया है। इसके बाद उन्होंने बर्मिंघम विश्वविद्यालय से बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में डिग्री ली। मोदी सरकार बनने के बाद इससे पहले ओडिशा से झारखंड के राज्यपाल के तौर पर द्रौपदी मुर्मू और आंध्र प्रदेश के राज्यपाल के तौर पर विश्वभूषण हरिचंदन को नियुक्त किया जा चुका है।

ब्रिगेडियर राजेंद्र ने चार दिन तक कबाइलियों ही नहीं, मौत के भी रोक रखे थे कदम

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

विलय दिवस पर विशेष

▶ भारतीय सेना के पहुंचने तक मुट्ठी भर सैनिकों के साथ लड़ते रहे ब्रिगेडियर

▶ पुल उड़ा कर रोक दिए दुश्मन के तेजी से आगे बढ़ते कदम

जम्मू-कश्मीर पर कब्जा करने के लिए पाकिस्तान का ऑपरेशन गुलमर्ग कामयाब हो जाता अगर ब्रिगेडियर राजेंद्र सिंह ने मुट्ठीभर सैनिकों के साथ तोपखाने और टैंकों से लैस पाकिस्तानी सेना और हजारों कबाइलियों को चार दिन तक रोके न रखा होता। इस दौरान महाराजा हरि सिंह को विलय पत्र पर हस्ताक्षर करने का समय मिल गया। 26 अक्टूबर 1947 को विलय पत्र पर हस्ताक्षर हुए और भारतीय सेना समय पर पहुंचकर श्रीनगर को बचाने में सफल हो गई। इस दौरान ब्रिगेडियर राजेंद्र सिंह उत्तरी कश्मीर में कबाइलियों ही नहीं मौत से भी आंख मिचौनी खेलते रहे।

कश्मीर के रक्षक शहीद ब्रिगेडियर राजेंद्र सिंह को मरणोपरांत पहला महावीर चक्र भी प्रदान किया गया। उन्होंने जिस युद्ध कुशलता का परिचय दिया है, वह दुनियाभर में सैन्य अधिकारियों की ट्रेनिंग के दौरान केस स्टडी के तौर पर पढ़ाया जाता है। मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) गोवर्धन सिंह जम्वाल बताते हैं कि 21 अक्टूबर 1947 को पाकिस्तान ने कश्मीर पर हमला बोल दिया। तब महाराजा हरिसिंह ने उन्हें पाक सेना को रोकने के आदेश दिए थे।

कश्मीर मामलों के विशेषज्ञ और इतिहासकार प्रो. हरि ओम ने कहा कि पाक सेना ने ऑपरेशन गुलमर्ग सितंबर 1947 में ही शुरू कर दिया था। रावलाकोट, मुजफ्फराबाद, चकोटी, गिलगित बाल्टिस्तान पर पाकिस्तानी सेना ने आसानी से कब्जा जमा लिया। पाकिस्तानी सेना 22 अक्टूबर को दोमेल तक पहुंच चुकी थी, लेकिन उड़ी और बारामुला में डोगरा वीरों ने ब्रिगेडियर राजेंद्र सिंह के नेतृत्व में उन्हें खून के आंसू रुला दिए।

रसोइए और धोबी के बूते कबाइलियों से जूझते रहे ब्रिगेडियर : इतिहासकार बताते हैं कि 22 अक्टूबर को मुजफ्फराबाद पर कब्जा हो चुका था। महाराजा की सेना का बड़ा हिस्सा बागी होकर कबाइलियों से जा मिला। उसके बाद महाराजा के साथ ब्रिगेडियर राजेंद्र सिंह की बैठक हुई और बचे हुए फौजियों को एकत्र किया गया। छावनी में उस समय करीब 150 सिपाही मिले और इनमें भी अधिकतर रसोइए, धोबी, नाई और अन्य सेवाएं उपलब्ध कराने वाले थे।

कबाइलियों को हटना पड़ा पीछे : 24 अक्टूबर की रात मोहरा में मोर्चाबंदी कर ली। सुबह दुश्मन ने हमला किया, लेकिन जवाब इतना जबरदस्त था कि कबाइली पीछे हट गए। इधर दुश्मन की साजिशों को भांपते हुए ब्रिगेडियर के आदेश पर कैप्टन ज्वाला सिंह ने सभी पुल उड़ा दिए। ब्रिगेडियर ने रामपुर में दुश्मन को रोकने का फैसला किया। सुबह होते ही दुश्मन गोलियां बरसाते हुए पहुंच गया। पर मोर्चाबंदी इतनी मजबूत थी कि वह आगे नहीं बढ़ पाया। उधर, महाराजा विलय पत्र पर हस्ताक्षर पाकिस्तान की साजिश को नाकाम बना रहे थे और इधर ब्रिगेडियर राजेंद्र सिंह उनसे लोहा ले रहे थे।

भारतीय सेना के आने तक लड़ते रहे : 27 अक्टूबर की सुबह उन्होंने सिपाहियों को पीछे हट और सेरी पुल पर मोर्चाबंदी करने को कहा। कबाइलियों का पहला अवरोधक तो उन्होंने हटा लिया, लेकिन बोनियार मंदिर के पास दुश्मन की फायरिंग के कारण सिपाहियों के वाहनों का काफिला थम गया। सभी वाहन चालक फायरिंग में शहीद हो गए। ब्रिगेडियर राजेंद्र सिंह अपने वाहन को खुद ही चलाते हुए आगे निकल गए थे, लेकिन बुरी तरह जख्मी थे। उन्होंने जवानों को पीछे हटने और दुश्मन को रोकने का आदेश दिया। 27 अक्टूबर 1947 की दोपहर सेरी पुल के पास ही दुश्मन से लड़ते हुए वीरगति पाई। तब तक कर्नल रंजीत राय भारतीय फौज का नेतृत्व करते हुए श्रीनगर एयरपोर्ट पर पहुंच चुके थे। इस तरह कश्मीर को भारतीय सेना के हाथ में लेने तक वह मौत से भी जूझते रहे।

सुधर रहे हालात...

श्रीनगर में हालात सुधरने के बावजूद कई जगहों पर एहतियातन सुरक्षाकर्मी तैनात हैं। इससे लोग बेफिक्र होकर बाजार में निकल रहे हैं। शुक्रवार को ये बच्चे भी सड़कों पर बेखौफ घूमते नजर आए। प्रेट्र

फैसला

सरकारी और गैर सरकारी विश्वविद्यालयों में लागू होगा आदेश, सरकारी कार्यालयों में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का चित्र भी लगाना हुआ जरूरी

राजस्थान में विश्वविद्यालयों के दीक्षा समारोह में खादी अनिवार्य

जागरण संवाददाता, जयपुर

राजस्थान के विश्वविद्यालयों के दीक्षा समारोह में खादी अथवा अन्य हथकरघा निर्मित कपड़ों को पहनना अनिवार्य किया गया है। इस संबंध में सरकारी और गैर सरकारी विश्वविद्यालयों एवं सभी संबद्ध कॉलेजों को सूचित कर दिया गया है।

राज्य में दिसंबर में 10 विश्वविद्यालयों में दीक्षा समारोह आयोजित किए जाएंगे। इनमें खादी पहनना आवश्यक होगा। दीक्षा समारोह में खादी को अनिवार्य करने का मकसद इसे स्वतंत्रता की वर्दी बताया गया है। इसके साथ ही खादी एवं हथकरघा निर्मित कपड़े पहनने से ग्रामीण क्षेत्रों में काम करने वाले लोगों को रोजगार के साथ प्रोत्साहन भी मिलेगा। खादी पहनने को लेकर राज्य सरकार के उच्च शिक्षा विभाग ने आदेश जारी किए हैं। उधर, राज्यपाल कलराज मिश्र ने चार नवंबर को प्रदेश की सभी सरकारी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की बैठक बुलाई है। इसमें शिक्षा के स्तर को सुधारने, समय पर डिग्रियां दिलवाने और दीक्षा समारोह आयोजित करने सहित विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा होगी।

बापू की जयंती पर शुरू किया गया गांधी-मंडेला पुरस्कार

नई दिल्ली : महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में गांधी-मंडेला फाउंडेशन ने अंतरराष्ट्रीय गांधी-मंडेला पुरस्कार की स्थापना की है। यह पुरस्कार शांति, सामाजिक कल्याण, संस्कृति, पर्यावरण, शिक्षा, स्वास्थ्य और खेल के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली हस्तियों को दिया जाएगा।

नई दिल्ली स्थित गैर लाभकारी संगठन गांधी-मंडेला फाउंडेशन ने बताया कि इस पुरस्कार से उल्लेखनीय काम और उपलब्धियां हासिल करने वाले दुनिया भर के व्यक्तियों, संगठनों, राष्ट्राध्यक्षों और सरकारों को सम्मानित किया जाएगा। फाउंडेशन ने एक बयान में कहा, 'महात्मा गांधी और नेल्सन मंडेला के विचार आज भी प्रासंगिक हैं। महात्मा गांधी को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए पांच बार नामित किया गया था, लेकिन उन्हें एक बार भी नहीं दिया गया, इसलिए बापू की 150वीं जयंती के मौके पर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए उनके और नेल्सन मंडेला के नाम पर एक वैश्विक अवार्ड की स्थापना की जा रही है।' फाउंडेशन के महासचिव नंदन झा ने बताया कि पहले गांधी-मंडेला अवार्ड के लिए 30 देशों से नामांकन मिले हैं।

▶ यह पुरस्कार शांति, संस्कृति, पर्यावरण, शिक्षा, स्वास्थ्य और खेल के क्षेत्र में योगदान देने वाली हस्तियों को दिया जाएगा

सरकारी स्कूलों में बनेगा गांधी कॉर्नर : राजस्थान के सरकारी कार्यालयों में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का चित्र लगाना अनिवार्य होगा। इसके साथ ही प्रत्येक कस्बे और शहरों में महात्मा गांधी की मूर्ति स्थापित होगी। राज्य सरकार ने इस बारे में सभी विभागाध्यक्षों एवं जिला कलेक्टरों को आदेश जारी किए हैं। जिला कलेक्ट्रेट कार्यालयों में भी जहां तक संभव होगा महात्मा गांधी की मूर्ति स्थापित की जाएगी। जयपुर स्थित शासन सचिवालय और जिला कलेक्ट्रेट कार्यालयों की लाइब्रेरी में महात्मा गांधी के जीवन से जुड़े साहित्य रखे जाएंगे। जिला स्तर पर सूचना केंद्रों में भी इसी तरह के साहित्य उपलब्ध करो जाएंगे। शिक्षामंत्री गोविंद सिंह डोटासरा ने बताया कि राज्य के प्रत्येक सरकारी स्कूल में महात्मा गांधी से जुड़ी जानकारियां मिलेंगी। इसके लिए स्कूलों में गांधी कॉर्नर बनाया जाएगा। राज्य के सरकारी स्कूलों में प्रार्थना सभा के दौरान प्रतिदिन रामधुन और गांधी जी के भजनों को शामिल किया जाएगा। समय-समय पर गांधी जी से जुड़ी विषयों को लेकर चित्रकला प्रतियोगिता और वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित कराई जाएगी। सरकारी कार्यालयों एवं स्कूलों में गांधी जी के चित्र लगाने और साहित्य उपलब्ध कराने को लेकर मुख्य सचिव डीबी गुप्ता नियमित निगरानी करेंगे।

उत्तर भारत का मेडिकल टूरिज्म हब होगा जम्मू-कश्मीर

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

पुनर्गठन के बाद नए जम्मू-कश्मीर में गंभीर रोगों के इलाज के लिए नए रास्ते खुलेंगे। अस्पतालों में अंतरराष्ट्रीय स्तर का इलाज मिलेगा। यही नहीं, बहुत कम समय में जम्मू-कश्मीर को उत्तर भारत के एक मेडिकल टूरिज्म हब के रूप में तैयार किया जाएगा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने राज्य प्रशासन के साथ मिलकर इस पर काम शुरू कर दिया है। यहां 240 करोड़ के निवेश से दो कैंसर इंस्टीट्यूट खोले जाएंगे। दो नए मेडिकल कॉलेज भी खुलेंगे।

श्रीनगर स्थित शेरे कश्मीर आयुर्विज्ञान संस्थान सौरा (स्किम्स) को चिकित्सा क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर का अनुसंधान व उपचार केंद्र बनाने के लिए भी देश-विदेश के विशेषज्ञों की मदद ली जाएगी। घाटी और जम्मू संभाग में दो अलग-अलग मेडिसिटी भी बनाने की प्रक्रिया जारी है। वर्तमान में जम्मू-कश्मीर में 13 बड़े सरकारी अस्पताल और आठ मेडिकल कॉलेजों, 22 जिला अस्पतालों के अलावा 50 से अधिक उपजिला अस्पताल भी हैं।

जम्मू-कश्मीर 31 अक्टूबर को दो नए केंद्र शासित राज्यों जम्मू-कश्मीर व लद्दाख में पुनर्गठित होगा। नागरिक सचिवालय श्रीनगर स्थित एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी ने बताया कि केंद्र शासित जम्मू-कश्मीर में रोजगार, स्वास्थ्य, चिकित्सा सेवा समेत विभिन्न क्षेत्रों को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार ने तेजी से काम शुरू कर दिया है। राज्य के स्वास्थ्य विभाग से केंद्र सरकार ने मौजूदा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा ढांचे से जुड़ी विस्तृत जानकारी मांगी है। इसमें स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र की लंबित, रुकी और प्रस्तावित योजनाओं का पूरा ब्योरा व संबंधित डीपीआर भी तलब की गई है।

अधिकारी ने बताया कि केंद्र सरकार सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ाने की समग्र योजना पर काम कर रही है। जम्मू-कश्मीर की भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए केंद्र इसे एक मेडिकल टूरिज्म हब के रूप में विकसित करना चाहता है।

इस वर्ष मानसून, बाढ़ ने ली 2155 लोगों की जान

नई दिल्ली, प्रेट्र : इस वर्ष मानसून और मानसून के कारण आई बाढ़ ने अब तक देशभर में 2155 लोगों की जान ले ली तथा 45 लोग अभी भी लापता हैं। वर्षा और बाढ़ से 22 राज्यों के 26 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए। गृह मंत्रालय के अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने मानसून के दौरान हुए जानमाल के नुकसान की जानकारी देते हुए बताया कि महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा 430 लोगों की मौत हुई। उसके बाद बंगाल में बारिश, बाढ़ और भूस्खलन के कारण 227 लोगों की जान गई। बारिश, बाढ़ और भूस्खलन से देश के 361 जिले प्रभावित रहे।

अधिकारियों ने बताया कि भारी बारिश और बाढ़ से 803 लोग घायल हुए और 20 हजार से ज्यादा पशुओं की जान चली गई। 2.23 लाख से ज्यादा घर पूरी तरह तो 2.06 लाख घर आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गए। देशभर में 14.09 लाख हेक्टेयर से ज्यादा की खेती भी बर्बाद हो गई। बारिश के कहर ने अब तक 2155 लोगों की जान ले ली।

भारत मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक, वैसे तो 30 सितंबर तक अधिकृतरूप से मानसून की अवधि समाप्त हो जाती है, लेकिन

22 राज्यों के 26 लाख से ज्यादा लोग हुए प्रभावित

यह अभी भी देश के कुछ हिस्सों में सक्रिय है। चार माह की अवधि में 1994 के बाद देश में सबसे ज्यादा बारिश रिकॉर्ड की गई। महाराष्ट्र के 22 जिले बाढ़ से सर्वाधिक प्रभावित रहे। यहां 430 लोगों की मौत हो गई तथा 398 लोग घायल हुए। बाढ़ प्रभावित 7.19 लाख लोगों को 305 राहत शिविरों में शरण लेनी पड़ी।

बंगाल के भी 22 जिले बाढ़ से प्रभावित रहे और 227 लोगों की जान चली गई तथा 37 लोग घायल हो गए। बाढ़ प्रभावित 43,433 लोगों को 280 राहत शिविरों में शरण लेनी पड़ी। बिहार में बाढ़ से 166 लोगों की जान गई तो बाढ़ प्रभावित 1.96 लाख लोग 282 राहत शिविरों में रहने को मजबूर हुए। मध्य प्रदेश में 189 लोगों की मौत हुई तथा 39 लोग घायल हुए जबकि सात लोग लापता बताए जाते हैं। यहां के 32,996 बाढ़ प्रभावित लोगों को 38 जिलों में स्थापित 98 राहत शिविरों में रखा गया। इसी तरह बारिश और बाढ़ से केरल, गुजरात, कर्नाटक तथा असम में भी जानमाल का काफी नुकसान देखने को मिला।

बारिश से बंगाल के बांकुड़ा में नदियों का जलस्तर बढ़ा, जनजीवन बेहाल

जागरण संवाददाता, बांकुड़ा

बंगाल में तीन दिनों से जारी बारिश से जनजीवन बेहाल है। इसका सबसे ज्यादा असर बांकुड़ा जिले में देखने को मिला है। यहां की दो नदियां खतरे के निशान को पार कर गई हैं। आलम यह है कि कई गांवों में बाढ़ का पानी प्रवेश कर गया है। जिले के उत्तर से दक्षिण तक एक ही दृश्य देखने को मिल रहा है। ऐसे में स्कूल व कॉलेजों में विद्यार्थियों की उपस्थिति न के बराबर है। लोग अपने घरों में दुबके बैठे हैं। गांवों में पानी भरने से बेहाल ग्रामीणों का शहर से संपर्क कट गया है। उन्होंने प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है।

बांकुड़ा के मीनपुर से सटे द्वारकेश्वर नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी के कारण इसके आसपास स्थित गांवों में पानी भर गया है। इसके अलावा दक्षिण बांकुड़ा की शीलावती, कांग्सावती सहित अन्य कई नदियां खतरे के निशान को पार कर गई हैं। इससे लोगों में भय का माहौल है।

दक्षिणी कन्नड़ में तूफान के कारण मकान क्षतिग्रस्त, पेड़ गिरे

मंगलुरु, प्रेट्र : कर्नाटक के तटवर्ती क्षेत्र से क्यार तूफान के गुजरने का असर दक्षिणी कन्नड़ जिले में देखने को मिला। गुरुवार को पूरी रात बारिश होती रही और शुक्रवार को रुक-रुक कर वर्षा हुई। तेज हवा के कारण कई पेड़ गिर गए और कई जगह मकान क्षतिग्रस्त हो गए। मौसम विभाग ने कहा है कि तूफान अब करीब 190 किलोमीटर दूर महाराष्ट्र के रत्नागिरी में प्रवेश कर गया है। पालघर के कलेक्टर कैलाश शिंदे ने मछुआरों को समुद्र में नहीं जाने की चेतावनी जारी की है।

गीता को पाक से भारत लौटे चार साल पूरे, अब तक परिवार की तलाश अधूरी

नईदुनिया, इंदौर

- 26 अक्टूबर 2015 को सरकार ने गीता को बुलवाया था भारत
- इंदौर की संस्था में रह रही है गीता, परिवार से मिलवाने के प्रयास भी ठप

पाकिस्तान से भारत लाई गई मूक-बधिर गीता को मध्य प्रदेश के इंदौर आए चार साल पूरे हो गए। इस दौरान गीता के परिवार की तलाश पूरी नहीं हो सकी। वह यहां जिस हालत में आई थी, आज भी उसी तरह संस्था में बच्चों के बीच रह रही है। न तो प्रदेश सरकार की तरफ से उसे परिवार से मिलवाने के लिए कोई प्रयास हो रहे हैं, न ही केंद्र सरकार की तरफ से।

मूक-बधिर गीता को 26 अक्टूबर 2015 को इंदौर के मूक-बधिर संगठन में भर्ती करवाया गया था। चार साल पहले तत्कालीन विदेश मंत्री सुषमा स्वराज की पहल पर गीता को पाकिस्तान से भारत बुलवाया गया था। गीता को इंदौर के मूक-बधिर संगठन में अस्थायी आश्रय दिया गया था। कहा गया था कि गीता के माता-पिता मिलने तक वह संस्था में रहेगी, लेकिन चार साल बाद भी उसके परिवार का पता नहीं लग सका। इस बीच देशभर के एक दर्जन से ज्यादा दंपती ने 26 वर्षीय गीता के उनकी बेटी होने का दावा किया, लेकिन किसी से भी डीएनए मैच नहीं हुआ। फिलहाल वह स्कूली बच्चों के साथ

गीता। फाइल फोटो

संस्था में रह रही है। यहां स्कूली पढ़ाई के साथ-साथ कौशल उन्नयन का प्रशिक्षण ले रही है।

शादी के लिए लड़का भी पसंद नहीं आया : पाकिस्तान से आने के बाद करीब दो साल तक कई दंपती ने विदेश मंत्रालय से लेकर इंदौर के जिला प्रशासन तक गीता के उनकी बेटी होने का दावा किया। प्रत्येक दंपती को कलेक्टोरेट कार्यालय में अफसरों की मौजूदगी में गीता से मिलवाया गया, लेकिन गीता ने एक भी दंपती को माता-पिता के रूप में नहीं पहचाना। डेढ़-दो साल से अब यह सिलसिला भी बंद हो गया। इस बीच गीता की शादी के लिए लड़के भी तलाशे गए। अलग-अलग राज्यों से 13-14 युवक गीता से मिलने इंदौर आए, लेकिन एक से भी बात नहीं बनी। अब यह मामला भी ठप पड़ गया।

कस्टडी का प्रस्ताव ठुकराया : हाल ही में सांकेतिक भाषा विशेषज्ञ ज्ञानेंद्र पुरोहित ने शासन से गीता की कस्टडी (संरक्षण) मांगी थी, लेकिन सरकार ने प्रस्ताव ठुकरा दिया। प्रस्ताव में गीता को अपने साथ रखकर विशेष तकनीक से उसके परिवार को तलाशने का दावा किया था। फिलहाल गीता स्कीम-71 स्थित मूक-बधिर संगठन के हॉस्टल में रह रही है। उसके लिए प्रशासन द्वारा एक केयर टेकर नियुक्त है।

फिलहाल नए निर्देश नहीं : फिलहाल हमारे पास कोई नए निर्देश नहीं हैं। शासन के आगामी निर्देशों के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। सुचिता बेक तिर्की, संयुक्त संचालक, सामाजिक न्याय विभाग।

न्यूज गैलरी

सिपाही ने दारोगा की बेटी को मोबाइल पर दिया तीन तलाक

मुरादाबाद : भाई के खिलाफ दर्ज दुष्कर्म का मुकदमा वापस न लेने से खफा सिपाही ने मोबाइल पर ही पत्नी को तत्काल तीन तलाक दे दिया। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपित सिपाही के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता के मुताबिक उसके पिता पीएसी में दारोगा हैं। मायका भोजपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में है। वह ढाई माह की एक बच्ची की मां है। ससुराल कुंदरकी थाना क्षेत्र में है। उसके पति सिपाही हैं, जिनकी तैनाती बरेली में है। 8 अक्टूबर को वह बेटी के साथ ससुराल में थी। तभी मौका पाकर देवर ने उससे दुष्कर्म किया। 18 अक्टूबर को पुलिस ने देवर के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। इसके बाद वह बच्ची के साथ मायके चली आई। महिला के मुताबिक बुधवार 23 अक्टूबर को पति ने उसके मोबाइल फोन पर कॉल की और मुकदमा वापस लेने का दबाव बनाया। इन्कार करने पर पति ने तत्काल तीन तलाक दे दिया। थाना प्रभारी प्रदीप कुमार मलिक ने बताया तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। (जासं)

हादसे से आय पर फर्क न पड़े तो भी मुआवजे का हकदार : कोर्ट

चंडीगढ़ : पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने एक फैसले में साफ कर दिया है कि यदि सड़क दुर्घटना के चलते कोई व्यक्ति अपंग हो जाता है और उसकी आय व पेंशन पर उसका असर नहीं पड़ता तो भी वह मुआवजा का हकदार है। बीमा कंपनी इस आधार पर उसको मुआवजा देने से इन्कार नहीं कर सकती है कि दुर्घटना के बाद भी वह पहले की तरह वेतन व पेंशन का लाभ ले रहा है। हाई कोर्ट ने यह आदेश चंडीगढ़ निवासी उमेश की एक याचिका को स्वीकार करते हुए जारी किया। याची ने एक्सीडेंट्स क्लेम ट्रिब्यूनल के आदेश के खिलाफ अपील में बताया कि एक सड़क दुर्घटना के चलते वह 75 प्रतिशत अपंग हो गया है। इसलिए उसका मुआवजा बढ़ाया जाए। इसके विरोध में बीमा कंपनी ने हाई कोर्ट को बताया कि याची को मुआवजा देने का कोई औचित्य नहीं बनता, क्योंकि सड़क दुर्घटना के बाद भी उसके वेतन व पेंशन में किसी तरह असर नहीं पड़ा है। हाई कोर्ट ने बीमा कंपनी की दलील को खारिज कर दिया। (राब्यू)

नेपाल में 29.33 लाख रुपये के साथ 6 हवाला कारोबारी गिरफ्तार

महराजगंज : नेपाल के परसा और बारा जिले में पुलिस ने छापेमारी कर छह हवाला कारोबारियों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से 29 .33 लाख रुपये बरामद हुए हैं। गिरफ्तार लोगों में दो भारतीय नागरिक हैं। एक बिहार व एक उत्तर प्रदेश का रहने वाला है। चार नेपाली नागरिक हैं। नेपाल पुलिस ने इनके कब्जे से दो सोने के सिक्के तथा भारतीय बैंकों के चेक भी बरामद किए है। दोनों भारतीय की पहचान गोपाल प्रसाद अग्रवाल निवासी बिहार व शाकिर अली निवासी उत्तर प्रदेश बताया जा रहा है। (जासं)

प्री-प्राइमरी स्कूल में परिवर्तित होंगे आंगनबाड़ी केंद्र : योगी

एलान ▶ बच्चे यहां पढ़ने के बाद प्राइमरी स्कूलों में दाखिला पा सकेंगे

धनतेरस पर मुख्यमंत्री ने किया कन्या सुमंगला योजना का शुभारंभ

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि राज्य के आंगनबाड़ी केंद्र प्री-प्राइमरी स्कूल में परिवर्तित किए जाएंगे। अगले सत्र से इस पर काम शुरू हो जाएगा। इन्हें इस तरह तैयार किया जाएगा ताकि यहां से बच्चे पढ़ने के बाद प्राइमरी स्कूलों में दाखिला पा सकें। उन्होंने कहा कि बेसिक स्कूलों में एनसीइआरटी का पाठ्यक्रम लागू किया जा रहा है। प्रदेश के 92 हजार विद्यालयों में बेहतर सुविधाएं देने का प्रयास राज्य सरकार कर रही है। लखनऊ स्थित लोकभवन में राज्यपाल व मुख्यमंत्री ने कन्या सुमंगला योजना का शुभारंभ किया। योगी ने कहा कि इस योजना से महिला सशक्तीकरण को बल मिलेगा। लोग बेटियों के जन्म को उत्सव के रूप में मनाएंगे। धनतेरस पर बेटियां लक्ष्मी के रूप में होती हैं। इसलिए इस योजना को आज के दिन शुरू कर रहे हैं। केंद्र व हमारी सरकार का प्रयास बेटियों के बेहतर रहन-सहन, पठन-पाठन व स्वास्थ्य पर ध्यान देने का है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना को नारी सशक्तीकरण और महिला कल्याण योजनाओं

उत्तर प्रदेश में कन्या सुमंगला योजना के शुभारंभ के अवसर पर एक बच्ची को गोद में उठाकर दुलारते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। एएनआइ

के साथ जोड़कर आगे बढ़ाया जाए। वर्तमान सरकार ने 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' योजना के प्रभावी क्रियान्वयन तथा मुखबिर योजना लागू कर कन्या भ्रूण हत्या पर नियंत्रण पाया है। इस योजना के तहत बालिका के जन्म से लेकर स्नातक तक छह चरणों में कुल 15 हजार रुपये दिए जाएंगे।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना को सार्थक पहल बताते हुए कहा कि इस योजना के उद्देश्य अत्यन्त पवित्र हैं। यह योजना कन्या भ्रूण हत्या, लैंगिक असमानता समाप्त करने, बालिकाओं को समान अवसर उपलब्ध कराने व बालिका के जन्म के प्रति समाज में सकारात्मक सोच पैदा करने में सहायक होगी। इससे पहले राज्यपाल व मुख्यमंत्री ने 'मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना' के वेबपोर्टल का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि 'मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना' के माध्यम से बेटी के जन्म को उत्सव के रूप में मनाने का अवसर प्रदेश सरकार दे रही है।

निलंबित आइपीएस गुप्ता के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा-नो अरेस्ट, नो हैरेस

नईदुनिया, रायपुर : निलंबित आइपीएस अफसर मुकेश गुप्ता की याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार से फिलहाल कोई कार्रवाई नहीं करने कहा है। कोर्ट ने कहा, नो अरेस्ट..नो हैरेस।

सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस अरण मिश्रा और जस्टिस रविंद्र भट्ट की संयुक्त बेंच ने निलंबित आइपीएस मुकेश गुप्ता की याचिका पर सुनवाई करते हुए फोन टेपिंग किए जाने पर नाराजगी जताई और राज्य सरकार से इस मसले पर चार नवंबर तक जवाब देने के निर्देश दिए हैं।

प्रकरण में राज्य की ओर से मुकुल रोहतगी ने पक्ष रखा, जबकि मुकेश गुप्ता की ओर से महेश जेठमलानी ने तर्क दिए। मुकेश गुप्ता ने राज्य सरकार पर उनकी बेटियों के फोन टेपिंग का आरोप लगाया था। गुप्ता ने फोन टेपिंग के रायपुर आइजी की ओर से जारी निर्देश की कॉपी कोर्ट में पेश की। गुप्ता के वकील ने बताया कि छत्तीसगढ़ पुलिस की ओर से दर्ज एफआइआर की जांच सीबीआइ से कराने की मांग की गई है। सुनवाई के चलते कोर्ट ने पुलिस की जांच पर रोक लगा दी है। बता दें कि आइपीएस गुप्ता पर नान घोटाले से जुड़े फोन टेपिंग का भी आरोप है।

सीआइडी एआइजी कुजूर तलब : उधर, सीआइडी एआइजी अरविंद कुजूर को विभागीय जांच के लिए पुलिस हेडक्वार्टर (पीएचक्यू) तलब किया गया है। कुजूर लंबे समय तक ईओडब्ल्यू के एसपी रहे हैं। बताया जा रहा है कि उनके खिलाफ मिली शिकायतों की जांच के लिए तलब किया गया है।

फर्जी कॉल से एडवाइजरी कंपनी ने सात महीने में सवा करोड़ ठगे

नईदुनिया, इंदौर

- कई राज्यों के निवेशकों के साथ धोखाधड़ी करना कुबूला

शेयर बाजार में निवेश और अधिक मुनाफे का झांसा देकर धोखाधड़ी करने वाली एडवाइजरी कंपनी की महिला कर्मचारी और उसके साथी को मध्य प्रदेश में स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने गिरफ्तार किया है। आरोपितों ने सात महीने में निवेशकों से सवा करोड़ रुपये ठगना स्वीकार किया है। आरोपित निवेशकों को फर्जी नामों से कॉल कर मुनाफे का लालच देते थे। पुलिस कंपनी संचालक सहित अन्य आरोपितों की तलाश कर रही है।

मध्य प्रदेश के इंदौर में एसटीएफ एसपी पद्मविलोचन शुक्ला के मुताबिक, मनीष रोहिल्ला निवासी मोहाली (पंजाब) और दीपक रावत ने पिछले दिनों एसटीएफ मुख्यालय भोपाल में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने प्रीमियम कैपिटल रिसर्च कंपनी में 25 लाख रुपये निवेश किए थे। उन्होंने बताया कि कंपनी कर्मचारी संजय बजाज, रवि त्रिपाठी, युवराज और शालिनी मेहरा उन्हें कॉल कर मुनाफे का झांसा देते थे। रुपये लेने के बाद उन्हें मुनाफा नहीं हुआ और आरोपितों ने फोन पर बात करने से भी इन्कार कर दिया। पुलिस ने केस दर्ज कर कंपनी की सेबी से जानकारी मांगी तो अफसर ने बताया कि कंपनी का पंजीयन ही नहीं है। पुलिस ने गुरवार को मिसरोद (भोपाल) स्थित एक मकान पर छापा मारा और कंपनी कर्मचारी अंकित पाटीदार व कामिनी सोनी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपितों ने पूछताछ में कुबूला कि अंकित ने युवराज और कामिनी ने शालिनी के नाम से लोगों को कॉल किए थे। पुलिस ने आरोपितों से मॉडम, सेटअप बॉक्स, एलसीडी, कई क्रेडिट व डेबिट कार्ड, सिम कार्ड, बैंक पासबुक जब्त कर लिए।

सात महीने में किया सवा करोड़ का ट्रांजेक्शन : एसटीएफ ने आरोपितों के इंदौर के मालव परिसर स्थित आइसीआइसीआइ बैंक शाखा से खाते की जानकारी निकाली तो पता चला कि पिछले वर्ष मई से नवंबर तक करीब एक करोड़ 18 लाख रुपये जमा हुए हैं। रुपये कुछ दिनों बाद निकाल लिए जाते थे, जिसमें अमरजीत से 18 लाख, तरुण बजाज से 43 लाख, इरफान खान से 33 लाख, सुभाष सुगना से 56 लाख, जागृति देवेंद्र मोदी से 10 लाख, सोनी सोवाल से 26 लाख, देवेंद्र कोदरलाल से 42 लाख और मुहम्मद सी. आलम से 16 लाख रुपये जमा करवाए गए थे। एसपी के मुताबिक आरोपितों ने यह भी बताया कि कंपनी जीवनलाल उर्फ जय मारू की है। उसके विरुद्ध इसी वर्ष विजय नगर थाने में भी केस दर्ज किया गया था। कंपनी में काम करने वाले सचिन चौहान व श्रेय गांधी की पुलिस तलाश कर रही है। सचिन ही संजय बजाज और श्रेय रवि त्रिपाठी के नाम से कॉल करता था।

क्रिसमस तक 200 जोड़ी विशेष ट्रेनों का संचालन करेगा रेलवे

नई दिल्ली, प्रेट्र : भारतीय रेलवे ने त्योहारों की भीड़ के मद्देनजर विशेष व्यवस्थाएं की हैं। इसके तहत क्रिसमस तक देश भर में 200 जोड़ी विशेष ट्रेनों के करीब ढाई हजार फेरों का संचालन किया जाएगा। दुर्गा पूजा से इसकी शुरुआत भी हो चुकी है। रेलवे ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

रेलवे ने एक बयान में बताया कि ट्रेनों में बर्थ की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त बोगियां भी लगाई जा रही हैं। दिल्ली-पटना, दिल्ली-कोलकाता, दिल्ली-मुंबई, मुंबई-लखनऊ, चंडीगढ़-गोरखपुर, दिल्ली-छपरा, हावड़ा-कटिहार व हरिद्वार-जबलपुर समेत देश भर के अन्य महत्वपूर्ण स्थानों के लिए विशेष ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है।

टर्मिनल स्टेशनों पर जनरल बोगी में यात्रियों की भीड़ के नियंत्रण के लिए लाइन लगाकर प्रवेश दिया जा रहा है। इसकी जिम्मेदारी आरपीएफ को दी गई है। बड़े स्टेशनों पर यात्रियों की सुरक्षा के लिए आरपीएफ के अतिरिक्त जवान तैनात किए जा रहे हैं। बयान में कहा गया है कि व्यस्त रेलवे स्टेशनों पर इंजीनियरिंग, सिग्नल व टेलीकम्यूनिकेशन विभाग के अतिरिक्त स्टाफ की तैनाती की जा रही है। जोनों के उनके महत्वपूर्ण स्टेशनों पर सहायता केंद्रों की स्थापना के लिए कहा गया है। इनमें टीटीई व आरपीएफ के जवानों की ड्यूटी लगाई जाएगी, ताकि यात्रियों को समुचित जानकारियां मिल सकें।

200 सैलूनों को 10 पर्यटक ट्रेनों में तब्दील करेगा रेलवे, आइआरसीटीसी करेगा संचालन : द र-दराज इलाकों के निरीक्षण के लिए रेलवे के आला अधिकारियों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले 200 सैलूनों को 10 लग्जरी पर्यटक ट्रेनों में तब्दील किया जाएगा। इनका संचालन आइआरसीटीसी करेगा। इससे रेलवे को अतिरिक्त कमाई होगी। इन सैलूनों में दो शयनकक्ष, एक विश्राम कक्ष, एक पैंट्री, एक शौचालय और एक रसोईघर होता है। इसमें पांच दिनों तक रुका जा सकता है। सूत्रों ने शुक्रवार को बताया, हालांकि कुछ सैलूनों को रेलवे अधिकारियों के इस्तेमाल के लिए रखा जाएगा।

कई देशों से जुड़े हैं टेरर फंडिंग के तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : टेरर फंडिंग के मामले में मुंबई में पकड़े गए तीनों आरोपितों ने आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) की शुरुआती पूछताछ में कई राज उगले हैं। टेरर फंडिंग गिरोह का कई देशों से कनेक्शन होने की बात भी सामने आई है। एटीएस तीनों को ट्रांजिट रिमांड पर मुंबई से लखनऊ लेकर आएगी। नेपाल के जरिये टेरर फंडिंग की रकम उत्तर प्रदेश में सप्लाई करने वाले गिरोह के सक्रिय सदस्य नाइजीरिया के निवासी चिनवेउबा एमेका माइकल, पीटर हरमन अस्सेंगा व अर्जुन अशोक खराडे को मुंबई में गिरफ्तार किया गया है। तीनों ने करोड़ों रुपये की रकम कई खातों में भेजी हैं।

तीनों आरोपितों को लखनऊ लाने के बाद एटीएस उनका सामना पहले लखीमपुर व बरेली से पकड़े गये आरोपितों से भी करा सकती है। पुलिस ने 11 अक्टूबर को लखीमपुर खीरी में नेपाल से लाखों रुपये लेकर आए उम्मेद अली, संजय अग्रवाल, एराज अली व समीर सलमानी उर्फ सोनू को गिरफ्तार किया था। बाद में बरेली निवासी मास्टर माइंड सिराजुद्दीन व फहीम पकड़े गए थे। एटीएस की छानबीन में कई अन्य की भूमिका भी सामने आएगी।

धनतेरस पर पीएमसी बैंक की महिला खाताधारकों ने मुंबई में किया प्रदर्शन

मुंबई, एएनआइ : पंजाब एंड महाराष्ट्र को-ऑपरेटिव (पीएमसी) बैंक की कई महिला खाताधारकों ने शुक्रवार को पश्चिम मुंबई के अंधेरी इलाके में विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी महिलाएं तख्तियां भी ले रखी थीं। इन पर 'धनतेरस पर हमारे पैसे कहां हैं' और 'काली दिवाली, आरबीआइ धन्यवाद' जैसे वाक्य लिखे थे। इसी मामले को लेकर कुछ लोगों ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के आवास के बाहर प्रदर्शन प्रदर्शन किया। इनमें से कुछ को हिरासत में लिया गया था। बाद में उन्हें रिहा कर दिया गया।

एक प्रदर्शनकारी महिला ने कहा, 'आज धनतेरस है। हम आज सड़कों पर हैं, क्योंकि आरबीआइ ने हमारे लिए बैंक से लेनदेन पर पाबंदियां लगा रखी हैं।' लक्ष्मी पुरी नाम की एक अन्य प्रदर्शनकारी ने कहा, 'हम महिलाएं अपने पैसों के लिए संघर्ष करती रहेंगी। हम बैंक से अपने पैसे नहीं निकाल सकते। यह बताया गया था कि चुनाव बाद इस बारे में कोई निर्णय लिया

पंजाब एंड महाराष्ट्र को-ऑपरेटिव बैंक घोटाले से प्रभावित महिलाओं ने मुंबई में प्रदर्शन किया। एएनआइ

जाएगा, लेकिन सरकार ने अभी तक कोई कदम नहीं उठाया।' संगीता नामक एक दूसरी महिला प्रदर्शनकारी ने बताया, 'हम दिवाली के मौके पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। मैंने बैंक में निवेश किया था, लेकिन हमारी बात सुनने के लिए कोई नहीं है।' 4,355 करोड़ रुपये का घोटाला सामने आने के बाद आरबीआइ ने पिछले माह पीएमसी बैंक की गतिविधियों पर छह माह के लिए रोक लगा दी थी और कोई नया लोन नहीं देने का आदेश भी दिया था।

रखे विचार

विश्व शांति स्तूप के 50वें वार्षिकोत्सव पर राष्ट्रपति ने कहा-लाइट ऑफ एशिया है बुद्ध की सोच, जीवन की निरंतरता के लिए जाना होगा बुद्ध के विचारों के करीब

भारत-जापान रिश्तों की मजबूत कड़ी हैं भगवान बुद्ध : कोविंद

जागरण संवाददाता, बिहारशरीफ

बिहार के राजगीर की रत्नागिरी पहाड़ी के शिखर पर शुक्रवार को विश्व शांति स्तूप की 50वीं वर्षगांठ में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करने आए राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कहा कि बोधित्सव, सुख, धर्म, शून्यता, चित्त और भगवान बुद्ध के विचार आज के दौर में ज्यादा प्रासंगिक हैं। आज जब विश्व में अशांति का माहौल है, ऐसे में जीवन की निरंतरता के लिए जरूरी है कि दुनिया एक बार फिर बुद्ध के विचारों के करीब आए। भगवान बुद्ध के विचार हमें 21वीं सदी में भी प्रेरित कर रहे हैं। उन्होंने बुद्ध की सोच को 'लाइट ऑफ एशिया' कहा। उन्होंने कहा कि भगवान बुद्ध जापान और भारत के रिश्तों की मजबूत कड़ी हैं। आधुनिक युग में फुजिई गुरु जी शांति की प्रतिमूर्ति हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि मानव दुखों का निवारण करना ही भगवान बुद्ध का लक्ष्य था। आज भौतिकवादी विकास के बाद भी मनुष्य अकेला है। हमें तृष्णा, लोभ और मोह से मुक्ति के लिए फिर से बुद्ध के उपदेशों को समझना होगा।

राष्ट्रपति ने एशिया, यूरोप, अमेरिका से आए

राजगीर में जापान के प्रतिनिधिमंडल से भेंट करते राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और उनकी पत्नी सविता कोविंद। प्रेट्र

प्रतिनिधियों को विश्व शांति का दूत बताया। उन्होंने कहा कि जापानी धर्मगुरु फुजिई गुरु जी व महात्मा गांधी दो ऐसी शख्सियत हैं जिन्होंने विश्व को शांति की राह पर चलने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि 45 साल पहले 1974 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई के आवास पर मुझे गुरु जी से मिलने का सौभाग्य मिला था। संविधान बनाने वाले भीम राव आंबेडकर ने भी बुद्ध के विचारों को समझा था। यही कारण है कि लोकसभा में अध्यक्ष के आसन के ऊपर बुद्ध का सूक्त धर्मचक्र-प्रवर्तनाय लिखा है।

फुजिई गुरु जी की ऋणी है दुनिया : उन्होंने कहा कि 21 अक्टूबर के जापान दौरे के दौरान उनकी मुलाकात फुजिई गुरु जी के अनुयायियों से हुई थी। यह देश व विश्व गुरु जी का ऋणी है, जिनकी सोच व मेहनत से यह स्तूप तैयार हुआ। राष्ट्रपति ने कहा कि बुद्ध के विचार हमें ईमानदारी और पारदर्शिता की ओर ले जाते हैं, इससे सह अस्तित्व की भावना विकसित होती है। यह कहना गलत न होगा कि समाज की मुख्यधारा से विमुख होकर जो लोग समाज की शांति भंग कर रहे हैं वे मानवता पर चोट कर रहे हैं, उन्हें यह समझना चाहिए कि इसी समाज से उनके जीवन की राह सहज होगी। इसलिए शांतिपूर्ण तरीके से समस्याओं के हल खोले जाएं। बिहार आध्यात्मिक क्रांति की भूमि रही है। बोधगया, राजगीर, नालंदा व पाटलिपुत्र समाज में परिवर्तन की देन है। यह स्तूप एकता व शांति का प्रतीक है। इसके पूर्व शुक्रवार सुबह करीब 10.40 बजे राष्ट्रपति पत्नी सविता कोविंद के साथ हेलीकॉप्टर से विश्व शांति स्तूप के पीछे बने हेलीपैड पर उतरे। यहां उनकी अगवानी राज्यपाल फागू चौहान व सीएम नीतीश कुमार ने की। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी, ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार, पर्यटन मंत्री कृष्ण कुमार ऋषि व सांसद कौशलेंद्र कुमार थे।

आरोपित श्वेता के लॉकर से मिले पेन ड्राइव में चार अश्लील वीडियो

नईदुनिया, भोपाल

हनी ट्रैप मामला

- असरदार व्यक्तियों को ब्लैकमेल करने के इरादे से रखे थे लॉकर में
- जब्त हार्ड डिस्क, पेन ड्राइव, मोबाइल जांच के लिए हैदराबाद भेजेंगे

मध्य प्रदेश के बहुचर्चित हनीट्रैप मामले में गिरफ्तार आरोपित श्वेता विजय जैन के लॉकर से बरामद चार पेन ड्राइव में चार अश्लील वीडियो क्लिप मिलीं हैं। आशंका जताई जा रही है कि यह असरदार व्यक्तियों की हैं, जिन्हें ब्लैकमेल करने के इरादे से इनको लॉकर में सुरक्षित रखा गया था। गौरतलब है कि गुरुवार को श्वेता के लॉकर से पुलिस ने 47 लाख रुपये नकद के साथ जेवर और पेन ड्राइव बरामद किए थे। मंगलवार को भी श्वेता के एक लॉकर से साढ़े 13 लाख नकद मिले थे।

सूत्रों के मुताबिक, हाई कोर्ट के निर्देश के बाद मामले की जांच कर रही एसआइटी (विशेष जांच दल) पहले दिन से अब तक जब्त सामग्री हार्ड डिस्क, पेन ड्राइव और मोबाइल फोन को जांच के लिए सीएफएसएल (सेंट्रल फॉरेंसिक साइंस लैबोरेटरी) हैदराबाद भेज रही है। अब बरामद साक्ष्यों की जांच के लिए दीपावली बाद एक टीम इन्हें लेकर हैदराबाद जाएगी। इससे पहले एसआइटी ने मध्य प्रदेश पुलिस के संसाधनों के माध्यम से हार्ड डिस्क, पेन ड्राइव व मोबाइल फोन की जांच की थी।

अश्लील वीडियो में दिख रहे लोगों की जानकारी नहीं : सूत्रों के मुताबिक, लॉकरों में मिली चार पेन ड्राइव में चार अश्लील वीडियो हैं। हालांकि, वीडियों में कौन व्यक्ति हैं, इसे लेकर एसआइटी के अधिकारी चुप्पी साधे हैं। लेकिन, वह इस बात से इन्कार नहीं कर रहे हैं कि वीडियो में दिखाई देने वाले व्यक्तियों को ब्लैकमेल करने के इरादे से ही श्वेता विजय जैन ने पेन ड्राइव लॉकर में रखे थे।

दैनिक जागरण

बाधा जितनी बड़ी होती है, विजय भी उतनी ही बड़ी होती है

दोहरी चुनौती

सेनाध्यक्ष जनरल बिपिन रावत के इस कथन पर हैरानी नहीं कि पाकिस्तान कश्मीर में हालात बिगाड़ने की कोशिश कर रहा है। पाकिस्तान यह काम न जाने कब से कर रहा है, लेकिन जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद वह घाटी में आतंक फैलाने पर कुछ ज्यादा ही आमादा है। कश्मीर में दबे-छिपे आतंकियों की ओर से गैर कश्मीरियों को चुन-चुन कर निशाना बनाने और व्यापारियों को धमकाने के मामले यही बता रहे हैं कि पाकिस्तान बुरी तरह बौखलाया हुआ है। इसी बौखलाहट में वह संघर्ष विराम का रह-रहकर उल्लंघन करने में लगा हुआ है। चूंकि इस सबके साथ वह अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत के खिलाफ दुष्प्रचार भी छेड़े हुए है इसलिए भारत के सामने दोहरी चुनौती है। भारत को एक ओर कश्मीर में पाकिस्तान पोषित-प्रेरित आतंकियों से निपटना है और दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उसके दुष्प्रचार की काट भी करनी है। यह चुनौती इसलिए और बढ़ गई है, क्योंकि कश्मीर को रही-सही पाबंदियों से मुक्त करने की मांग भी तेज हो रही है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हो रही इस मांग का एक बड़ा कारण अमेरिकी, ब्रिटेन सरीखे देशों के साथ विश्व समुदाय का इससे अनभिज्ञ होना है कि कश्मीर समस्या वास्तव में है क्या? मलेशिया और तुर्की की ओर से कश्मीर को लेकर दिए गए बयानों ने इस अनभिज्ञता को ही रेखांकित किया।

पिछले दिनों अमेरिकी संसद की विदेश मामलों की एक समिति में हुई चर्चा ने यही प्रकट किया कि अमेरिका कश्मीर पर सतही जानकारी ही रखता है। यही कारण रहा कि इस चर्चा के बाद भारत को यह कहना पड़ा कि अमेरिकी सांसद भारतीय लोकतंत्र के बारे में पर्याप्त समझ नहीं रखते। समझ के इस अभाव के लिए कहीं न कहीं वह नीति जिम्मेदार है जिसके तहत अभी हाल तक भारत कश्मीर को लेकर रक्षात्मक रवैया अपनाए रहा। इसका दुष्परिणाम यह हुआ कि कश्मीर के मामले में खलनायक होने के बाद भी पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय मंचों पर यह प्रतीति कराता रहा कि उसे भारत के इस हिस्से में हस्तक्षेप करने का अधिकार है। यह एक विडंबना ही रही कि पाकिस्तान तो कश्मीर के हालात को लेकर दुनिया भर में हल्ला मचाता रहा, लेकिन भारत ने गुलाम कश्मीर की दयनीय दशा को कभी मुद्दा नहीं बनाया। कम से कम अब तो यह सुनिश्चित किया ही जाना चाहिए कि पाकिस्तान का छल-कपट हर अंतरराष्ट्रीय मंच पर बेनकाब हो। इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि दिवाली के दिन लंदन में कश्मीर को लेकर पाकिस्तान प्रायोजित आयोजन पर भारत ने अपनी चिंता जताई। भारत को इसके आगे तक जाना चाहिए और ऐसे भारत विरोधी आयोजनों पर ब्रिटिश सरकार से कड़ी आपत्ति जतानी चाहिए।

उत्तराखंड की जल नीति

उत्तराखंड में प्राकृतिक स्रोतों से जल संरक्षण और इसके किफायती इस्तेमाल को लेकर जल नीति का बनाया जाना एक अच्छा कदम है। बशर्ते संबंधित विभाग इस नीति को ईमानदारी से धरातल पर उतारने का प्रयास करें। यह सवाल इसलिए उठाया जा रहा है, क्योंकि पूर्व में भी सरकारों ने जल संरक्षण को लेकर कई कदम उठाए, लेकिन इनमें गंभीरता से काम न होने के कारण ये पूरी तरह परवान नहीं चढ़ पाए। प्रदेश में लगातार गहराते जल संकट को देखते हुए सरकार ने अब बैठकों और घोषणाओं से आगे बढ़ते हुए नीति का स्वरूप तय कर दिया है। दरअसल देखा जाए तो इस समय प्रदेश में जल संकट गहराने लगा है। चाहे पहाड़ी क्षेत्र हों अथवा मैदानी, सभी जगह पानी के मामले में स्थिति तकरीबन एक जैसी ही है। पहाड़ों में जल स्रोतों के सूखने तो मैदानी क्षेत्रों में भूजल के अनियंत्रित दोहन से यह परेशानी बढ़ी है। यह अच्छी बात रही कि सरकार ने इस पर चिंतन मनन किया और जल नीति को आकार दिया। इस नीति में जलस्रोतों के पुनर्जीवीकरण पर खास फोकस किया गया है। इसके लिए बारिश के पानी को सहेजने के लिए परंपरागत तौर तरीकों खाल-चाल यानी छोटे-बड़े तालाबनुमा गड्ढों को शामिल किया गया है। जलस्रोतों के कैचमेंट एरिया में जल संरक्षण में सहायक पौधे लगाए जाएंगे। पहले ये चाल-खाल ही जलस्रोतों के निरंतर बहाव में सहायक होते थे। इनके समाप्त होते ही प्राकृतिक जल स्रोत भी सूखने लगे हैं।

प्रदेश सरकार ने जल नीति को मंजूरी प्रदान कर दी है। अब आमजन को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करने की आवश्यकता है

नीति में झरनों के पुनर्जीवीकरण के साथ ही कृषि में सूक्ष्म सिंचाई, ग्रेविटी आधारित पेयजल योजनाओं को महत्व दिया गया है। किफायत से पानी का इस्तेमाल, अनियंत्रित भूजल के दोहन पर अंकुश लगाना, वर्षा के जल को संरक्षित करने के लिए कदम उठाना, छोटी जल विद्युत परियोजनाएं और घराट को तवज्जो दिए जाने समेत कई अन्य बिंदु शामिल हैं। इसके साथ ही जल आवंटन की प्राथमिकता, भूजल के उपयोग, सिंचाई, ईको टूरिज्म आदि में वाटर चार्ज लगाने की व्यवस्था भी इस नीति में की गई है। नीति को कैबिनेट ने मंजूरी दे दी है। अब सरकार को चाहिए कि वह इसे पूरी गंभीरता के साथ धरातल पर उतारे। इसके लिए अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाए। इसके साथ ही आमजन को भी जल संरक्षण और इसके किफायती इस्तेमाल के प्रति जागरूक करने के लिए नीति का व्यापक प्रचार प्रसार किया जाना चाहिए।

भाजपा की कमजोर कड़ी

डॉ. एके वर्मा

दो राज्यों के चुनाव नतीजे बता रहे हैं कि शासन और शुचिता के जो प्रतिमान मोदी ने स्थापित किए हैं उनसे राज्यों में भाजपा सरकारों के मंत्री दूरी बनाए हुए हैं

महाराष्ट्र, हरियाणा विधानसभा और 17 राज्यों एवं केंद्रशासित क्षेत्रों की 51 विधानसभा और दो लोकसभा सीटों के नतीजे राजनीतिज्ञों, बुद्धिजीवियों और सामान्य जनता के बीच चर्चा के केंद्र में हैं। हरियाणा के नतीजों को लेकर ज्यादा चर्चा होना स्वाभाविक है। 1 नवंबर 1966 को गठित हरियाणा में पहला विधानसभा चुनाव 1967 में चुनाव हुआ था। तब से कुछ अपवादों को छोड़कर वहां कांग्रेस पार्टी का वर्चस्व रहा। 2014 में मोदी लहर में वह वर्चस्व टूट गया। यहां पहली बार भाजपा की सरकार तो बनी ही, एक गैर-जाट मनोहरलाल खट्टर को मुख्यमंत्री बनाया गया। यह भी ध्यान देने वाली बात है कि हरियाणा की राजनीति में आज तक कोई भी मुख्यमंत्री रहते हुए अगला कार्यकाल नहीं पा सका है। यदि मनोहरलाल पुनः मुख्यमंत्री बनते हैं जो कि तय दिख रहा है तो यह भी एक इतिहास ही होगा। ज्यादातर लोग केवल राजनीतिक दलों द्वारा प्राप्त सीटों पर ही ध्यान देते हैं, लेकिन जनसमर्थन का एक और पहलू मत-प्रतिशत होता है। भाजपा को हरियाणा में 2014 के मुकाबले सात सीटें जरूर कम मिली हैं, लेकिन उसे 3.3 प्रतिशत ज्यादा मत मिले हैं। स्पष्ट है कि भाजपा का राज्य में जनाधार बढ़ा है। यह भी रेखांकित किया जाना जरूरी है कि हरियाणा की छह सीटों पर हार-जीत 2000 से कम वोटों से हुई। तीन सीटों पर तो 1000 से कम मतों से हार-जीत हुई। निःसंदेह इसका यह मतलब नहीं कि खट्टर सरकार में सब कुछ ठीक-ठाक रहा। ऐसा रहा होता तो कांग्रेस ने हरियाणा में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया होता। उसने 2014 की 15 सीटों के मुकाबले दोगुनी अर्थात 31 सीटें जीतीं। कृषि-प्रधान हरियाणा में खट्टर सरकार द्वारा किसानों के मसले अपेक्षित गंभीरता से हल नहीं किए गए, चाहे वह फसलों की खरीद का मसला रहा हो या समर्थन मूल्य का अथवा पराली की समस्या। इसी के साथ यह भी स्वीकार करना होगा कि हरियाणा की सामाजिक-आर्थिक और सांस्कृतिक स्थिति भी उसकी कुछ समस्याओं के लिए जिम्मेदार है। राजनीतिक नफा-नुकसान के कारण कोई भी सरकार हस्तक्षेप करने से कतराती है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बराला को 50 हजार मतों से और साथ ही हरियाणा के 10 मंत्रियों में से 8 को हराकर जनता ने खट्टर सरकार को यही संदेश दिया कि पार्टी और सरकार, दोनों ही स्तरों पर बदलाव और सुधार की बेहद जरूरत है। 'जाट-फैक्टर' प्रदेश की राजनीति में हमेशा महत्वपूर्ण रहा है और नेतृत्व में जाटों को सर्वोपरि न रखना भी उनकी भाजपा से नाराजगी का कारण रहा। इसीलिए सोनीपत से लेकर सिरसा तक 'जाट-बेल्ट' में कांग्रेस का वर्चस्व रहा और भाजपा की करारी शिकस्त हुई और वह भी तब जब यहां कई जगह भाजपा के प्रत्याशी जाट ही थे। कुछ महीने पूर्व लोकसभा चुनावों में जब जाट नेतृत्व का मुद्दा नहीं था तब भाजपा

ने जाट-बेल्ट में अपना दबदबा कायम रखा था।यह देखना मनोरंजक होगा कि पार्टी आगे कैसे जाट और गैर-जाट के बीच समन्वय करती है? यही भाजपा और हरियाणा की भावी राजनीति को परिभाषित करेगा, लेकिन हरियाणा में मात्र 11 महीने पुरानी दुष्यंत चौटाला की जननायक जनता पार्टी (जजपा) की 10 सीटों की अप्रत्याशित जीत प्रदेश की राजनीति में एक नए खिलाड़ी का संकेत दे रही है। इसी के प्रतिकूल मीडिया और सोशल मीडिया में उपस्थिति के बावजूद योगेंद्र यादव की स्वराज्य इंडिया कोई प्रभाव नहीं दिखा सकी।

महाराष्ट्र में भाजपा-शिवसेना ने गठबंधन कर चुनाव लड़ा और कुछ अपवादों को छोड़ साथ-साथ नजर आईं। उनकी विजय भी हुई, लेकिन 2014 की अपेक्षा कुछ कम सीटें मिलीं। हालांकि चुनावों के पूर्व शरद पवार की पार्टी राकांपा से जिस तरह भाजपा की ओर भगदड़ देखी गई उससे ऐसा लग रहा था कि महाराष्ट्र में पवार का अस्त निकट है, लेकिन उम्र की इस दहलीज पर भी उन्होंने जिस तरह धुआंधार चुनाव प्रचार किया और किसानों की समस्याओं, आर्थिक मंदी, बेरोजगारी आदि मुद्दों को शिद्दत से उठाया वह काबिले तारीफ रहा। इतना ही नहीं, उन्होंने उन सभी की हार सुनिश्चित करने की भी रणनीति बनाई जो राकांपा छोड़कर चले गए थे। इनमें छत्रपति शिवाजी के वंशज भी शामिल हैं। 2014 के मुकाबले 13 सीटें अधिक जीत कर 54 सीटों के साथ राकांपा कांग्रेस की 44 सीटों से काफी आगे निकल गई। इस प्रकार महाराष्ट्र की राजनीति में पवार का पुनः अभ्युदय हुआ। महाराष्ट्र की राजनीति में वैसे तो तस्वीर साफ है, लेकिन शिवसेना के अपने गुप्त दांव हैं। वह स्वयं को सदैव एक 'किंगमेकर' की भूमिका में रखना चाहती है।

महाराष्ट्र में पूर्ण बहुमत के लिए 145 सीटें चाहिए होती हैं। कांग्रेस और राकांपा को मिला कर 100 सीटें ही हैं। यदि उसे शिवसेना की 54 सीटें मिल जाएं तो राज्य में गैरभाजपा सरकार बन सकती है। इसे हल्के में इसलिए नहीं लिया जा सकता, क्योंकि शिवसेना ने भाजपा को अनेक शर्तों से बांध रखा है। शिवसेना एक तो फड़नवीस सरकार में 50-50 प्रतिशत की हिस्सेदारी चाहती है और यह भी कि मुख्यमंत्री ढाई वर्ष भाजपा का और ढाई वर्ष शिवसेना का हो। वह आगामी बीएमसी के चुनावों में अग्रणी भूमिका को लेकर भी प्रतिबद्ध है। शिवसेना मोदी मंत्रिमंडल में और स्थान चाहती है। इसके अलावा वह लोकसभा का उपसभापति पद भी चाहती है। उसकी यह चाहत भाजपा के लिए समस्या बना सकती है। जो भी हो, महाराष्ट्र में पवार के साथ-साथ 'ठाकरेवाद' का भी अभ्युदय देखा जा सकता है। कांग्रेस की भी इसमें दिलचस्पी हो सकती है कि पवार-ठाकरे के रूप में क्षेत्रीय शक्तियों को जोड़ कर राज्य की राजनीति से भाजपा को बाहर किया जाए, भले ही उसमें उसका नुकसान हो। यह नहीं भूलना चाहिए कि चुनाव पूर्व गठबंधन के बावजूद शिवसेना और भाजपा ने एक-दूसरे को पीछे धकेलने में कोई कमी नहीं छोड़ी। संभवतः आरएसएस ने भी भाजपा के बागियों की जीत में अहम भूमिका निभाई, अन्यथा देवेंद्र फड़नवीस के शहर में भाजपा करीब 50 प्रतिशत सीटें हारती नहीं।

महाराष्ट्र में भाजपा के 15 बागी विधायक बन गए हैं। भाजपा की विदर्भ में हार नितिन गडकरी के रोष और चीनी-पट्टी पश्चिम-महाराष्ट्र में खराब प्रदर्शन मराठा की नाराजगी की वजह से संभव है, लेकिन हरियाणा की ही तर्ज पर महाराष्ट्र में भी आठ मंत्री हार गए जो पुनः रेखांकित करता है कि जमीनी स्तर पर सरकारी नीतियों के क्रियान्वयन में मंत्रीगण कुछ खास रुचि नहीं ले रहे हैं। यह बात उन सभी राज्यों में भी लागू होती है जहां भाजपा की सरकारें हैं। लोग मोदी से खुश हैं, लेकिन शासन और शुचिता के जो प्रतिमान उन्होंने स्थापित किए उनसे राज्यों में भाजपा सरकारों के मंत्री दूरी बनाए हुए हैं। यह भाजपा के लिए एक चुनौती है। उसे इस चुनौती का सामना गंभीरता से करना होगा। अगर इसमें ढिलाई बरती गई तो विपक्ष उस पर भारी पड़ सकता है।

(लेखक राजनीतिक विश्लेषक एवं सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ सोसायटी एंड पॉलिटिक्स के निदेशक हैं)

response@jagran.com

राष्ट्रव्यापी समस्या बनता प्रदूषण

दशहरे के समय दिल्ली और आसपास के इलाकों में प्रदूषण की जिस समस्या ने लोगों का ध्यान खींचना शुरू किया था वह दिवाली आते-आत और अधिक गंभीर रूप लेती दिख रही है। अंदेशा है कि दिवाली के बाद प्रदूषण में और वृद्धि हो सकती है। इसका कारण पराली जलना तेज होना, तापमान में गिरावट आना और दिवाली पर पटाखे छोड़े जाना है। यह एक तथ्य है कि बीते कुछ दिनों से दिल्ली के साथ-साथ उत्तर भारत के अन्य शहरों में वायु की गुणवत्ता में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। वायु प्रदूषण हमारे शहरों की एक स्थाई समस्या बनता जा रहा है। आम तौर पर गर्मी में प्रदूषण का दोष राजस्थान-पाकिस्तान से आने वाली धूल को दे दिया जाता है और ठंड में पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने वाले किसानों को। हालांकि दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए कई तरह की कोशिश की गई हैं, लेकिन वे एक हद तक ही कामयाब हुई हैं। भले ही दिल्ली और आसपास के इलाकों में प्रदूषण की गंभीर स्थिति पर सुप्रीम कोर्ट से लेकर एनजीटी तक का ध्यान केंद्रित रहता हो, लेकिन सच्चाई यह है कि दिल्ली सहित पूरे उत्तर भारत के शहरों का हाल काफी कुछ दिल्ली जैसा ही है। जहां दिल्ली-एनसीआर का प्रदूषण चर्चा का विषय बनता है वहीं अन्य शहरों में प्रदूषण की गंभीरता को लेकर कोई ठोस चर्चा भी नहीं हो पाती।

हालांकि दूषित होता पर्यावरण विश्वव्यापी समस्या है, परंतु जिन देशों में उसकी गंभीरता भयावह रूप लेती जा रही है उनमें भारत भी है। यह खौफनाक है कि दुनिया भर में प्रदूषण की वजह से मरने वालों में भारतीयों की हिस्सेदारी बढ़ती जा रही है। पिछले साल आई

प्रियंका मलिक

यह खौफनाक है कि दुनिया भर में प्रदूषण की वजह से मरने वालों में भारतीयों की हिस्सेदारी बढ़ती जा रही है

क्यूएअर विजुवल और ग्रीन पीस की रिपोर्ट ने बताया था कि दुनिया के शीर्ष पांच प्रदूषित शहरों में पाकिस्तान के फैसलाबाद के अलावा भारत के चार शहर थे। शीर्ष 10 प्रदूषित शहरों में भारत के सात शहर थे। इसी तरह शीर्ष 30 प्रदूषित शहरों में सबसे ज्यादा प्रदूषित 22 शहर हमारे थे। ग्रीनपीस के एक और अध्ययन में यह पाया गया कि शुद्ध वायु के मामलों में भारत का एक भी शहर विश्व स्वास्थ्य संगठन के मापदंडों पर खरा नहीं उतर सका।

दिल्ली और आसपास के इलाके में फैलने वाले प्रदूषण के लिए पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में जलाई जाने वाली पराली को जिम्मेदार बताया जाता है, मगर यह सिर्फ एक कारण है। वायु प्रदूषण के अन्य कारणों में बढ़ते वाहन, यातायात जाम, सड़कों और निर्माण स्थलों से उड़ने वाली धूल और कल-कारखानों का धुआं भी है। दिल्ली में बाहर से आने वाले हजारों ट्रक यहां के हालात और भी गंभीर बनाते हैं। एक अनुमान के अनुसार दिल्ली की सड़कों पर रोज 40,000 लीटर ईंधन यानी पेट्रोल-डीजल महज यातायात जाम के कारण बर्बाद हो जाता है। जब कोई वाहन 40 किलोमीटर प्रति घंटे से कम गति पर चलता है तो उससे निकलने वाला प्रदूषण कई गुना बढ़ जाता है। बढ़ते प्रदूषण के जो भी कारण हैं उनके मूल में बढ़ती जनसंख्या है। जनसंख्या नियंत्रण पर ध्यान दिया ही जाना चाहिए। अगर यह सोचा जा रहा है कि केवल पराली दहन और पटाखों पर रोक लगाकर प्रदूषण से निपटा जा सकता है तो यह सही नहीं। पर्यावरण को सुधारने के उपायों के तहत कहीं न कहीं बढ़ती हुई जनसंख्या को भी नियंत्रित करने पर ध्यान देना होगा। बढ़ती आबादी केवल विकास के असर को ही कम नहीं करती, बल्कि प्रदूषण की समस्या को गंभीर बनाने का काम करती है।

प्रदूषण के चलते साइबेरिया सहित तमाम सुदूर देशों से आने वाले पक्षियों ने अब भारत से किनारा करना शुरू कर दिया है। दिल्ली स्थित यमुना बायोडायवर्सिटी पार्क के आंकड़े बताते हैं कि प्रवासी परिंदों की संख्या में पिछले कई वर्षों में लगातार कमी आई है। अगर यही हाल रहा तो परिंदे हमसे मुंह मोड़ लेंगे और यह बताने वाली बात नहीं कि यदि परिंदे पलायन की शुरुआत करते हैं तो सिलसिला इंसानों तक जा सकता है। वायु की खराब गुणवत्ता का सीधा रिश्ता दिल की बीमारी, फेफड़ों के कैंसर, दमा और सांस के रोगों से है। वायु प्रदूषण का सबसे ज्यादा असर बच्चों पर हो रहा है। एक अध्ययन के अनुसार वायु प्रदूषण के कारण छोटे बच्चों में डायबिटीज बढ़ती जा रही है। बच्चों में तो जन्म से पहले गर्भ में ही वायु प्रदूषण जनित मुश्किलें शुरू हो जाती है। साफ है कि प्रदूषण के मामले में केवल चिंता जताने का समय निकल गया है।

(लेखिका वेदार्णा फाउंडेशन की निदेशक हैं)

response@jagran.com

तथ्य-कथ्य | विश्व बैंक की ईज ऑफ डूइंग बिजनेस रैंकिंग

ऊर्जा

दीप जलाने का उद्देश्य

पूजा-पाठ में लोग सबसे पहले दीप-प्रज्वलित करते हैं, फिर अपने आराध्य देव की आरती करते हैं और अंत में कर्पूर से आरती करते हैं। इसमें संतुलित लौ होती है न कि भभकती आग होती है। इसी प्रकार मनुष्य को भी चाहिए कि वह संतुलित दीए की तरह बने। मनुष्य अपने जीवन में सरलता, सौम्यता, शुचिता, सत्यवादिता और मृदुता आदि को यदि अपनाता है तो वह पूजा-पाठ और आरती के दीए की तरह हो जाता है। आरती की लौ के प्रति जैसे पूजा-पाठ तथा धार्मिक अनुष्ठानों में लोग श्रद्धा प्रकट करते हैं और उसकी अग्नि को सिर-माथे लगाते हैं, उसी प्रकार इस तरह के व्यक्ति को घर-परिवार, पास-पड़ोस से लेकर हर जगह लोग श्रद्धा और सम्मान देते हैं। यही सब गुण मर्यादापुरुषोत्तम श्रीराम में था। उनका पूरा व्यक्तित्व प्रकाश फैलाने का था। दीपावली पर्व पर जलते ये संतुलित दीए सदाचार तथा सकारात्मकता का दीप बनने की शिक्षा देते हैं। दीपों की पंक्तियां देखने में भी आकर्षक लगती हैं। जबकि क्रोध, हिंसा, ईर्ष्या, द्वेष, संकीर्णता आदि भभकती आग की तरह हैं जो विनाशकारी होती है।

इस तरह की आग से जन-धन की हानि होती है और इसमें दूसरों से पहले जैसे अपना घर जलकर खाक होता है उसी प्रकार इस तरह के अनाचारी तथा नकारात्मक व्यक्ति का अपना पहले नुकसान होता है। इस तरह के व्यक्ति को लोग हेय दृष्टि से देखते हैं। इन्हीं कुप्रवृत्तियों के चलते रावण का वध हुआ। इस तरह के स्वभाव वाले लोगों का आत्मबल इतना गिरा रहता है कि यदि कोई सामान्य व्यक्ति इनको ललकार दे तो भयभीत हो जाते हैं। श्री राम और रावण की तुलना करते हुए तुलसीदास लिखते हैं-'रावण रथी, विरथ रघुबीरा।' यानी श्रीराम सामान्य व्यक्ति की तरह बिना रथ के पैदल हैं, जबकि रावण के पास तरह-तरह के अस्त्र-शस्त्र से लैस रथ थे, जिस पर सवार होकर वह चलता था, लेकिन कुप्रवृत्तियों के चलते वह पराजित होकर मारा गया। अतः मनुष्य को चाहिए कि वह अपना व्यक्तित्व दीपावली के दीए जैसा बनाए जिससे लोकहित हो।

सलिल पांडेय

बढ़ती आबादी पर लगाम की कोशिश

देवेंद्र कुमार

दो से अधिक बच्चों वाले व्यक्तियों को भाजपा शासित राज्यों में धीरे-धीरे सभी योजनाओं के लाभ से वंचित होना पड़ सकता है। इस कड़ी में असम सरकार ने सबसे पहले एक जनवरी 2021 के बाद दो से अधिक बच्चों के माता-पिता को सरकारी नौकरी नहीं देने का फैसला किया है। असम से एक शुरुआत हुई है। इसमें भविष्य में चरणबद्ध तरीके कई राज्य साथ जुड़ेंगे और अपने यहां इससे मिलती जुलती नीति बनाएंगे। विभिन्न राज्य ऐसे मामलों में पहले सरकारी सेवा से वंचित करने के बाद दो से अधिक बच्चों के माता-पिता को योजनाओं के लाभ से भी वंचित करेंगे। पार्टी शासित राज्यों द्वारा जनसंख्या नियंत्रण पर लगाम की दिशा में इस तरह के फैसले करने के बाद केंद्रीय स्तर पर नई जनसंख्या नीति लागू करने पर उच्चस्तरीय विमर्श होगा।

दरअसल प्रधानमंत्री मोदी ने अपने दूसरे कार्यालय के पहले स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले के प्राचीर से बढ़ती जनसंख्या पर चिंता जताते हुए दो बच्चों वाले परिवार को देशभक्त कहा था। तब कयास लगाए जा रहे थे कि सरकार संभवतः निकट भविष्य में नई जनसंख्या नीति लागू करेगी। इस पर सरकार और पार्टी में गहन मंथन हुआ। तय हुआ कि सीधे नई जनसंख्या नीति लागू करने के बदले पार्टी राज्यों में अधिक बच्चे पैदा करने वालों को हतोत्साहित करने का फॉर्मूला तैयार करे। इसी के मद्देनजर सबसे पहले असम ने इस संदर्भ में फैसला लिया है। पार्टी के रणनीतिकारों को लगता है कि वर्तमान परिदृश्य में इस तरह के फैसले से विपक्ष शासित राज्य भी दबाव में आएंगे। असम सरकार और भाजपा का फॉर्मूला कितना सटीक है, इस पर बहस की आवश्यकता है। मगर आबादी जिस रफ्तार से बढ़ रही है, उसे देखते हुए किसी एक फॉर्मूले पर सभी संगठनों, सरकारों एवं पार्टियों को एकराय बनानी होगी। बढ़ती आबादी न किसी एक राज्य की समस्या है और न ही किसी एक पार्टी की।

यह समझने की जरूरत है कि जनसंख्या को बढ़ाकर हम अपने आने वाले कल को ही खतरे में डाल रहे हैं

हमें समझना होगा कि अनियंत्रित गति से बढ़ रही जनसंख्या देश के विकास को बाधित करने के साथ ही हमारे आम जन जीवन को भी दिन-प्रतिदिन प्रभावित कर रही है। विकास की कोई भी परियोजना वर्तमान जनसंख्या दर को ध्यान में रखकर बनाई जाती है, लेकिन अचानक जनसंख्या में इजाफा होने के कारण परियोजना का जमीनी धरातल पर साकार हो पाना मुश्किल हो जाता है। जाहिर है कि जैसे-जैसे भारत की जनसंख्या बढ़ेगी, वैसे-वैसे गरीबी का रूप भी विकराल होता जाएगा। महंगाई बढ़ती जाएगी और जीवन के अस्तित्व के लिए संघर्ष होना प्रारंभ हो जाएगा। निःसंदेह जनसंख्या वृद्धि पर लगाम कसने का सबसे सरल उपाय परिवार नियोजन ही है। लोगों में जन-जागृति का अभाव होने के कारण दस-बारह बच्चों की फौज खड़ी करने में वे गुरेज नहीं करते हैं। इसलिए सबसे पहले उन्हें जनसंख्या वृद्धि के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने की महती आवश्यकता है। यह समझने की जरूरत है कि जनसंख्या को बढ़ाकर हम अपने आने वाले कल को ही खतरे में डाल रहे हैं।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

मेलबाक्स

राष्ट्रीय मुद्दे उठाने से नहीं हुआ नुकसान

पक्ष-विपक्ष को आईना दिखाता जनादेश शीर्षक से लिखे अपने लेख में रशीद किदवई ने महाराष्ट्र और हरियाणा विधानसभा चुनावों के परिणामों के आधार पर इन राज्यों विशेषकर हरियाणा में कांग्रेस नेतृत्व द्वारा समझदारी से लिए गए फैसलों की सराहना की है। उनका यह भी मानना है कि भाजपा की सरकारों द्वारा स्थानीय मुद्दों की उपेक्षा और राष्ट्रीय मुद्दों पर बल देने से उन्हें नुकसान हुआ है, लेकिन अगर चुनाव नतीजों पर गौर करें तो मोटे तौर पर जो बातें सामने आती हैं, वह यह है कि इस बार मतदान लोकसभा चुनावों में पड़े मतदान की अपेक्षा आठ फीसद कम रहा। इसके बावजूद हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी के मत प्रतिशत में गिरावट नहीं हुई है, बल्कि वह करीब तीन फीसद तक बढ़ी ही है। महाराष्ट्र में गठबंधन के कारण भाजपा इस बार पिछली बार की अपेक्षा काफी कम सीटों पर लड़ी, जिसकी वजह से वह त्रिकोणीय मुकाबलों से उठा सकने वाली संभावित लाभ से वंचित हो गई। लेखक ने यह भी कहा है कि महाराष्ट्र में मराठों और हरियाणा में जाटों की उपेक्षा से भाजपा को नुकसान हुआ। मराठों अथवा जाटों की उपेक्षा से लेखक का क्या अभिप्राय है, यह उन्हें स्पष्ट करना चाहिए, क्योंकि इन दोनों ही राज्यों में इन वर्गों के प्रतिनिधियों को सरकार में अच्छा-खासा प्रतिनिधित्व मिला हुआ है। यदि लेखक का इशारा मुख्यमंत्री पद पर इन वर्गों के लोगों को बैठाने से है तो सच्चाई यह है कि भाजपा ने ऐसा कर उक्त दोनों राज्यों में वहां की परंपरागत जातिवादी वर्चस्व को तोड़ने की कोशिश की है और इसमें कुछ भी गलत नहीं। यह सही है कि महाराष्ट्र और हरियाणा में भाजपा को आशानुरूप सीटें नहीं मिलीं। स्थानीय मुद्दे सदैव से राज्यों के चुनावों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं, लेकिन यह मानना कि राष्ट्रीय मुद्दों को उठाने की वजह से दोनों राज्यों में भाजपा को नुकसान हुआ, सही नहीं होगा। एक तबका यह भी मानता है कि यदि अनुच्छेद 370 जैसे मुद्दों को न उठाया जाता और चुनाव की कमान स्वयं नरेंद्र मोदी और अमित शाह सरीखे दिग्गज राष्ट्रीय नेता न उठाते तो दोनों ही राज्यों में भाजपा की स्थिति शायद इससे भी कुछ कमतर रह सकती थी।

chandankarn9470@gmail.com

नतीजों से लें सबक

हरियाणा और महाराष्ट्र विधानसभा के ताजा चुनावी परिणामों से एक बड़ा संदेश निकलकर आया है कि जागरूक जनता को सिर्फ राष्ट्रवाद के नाम पर ही आकर्षित नहीं किया जा सकता। पिछले कुछ समय से अनुच्छेद 370, पुलवामा हमला, एयर स्ट्राइक व अन्य राष्ट्रीय मुद्दे शीर्ष पर थे। महाराष्ट्र व हरियाणा में सत्तारूढ़ दल ने भी राष्ट्रवाद के मुद्दों के इर्दगिर्द ही अपना सियासी स्टैंड रखा। विधानसभा चुनावों में जनता विकास संबंधी स्थानीय मुद्दों को ज्यादा तरजीह देती है और यह चुनाव आम जनता से जुड़े हुए स्थानीय स्तर के मुद्दों पर ही लड़े जाते रहे हैं। सत्तासीन दल की सीटों में गिरावट का सबसे बड़ा कारण जनता के असल मुद्दों से भटकना ही रहा, जबकि विपक्ष ने परिस्थितियों को भांपकर जनता से जुड़े स्थानीय मामलों जैसे किसानों की समस्या, बेरोजगारी, मंदी, मंहगाई व विकास को चुनावी आधार बनाया। अभी दिल्ली, झारखंड और उसके बाद बिहार में विधानसभा के चुनाव होंगे। ताजा चुनावी नतीजों से सभी दलों को यह सबक लेना चाहिए कि राष्ट्रवाद को आधार बनाकर स्थानीय स्तर के मुद्दों की उपेक्षा नहीं की जा सकती।

hitender.dedha@gmail.com

स्थाई सरकार की तमन्ना

जनमत बरसाती नदी के प्रवाह की तरह चंचल होता है। उसकी धारा कब और किधर चल पड़े इसका अनुमान तो राजनीति के पुरोधा भी नहीं लगा सकते। हरियाणा के विधानसभा चुनाव में सारे अनुमान धरे रह गए और जनमत ने राजनीति को अधर में लटका कर छोड़ दिया। इस चुनाव में 75 पार का सपना देखने वाली भाजपा केवल 40 सीटों पर सिमट कर रह गई। भाजपा को यह समझना चाहिए कि लक्ष्य निर्धारित करना जितना आसान है उसे पाना उतना ही कठिन होता है। चौधरी देवीलाल की विरासत संभालने वाली इनेलो के पिछली विधानसभा में 19 विधायक थे और वह मुख्य विपक्षी दल के रूप में थी, लेकिन इस बार इनेलो केवल एक ही सीट जीत सकी। इनेलो से अलग हुई जेजेपी भी दस सीटें ही जीत सकी। यदि इनेलो और जेजेपी मिलकर चुनाव लड़ते तो परिणाम बेहतर हो सकते थे।

रणजीत वर्मा, फरीदाबाद

इस स्तंभ में किसी भी विषय पर राय व्यक्त करने अथवा दैनिक जागरण के राष्ट्रीय संस्करण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए पाठकगण सादर आमंत्रित हैं। आप हमें पत्र भेजने के साथ ई-मेल भी कर सकते हैं।

अपने पत्र इस पते पर भेजें :
दैनिक जागरण, राष्ट्रीय संस्करण,
डी-210-211, सेक्टर-63, नोएडा
ई-मेल: mailbox@jagran.com

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त. पूर्व प्रधान संपादक-स्व.नरेन्द्र मोहन. संपादकीय निदेशक-महेन्द्र मोहन गुप्त. प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए: नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग,रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई शुल्क अतिरिक्त।

आजकल

वैश्विक मंदी से जूझती भारतीय अर्थव्यवस्था

प्रो. लल्लन प्रसाद
पूर्व विभागाध्यक्ष, बिजनेस इकोनॉमिक्स विभाग, दिल्ली विवि

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की प्रमुख क्रिस्टालिना जार्जीवा ने हाल ही में कहा है कि दुनिया के 90 प्रतिशत देश समकालीन विश्वव्यापी मंदी से प्रभावित हुए हैं, और भारत पर इसका प्रभाव कुछ ज्यादा ही पड़ा है। विश्व बैंक के दक्षिणी एशिया के प्रमुख अर्थशास्त्री ने कहा है कि भारत अभी भी तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से है, किंतु इसका विकास इस वित्त वर्ष में पूर्व अनुमानित 7 .5 से घटकर छह प्रतिशत तक रह सकता है। वर्ष 2020-21 में यह 6 .9 और 2021-22 में 7 .2 प्रतिशत हो पाएगा। इस वर्ष के विकास दर को उन्होंने पिछले छह वर्षों का सबसे कम माना है

प्रतीकात्मक

बीते कुछ माह से अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में गिरावट चक्रीय कारकों (साइक्लिकल फैक्टर्स) और मांग में कमी के कारण है। वित्त बाजार में मुद्रा की कमी भी मंदी के कारणों में एक होने के संकेत अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के प्रमुख क्रिस्टालिना जार्जीवा ने हाल में दिए हैं। अमेरिका, यूरो क्षेत्र और चीन में अप्रत्याशित आर्थिक गिरावट ने भारत की विकास दर को प्रभावित किया है जो इस वित्त वर्ष में पांच प्रतिशत पर आ गया है। भारतीय रिजर्व बैंक ने अपने पूर्व अनुमानित 6.9 प्रतिशत विकास दर को इस वित्त वर्ष के लिए 6.1 प्रतिशत पर ला लिया है। नोबेल पुस्कार से सम्मानित अर्थशास्त्री अभिजीत बनर्जी ने भारतीय अर्थव्यवस्था की वर्तमान स्थिति को अत्यंत चिंताजनक बताया है। उनका मानना है कि ऐसी स्थिति वर्षों बाद देखने को मिल रही है, जब गांवों और शहरों दोनों में औसत उपभोग इतने निचले स्तर पर आ गया है। अमेरिका के एक प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय के माननीय प्रोफेसर का यह आकलन जमीनी सच्चाई से मेल नहीं खाता दिखता।

हाल के वर्षों में आर्थिक विकास और सामाजिक सुरक्षा की योजनाओं से भारत में गरीबी रेखा के नीचे 41.6 प्रतिशत से घटकर 23.6 प्रतिशत लोग रह गए हैं। यह विश्व बैंक का अनुमान है। वर्ष 2014 से 2018 तक भारत का औसत विकास दर सात प्रतिशत से अधिक था, जिसने भारत को सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना दिया था। पिछली पांच तिमाहियों से अर्थव्यवस्था में जो गिरावट आई है वह समकालीन आंतरिक एवं बाहरी परिस्थितियों के कारण है। स्थिति उतनी गंभीर नहीं है जितनी बताई जा रही है। अर्थव्यवस्था के आधार (फंडामेंटल्स) मजबूत हैं और उसे पटरी पर लाने के प्रयासों में तेजी लाने की आवश्यकता है।

पिछले कुछ माह के दौरान एफएमसीजी यानी उपभोक्ता वस्तुओं की मांग में जो कमी आई है इसके अनेक कारण हैं। आटॉमोबाइल और रीयल एस्टेट सेक्टर में भारी गिरावट हुई है। इसका प्रभाव पूरी अर्थव्यवस्था पर पड़ा है। ऑटोमोबाइल उत्पादन में 20 प्रतिशत से अधिक गिरावट का अनुमान है जो मांग में कमी का एक बड़ा कारण है। इस क्षेत्र में लगे लाखों की संख्या में लोग बेरोजगार हुए हैं। यही स्थिति रीयल एस्टेट सेक्टर में देखी जा सकती है। भवनों का निर्माण जिस तेजी से हुआ है, मांग उतनी तेजी से नहीं बढ़ी है। बिल्डर्स ने खरीदारों की पूंजी का एक बड़ा भाग भवन निर्माण की जगह और योजनाओं और धंधों में लगा दिया और खरीदारों को धोखा दिया, जिसके कारण सरकार को कड़े कानून बनाना पड़ा। औद्योगिक उत्पादन का विकास दर 1.1 प्रतिशत पर आ गया जो पिछले 81 महीनों का सबसे कम माना जा रहा है। भारतीय उद्योगों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता में भी गिरावट आई है। 141 देशों में भारत इस वर्ष 10 सीढ़ियां उतर कर 68वें नंबर पर आ गया। विश्वव्यापी मंदी से विदेश व्यापार प्रभावित हुआ है। अमेरिका और चीन में चल रहे ट्रेडवॉर और ब्रेक्जिट की अनिश्चितता से भी विश्व के अधिकांश देश प्रभावित हुए हैं। भारत में भी निर्यात पर आधारित उद्योग-धंधे इस मंदी से जूझ रहे हैं। रोजगार के अवसर कम होते जा रहे हैं, आमदनी के स्त्रोत सूख रहे हैं। विश्व व्यापार संगठन के अनुसार वर्ष 2018 में विश्व व्यापार का विकास दर तीन प्रतिशत था, जो इस वर्ष 1.2 प्रतिशत पर आ गया है। इतनी बड़ी गिरावट से भारत का विदेश व्यापार प्रभावित नहीं होगा, यह संभव नहीं है।

औद्योगिक उत्पादन में गिरावट के कारण कच्चे माल और एनसिलियरी उद्योगों द्वारा निर्मित पार्ट्स, कलपुर्जों और बड़े उद्योगों में लगने वाले सामान के उत्पादन में कमी हुई है, क्योंकि उद्योगों द्वारा मांग कम हो गई है। उद्योगों का रहतिया बढ़ रहा है, और उनके राजस्व व मुनाफे में कमी हो रही है, जिसका प्रभाव वित्त बाजार पर पड़ रहा है। कंपनियां बैंकों से कर्ज कम ले रही हैं। कर्ज से संबंधित क्रेडिट रेशियो इस वर्ष पिछले वर्ष के 1.65 से 0.25 पर आ गया है। कंपनियों में निवेश भी घट रहा है, विदेशी और देशी निवेशकों के लिए उद्योगों में पूंजी लगाने का आकर्षण भी कम हो रहा है जो अर्थव्यवस्था के लिए चिंता का विषय है। शेयर बाजार में अस्थिरता और गिरावट इस बात का संकेत दे रही है।

विकास की गति बढ़ाने के लिए सरकार ने पिछले कुछ माह में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। कॉरपोरेट टैक्स में कमी की गई है। कंपनियां यदि इसका लाभ कीमतों में कमी करके उपभोक्ताओं को दें तो अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा, मांग बढ़ेगी, उत्पादन में बढ़ोतरी होगी एवं रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। मंदी के कारण कंपनियों की स्थिति खराब है, ऐसे में अदेय ऋण के उगाही के लिए कठोर कदम घातक सिद्ध हो सकते हैं। बड़ी संख्या में कंपनियां दिवालिया हो सकती हैं।

सरकार चाहती है कि निवेश बढ़े, कंपनियां उत्पादन और कारोबार के लिए बैंकों से अधिक मात्रा में कर्ज लें। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने पांचवीं बार रेपो रेट में कटौती की है। 35 बेसिस प्वॉइंट की कटौती अब तक की सबसे बड़ी है। इसका मकसद है निवेश को बढ़ावा देना और मांग बढ़ाना। कॉमर्शियल बैंक इसका लाभ कर्ज देने का ब्याज दर घटाकर उद्योगों, पर्सनल और हाउसिंग लोन को सस्ता करके दे सकेंगे। मुद्रा स्फीति नियंत्रण में है, इससे रेपो रेट घटाने का निर्णय अर्थव्यवस्था के हित में होगा। किंतु बैंकों द्वारा जमाकर्ताओं के धन पर ब्याज दर में कमी सावधि और सामान्य बचत को हतोत्साहित करेगी। लोग बैंकों में कम रुपया जमा करना चाहेंगे, निवेश की दूसरी संभावनाओं को तलाशेंगे। एमएसएमई (माइक्रो, स्मॉल एंड मिडियम एंटरप्राइजेज) की समस्याओं के निदान के लिए सरकार ने जो कदम उठाए हैं उनमें प्रमुख है- सार्वजनिक कंपनियों द्वारा इन उद्योगों से खरीद की कम से कम सीमा 20-25 प्रतिशत करना, ई-मार्केट पोर्टल की सुविधा, वित्तीय संस्थाओं से एक करोड़ रुपये तक के कर्ज पर 15 प्रतिशत पूंजी सब्सिडी, 59 मिनट में सिडबी से कर्ज और फार्मा कंपनियों के लिए क्लस्टर की व्यवस्था आदि।

इस वर्ष अर्थशास्त्र के नोबेल पुरस्कार विजेताओं- अभिजीत बनर्जी, ई-डफलो एवं माइकल क्रेमर ने अपने प्रयोगों के आधार पर गरीबी उन्मूलन के जो सुझाव दिए हैं, उनके मूल में किताबी सोच की जगह व्यावहारिक दृष्टिकोण को प्राथमिकता देना है। गरीबों के बीच जाकर उनकी समस्याओं को समझना, उनके निर्णय के आधार पर विचार करना और उनके लाभ की सही योजनाएं बनाने का प्रयास होना चाहिए।

माहौल से जुड़ा है मंदी का मनोविज्ञान

डॉ. नीलम महेंद्र
स्वतंत्र टिप्पणीकार

हाल में जारी अनेक आंकड़ों के हवाले से कहा जा रहा है कि भारत की अर्थव्यवस्था बुरे दौर से गुजर रही है। दुनिया के अनेक देश आर्थिक मंदी का सामना कर रहे हैं। सरकार कह रही है कि आने वाली वैश्विक मंदी का भारत में कोई खास असर नहीं होने वाला है। सरकार इसके लिए अनेक उपाय भी कर रही है। पर टीवी और अखबार 'आने वाली' मंदी की खबरों और विभिन्न अर्थशास्त्रियों की 'आशंकाओं' से भरे हैं। तो सोशल मीडिया के मंच पर इस विषय में परोसे जाने वाली जानकारी से आज आम आदमी आश्वस्त होने के बजाए चिंतित एवं भ्रमित अधिक हो रहा है।

जो आम आदमी कुछ वर्षों पहले तक देश की आर्थिक स्थिति से अनभिज्ञ अपने घर की मंदी दूर कर अपनी खुद की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने में लगा रहता था, आज देश की अर्थव्यवस्था पर विचार-विमर्श कर रहा है। पहले उसे मंदी का पता तब चलता था जब मंदी के चलते उसकी नौकरी चली जाती थी या उसके व्यापार पर असर पड़ता था। लेकिन आज सोशल मीडिया के चलते उसे मंदी आने से पहले ही 'मंदी की आहट' का एहसास हो गया है। जाहिर है ऐसे माहौल में जब देश में मंदी को लेकर आए दिन टीवी चैनलों पर डिबेट चलती हो तो देश एक असमंजस की स्थिति का सामना करता है और आम आदमी आने वाले 'मुश्किल समय' के लिए खुद को तैयार करने लगता है। साधारण समझ वाला व्यक्ति भी ऐसी परिस्थितियों में कम खर्च और अधिक बचत के लिए ही अग्रसर होगा। इसी मनोविज्ञान के चलते धीरे-धीरे बाजार में खपत कम होनी शुरू हो जाती है। जब खपत नहीं होती तो उत्पादन धीमा पड़ जाता है और ऐसा ही एक चक्र चल निकलता है। अर्थशास्त्र के लिहाज से निवेश का आर्थिक विकास में अहम योगदान होता है। इसीलिए सरकार ऐसी परिस्थितियों में आर्थिक सुधार के लिए कदम उठाती है और निवेश को बढ़ावा देने के लिए व्यापार और उद्योग जगत को अनेक छूट और सुविधाएं देने की घोषणा करती है ताकि वो व्यापार में निवेश करके देश की अर्थव्यवस्था को गति देने में योगदान दें। मान लीजिए कि सरकार की नीतियों से निवेश शुरू हो जाता है, लेकिन खपत फिर भी नहीं होती, क्यों? इसके दो कारण हो सकते हैं- पहला, बाजार में मौजूद उपभोक्ता यानी आम आदमी के जेहन में मंदी की आहट घर कर गई है तो वो बचत करता है और बाजार में उत्पाद होते हुए भी उसे नहीं खरीदता है। दूसरा, वाकई में मंदी है और उपभोक्ता के हाथ में पैसा ही नहीं है। यानी दोनों ही परिस्थितियों में निवेश तो है, लेकिन खपत नहीं।

अब सरकार खपत बढ़ाने के लिए उपभोक्ता के हाथों में पैसा देने के उपाय करती है, जैसे टैक्स में छूट, सस्ते लोन, ब्याज दरों में कटौती आदि। लेकिन जब मंदी की आहट का मनोविज्ञान देश में फैला हो तो आर्थिक सुधार भी अर्थव्यवस्था को पटरी पर नहीं ला पाते। यह समझना चाहिए कि किन्हीं दो देशों की अर्थव्यवस्था के हालात एक से नहीं होते।

उन क्षेत्रों की बात करें जहां उत्पादन कम हुआ है तो वो हैं रीयल एस्टेट, टेक्सटाइल, कृषि और ऑटोमोबाइल कंपनियां। इनकी गिरती जीडीपी पर बात करने से पहले एक दिलचस्प आंकड़ा यह भी है कि बाजार में नकद प्रवाह नोटबंदी के बाद 17 प्रतिशत ज्यादा है, लेकिन बाजार में खपत नहीं है। ऑटोमोबाइल सेक्टर में गिरती जीडीपी को समझें तो यहां उत्पादन कम हुआ है, क्योंकि सरकार द्वारा बैटरी चालित वाहनों को प्रोत्साहित करने की घोषणा से मांग कम हुई है। रीयल एस्टेट में सब जानते हैं कि निवेश कहां से आता था। नोटबंदी के बाद इसमें आने वाली मंदी अपेक्षित ही थी। इसमें भी सुधार के लिए सरकार ने कई उपाय किए हैं। कृषि जगत तो कई वर्षों से नीतिगत सुधारों की अपेक्षा कर रहा है। लेकिन सर्विस इंडस्ट्री, बैंकिंग, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे क्षेत्र सफलतापूर्वक अपनी सेवाएं दे रहे हैं और अर्थव्यवस्था को मजबूती से थामे हैं। यह कहना जल्दबाजी होगी कि देश की अर्थव्यवस्था मंदी की चपेट है और देश के आम आदमी के मनोविज्ञान पर नकारात्मकता का संचार करेगी।

खरी-खरी

किश्तों पर क्या-क्या खरीदोगे!

मुकेश जोशी

इन दिनों सुबह जब अखबार उठाता हूं, तो उसमें से दो-चार पर्चे भी टपकते हैं। असल में ये पर्चे झांसे की अघोषित पत्री होते हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स आइटम्स के, फैशनेबल कपड़ों के, सेल के तथा सेल के जरिये आपकी जेब के साथ होने वाले खेल के। ये ऐसे गैर-जरूरी घरेलू वस्तुओं को खरीदने के आमंत्रण होते हैं, जिनके बगैर भी घर का काम चल जाता है। मैं इन्हें बिना पढ़े किचन में रखी आलू-कांदे की डलिया में पटक देता हूं ताकि श्रीमती का मन फालतू न ललचाए।

मगर उस अखबार का क्या करूं, जिसके पांचवे पन्ने तक आजकल पहला ही पन्ना रहता है और हर ऐसे पहले पन्ने पर ब्रांडेड बुलावा होता है। ब्रांडेड वाले आजकल नई-नई स्कीमें ला रहे हैं- पहले 10 महीने एक निश्चित रकम जमा करवाओ, तो बारहवें महीने में वे आपको आपकी पसंदीदा 'रकम' देने का वादा करते हैं। जाहिर है, महिलाएं ऐसे ऑफर में जल्दी फस जाती हैं और बापड़े आदमी की गर्दन अलग फसा देती हैं।

आगे एक पन्ने में मध्यमवर्गीय दीवारों से भी बड़े एलइडी टीवी के बड़े फोटू। छोटे बेटे की आंखों में ये 'सस्ता सा 50 हजार का' एलइडी घूमने लगा। बोला - चलो पापा, कार अगले साल लेंगे। इस बार ये स्मार्ट एलइडी ही ले डालो। आखिर कब तक हम बाबा आदम के जमाने के इस डिब्बा टीवी में आंखें फोड़ते रहेंगे!'

मेरा मन थोड़ा पिघलने को हुआ कि फिर बड़े ने अगले पन्ने पर दृष्टिपात करते हुए एक नई 'झमाझम फटफटिया' पर प्रस्ताव रख दिया- कित्ता कम डाउन पेमेंट है पापा। अब मना मत कर देना।

डाउन पेमेंट देखकर मेरा ब्लड प्रेशर अलग डाउन होने लगा था। इधर, मैं बच्चों और उनकी मां के 'चक्करव्यूह' में घनचक्कर सा अखबार में पढ़ने के लिए खबरें ढूंढ रहा था, जो मिल ही नहीं रही थी। खबर की तलाश में अगले पेज पर शहर से 20 किमी दूर बसी नई कॉलोनी के प्लॉट का विज्ञापन था। बिल्डर के मुताबिक वो कॉलोनी 'शहर के बीच' में थी। फैमिली ने इस कॉलोनी की साइट विजिट का प्रस्ताव खारिज कर दिया।

खबर की तलाश फिर शुरू हुई तो अगले पेज पर ब्रांडेड गारमेंट्स, फटी जींस, फिल्मी कुर्ते-पायजामे, किचन-वेयर के अलग-अलग बुलावे थे। सब के सब भारी डिस्काउंट पर। ये सब देखकर मैं सोचता ही रह जाता हूं 'किश्तों पर कटती जिंदगी' में किश्तों पर और क्या-क्या खरीदा जा सकता है।

ट्वीट-ट्वीट

हरियाणा में विपक्षी नेताओं के भाजपा को समर्थन देने के फैसले को कांग्रेस इस आधार पर अनैतिक बता रही कि विपक्ष को खट्टर सरकार हटाने के नाम पर वोट मिला है। यही कांग्रेस कर्नाटक में सिद्धारमैया को हटाने के नाम पर वोट पाने वालों के साथ सरकार बनाना अनैतिक नहीं मानती थी।
सुशांत सिन्हा@SushantBSinha

कम से कम एक अवसरवादी नेता को तो मतदाताओं ने सबक सिखाया। दलबदलुओं के लिए अपने दरवाजे खोलने से मतदाताओं की नजरों में आप गिर जाते हैं। अल्पेश की हार भाजपा के लिए एक सबक है।
शिव अरूर@ShivAroor

गोपाल कांडा और उनके जैसे जो लोग सत्ता सुख भोगते हैं उन्हें किसी का भी और खासकर मतदाताओं का समर्थन नहीं मिलना चाहिए। हमें अपने गिरेबान में भी झांकने की जरूरत है। यह एक दुखद सच्चाई है कि वह आज एक निर्वाचित सदस्य है, न कि राजनीतिक रूप से नियुक्त शख्स।
अद्वैता काला@AdvaitaKala

बिहार डायरी

दो कदम ठहर कर सोचने का वक्त

मनोज झा
स्थानीय संपादक, बिहार

हरियाणा और महाराष्ट्र विधानसभाओं के साथ-साथ बिहार समेत 17 राज्यों में लोकसभा की दो और 51 विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव के संदेश सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के लिए एकदम आईने की तरह साफ हैं। बिहार में विधानसभा की जिन पांच सीटों पर उपचुनाव हुए, उनमें से चार सत्तारूढ़ राजग (जदयू) के पास थीं। उपचुनाव में राजग को इन चार में से तीन सीटें गंवानी पड़ीं। ये ऐसी सीटें हैं, जिनके विधायक अभी हाल ही में भारी मतों से लोकसभा चुनाव जीतकर संसद पहुंचे हैं। ऐसे में इन सांसदों की खाली की गईं सीटें इस तरह हार जाना कई सवाल भी खड़े कर रही है। उधर, पांच माह पहले लोकसभा चुनाव में विपक्ष का सूपड़ा लगभग पूरी तरह साफ होने के बाद राजद ने जिस तरह से दो सीटें जदयू से झटक ली हैं, उसे बहुत हल्के में भी नहीं लिया जा सकता। कुल मिलाकर उपचुनाव के संदेश साफ है कि अगले साल विधानसभा चुनाव को लेकर राजग को न सिर्फ अपनी खुशफहमी छोड़नी होगी, बल्कि चुनाव प्रबंधन के कील-कांटे अभी और इसी वक्त दुरुस्त भी करने होंगे। अन्यथा विपक्षी गठबंधन की ढीली डोर यदि कायदे से कस दी गई तो विधानसभा चुनाव बेहद रोचक भी हो सकता है।

प्रदेश में हुए उपचुनाव के इस नतीजे ने जहां राजनीतिक पर्यवेक्षकों को चौंकाया है, वहीं सत्तारूढ़ और विपक्षी खेमे दोनों को सतर्क भी कर दिया है। इस नतीजे की उम्मीद शायद ही किसी को थी। अभी पांच माह पहले आम चुनाव में पूरे बिहार में राजग ने न सिर्फ एकतरफा जीत हासिल की, बल्कि तमाम सीटें बड़े-बड़े अंतरों से जीतीं। तब ऐसा लग रहा था कि अगले साल होने जा रहे विधानसभा चुनाव में विपक्ष को लोहे के चने चबाने पड़ सकते हैं। पांच महीने बाद ही हालात बदलते दिखाई दे रहे हैं। उपचुनाव में राजग का विजय रथ उन सीटों पर जाकर फंस गया, जहां अभी हाल ही में उसकी जीत का डंका बजा था। और तो और, आम चुनाव के बाद से जिस तरह विपक्ष के महागठबंधन में आपसी खींचतान और सिर फुटौव्वल चल रहा था, उससे तो सत्तारूढ़ राजग की संभावनाएं और मजबूत दिखाई दे रही थीं। ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि आखिर अचानक से पासा कैसे पलट गया। अनुकूल दिख रहे सियासी हालात में राजग आखिर अपनी ही झोली की सीटें कैसे गंवा बैठा।

प्रतीकात्मक

समस्तीपुर लोकसभा सीट को अपवाद मान लें तो वोटरों ने उपचुनाव में परिवारवाद की राजनीति को सिरे से खारिज कर दिया है। बांका की बेलहर सीट पर सांसद गिरधारी यादव के भाई हों या फिर सिवान की दरौंदा सीट से सांसद कविता सिंह के पति या फिर किशनगंज के सांसद डॉ. जावेद की मां, इन सभी को पराजय का मुंह देखना पड़ा है। ये तीनों अभी हाल ही में सांसद बने हैं और विधायकों की अपनी-अपनी सीट खाली करके मैदान में परिजनों को उतारा था। इन तीनों सीटों पर पार्टी के जमीनी कार्यकर्ता शायद कुछ और चाहते थे, लेकिन नेतृत्व ने कुछ और फैसला किया।

सिवान की दरौंदा सीट पर भाजपा के बागी प्रत्याशी की जीत का एक संदेश यह भी है कि प्रत्याशी चयन में नेतृत्व को व्यावहारिक रवैया अपनाने की जरूरत है, अन्यथा बना-बनाया खेल भी बिगड़ सकता है। सहरसा जिले की सिमरी बख्तियारपुर सीट भी जदयू गंवा बैठा। ले-देकर भागलपुर की नाथनगर वह अकेली सीट है, जिसे जदयू बचा पाया, लेकिन जीत का अंतर यहां भी कम हो गया।

एक सवाल राजग के घटक दलों के आपसी समन्वय का भी है। नेतृत्व के स्तर पर जदयू और भाजपा भले ही गलबहियां करते दिखाई देती हों, लेकिन बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं तक यह तालमेल कम से कम इस उपचुनाव में तो कम ही दिखा। अभी इधर पटना में जलजमाव को लेकर दोनों ओर से परस्पर बयानबाजी ने भी कार्यकर्ताओं के बीच कहीं न कहीं थोड़ी भ्रम की स्थिति जरूर पैदा की। इस दृष्टि से घटक दलों के नेतृत्व को बूथ स्तर तक के अपने-अपने कार्यकर्ताओं को एकजुटता का स्पष्ट संदेश देना जरूरी होगा। बेलहर, किशनगंज और खासकर दरौंदा सीट पर भ्रम और परस्पर समन्वय की कमी साफ-साफ दिखाई पड़ी।

उपचुनाव में एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी उभरकर सामने आया है कि विपक्ष के महागठबंधन को सिरे से खारिज करना निहायत ही जल्दबाजी होगी। फर्ज करें कि यदि नाथनगर सीट पर पूरा विपक्ष एकजुट होकर मैदान में उतरता तो वहां भी पासा पलट सकता था। ऐसे में उपचुनाव का पहला और सबसे बड़ा संदेश यही है कि गले मिलें तो फिर मन से मिलें। ऊपरी दोस्ती और अंदरखाने की खींचतान या उदासीनता अनुकूल दिखाई देने वाले समीकरणों को अक्सर उलट-पलट देती हैं। सत्तारूढ़ और विपक्ष दोनों खेमों को उपचुनाव का यह स्पष्ट संदेश मन से पढ़ने की जरूरत है।

जागरण जनमत — कल का परिणाम

क्या विधानसभा चुनाव के नतीजों से विपक्षी दलों का मनोबल बढ़ेगा?

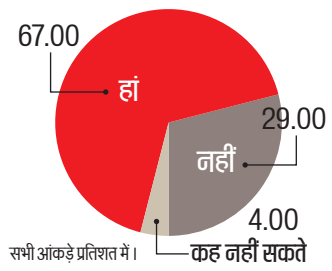

सभी आंकड़े प्रतिशत में।

आज का सवाल

क्या ईज ऑफ डूइंग बिजनेस की रैंकिंग में सुधार से देश में विदेशी निवेश बढ़ेगा?

अपनी राय और अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए अपने मोबाइल के मैसेज बॉक्स में जाकर **POLL** लिखें, स्पेस देकर **Y, N** या **C** लिखकर *57272* पर भेजें
Y -हां, **N**-नहीं, **C**-कह नहीं सकते

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

जनपथ

जनता को चहिए सदा इक अच्छी सरकार,
पर मजबूत विपक्ष भी है उसकी दरकार।
है उसकी दरकार अगर ना संभले भाई,
फिर तो उसका अश्व चलेगा ही घर ढाई।
नहीं जरूरी माल रहेगा हरदम छनता,
रूखी रोटी भात खिला सकती है जनता।
- ओमप्रकाश तिवारी

विधानसभा चुनाव

परिणामों से विपक्ष को मिली संजीवनी

महाराष्ट्र में भाजपा-शिवसेना गठबंधन को स्पष्ट बहुमत हासिल हो गया और हरियाणा में सामान्य बहुमत न मिलने के बावजूद वहां भी भाजपा सरकार बनने की पूरी संभावना है। दूसरी ओर यह भी कहा जा सकता है कि विपक्षी दलों को भी संजीवनी मिल गई है

अनुराग चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार व स्तंभकार

महाराष्ट्र और हरियाणा विधानसभा के चुनाव नतीजे अप्रत्याशित हैं। चुनावों की घोषणा के बाद लग रहा था कि ये चुनाव मात्र औपचारिकता हैं और पूर्ववर्ती सरकारें और ज्यादा बहुमत से पुनः सत्ता में आ जाएंगी, लेकिन मतदाता के मन की थाह लेना इतना आसान नहीं है। यही लोकतंत्र की खूबसूरती भी है। लोकतंत्र में लोक अपनी खुशी या नाराजगी अपने वोट के माध्यम से बताता है।

महाराष्ट्र में भाजपा-शिवसेना गठबंधन ने बहुमत जरूर हासिल कर लिया, परंतु चुनाव के नतीजे बता रहे हैं कि भाजपा पिछले चुनाव के मुकाबले कमजोर हो गई है और हाशिये पर चली गई, शिवसेना पुनः अपनी कुछ ताकत पाने में सफल रही, बल्कि अब वह अपनी शर्तों पर सरकार में भागीदारी करने के संकेत भी दे रही है। यही स्थिति हरियाणा की है, जहां पर 'इस बार 75 पार' का नारा देने वाली भाजपा बहुमत के आंकड़े से भी दूर रह गई। वहां उसका कोई घोषित सहयोगी भी नहीं है। दूसरी ओर कांग्रेस ने अपेक्षा से बेहतर प्रदर्शन किया और अब वहां सत्ता की कुंजी छोटे दलों और निर्दलीय विधायकों के हाथ में रहने वाली है।

आखिर ऐसे अप्रत्याशित नतीजे क्यों रहे। क्या यह मंदी की मार है? क्या यह राज्यों की चुनावी राजनीति में राष्ट्रीय मुद्दों को लाने का नतीजा है? क्या यह सरकार के खिलाफ निराशा और गुस्से में किया गया मतदान है?

महाराष्ट्र चुनाव का मैन ऑफ द मैच शरद पवार को कहा जा सकता है, तो हरियाणा में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा कांग्रेस के बेहतर प्रदर्शन के शिल्पकार रहे। महाराष्ट्र में शरद पवार ने न केवल अपनी पार्टी को बेहतर सीटें दिलवाईं, बल्कि कांग्रेस पार्टी की साख भी बचा ली।

महाराष्ट्र में उम्मीद की जा रही थी कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस अपनी राजनीतिक ताकत में इजाफा करेंगे, लेकिन हुआ उल्टा। अब उन्हें शिवसेना के साथ सत्ता को बांटना पड़ेगा, बल्कि उसे वह सम्मान भी देना होगा, जो वे अभी तक नहीं दे रहे थे। भाजपा का इन चुनाव में मराठवाड़ा और उत्तर महाराष्ट्र में खराब प्रदर्शन रहा। जिस प्रकार राकांपा के

शरद पवार

भूपेंद्र सिंह हुड्डा

सातारा के सांसद उदयराज भोसले को भाजपा में शामिल कर उपचुनाव कराया गया, वह शरद पवार के लिए कम चुनौती नहीं थी। शरद पवार ने इस चुनौती को स्वीकार किया और जिन नेताओं ने उन्हें छोड़ दिया, उन्हें पवार ने हरा दिया। शरद पवार के प्रचार के कारण थकी-हारी, नेतृत्वहीन कांग्रेस भी एक सम्मानजनक हालत में आ गई। सबसे बड़ी बात यह है कि लगभग 80 वर्ष के शरद पवार अभी भी राजनीतिक लड़ाई लड़ने को तैयार हैं।

हालांकि महाराष्ट्र में भाजपा ने शुरू से आक्रामक रणनीति अख्तियार की, जिसके चलते वह अपने विरोधियों से आगे बढ़ती नजर आई। उसने कई विरोधियों को अपने साथ मिला लिया, जिससे विपक्ष पूरी तरह निःशक्त लगने लगा। कई प्रमुख विपक्षी नेता चुनाव के पूर्व न केवल सत्तारूढ़ दल में शामिल हो गए, बल्कि मंत्री तक बन गए। विधानसभा में विपक्ष के नेता रहे राधाकृष्ण विखे पाटील का बेटा शिर्डी संसदीय सीट से भाजपा का उम्मीदवार बन चुनाव जीत गया। बाद में राधाकृष्ण खुद भी भाजपा में चले गए और महाराष्ट्र सरकार में मंत्री बने।

महाराष्ट्र में शिवसेना सरकार में शामिल जरूर रही, लेकिन पूरे पांच साल तक एक तरह से उसने विपक्ष की भूमिका ही निभाई। राष्ट्रीय दल क्षेत्रीय दलों से मजबूरी में ही रिश्ता बनाते हैं और भाजपा भी इसका अपवाद नहीं। शिवसेना और भाजपा का रिश्ता उनकी हिंदुत्व से जुड़ी गर्भनाल से है। शिवसेना में परिवारवाद भी गजब का है, जिसका भाजपा सैद्धांतिक रूप से विरोध करती है। यह अलग बात है कि महाराष्ट्र भाजपा में भी परिवारवाद और बाहर से आए नेताओं के परिवार हैं। नारायण राणे पहले शिवसेना में रहे, फिर कांग्रेस में और चुनाव से पहले अपने दोनों बेटों समेत भाजपा में शामिल हो गए। इतना ही नहीं, वह चुनाव टिकट भी पा गए।

एक समय शिवसेना महाराष्ट्र में भाजपा से बड़ी और प्रभावी हैसियत रखती थी। किंतु मोदी-शाह की अगुआई में देश भर में भाजपा के उभार के दौर में महाराष्ट्र में शिवसेना का वर्चस्व भी कम हुआ। इन चुनावों में पहली बार शिवसेना ने भाजपा से कम सीटों पर चुनाव लड़ा और इतना ही नहीं, पुणे, नासिक, नागपुर समेत राज्य के कई महानगरों में अपने उम्मीदवार भी नहीं उतारे। शिवसेना इस बार न केवल झुकी हुई, बल्कि टूटी और हताश भी लगी। उसका वाक्युद्ध अब हास्यास्पद हो गया है। वह सिर्फ मुंबई और ठाणे में सिमटकर रह गई है।

इन चुनावों में विपक्ष को तकरीबन खारिज किया जा रहा था और भाजपा के पिछली बार से भी बड़ी जीत के दावे किए जा रहे थे। विपक्ष भी उत्साहहीन नजर आ रहा था। सरकारी एजेंसियों का डर और लोकसभा चुनाव में हुई करारी हार ने विपक्ष को न केवल निराश कर दिया, बल्कि उसकी कोई रणनीति भी नजर नहीं आ रही थी। ऐसे में अदालत के एक निर्णय ने महाराष्ट्र में विपक्ष में जान फूंक दी। अदालत ने सहकारी संस्थाओं में हुए उस घोटाले की जांच के लिए प्रवर्तन निदेशालय को कहा, जिसमें राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के सुप्रीमो शरद पवार भी लपेटे में आ रहे थे। लेकिन मतदाताओं को राकांपा यह संदेश देने में सफल रही कि सरकार बदले की भावना के चलते शरद पवार को शिकंजे में लेना चाहती है। शरद पवार मराठा अस्मिता के प्रतीक हैं और वे ग्रेट मराठा के रूप में जाने जाते हैं। शरद पवार ने इस मौके का राजनीतिक फायदा उठाते हुए अपनी पार्टी में फिर से जान डाल दी और 78 वर्ष का जवान पवार एक बार फिर खड़ा हो गया।

बहरहाल, कहना होगा कि महाराष्ट्र और हरियाणा दोनों राज्यों में भाजपा नेताओं का अति-आत्मविश्वास भारी पड़ा। भले ही वह दोनों राज्यों में सबसे बड़े दल के रूप में उभरी हो, लेकिन उसकी ताकत घटी है। वहीं इन नतीजों से विपक्षी दलों को संजीवनी मिली है।

10 हजार करोड़ रुपये दिए हैं सरकार ने उत्तराखंड में जैव विविधता संरक्षण के लिए लिए। इस अवधि के लिए 380 एक्शन प्लान और 114 रणनीति तय की गई हैं।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
शनिवार 26 अक्टूबर 2019

आइए इनसे सीखें, महालक्ष्मी से पहले करते हैं बड़े-बूढ़ों की पूजा

छत्तीसगढ़ के जशपुर जिला स्थित बुर्जुपाठ गांव की एक तस्वीर, जहां असुर जनजाति निवास करती है। नईदुनिया

अपना देस खुशबू माटी की

- सब मनाएं ऐसी दिवाली : घर में किसी वृद्ध के नहीं होने पर बस्ती के वृद्धजनों की पूजा की जाती है
- छत्तीसगढ़ के जशपुर में हैं खुद को महिषासुर का वंशज बताने वाले असुर जनजाति के कुछ गांव

रवींद्र थवाईत, बिलासपुर

छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में असुर जनजाति के कुछ गांव हैं। खुद को असुरराज महिषासुर का वंशज बताने वाले ये आदिवासी दिवाली भी मनाते हैं, लेकिन देवी-देवताओं की पूजा से पहले घर के बुजुर्गों की पूजा करते हैं।

मनोरा तहसील के बुर्जुपाठ, कांटाबेल, कुलाडोर, लुखी, दोनापाठ गांवों में असुर जनजाति के तकरीबन 300 परिवार निवास करते हैं। इस विशेष जनजाति में आढ़ा-बूढ़ा नामक अनूठी किंतु अति प्रेरक परंपरा कायम है। दिवाली हो या अन्य कोई त्योहार, ये लोग अपने देवी-देवताओं की पूजा से पहले घर के बुजुर्गों की पूजा कर आशीर्वाद लेते हैं। दिवाली पर भी पारंपरिक पूजा से पहले बड़े-बूढ़ों की पूजा कर उनका आशीर्वाद लेते हैं। इसके पीछे समाज की मान्यता है कि घने जंगल में कहीं खो जाने पर वृद्धजनों का आशीर्वाद ही उनके जीवन की रक्षा कर उन्हें घर तक सुरक्षित वापस पहुंचने का रास्ता दिखाता है। धन-दौलत के पीछे न भागने वाले इन वनवासियों के लिए वन्यजीवन ही अमूल्य निधि है।

समाज की एक महिला पुलेश्वरी बाई ने बताया, हमारे समाज में पुरोहित या बैगा की परंपरा नहीं है। प्रत्येक परिवार में स्वयं ही पूजा की जाती है। परिवार के वृद्ध व्यक्ति को पूजा वाले स्थान पर बैठाकर उनसे आशीर्वाद लिया जाता है। ग्राम हाड़ीकोना निवासी चीरमईत बाई ने बताया कि पुरातन समय में असुर जाति घने जंगलों के बीच और गुफाओं में निवास करती थी। शिकार करना आजीविका का मुख्य साधन था। वन्यजीवों से भरे खतरनाक जंगलों में जाना पड़ता था। वन्य जीवों के हमले और रास्ता भटक जाने का खतरा भी होता था। इससे बचने आढ़ा-बूढ़ा परंपरा की शुरुआत हुई।

नवरात्र और दशहरा नहीं, लेकिन दिवाली मनाते हैं

असुर समाज की सबसे वृद्ध महिला मडवारी बाई ने बताया, असुर जनजाति स्वयं को असुरराज महिषासुर का वशंज मानती है। यही वजह है कि हमे नवरात्र और दशहरा नहीं मनाते, लेकिन होली और दिवाली का त्योहार पूरे उत्साह के साथ मनाया जाता है। दिवाली पर माता लक्ष्मी की पूजा से पहले वृद्धजनों की पूजा की जाती है। घर में किसी वृद्ध के नहीं होने पर बस्ती के वृद्धजनों की पूजा की जाती है।

अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे असुर : असुर जाति का मूल निवास छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले और झारखंड के गुमला, गढ़वा जिले में फैले छोटा नागपुर के पठार में माना जाता है। दोनों प्रदेशों को मिलाकर इनकी संख्या एक लाख है। गरीबी, अशिक्षा और बेरोजगारी से जूझ रही इस जनजाति को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए सरकार ने इसे आदिवासी वर्ग में शामिल किया है, लेकिन राजस्व रिकॉर्ड नहीं होने से कई लोगों का जाति व निवास प्रमाण पत्र नहीं बन पाता। बेरोजगार युवा महानगरों की ओर पलायन कर रहे हैं।

विलुप्त हो रही है भाषा और संस्कृति : लगातार घटती जनसंख्या और अशिक्षा की वजह से असुर जनजाति अपनी भाषाई और सांस्कृतिक विरासत को बचाए रखने के लिए जागरूक नहीं है। बुर्जुपाठ निवासी 95 वर्षीया वृद्धा मडवारी बाई और हाड़ीकोना निवासी 70 वर्षीया चिरमईत बाई के अलावा असुर भाषा कोई भी नहीं जानता है।

महाकाल के साथ दिवाली मनाएगी उज्जयिनी

जागरण विशेष ▸ 23 साल बाद पड़ रहे विशेष संयोग से शिवभक्त उत्साहित, मंदिर में दीपोत्सव की खास तैयारी

राजेश वर्मा, उज्जैन

- मंदिर में चतुर्दशी को मनती है दिवाली, इस बार चतुर्दशी व अमावस्या एक ही दिन
- तड़के भस्मारती में फुलझड़ी जलाएंगे पुजारी

महाकाल मंदिर में एक दिन पहले यानी चतुर्दशी को दिवाली मनाई जाती है, लेकिन 23 साल बाद यह विशेष संयोग आया है, जब चतुर्दशी और अमावस्या एक ही दिन हैं। शिवभक्तों में इसे लेकर खासा उत्साह है और उज्जैन के साथ-साथ ज्योतिर्लिंग महाकाल मंदिर में तैयारियां जोरों पर हैं।

पंडित महेश पुजारी ने बताया, परंपरानुसार राजाधिराज बाबा महाकाल के आंगन में कार्तिक अमावस्या से एक दिन पूर्व दीपपर्व मनाया जाता है। किंतु इस बार रूप चतुर्दशी और अमावस्या एक ही दिन होने से विशेष संयोग बन रहा है। ज्योतिर्लिंग में इस बार 27 अक्टूबर को दिवली मनाई जाएगी। 23 साल बाद ऐसा संयोग बन रहा है, जब शिवनगरी की प्रजा अपने महाराजा महाकाल के साथ दीपपर्व मनाएगी। मंदिर में इसकी तैयारियां शुरू हो गई हैं। पंडित महेश ने बताया, परंपरानुसार महाकाल मंदिर में चतुर्दशी के दिन तड़के भस्मारती में दिवाली मनाई जाती है। इस बार 27 को यानी दिवाली वाले दिन तड़के चार बजे यह विशेष पूजा होगी। भगवान को गर्म जल से स्नान कराने के बाद सबसे पहले पुजारी परिवार की महिलाएं भगवान को केसर, चंदन से निर्मित उबटन लगाएंगी। इसके बाद भगवान को सुगंधित द्रव्यों से स्नान कराया जाएगा। सोने-चांदी के आभूषण धारण कराने के बाद नवीन वस्त्र पहनाएं जाएंगे। इसके बाद अन्नकूट लगाकर फुलझड़ी आरती होगी। महाकाल मंदिर में देव दिवाली देखने के लिए देश-विदेश से भक्त उमड़ेंगे। शाम को भी दीपावली मनेगी, संध्या आरती में भी भगवान के समक्ष दीप सज्जा कर प्रतीकस्वरूप फुलझड़ी चलाई जाएगी। महाकाल मंदिर में 26 अक्टूबर से दीपपर्व की शुरुआत होगी। इस बार 25 और 26 दोनों तारीख को त्रयोदशी का योग बन रहा है। श्री महाकालेश्वर पुरोहित समिति के अध्यक्ष पं. अशोक शर्मा ने बताया कि समिति द्वारा 26 अक्टूबर को सुबह 9:30 बजे धनत्रयोदशी मनाई जाएगी। भगवान महाकाल का अभिषेक-पूजन होगा। दीपावली के बाद 28 तारीख को गोवर्धन पूजा के साथ चिंतामन स्थित मंदिर की गोशाला में गायों का पूजन किया जाएगा।

महाकाल के आंगन में इस तरह मनती है दिवाली। नईदुनिया आर्काइव

उज्जैन स्थित ज्योतिर्लिंग महाकाल मंदिर में विराजमान भगवान महाकाल। नईदुनिया आर्काइव

ब्रह्म मुहूर्त में चतुर्दशी व प्रदोष काल में अमावस्या

ज्योतिषाचार्य पं. अमर डब्बावाला के अनुसार कार्तिक मास की अमावस्या पर ही सुबह ब्रह्म मुहूर्त में रूप चतुर्दशी भी रहेगी। दिन में सुबह 10:50 बजे के बाद अभिजीत मुहूर्त के साथ दीपावली पूजन के श्रेष्ठ मुहूर्त की शुरुआत होगी। शाम 5:48 से रात 8:21 बजे तक प्रदोष काल के समय माता लक्ष्मी की पूजा का अतिविशिष्ट समय है। एक दिन में दो पर्वों का संयोग पंचाग के पांच अंगों से संबंधित है। इसके गणितीय पक्ष के अंतर्गत घटी, पल का विशेष महत्व है। रविवार के दिन सुबह रूप चतुर्दशी उपरांत अमावस्या व अगले दिन सोमवार को सोमवती अमावस्या का संयोग 30 साल में तीन व चार बार बनता है। इस बार 23 साल बाद ब्रह्म मुहूर्त में चतुर्दशी व प्रदोष काल में अमावस्या का संयोग बना है। यह योग स्नान व लक्ष्मी पूजन के लिए श्रेष्ठ है।

जागरण विशेष की अन्य खबरें पढ़ें www.jagran.com/topics/jagran-special

सोने की चमक को मात दे रहे ये माटी के गहने

टीएन दुबे, गोरखपुर

- गोरखपुर की शिखा के बनाए मिट्टी के आभूषणों की है जबर्दस्त मांग
- हार, झुमके, टॉप्स जैसे गहने ही नहीं, मटका, दीया का भी कारोबार

'आभूषण' शब्द सुनते ही मानस पर सहसा ही सोने, चांदी और हीरे के चित्र उभरने लगते हैं। पर क्या आभूषण मिट्टी के भी हो सकते हैं, वह भी इतने अच्छे कि किसी कीमती रत्न से तैयार होने वाले गहनों का भान हो। जी हां! बिल्कुल ऐसे ही गहने बनाती हैं गोरखपुर की शिखा शर्मा।

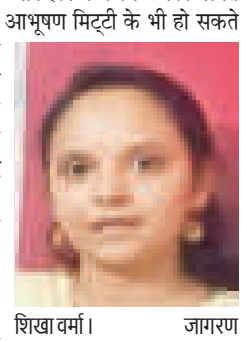

शिखा वर्मा। जागरण

कॉमर्स ग्रेजुएट शिखा के हाथ मिट्टी के आभूषण बनाने में पारंगत हैं। वह सिर्फ गले का छोटा व बड़ा हार, झुमके, टॉप्स, कान की बालियां जैसे गहने ही नहीं, मटका, दीया, थाली, कछुआ, नजरिया, कैंडिल स्टैंड, और धूप बत्ती जैसे सजावटी उत्पाद भी तैयार करती हैं। इनकी कीमत 10 रुपये से लेकर 800 रुपये तक है। ऑनलाइन बाजार और शापिंग पोर्टल पर भी शिखा के उत्पादों की खूब मांग है।

झुंगिया बाजार के चंद्र कुंवर शर्मा की बेटी शिखा चार साल से मिट्टी के सजावटी सामान बना रही हैं। मां रेनू उनकी मदद करती हैं। शिखा की कारीगरी का नमूना लोगों ने दिव्य कुंभ में लगे स्टाल पर भी देखा था।

गोरखपुर की शिखा वर्मा के हाथों से तैयार मिट्टी के आभूषण व अन्य सामग्री। जागरण

20-25 हजार की होती आय

बकौल शिखा, महीने में करीब 20-25 हजार रुपये वह अर्जित कर लेती हैं। वह क्षेत्र की कई लड़कियों को निशुल्क प्रशिक्षण दे रही हैं। वह कहती हैं कि ऐसे शिल्प को प्रोत्साहन की जरूरत है। अगर सरकारी स्तर पर प्रोत्साहन मिले तो इस काम को और विस्तार मिल सकता है। गांवों में रोजगार पहुंचाया जा सकता है।

सजाने-संवारने में लगता समय : आभूषणों के लिए मिट्टी का इंतजाम शिखा स्थानीय कुम्हार से करती हैं। उनके मुताबिक इन गहनों के लिए विशेष किस्म की मिट्टी की जरूरत नहीं होती, फिर भी चिकनी मिट्टी अपेक्षाकृत उपयोगी है। एक जेवर बनाने, डिजाइन रचने, पेंटकर उसे सुखाने में चार-पांच दिन लगते हैं। सजावट में सर्वाधिक समय लगता है। अलग लुक देने के लिए इंटरनेट पर उपलब्ध डिजाइनों से भी मदद लेती हैं।

इंजीनियरिंग में भी संयुक्त परीक्षा से होगा दाखिला

पुलक त्रिपाठी, लखनऊ

- उत्तर प्रदेश के प्रमुख सचिव की अध्यक्षता में तैयारियों को लेकर बैठक
- बदलाव के बाद व्यवस्था में सुधार के संकेत

अब इंजीनियरिंग कोर्सों में भी मेडिकल की तर्ज पर दाखिले की तैयारी है। अब सरकार संयुक्त परीक्षा कराने पर विचार कर रही है।

उत्तर प्रदेश में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) की ओर से आयोजित राज्य प्रवेश परीक्षा (एसईई) के माध्यम से दाखिला प्रक्रिया कराई जाती है। अब व्यवस्था को एकरूपता देने के मकसद से प्रदेश स्थित इंजीनियरिंग संस्थानों में यूपीएसईई के बजाय जेईई मेन से कराने की दिशा में कदम बढ़ चुका है। शासन स्तर पर एकेटीयू में इसे लेकर बैठकों का दौर शुरू है।

गुरुवार को एकेटीयू में इसी मुद्दे को लेकर प्रमुख सचिव राधा एस. चौहान की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में एकेटीयू के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक, समेत दो अन्य कुलपति भी मौजूद रहे। बैठक के बाद अधिकारियों का कहना था कि अभी यह प्रक्रिया प्रारंभिक चरण में है। इसी पर मंथन को लेकर बैठक की गई थी और जल्द ही हम इस मसले पर फिर बात करेंगे।

माना जा रहा है कि राष्ट्रीय स्तर पर परीक्षा होने से छात्र भी एक निर्धारित लक्ष्य के साथ परीक्षा में शामिल होंगे और अच्छा परफार्म करेंगे।

> अभी इस दिशा में विचार किया जा रहा है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के अधिकारियों से इस संबंध में चर्चा की गई। एकेटीयू व निजी कॉलेजों के भी विचार लिए गए। सभी का विश्लेषण किया जाएगा। उसी अनुसार अगली बैठक में इस संबंध में निर्णय लिया जाएगा।
>
> **-राधा एस. चौहान, प्रमुख सचिव, प्राविधिक**

एनटीए करा रहा जेईई मेन : देश भर के आइआइटी, ट्रिपल आइटी संस्थानों में दाखिले के लिए आयोजित की जाने वाली ज्वाइंट एंट्रेंस एग्जाम (जेईई मेंस) को नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) द्वारा कराया जा रहा है।

जैव संसाधनों पर लाभांश देने में कन्नी काट रहीं कंपनियां

केदार दत्त, देहरादून : जैव विविधता के लिए मशहूर उत्तराखंड में तमाम कंपनियां और संस्थाएं यहां के जैव संसाधनों का व्यावसायिक उपयोग तो कर रही हैं, मगर लाभांश में ग्रामीणों को हिस्सेदारी देने में कन्नी काट रही हैं। राज्य में जैव संसाधनों का उपयोग करने वाली 1256 कंपनियां व संस्थाएं चिह्नित हैं, जिनमें से सिर्फ 80 ही यह हिस्सेदारी दे रही हैं। आनाकानी कर रही कंपनियों को उत्तराखंड जैव विविधता बोर्ड अब फिर से नोटिस जारी करने जा रहा है। बोर्ड के सदस्य सचिव एसएस रसायली के अनुसार यदि कंपनियां अपने रुख में बदलाव नहीं लाती हैं तो उनसे एक अप्रैल 2014 से अब तक की एकमुश्त राशि वसूलने के निर्देश जारी किए जा सकते हैं। जैव संसाधनों के संरक्षण के मद्देनजर केंद्र सरकार ने जैव विविधता संरक्षण अधिनियम-2002 लागू किया। जैव विविधता के मामले में धनी उत्तराखंड में भी वर्ष 2016 में राज्य का जैव विविधता अधिनियम तैयार हुआ, जिसे 2017 में लागू किया गया। इसमें साफ है कि जैव संसाधनों का व्यावसायिक उपयोग करने वाली कंपनियां लाभांश में से पांच फीसद तक की हिस्सेदारी ग्रामीणों को देंगीं।

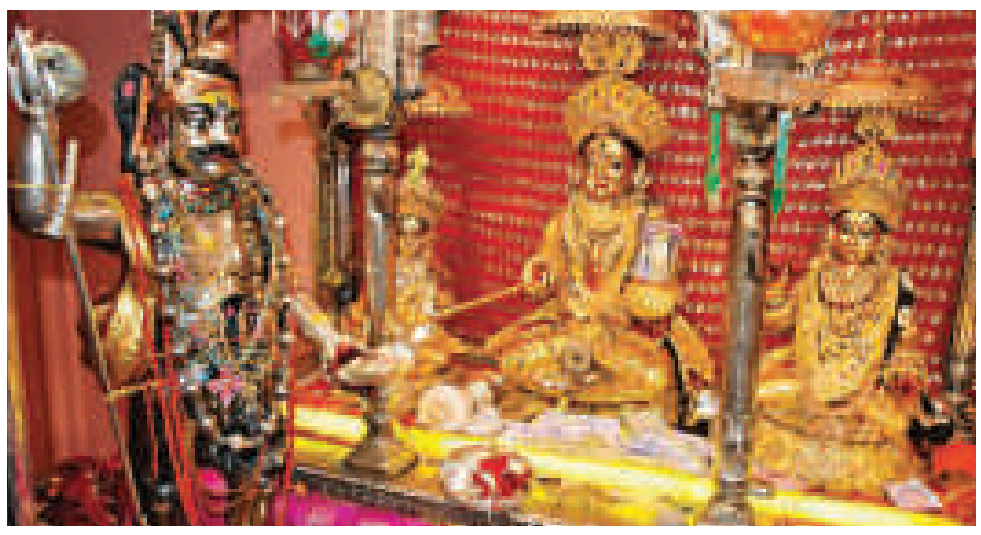

स्वर्ण अन्नपूर्णेश्वरी के दिव्य दर्शन

धनतेरस पर्व पर शुक्रवार को वाराणसी में श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर परिक्षेत्र स्थित अन्नपूर्णा मंदिर में स्वर्ण अन्नपूर्णेश्वरी का दर्शन-पूजन शुरू हो गया। देवाधिदेव महादेव को भिक्षादान करतीं भगवती अन्नपूर्णा के स्वर्ण विग्रह का दर्शन प्रतिवर्ष धनतेरस से शुरू होकर अन्नकूट तक चार दिन चलता है। पूरे देश में यह अपने आप में अकेली स्वर्ण प्रतिमा है। इस दौरान भक्तों को प्रसाद स्वरूप देवी का खजाना वितरित किया जाता है। धनतेरस पर पहले दिन लगभग डेढ़ लाख लोगों ने देवी दरबार में मत्था टेका। विग्रह का दर्शन 28 अक्टूबर तक होगा। उत्तम राय चौधरी

हीटर की गर्मी में कटेंगे विदेशी कछुओं के दिन

नईदुनिया, भोपाल

- मध्य प्रदेश में तस्करों से एक साल पहले पकड़े गए थे छह विदेशी कछुए
- वन विहार नेशनल पार्क में एक साल से की जा रही खातिरदारी

मध्य प्रदेश के भोपाल में वन विहार नेशनल पार्क के छह विदेशी कछुओं को तस्करों से तो आजादी मिल गई, लेकिन ठंड से नहीं मिली है। इन्हें आने वाले ठंड के दिन हीटर की गर्मी के सहारे ही काटने पड़ेंगे।

सुलकाटा प्रजाति के ये कछुए पिछले एक साल से यहां रह रहे हैं। यह प्रजाति अफ्रीका महाद्वीप के चाड, सूडान, बुर्किना फासो, नाइजीरिया, सेनेगल व इथोपिया में ही पाई जाती हैं। इन्हें गर्म इलाकों में रहने की आदत है और ज्यादा ठंड बर्दाश्त नहीं कर पाते। इसके चलते वन विहार में इन्हें एक बंद कमरे में रखा जाता है। इस कमरे का तापमान 25 डिग्री सेल्सियस रखा जाता है। बीते साल भी ऐसा ही करना पड़ा था, क्योंकि ठंड के दिनों में भोपाल में तापमान छह से आठ डिग्री सेल्सियस चला जाता है।

ये कछुए 26-27 नवंबर 2018 की दरमियानी रात सिवनी जिले में पुलिस व वन विभाग की संयुक्त कार्रवाई में पकड़े गए थे। इन्हें दो तस्कर कोलकाता से मुंबई ले जा रहे थे। वन विभाग कछुओं को उनके देश भेजने की कवायद कर रहा है, लेकिन एक साल बाद भी सफलता नहीं मिली है। स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स (एसटीएसएफ) की छानबीन में पता चला है कि कछुओं को बांग्लादेश के रास्ते अफ्रीका से भारत लाया गया था।

मध्य प्रदेश वन्यप्राणी विभाग के तत्कालीन चीफ वाइल्ड लाइफ वार्डन शाहबाज अहमद ने नवंबर 2018 में कहा था कि कछुओं को उनका प्राकृतिक रहवास स्थान उपलब्ध कराना जरूरी है, इसलिए उन्हें वापस भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। तब उन्होंने कछुओं को वाइल्ड लाइफ कंट्रोल ब्यूरो दिल्ली को भेजने की बात कही थी, इस पर राज्य शासन ने भी सहमति दे दी थी।

भोपाल में वन विहार नेशनल पार्क में मौजूद कछुए। नईदुनिया

> पता चला है कि ये कछुए सेनेगल के हैं, इसलिए सेनेगल भेजने को लेकर प्रयास किए जा रहे हैं। अभी तक वहां से कोई जवाब नहीं मिला है। विभाग की तरफ से सभी प्रयास किए जा रहे हैं। फिलहाल इन्हें वन विहार नेशनल पार्क में ही रखेंगे।
>
> **- यू. प्रकाशम, प्रधान मुख्य वन बल प्रमुख, मध्य प्रदेश**

पहल

आइटीबीपी से सेवानिवृत्त हुए जगदीश प्रसाद जदली को हमेशा खलती रही बेटी की कमी, सेवानिवृत्ति के बाद बेटियों को समर्पित किया जीवन, कर रहे 16 बेटियों को शिक्षित

गरीब बेटियों का जीवन कर रहे शिक्षा से रोशन

अजय खंतवाल, कोटद्वार(पौड़ी गढ़वाल)

भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आइटीबीपी) से सेवानिवृत्त हुए 69-वर्षीय जगदीश प्रसाद जदली ने बेटियों को शीक्षित करने की मशाल जला रखी है। पौड़ी जिले के जयहरीखाल ब्लॉक की ग्रामसभा बुधगांव के तोकग्राम पीपलकर के निवासी जगदीश अपने गांव के आस-पास ही कई गावों की बेटियों को शिक्षित कर रहे हैं।

जगदीश के दो बेटे हैं, लेकिन बेटी न होने की कमी उन्हें हमेशा अखरती रही। वक्त बीता और बेटों ने अपना घर-संसार बसा लिया। नियति देखिए कि जीवन संगिनी को भी काल के क्रूर हाथों ने छीन लिया। जगदीश चाहते तो बेटों के साथ रहकर जीवन बसर कर सकते थे, लेकिन उन्होंने संकल्प लिया कि अपने गांव के साथ ही आसपास के गांवों की ऐसी बेटियों को शिक्षित करेंगे, जो मेधावी होने के बावजूद आर्थिक तंगी के चलते पढ़ाई जारी नहीं रख पा रहीं। इसी संकल्प का नतीजा है कि वर्तमान में जगदीश 16 बेटियों को शिक्षित कर रहे हैं।

जगदीश प्रसाद जदली वर्ष 2007 में आइटीबीपी से सेवानिवृत्त हुए। जगदीश की मानें तो सेवा के दौरान वह महसूस करते थे कि पहाड़ में बेटियां पढ़ने में बहुत अच्छी हैं, लेकिन तमाम परेशानियों की वजह से अधिकतर अपनी पढ़ाई सुचारु नहीं रख पातीं। इसलिए अपने साथियों के साथ वेतन का एक हिस्सा बेटियों की शिक्षा पर खर्च करने का निर्णय लिया। इस राशि को वह अपने-अपने गांव की गरीब मेधावी बेटियों की पढ़ाई के लिए भेजते थे। हालांकि, सेवानिवृत्ति के बाद कुछ वर्ष वह इस ओर ज्यादा ध्यान नहीं दे पाए। इसी बीच जीवन संगिनी का भी देहांत हो गया और दोनों बेटे अपने परिवार के साथ चंडीगढ़ शिफ्ट हो गए। अब गांव में जगदीश के साथ रह गईं उनकी बूढ़ी मां। करीब पांच वर्ष पूर्व मां का भी देहांत हो गया। इसके बाद बेटे उन्हें चंडीगढ़ ले गए, लेकिन जगदीश को हर वक्त माटी की याद सताती रहती। कुछ ही दिनों में वह वापस कोटद्वार लौट आए।

'दादाजी' के सपने को निरर्थक नहीं होने देंगी : 12वीं की छात्रा अनामिका (मेरुड़ा), इशिता (बुधगांव) व अलका (पठलगांव) और दसवीं की छात्रा अक्षिता (मठाली) बताती हैं कि उनके परिवारों की माली हालत ऐसी नहीं कि उन्हें आठवीं से आगे पढ़ा पाते। लेकिन, दादाजी (जगदीश प्रसाद जदली) ने उनके जीवन में उम्मीद की लौ जगाई है। वह उनके संकल्प को निरर्थक नहीं होने देंगी और समाज में एक मुकाम हासिल करके दिखाएंगी। वे पूरी मेहनत के साथ पढ़ाई कर उम्मीद पर खरा उतरेंगी।

पौड़ी गढ़वाल के बुधगांव निवासी जगदीश प्रसाद जदली आर्थिक रूप से कमजोर बेटियों की शिक्षा में दे रहे योगदान। साभार

शुरू किया बेटियों को शिक्षित करने का अभियान

वर्ष 2015 से जगदीश पूरी मनोयोग से बेटियों को शिक्षित करने के अभियान में जुट गए। इसके लिए उन्होंने अपने पैतृक गांव के साथ ही आसपास के गांवों में मेधावी बेटियों को तलाशकर उनकी शिक्षा-दीक्षा का खर्च उठाना शुरू किया। शुरुआत दो बेटियों से हुई और वर्तमान में जगदीश सात गांवों बुधगांव, लयरसैण, मठाली, सिद्धपुर, मेरुड़ा, पठलगांव व मठाली की 16 बेटियों की शिक्षा का पूरा खर्चा उठा रहे हैं। ये सभी बेटियां दसवीं व 12वीं कक्षा में पढ़ रही हैं। बकौल जगदीश, 'यदि कोई बेटी इंटरमीडिएट से आगे भी पढ़ना चाहती है तो मैं उसकी पढ़ाई का भी पूरा खर्च उठाऊंगा। अब मेरे जीवन का एकमात्र ध्येय यही है कि आर्थिक तंगी के चलते क्षेत्र की किसी बेटी को शिक्षा से वंचित न होना पड़े।'

मप्र का अनूठा गांव, दीपावली पर मस्जिद में जलाते हैं दीप

अजय जैन, विदिशा

- सांप्रदायिक सद्भाव की मिसाल है विदिशा के नटेरन तहसील का मरखेड़ा गांव
- वर्षों से चली आ रही है परंपरा, गांव में है करीब 250 घरों की बस्ती

मध्य प्रदेश के विदिशा जिले की नटेरन तहसील में मरखेड़ा ऐसा गांव है, जहां दीपावली पर हिंदू समुदाय के लोग मस्जिद में दीपक जलाते हैं। भजन-कीर्तन भी करते हैं। इस कार्य में मुस्लिम भी सहयोग करते हैं। मरखेड़ा में सांप्रदायिक सद्भाव की यह परंपरा वर्षों से चली आ रही है।

गांव में करीब 250 घरों की बस्ती में हर वर्ग के लोग रहते हैं। मुस्लिम समाज के 8-10 घर भी यहां हैं। ग्रामीण नवाब खां (50) बताते हैं कि दीपावली पर मस्जिद में दीप जलाने में मुस्लिम परिवार भी सहयोग करते हैं। यह परंपरा काफी पुरानी है। मस्जिद गांव के मध्य में है और सैंकड़ों वर्ष पुरानी है। गांव के पूर्व जनपद सदस्य धीरज सिंह दांगी (55) ने बताया कि वे बचपन में पिता के साथ दीपावली के दिन मस्जिद में दीपक जलाने जाते थे।

दीपावली पर घर की तरह ही मस्जिद की भी सफाई और पुताई ग्रामीण करते हैं। दीपावली से लेकर भाई दूज तक रोज शाम को सभी वर्गों के लोग मस्जिद में दीपक जलाते हैं। फिर प्रसाद वितरण होता है। रात में मस्जिद परिसर में ही भजन-कीर्तन किया जाता है।

यह है मान्यता

ग्रामीण धीरजसिंह के मुताबिक, मस्जिद में दीपक जलाने के पीछे एक मान्यता चली आ रही है। मान्यता अनुसार, गांव के जमींदार परिवार में एक वृद्ध महिला को दिखाई देना बंद हो गया था। तब एक फकीर ने उनसे कहा था कि दीपावली पर मस्जिद में जाकर तीन दिन तक चिराग जलाना, रोशनी लौट आएगी। जमींदार परिवार ने मस्जिद में चिराग जलाए तो रोशनी लौट आई। तब से अब तक यह परंपरा जारी है।

दैनिक जागरण
सबरंग
शहर को जानने के...
नई दिल्ली, शनिवार, 26 अक्टूबर, 2019
सुझाव व प्रतिक्रिया के लिए लिखें : sabrang@nda.jagran.com
https://www.facebook.com/jagransabrang/

सुंदर दिख रहे हैं न फूल, मेरे घर की अच्छी शोभा बढ़ाएंगे।

जैसे-जैसे दीपों का उत्सव करीब आता है मन में मिठास सी घुलने लगती है। घर को सजाने के लिए, त्योहार के दिन को कुछ खास बनाने के लिए, शिद्दत से परंपरागत चीजों की खरीदारी हो रही है। घर-आंगन में दीपों की लौ भले सब अपनी रीतियों से जलाएं पर रोशनी अंधेरे को ढक...घरों को उज्ज्वल बनाती है...रिश्तों को प्रगाढ़ करती है। सबरंग के अंक में दिल्ली में बसी कई राज्यों की रवायतों से...उनकी दीपों के इस त्योहार से जुड़ी रीतियों से...खास अवसर पर बनाए जाने वाले व्यंजनों की खुशबू से...संस्कृति से रूबरू करा रहे हैं :

उत्सव के रंग

दीवाली परंपराओं वाली

रंगोली के बिना तो दीवाली की रौनक फीकी होगी

रंगोली बनाकर ग्राहक को दिखाता दुकानदार

उत्तराखंडी समाज...यूं तो बरसों से दिल्ली में रहते हुए इसी शहर का समावेश आ गया लेकिन कुछ परंपरागत चीजें हैं जो आज भी पीढ़ियों से चले आ रही रीतियों के साथ मनाई जाती हैं। अलका ममगई बताती हैं कि अब दीपों के इस उत्सव पर यूं तो कई चीजें खास होती हैं मसलन इस दिन हम उड़द की दाल के पकोड़े और पूड़ी जरूर बनाते हैं। और जिन लोगों के यहां दीवाली नहीं होती है उन्हें भी ये दोनों चीज जरूर देते हैं। त्योहार से एक दिन पहले अनाज के पिंड बनाए जाते हैं और सुबह को

गाय बैल के सींग में तेल लगाया जाता है। उन्हें धूप-दीप दिखाकर पूजा की जाती है और फूलों की माला पहनाकर अनाज के पिंड खिलाए जाते हैं। भगवान से प्रार्थना की जाती है कि हमारे अनाज भंडार में हमेशा बरक्कत रहे। रात का सबसे खास आकर्षण होता है भैलो खेलने का। हालांकि दिल्ली में इसका चलन कम होता जा रहा है। वहीं अपने प्रदेश में इगास-बग्वाल यानी दीवाली के दिन भैलो खेलने का भी रिवाज है। हां, अब यहां भैलो नहीं लेकिन नृत्य परंपरा के जरिए खुशियां बांटी जाती हैं। भैलो का मतलब एक रस्सी से है, जो पेड़ों की छाल से बनी होती है। बग्वाल के दिन लोग रस्सी के दोनों कोनों में आग लगा देते हैं और फिर रस्सी को घुमाते हुए भैलो खेलते हैं। लोग समूहों में एकत्रित होकर पारंपरिक गीतों पर नृत्य करते हैं।

केले के पत्ते से विशेष सजावट : राम जी की घर वापसी का त्योहार...यानी दीवाली इस पावन दिन हम अपने समस्त परिवार के साथ, जिसमे हमारे साथ काम करने वाले आफिस के कर्मचारी भी होते हैं, सब साथ मिलकर भोजन करते हैं। यही तो इस त्योहार की खासियत है। मराठी समुदाय श्रीगणेश सेवा मंडल के अध्यक्ष महेंद्र लड्डा बताते हैं कि हमारे घर मे विशेष रूप से सजावट होती है। जिसमें केले के पत्ते का जरूर उपयोग किया जाता है। यह पत्ते भगवान विष्णु और लक्ष्मी को अतिप्रिय हैं। और पूजा सिंह लग्न में होती है जो कि अर्ध रात्रि में 12-1 के बीच होता है। लक्ष्मीजी वहां होती हैं, जहां सफाई हो। इसलिए दीवाली वाले दिन हम घर और कार्यालय का कोना-कोना साफ करते हैं। लक्ष्मी पूजन में 16 तरह से स्नान कराया जाता है। जैसे चीनी का स्नान, घी, दही, दूध, सहेड, गन्ने का रस, इत्र, गोल्ड इत्यादि।

मिंसाई निकालने की खास परंपरा: दिल्ली के खालिस अग्रवाल परिवार से संबंध रखती मधु कहती हैं कि अहोई अष्टमी पर्व पर घर की साफ-सफाई के साथ दीवाली पर्व की शुरुआत हो जाती है। इस दिन पूजा में जिस पात्र में जल रखा जाता है उसे छोटी दीवाली के लिए भी बचाकर रखा जाता है उस दिन घर की औरतें इसी पानी से स्नान करती हैं। धनतेरस वाले दिन चांदी का बर्तन खरीदा जाता है। जबकि बड़ी दीवाली के दिन सुबह मीठे पूड़े बनाए जाते हैं। इस पर हल्दी का छींटा लगाया जाता है। पूजा के बाद इसे मंदिर में दान कर देते हैं। इसे मिंसाई निकालना कहते हैं। शाम के समय खील, बताशा, मिठाई और पैसे बतौर मिंसाई अलग-अलग निकालते हैं। ये मिंसाई दुर्गा, हनुमान देव समेत पितरों के लिए निकाली जाती है। अगले दिन देवी-देवताओं समेत पितरों वाली मिंसाई दान दे दी जाती है जबकि कुम्हार एवं जमादार घर पर आकर ले जाते हैं।

मिटेगा अज्ञान, फैलेगा ज्ञान : माना जाता है कि दीवाली के दिन, भगवान महावीर (युग के अंतिम जैन तीर्थंकर) ने 15 अक्टूबर 527 ईसा पूर्व को पावापुरी में कार्तिक के महीने (अमावस्या की सुबह के दौरान) की चतुर्दशी पर निर्वाण प्राप्त किया था। पुरानी दिल्ली निवासी रवि जैन बताते हैं कि हटरी खरीदकर लाते हैं और फिर भगवान महावीर की आरती होती है। रात के समय निर्वाण कांड का पाठ किया जाता है। रोशनी और दीये के साथ मंदिरों, कार्यालयों, घरों, दुकानों को सजाते हैं जो ज्ञान को फैलाने और अज्ञान को हटाने का प्रतीक है। कुछ लोग नए साल के रूप में भी मनाते हैं। कैलाश नगर, गांधी नगर, कृष्णा नगर, रिषभ विहार, ग्रेटर कैलाश, चांदनी चौक में बड़ी धूमधाम से दीवाली मनाते हैं। मंदिर में मिष्ठान चढ़ाकर पूजा की जाती है।

सिर्फ मिट्टी के दीपक ही जलाते हैं : दिल्ली में राजस्थान समुदाय भी बसा है। राजस्थानियों की दीवाली बनाने का अलग ही तरीका होता है। यही कोई एक पखवाड़े तक दीपों के पर्व का आयोजन होता है। पूर्णिमा से अमावस्या तक सेलिब्रेशन होता है। धनतेरस को नए बर्तन खरीदते हैं। सोने-चांदी के आभूषण खरीदते हैं एवं धन्वंतरि महाराज की पूजा करते हैं। गोपेंद्र नाथ भट्ट बताते हैं कि दीवाली की तैयारियां साफ सफाई से शुरू होती हैं। बस अंतर यह होता है कि मिट्टी के दीपक जलाते हैं। दीवाली के दिन राजस्थनी गुझिया, मीठी और नमकीन पूड़ी, गुड़ से बनी चीजें बनाकर खाते हैं। इस दिन कारोबारी लोग बही की पूजा करते हैं। पेन और बही के पास दीपक जलाकर रखते हैं एवं दीवाली के बाद से नया बही खाता शुरू हो जाता है। दीवाली के दूसरे दिन अन्नकूट करते हैं। यह 56 भोग होता है। इसके अगले दिन दाल बाटी चूरमा बनाकर खाया जाता है। इसे बनाकर खाना शुभ माना जाता है।

लक्ष्मी एवं गणेश की कथा सुनकर करते हैं पूजा: श्रीवास्तव परिवार आज भी चमक दमक से दूर सादगी भरी दीवाली मनाना पसंद करते हैं। रिमझिम बताती हैं कि दीवाली पर घरों की सफाई होती है। शाम में होने वाली पूजा में हम सिर्फ मिट्टी के दीये ही इस्तेमाल करते हैं। मसलन, मटकी, मिट्टी के दीप, हटरी, बड़े दीये खरीदते हैं। हमारे यहां, गणेश जी के बाद हनुमान जी की पूजा होती है। जो शायद अपने आप में अनोखी है। दीवाली वाले दिन हम लक्ष्मी एवं गणेश की कहानी सुनते हैं। सभी परिवार के सदस्य पूजा वाले स्थान पर बैठ जाते हैं एवं तन्मयता से कहानी खत्म होने तक बैठे रहते है। पूजा के बाद बड़ों का आशीर्वाद लिया जाता है एवं फिर मिठाइयां खाई जाती हैं। लेकिन दीवाली यहीं पूरी नहीं होती है। तड़के सुबह खील, बताशे, फूल लेकर महिलाएं घर के बाहर जाती हैं एवं थोड़ी दूर एक जलते दीपक के साथ रख देती हैं। इसे तड़के सुबह तारों की छांव में रखना होता है।

सूप बजाने की रवायत : दिल्ली में पूर्वांचल के लाखों लोग रहते हैं। अपने घरों से दूर इन्होंने दिल्ली को दिल से अपना लिया है। हां, घर की दीवाली याद आती है लेकिन ये लोग अब यहीं अपनी परंपराओं संग त्योहार मनाना पसंद करते हैं। छठ पूजा आयोजन समिति के अध्यक्ष गोरखपुर निवासी शिवराम पांडेय कहते हैं कि दीवाली पर हम मिट्टी के दीप, मोमबत्ती प्रयोग करते हैं। घर की सफाई के अलावा छोटी दीवाली के दिन हम यम के लिए दीप जलाते हैं। ऐसी मान्यता है कि लक्ष्मी और दरिद्र भाई-बहन है। जो अमावस्या के दिन ही मिलते हैं एवं सुबह ही बिछड़ भी जाते हैं। दीवाली की शाम लक्ष्मी, गणेश की पूजा होती है एवं फिर नजदीकी मंदिर में हम दीपक जलाते हैं। इसके बाद पूड़ी, सब्जी समेत अन्य मिष्ठान खाते हैं। तड़के सुबह सूप को किसी लोहे या लकड़ी से बजाते हुए महिलाएं घर के बाहर जाती हैं। ऐसा कहा जाता है कि इसे बजाने से घर से दरिद्रता भाग जाती है। यह तड़के सुबह ही किया जाता है।

बाजार हैं तैयार...: चांदनी चौक की चांदनी आज कल और निखर गई है। किसी भी समय जाओ पैदल चलने की जगह के लिए मशक्कत करनी पड़ जाएगी। लेकिन किसी को भी भीड़ की बेफिक्री नहीं है। हर कोई खुशी-खुशी दीपों के उत्सव के लिए शापिंग करने में मशगूल है। पास ही स्थित दरीबा कलां चांदी की गहनों के लिए जानी जाती है। एक अन्य बाजार पहाड़गंज का जिक्र जरूरी है। पुरानी दिल्ली में रेलवे स्टेशन से नजदीक पर स्थित पहाड़गंज मार्केट शॉपिंग के लिए अच्छी ठौर है। यहां पर आपको सस्ते दामों पर सिल्वर के गहने भी मिलेंगे। दीवाली के दौरान यहां के बाजार में आपको खूबसूरत लैंप, डिजाइनर दीये, खुशबूदार कैंडल्स बेहद सस्ते दामों में मिल रहे हैं। यदि आप डिजाइनर दीये खरीदना चाहते हैं तो तिब्बती मार्केट भी बेहतरीन है। दीवाली के मौके पर डिजाइनर दीयों, लैंप्स, डेकोरेटिव आइटम्स और खूबसूरत लाइट्स खरीदी जा सकती हैं। यहां आप हैंडिक्राफ्ट का खूबसूरत सामान भी खरीद सकते हैं। वहीं दिल्ली हाट में अलग-अलग राज्यों के हथकरघा उत्पाद मिलते हैं। इसके अलावा दिल्ली में दीवाली शापिंग के लिए दीवाली मेले भी लगे हुए हैं।

-संजीव कुमार मिश्र, रितू राणा

ऐपण और रंगोली से मां लक्ष्मी का स्वागत

बंगाली परिवार दीवाली के 15 दिन पहले ही दीपोत्सव की तैयारी शुरू कर देते हैं। एक सप्ताह पूर्व से पहले घर में साफ सफाई और सजावट का काम शुरू हो जाता है। इसके बाद मां काली की नई प्रतिमा स्थापित की जाती है और उसकी पूजा अर्चना की जाती है। मलय मजूमदार करीब 15 साल से इंदिरापुरम में रह रहे हैं। वे कहते हैं कि बीते 10 सालों से प्रांतिक कल्चरल एसोसिएशन की ओर से मां काली की पूजा अर्चना की जाती है। इस दौरान सब लोग मिलकर अपने अपने घर से प्रसाद लाते हैं। पूजा के बाद सबको प्रसाद बांटा जाता है। वहीं तनुश्री कहती हैं कि दीवाली पर अखरोट की बर्फी, गोंद के लड्डू, मूंग की दाल का हलवा, रसगुल्ला, बेसन के लड्डू, आटे के लड्डू, चंद्रकला, शाही टुकड़ा, चूरमा, गुलाब जामुन, मालपुए और बादाम दीप बनाया जाता है।

108 दियों से की जाती है रोशनी : बलाका दुर्गा पूजा कमेटी के सदस्य अनुज के चक्रवर्ती कहते हैं कि वे पिछले 30 वर्ष से नोएडा में रह रहे हैं। वे कहते हैं कि हमारे यहां दीवाली की रात को पूर्वजों और दीपों की रात माना जाता है। इस दिन 108 दियों से रोशनी की जाती है।

ऐपण से मां लक्ष्मी का स्वागत : पूर्वी उत्तर प्रदेश की तरह उत्तराखंड के लोग भी घरों के बाहर गेरू और सजावटी रंगों से धन की देवी मां लक्ष्मी के आगमन के लिए सुंदर रंगोली सजाते हैं। इसे पहाड़ी बोली में ऐपण कहते हैं। पंडित सुदामा प्रसाद कबटियाल कहते हैं कि बगवाल को अनाज पैदा होने के रूप में मनाया जाता है। इसमें सभी लोग अपने-अपने पकवान बनाते हैं और हर जाती के लोगों को बांटा जाता है ताकि सर्व समाज के बीच सद्भावना कायम रहे। ऐपण के लिए घर के आंगन की साफ सफाई और गोबर से लीपकर रंगोली को सजाया जाता है।

मराठी बनाते हैं खास पकवान : गुजरात और महाराष्ट्र के लोग भी घरों के बाहर रंगोली सजाकर पूजा करते हैं। शालीमार गार्डन में मराठी समाज के लोग बड़ी संख्या में रहते हैं। शिप्रा सनसिटी में रहने वाली वृंदा चावरे के मुताबिक दीवाली पर चार दिन पहले से ही उत्सव शुरू हो जाता है। नरक चतुर्थी पर उबटन लगाकर स्नान करते हैं। इसके बाद पूरे मंदिर को पवित्र किया जाता है। पूजन से पहले करंजी, चकली, लड्डू, सेव, मोदक आदि पारंपरिक व्यंजन बनाए जाते हैं। इसके साथ ही गणेश प्रतिमा की पोशाक बदलते हैं। उनको नई पोशाक पहनाकर लक्ष्मी को आमंत्रण दिया जाता है।

बंदनवार का होता है महत्व : लक्ष्मी पूजन के दिन पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और आसपास के इलाकों में लोकगीतों और बंदनवार सजाकर मां लक्ष्मी को अपने घरों में आमंत्रित करते हैं। वहीं कुछ घरों में दूध के गिलास में चांदी के सिक्के डाले जाते हैं। पूजा के बाद घर में सिक्के से गिलास के दूध को छिड़का जाता है। कुछ घरों में अस्त्र-शस्त्र की भी पूजा की जाती है।

हिमाचल में बूढ़ी दीवाली का प्रचलन : हिमाचली हितकारणी सभा के सदस्य कुलदीप भूरिया 1986 से नोएडा में रह रहे हैं। ये कहते हैं कि हमारे यहां दीवाली पर घर को मिट्टी के दिये, बंधनवार और रंगोली से सजाया जाता है। रात में देवी लक्ष्मी की पूजा की जाती है। वहीं खाने में पूड़ी, पकौड़ी, खीर सहित तमाम तरह के व्यंजन बनाए जाते हैं। पहाड़ों पर भगवान राम की लंका पर विजय का पता काफी देर बाद चला था, इसलिए हमारे यहां तब से लेकर दीवाली के एक माह बाद बूढ़ी दीवाली के रूप में मनाने की परंपरा है।

छप्पन भोग का प्रसाद : राजस्थान कल्याण परिषद के सदस्य पवन शर्मा का कहना है कि वे पिछले 24 वर्ष से नोएडा में रह रहे हैं। दीपावली के दिन उनके यहां भगवान कृष्ण के लिए छप्पन भोग का प्रसाद बनाया जाता है। इसी के साथ परंपरागत वस्त्र पहनकर लक्ष्मी पूजन भी किया जाता है। मिट्टी के दीये जलाए जाते हैं। खाने में दाल का हलवा, मीठे चावल, मूंग की दाल सहित तमाम राजस्थानी पकवान बनाए जाते हैं।

खुले रखते हैं दरवाजे ताकि प्रवेश कर सकें लक्ष्मी : अखिल भारतीय प्रवासी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुन्ना कुमार शर्मा लंबे समय से नोएडा में रह रहे हैं। वे कहते हैं इस दिन दीये तो जलाए ही जाते हैं, साथ ही पारंपरिक नृत्य कर खुशी जाहिर की जाती है। रोशनी करते हुए घरों के दरवाजे खुले रखे जाते हैं ताकि देवी लक्ष्मी घर में प्रवेश कर सकें।

बन्नू की अलग दीवाली : देश विभाजन के समय उत्तरी-पश्चिमी सीमांत प्रांत (अब पाकिस्तान में) के छह जिलों बन्नू, हजारा, कोहाट, डेरा इस्माइल खान, पेशावर और मर्दान से विस्थापित 50 हजार लोग न्यू इंडस्ट्रियल टाउन में रहते हैं। डेरा इस्माइल खान में जन्में 93 वर्षीय मास्टर सुंदर दास खत्री के अनुसार दीवाली की शाम को मिट्टी से बनी दीवाली की मूरत और लक्ष्मी की पूजा होती है। उस दौरान मंदिर स्थल के पास हरे-भरे पत्तों से युक्त गन्ने खासतौर पर रखे जाते हैं ताकि घर में सुख-शांति और समृद्धि बनी रहे। वहीं जिला बन्नू से आए प्रेम चंद भाटिया के अनुसार दीवाली वाली शाम परिवार के सदस्य पूजा स्थल के पास एकत्रित होते हैं। लक्ष्मी के साथ भगवान राम की विधिवत पूजा के समय कनक (गेहूं), चने, चावल से बने मुरमुरे प्रसाद के रूप में रखे जाते हैं। भोजन में विशेष रूप से खिचड़ी तैयार की जाती है, जो एक बड़े थाल में परोसी जाती है, बीच में घी व दही का मिश्रण होता है। इसके साथ आलू की सब्जी, पापड़ और पकौड़ों का सेवन किया जाता है।

-गौरव शशि नारायाण, पारुल रांझा, सुशील भाटिया

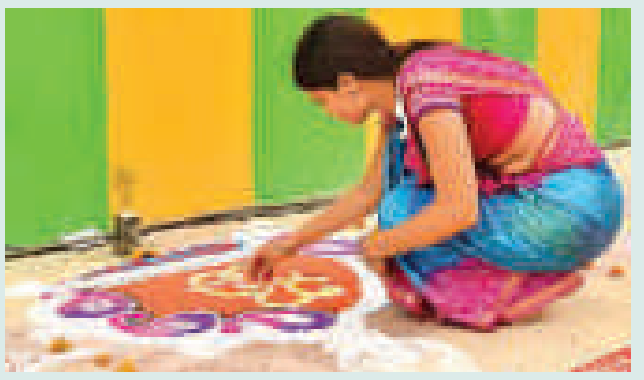

हर गुजराती के घर बनता है मोहनथाल :

दीवाली पर पूड़ी, सब्जी, खीर मिठाई रंगोली बनाते हैं। दीवाली की तैयारियां गुजराती समाज में लगभग 15 दिन पहले शुरू हो जाती है। सभी लोग नए-नए कपड़े खरीदते हैं और घर की साफ-सफाई करते हैं। उसके बाद घर में अपने हाथों से सारी मिठाइयां बनाई जाती हैं। प्रीत विहार निवासी गुजराती वंदना पुरानी बताती हैं चकरी, बेसन सेव, मठिया व अलग-अलग प्रकार के नमकीन बनाते हैं। और सबसे खास मोहनथाल (बेसन की मिठाई), बनाने का रिवाज भी है। यह मिठाई हर गुजराती के घर में बनती है। सभी व्यापारी अपने सारे पुराने हिसाबों को निपटाकर नए की शुरुआत करते हैं। उसके बाद आती है धनतेरस। धनतेरस के दिन हरेक घर में लक्ष्मीपूजन होता है और माताजी को छप्पन भोग लगते हैं। सारे घर के लोग एकत्र होकर मां लक्ष्मी की आराधना करते हैं। मां लक्ष्मी की कृपा हमेशा उन पर बनी रहे, ऐसी कामना करते हैं। दीवाली के साथ ही गुजरातियों के नए साल की शुरुआत हो जाती है। इसलिए इस दिन को बड़े खास तरीके से उल्लास के साथ मनाते हैं।

रिजर्व बैंक की लक्ष्मी के रखवाले यक्ष-यक्षिणी

दिल्ली की देहरी

नलिन चौहान
दिल्ली के अनजाने इतिहास के खोजी

अंग्रेजों से मिली आजादी के बाद देश में बनी पहली भारतीय सरकार ने राजधानी दिल्ली में सार्वजनिक संस्थानों के गठन के लिए भवनों के निर्माण की योजना बनाई। तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरु ने भव्य और विशाल आकार वाले सार्वजनिक संस्थानों के भवनों को बनाने की योजना में वास्तुशिल्पियों, चित्रकारों और मूर्तिकारों को जोड़ने का सुझाव दिया। इस सुझाव के मूल में नवस्वतंत्र राष्ट्र के सार्वजनिक संस्थानों के भवनों के निर्माण में भारतीय कलाकारों की प्रतिभा का किसी न किसी रूप में उपयोग करने की भावना थी। नेहरु का विचार था कि इन सार्वजनिक संस्थानों के भवनों के निर्माण में आने वाली कुल लागत की तुलना में कला के काम पर अधिक खर्चा नहीं होगा। इससे भारतीय कलाकारों को प्रोत्साहन मिलेगा और जनता ऐसे काम का स्वागत करेगी।

प्रधानमंत्री के प्रस्ताव को व्यवहार रूप में लागू करने के लिए केंद्रीय वित्त सचिव केजी अंबगांवकर ने तत्कालीन गवर्नर बी रामा राव को इस विषय पर एक नोट भेजा। यह उस समय की बात है, जब भारतीय रिजर्व बैंक नई दिल्ली, मद्रास और नागपुर जैसे स्थानों में नए भवनों के निर्माण को लेकर सोच-विचार कर रहा था।

भारतीय रिजर्व बैंक ने इस प्रस्ताव की जांच और सुझाव देने के लिए एक समिति गठित की। समिति ने

नई दिल्ली स्थित भारतीय रिजर्व बैंक के मुख्य प्रवेश द्वार

के दोनों ओर प्रतिमाएं लगाने की सिफारिश की। इनमें से एक को उद्योग और दूसरी को कृषि से समृद्धि प्राप्त करने के प्रतीक विचार के रूप में लिया गया।

खास संदेश के साथ हैं प्रतिमाएं : तब भारतीय रिजर्व बैंक के केंद्रीय बोर्ड के तत्कालिक निदेशक जेआरडी टाटा के आग्रह पर प्रख्यात आलोचक और कला के पारखी कार्ल खंडालवाला की इस विषय पर सम्मति पूछी गई। उन्होंने ही भारतीय रिजर्व बैंक के मुख्य द्वार के दो तरफ यक्ष और यक्षिणी की प्रतिमाओं को स्थापित करने का सुझाव दिया था। खंडालवाला की सलाह पर ही रिजर्व बैंक के नई दिल्ली कार्यालय के सामने के अहाते में अलंकरण के कार्य के लिए नौ कलाकारों से निविदाएं आमंत्रित की गईं। अलंकरण के कार्य के लिए कुल आमंत्रित नौ कलाकारों में से पांच ने अपने प्रस्ताव प्रस्तुत किए और उनमें से भी केवल एक ने ही प्रतिमाओं के निर्माण के लिए उपयुक्त मॉडल और रेखाचित्र दिए। इस तरह, राम किंकर बैज का प्रस्ताव स्वीकृत हुआ। बैज ने पुरुष यक्ष की कला का प्रतिरूप मथुरा संग्रहालय में 'परखम यक्ष' की प्रतिमा से और महिला यक्षिणी की कला का प्रतिरूप कलकत्ता (कोलकाता) संग्रहालय में 'बेसनगर' यक्षिणी के आधार पर तैयार किया। खंडालवाला की मान्यता थी कि ये विशाल प्रतिमाएं, नई दिल्ली स्थित भारतीय रिजर्व बैंक के कार्यालय की स्थापत्य विशेषताओं के साथ बेहद अच्छी लगेंगी।

रक्षा का दायित्व इन्हीं पर : एक ओर जहां, किसान-मजदूर की खुशहाली के विषय को नेहरु की वैज्ञानिक सोच से लिया गया तो वहीं दूसरी तरफ यक्ष और यक्षिणी के रूप में उसकी अभिव्यक्ति पारंपरिक दृष्टि रखने वालों की संवेदनाओं को पुष्ट करती थी। हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, यक्ष अर्ध देवयोनि के एक वर्ग में आते हैं और वे धन के देवता कुबेर के सेवक माने जाते हैं। यक्षों का काम कुबेर के उद्यानों और खजाने की रक्षा करना है। यक्षिणी एक महिला यक्ष है। भारतीय रिजर्व बैंक को नोट जारी करने का एकमेव अधिकार होने और केंद्र तथा राज्य सरकार के बैंक होने के नाते, इसकी तुलना धन के देवता कुबेर के साथ की जा सकती है। एक तरह से, यक्ष और यक्षिणी की प्रतिमाएं बैंक के खजाने की रक्षा का दायित्व संभाल रही हैं। आधुनिक संदर्भ में, इन प्रतिमाओं की रूपवादी व्याख्याओं के अनुसार, ये दोनों प्रतिमाएं उद्योग और कृषि का प्रतीक रूप भी मानी जा सकती हैं। ऐसा इसलिए भी था क्योंकि स्वतंत्रता के एकदम बाद देश का केंद्रीय बैंक होने के नाते रिजर्व बैंक प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप इन क्षेत्रों के विकास को लेकर अत्यंत चिंतित था।

इन प्रतिमाओं के निर्माण में लगे एक लंबे कालखंड ने बैंक अधिकारियों के धैर्य की परीक्षा ली। यह लंबा इंतजार, कलाकार राम किंकर के उपयुक्त गुणवत्ता वाले पत्थर को चयनित करने के लिए अपार समय लेने के कारण हुआ। किंकर को इतना समय, सही पत्थर के लिए विभिन्न स्थानों की खोज, पत्थर की गुणवत्ता, पत्थर के उत्खनन में आई समस्याओं और पत्थर को ढोकर दिल्ली लाने के लिए परिवहन की व्यवस्था करने में लगा। इस काम में हुई खासी-लेटलतीफी के कारण कई बार तो रिजर्व बैंक को यह बात महसूस हुई कि रामकिंकर भले ही उत्कृष्ट कलाकार होने की योग्यता रखते हों पर शायद उनके पास प्रतिमाओं को बनाने का उद्यम करने का प्रबंधकीय कौशल नहीं है। जब दिसंबर 1966 के आसपास प्रतिमाएं गढ़कर पॉलिश के लिए तैयार हुई तो स्वीकृत लागत की अनुमानित मूल राशि में खासा संशोधन करना पड़ा। लेकिन किस्सा यहीं खत्म नहीं हुआ। ऐसा इसलिए क्योंकि आखिरकार जब प्रतिमाओं को स्थापित किया गया तब करीब दस साल से ज्यादा का समय बीत चुका था। जब इन प्रतिमाओं को बनाने का आदेश दिया गया था, तब से लेकर अब तक समय, स्थिति और समाज सभी में काफी परिवर्तन आ चुका था। केवल इतना ही नहीं, देश के नेतृत्व और जनमानस दोनों का दृष्टिकोण काफी बदल चुका था। जब नई दिल्ली के संसद मार्ग पर रिजर्व बैंक के कार्यालय में प्रतिमाओं को स्थापित किया गया तो नागरिकों के एक वर्ग की पाखंडी संवेदनशीलता को ठेस लगी। इस वर्ग की उत्तेजना का वास्तविक कारण, अपने प्राकृतिक सौंदर्य के रूप में दर्शाई गई यक्षिणी की प्रतिमा थी।

उस समय सांसद प्रोफेसर सत्यव्रत सिद्धांतालंकार ने इन प्रतिमाओं के विषय को राज्यसभा में उठाया था। उन्होंने आवास और आपूर्ति मंत्री से यह सवाल पूछा कि संसद मार्ग स्थित भारतीय रिजर्व बैंक के सामने एक नग्न स्त्री की प्रतिमा स्थापित करने का क्या उद्देश्य है, जबकि वास्तविकता में नग्न स्त्री की प्रतिमा अनिवार्य रूप से एक रूपक व्याख्या थी जो कि कृषि-समृद्धि का प्रतिनिधित्व करती थी। यह बात समझने-समझाने के लिए पर्याप्त थी पर इस पर भी पूरक प्रश्न पूछे गए। इन प्रश्नों में प्रतिमाओं के निर्माण की लागत के खर्च का ब्यौरा और इस कला की सिफारिश करने वाली समिति के सवाल थे।

राष्ट्रीय संस्करण
शनिवार 26 अक्टूबर 2019
दैनिक जागरण
बिजनेस
www.jagran.com

बख्शी ने वापस ली विदेश यात्रा की अर्जी

नई दिल्ली, प्रेट्र : अमेरिकी फास्ट फूड चेन मैक्डोनाल्ड्स के पूर्व पार्टनर विक्रम बख्शी ने शुक्रवार को विदेश जाने की अनुमति से संबंधित अपनी याचिका एनक्लैट से वापस ले ली। हालांकि एनक्लैट के चेयरमैन न्यायमूर्ति एसजे मुखोपाध्याय की अध्यक्षता वाली दो सदस्यीय पीठ ने बख्शी की पत्नी मधुरिमा बख्शी को थाइलैंड में एक पारिवारिक समारोह में जाने की अनुमति दे दी है। उन्हें भी नौ नवंबर तक वापस आ जाने को कहा गया है।

इकोनॉमी में सुस्ती के चलते कॉरपोरेट लोन की मांग घटी है। इसलिए हमने रिटेल लोन में पैठ बढ़ाई है, जिसका फायदा भी दिख रहा है।
— रजनीश कुमार
चेयरमैन, एसबीआइ

सेंसेक्स	39,058.06 ▲ 37.67	निफ्टी	11,583.90 ▲ 1.30	सोना प्रति दस ग्राम	₹ 39,240 ▲ ₹220	चांदी प्रति किलोग्राम	₹ 47,680 ▲ ₹670	$ डॉलर	₹ 70.90 ▼ ₹0.12	क्रूड (ब्रेंट) प्रति बैरल	$ 61.61

दम ▶ चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 3,375 .40 करोड़ रुपये पर पहुंच गया शुद्ध लाभ

एसबीआइ को एनपीए पर बड़ी राहत
शुद्ध लाभ पांच गुना से ज्यादा बढ़ा

89,347 .71 करोड़ रुपये तक पहुंची इस अवधि में बैंक की शुद्ध आय

बैंक की शाखा एसबीआइ लाइफ का पूंजीकरण एक लाख करोड़ को पार कर गया है। प्रतीकात्मक

नई दिल्ली, प्रेट्र : चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में देश के सबसे बड़े कर्जदाता भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआइ) का शुद्ध लाभ पांच गुना से ज्यादा बढ़कर 3,375.40 करोड़ रुपये पर जा पहुंचा। पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में इस सरकारी बैंक का शुद्ध लाभ 576.46 करोड़ रुपये रहा था। शेयर बाजारों को दी जानकारी में बैंक ने कहा कि समीक्षाधीन अवधि (जुलाई-सितंबर, 2019) में बैंक और उसके अधीन सभी इकाइयों की कुल आय 89,347.71 करोड़ रुपये रही। पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में बैंक ने इस मद में 79,302.72 करोड़ रुपये हासिल किया था।

स्टैंडअलोन आधार पर बैंक का शुद्ध मुनाफा दोगुना से ज्यादा बढ़कर 3,011.73 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 944.87 करोड़ रुपये था। नतीजों की घोषणा के बाद एसबीआइ के प्रबंधन ने कहा कि खराब परिस्थितियों में भी ग्रॉस स्लिपेज सालाना दो प्रतिशत से ज्यादा नहीं होगा। बैंक के पास नकदी की कोई कमी नहीं है। नतीजों के ब्योरे के मुताबिक एसबीआइ की बीमा शाखा एसबीआइ लाइफ इंश्योरेंस का बाजार पूंजीकरण एक लाख करोड़ रुपये को पार कर गया है। पिछले महीने बैंक ने एसबीआइ लाइफ में अपनी हिस्सेदारी का 4.5 प्रतिशत शेयर बेच दिया था। सौदे के बाद कंपनी में उसकी हिस्सेदारी 57.60 प्रतिशत रह गई थी।

समीक्षाधीन तिमाही में बैंक का आपरेटिंग प्रॉफिट 30.88 प्रतिशत बढ़कर 18,199 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 13,905 करोड़ रुपये था। घरेलू बाजार में एसबीआइ का क्रेडिट ग्रोथ 8.43 प्रतिशत बढ़ गया है। रिटेल पर्सनल एडवांस बढ़ने से ऐसा संभव हुआ है।

असेट क्वालिटी सुधरी

दूसरी तिमाही में एसबीआइ के फंसे हुए लोन (एनपीए) में कमी आई है। 30 सितंबर, 2019 तक बैंक का ग्रॉस एनपीए घटकर 7 .19 प्रतिशत रह गया जो एक साल पहले 9 .95 प्रतिशत था। इस दौरान एसबीआइ का नेट एनपीए या बैड लोन भी 4 .84 प्रतिशत से घटकर 2 .79 प्रतिशत रह गया।

प्रोविजनिंग और टैक्स खर्च बढ़ा

दूसरी तिमाही में एसबीआइ का प्रोविजनिंग मद में खर्च 8 .7 प्रतिशत बढ़कर 13,139 करोड़ रुपये हो गया है। लेकिन प्रोविजनिंग कवरेज रेश्यो में 10 .49 प्रतिशत का सुधार हुआ है और यह सालाना आधार पर 70 .74 प्रतिशत से बढ़कर 81 .23 प्रतिशत हो गया। बेहतर नतीजों के चलते बीएसई में एसबीआइ का शेयर शुक्रवार को 18 .90 रुपये यानी 7 .19 प्रतिशत उछाल के साथ 281 .60 रुपये पर बंद हुआ।

आइपीपीबी में कर्मचारियों का खाता
खुलवाएं वित्त मंत्री : रवि शंकर प्रसाद

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- कहा, शत-प्रतिशत सरकारी बैंक होने के नाते आइपीपीबी के खाते पूर्णतया सुरक्षित
- पात्र लोगों को डीबीटी के लिए भी सबसे बढ़िया माध्यम बताया

प्रतीकात्मक

संचार मंत्री रवि शंकर प्रसाद ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण तथा उनके मंत्रालय के अफसरों व कर्मचारियों से अनुरोध किया है कि वे इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक (आइपीपीबी) में खाता खुलवाएं। वित्त मंत्री को लिखे पत्र में प्रसाद ने भरोसा दिलाया है कि शत-प्रतिशत सरकारी बैंक होने के कारण आइपीपीबी में ग्राहकों का धन पूर्णतया सुरक्षित है। सरकारी स्कीमों का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने (डीबीटी) के लिए भी इससे बेहतर कोई माध्यम नहीं है।

पत्र में प्रसाद ने सीतारमण से कहा है कि आइपीपीबी में खाता खुलवाने के लिए केवल अंगूठे के निशान, आधार नंबर तथा मोबाइल नंबर की जरूरत होगी। आपके मंत्रालय तथा संबद्ध कार्यालयों के माध्यम से न केवल इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक के फायदों का अच्छी तरह प्रचार, बल्कि आइपीपीबी के जरिये डीबीटी का भी बखूबी भुगतान किया जा सकता है।

प्रसाद ने लिखा है कि डाक विभाग के पूर्ण स्वामित्व वाले आइपीपीबी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले वर्ष पहली सितंबर को लांच किया था। अपने पहले वर्ष के परिचालन में इसने पूरे देश में एक करोड़ से अधिक खाते खोलकर 6000 करोड़ रुपये का डिजिटल लेनदेन किया। देश के 1.36 लाख डाकघर इसकी शाखाओं तथा 1.95 लाख डाकिए व ग्रामीण डाक सेवक इसके एजेंट के तौर पर काम करते हैं और बैंकिंग सेवाओं को घर-घर पहुंचाते हैं। ये सही मायनों में 'आपका बैंक आपके द्वार' की लक्षित भूमिका को निभा रहा है।

इस वर्ष सितंबर में पहली सालगिरह पर आइपीपीबी ने आधार एनेबल्ड पेमेंट सिस्टम (एईपीएस) की शुरुआत की है। इसके जरिये कोई भी ग्राहक देश के किसी भी बैंक में अपने खाते को ऑपरेट कर सकता है। नेशनल पेमेंट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआइ) की इंटरऑपरेटेबल तकनीक की बदौलत आइपीपीबी वर्चुअल डेबिट कार्ड की सुविधा भी प्रदान करता है। इसके माध्यम से इसका ग्राहक बगैर किसी जोखिम के ऑनलाइन ट्रांजैक्शन कर सकता है। चूंकि वर्चुअल कार्ड में ग्राहक सीमित राशि रख सकता है, लिहाजा भौतिक कार्ड की तरह उससे ज्यादा राशि का घपला नहीं किया जा सकता।

प्रसाद ने कहा कि नकद लेनदेन को घटाकर तथा पारदर्शी डिजिटल लेनदेन को बढ़ाकर हम भ्रष्टाचार मुक्त वित्तीय लेनदेन को प्रोत्साहन देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। ज्यादा से ज्यादा लोगों को औपचारिक वित्तीय प्रणाली का हिस्सा बनाना, बैंकों एवं अन्य वित्तीय संस्थाओं तक उनकी पहुंच बढ़ाना तथा डीबीटी प्रणालियों को अधिक प्रभावी बनाना हमारे शासन का अनिवार्य अंग है। आइपीपीबी इसमें बड़ी भूमिका निभा रहा है।

जियोफोन ग्राहकों के लिए ऑल-इन-वन प्लान लांच

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- कंपनी ने उतारीं 75, 125, 155 और 185 रुपये की टैरिफ योजनाएं
- सभी योजनाओं में जियो से जियो कॉल पहले की तरह मुफ्त रहेंगी

प्रतीकात्मक

रिलायंस जियो ने अपने जियोफोन ग्राहकों के लिए ऑल-इन-वन योजनाओं की घोषणा की है। आइयूसी पर घमासान के बीच जियो ने स्मार्टफोन यूजर्स के लिए भी ऑल-इन-वन योजनाएं कुछ दिन पहले लांच की थीं। ऑल-इन-वन प्लांस में डेटा के साथ रिलायंस जियो ने आइयूसी कॉलिंग को भी बंडल किया है। जियोफोन उपभोक्ताओं के लिए नए ऑल-इन-वन योजनाओं में भी सभी सेवाओं को एक साथ बंडल किया गया है।

कंपनी ने अनलिमिटेड वॉयस और डाटा के लिए रिलायंस जियो ने एक 75 रुपये वाला प्लान पेश किया है। दावा किया जा रहा है कि अनलिमिटेड वॉयस कॉलिंग और अनलिमिटेड डाटा के लिए यह देश का सबसे किफायती टैरिफ प्लान है। 75 रुपये वाले इस प्लान में 500 मिनट आइयूसी कॉलिंग के साथ तीन जीबी डाटा मिलेगा। जियो से जियो की कॉलिंग पहले की तरह ही फ्री रहेगी।

इसके अलावा जियोफोन ग्राहकों के लिए खासतौर पर बने तीन और ऑल-इन-वन प्लान भी पेश किए गए हैं। जिनकी कीमत 125 रुपये, 155 रुपये और 185 रुपये है। सभी योजनाओं में जियो से जियो कॉलिंग तो फ्री रहेगी ही, साथ ही 500 मिनट आइयूसी कॉलिंग भी मिलेगी। सभी प्लान की अवधि 28 दिनों की है। इन प्लांस की खासियत यह है कि मात्र 30 रुपये अतिरिक्त देकर ग्राहक अपना डाटा डबल कर सकते हैं। 125 रुपये के प्लान में 14-जीबी डाटा मिलता है।

इन्फोसिस मामले में अमेरिकी नियामक ने सेबी से मांगा सहयोग

- अमेरिकी पूंजी बाजार नियामक यूएस सेक भी कर रहा है मामले की जांच
- अमेरिका में कंपनी के निवेशकों हुआ था भारी नुकसान

प्रतीकात्मक

नई दिल्ली, प्रेट्र : अमेरिका के पूंजी बाजार नियामक यूएस सिक्युरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन (यूएस सेक) ने इन्फोसिस मामले की जांच में अपने भारतीय समकक्ष सेबी का सहयोग मांगा है। भारतीय पूंजी बाजार नियामक सेबी पहले से ही इन्फोसिस के शीर्ष अधिकारियों पर लगे आरोपों की जांच कर रहा है। आइटी कंपनी इन्फोसिस भारत और अमेरिका के शेयर बाजारों में सूचीबद्ध है। मामला सामने आने के बाद अमेरिकी शेयर बाजारों में इन्फोसिस के निवेशकों को भारी नुकसान उठाना पड़ा था, जिसके बाद कंपनी के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई थी।

गौरतलब है कि सेबी इस मामले में कंपनी के शीर्ष अधिकारियों द्वारा संवेदनशील जानकारी छिपाने और गवर्नेंस खामियों के आरोपों की जांच कर रहा है। सेबी ने इस मामले में कंपनी से अतिरिक्त जानकारी उपलब्ध कराने को कहा है। इसके अलावा नेशनल फाइनेंशियल रिपोर्टिंग अथॉरिटी (एनएफआरए) से भी इस मामले की जांच करने को कहा गया है। यह संस्था कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय से संबंधित है। इस मामले में अमेरिका की रोजेन लॉ फर्म ने पहले ही कहा था कि वह निवेशकों के नुकसान की भरपाई के लिए इन्फोसिस पर मामला दर्ज कराएगी।

इन्फोसिस के चेयरमैन नंदन नीलकेणि ने शेयर बाजारों को बताया था कि इस मामले में ऑडिट कमेटी द्वारा इंटरनल जांच भी की जा रही है। सेबी की नजर कंपनी के स्वतंत्र निदेशकों पर भी है। इन अधिकारियों पर आरोप है कि इन्होंने व्हिसलब्लोअर्स की शिकायत को शेयर बाजारों के साथ साझा नहीं किया।

गौरतलब है कि खुद को इन्फोसिस के एथिकल एंप्लॉई कहने वाले कुछ अज्ञात कर्मचारियों (व्हिसलब्लोअर्स) ने कंपनी के सीईओ सलिल पारेख और सीएफओ निलांजन रॉय पर अधिक मुनाफा दिखाने के लिए अनुचित कारोबारी नीतियां अपनाने का आरोप लगाया था। शिकायकर्ताओं ने वॉइस रिकॉर्डिंग और ई-मेल जैसे सुबूत होने की बात भी कही थी। इन कर्मचारियों ने बोर्ड को इस बारे में दो पत्र लिखे थे। लेकिन बोर्ड की ओर से कोई जवाब नहीं मिलने पर इन्होंने अमेरिका स्थित 'ऑफिस ऑफ द व्हिसलब्लोअर्स प्रोटेक्शन प्रोग्राम' को इसकी जानकारी दी थी।

जापान की स्टील कंपनियों को मिला भारत में निवेश का निमंत्रण

- इस्पात मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने दी जापान की कंपनियों को भारत में अवसरों के बारे में जानकारी, कहा भारत बड़ा बाजार
- जापान की कंपनियां पहले से भारतीय बाजार में प्रवेश को लेकर दिखा रहीं दिलचस्पी, कुछ आने की तैयारी में

नई दिल्ली, प्रेट्र : इस्पात मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शुक्रवार को टोक्यो में जापान की दो दिग्गज स्टील कंपनियों-- निप्पों स्टील और दाइदो स्टील के प्रतिनिधियों से मुलाकात की और उन्हें भारत में निवेश करने के लिए आमंत्रित किया। प्रधान ग्लोबल फोरम ऑन स्टील एक्सेस कैपिसिटी' (जीएफएसईसी) के दो दिन के सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए जापान की यात्रा पर हैं। उनके साथ वरिष्ठ अधिकारियों का एक दल भी है। जापान की कंपनियां भारत के स्टील सेक्टर में निवेश की दिलचस्पी पहले से दिखा रही हैं। इसे देखते हुए प्रधान के साथ इन दो कंपनियों के अधिकारियों की मुलाकात का विशेष महत्व है।

प्रधान ने ट्वीट किया, 'दाइदो स्टील कंपनी के प्रतिनिधियों से तोक्यो में मिला। दाइदो दुनिया की सबसे बड़ी स्टील कंपनियों में से एक है। यह उच्च कार्यक्षमता के स्टील, चुंबकीय सामग्री, वाहन उद्योग और औद्योगिक उपकरणों के पुर्जों के क्षेत्र में भी काम करती है।' इस कंपनी की भारत में अच्छी मौजूदगी है। प्रधान ने कहा कि उन्होंने इस कंपनी के साथ पहले से चल रहे सहयोग में विस्तार की संभावनाओं पर बातचीत की। इसमें उत्पादन के अच्छे तौर-तरीकों की जानकारी के आदान-प्रदान की बात भी हुई, ताकि मैन्यूफैक्चरिंग की लागत घटाई जा सके।

प्रधान ने एक अन्य ट्वीट में बताया कि उन्होंने निप्पों स्टील कॉरपोरेशन के अधिकारियों के साथ बातचीत में भारत के विशाल बाजार की संभावनाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आर्थिक वृद्धि के साथ देश में स्टील की खपत बढ़ रही है। औद्योगिक अनुमानों के अनुसार भारत दुनियाभर में स्टील की तीसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है। सरकार ने 2030 तक स्टील की प्रति व्यक्ति सालाना औसत खपत 160 किलो तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। फिलहाल यह 61 किलो है, जबकि इसका वैश्विक औसत 208 किलो है।

टाटा मोटर्स के घाटे में आई कमी

नई दिल्ली, प्रेट्र : टाटा मोटर्स को चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में 187.7 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान कंपनी को 1,009.49 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था। कंपनी ने शेयर बाजारों को बताया कि समीक्षाधीन अवधि के दौरान उसका कुल राजस्व 65,431.95 करोड़ रुपये रहा। पिछले साल की इसी अवधि के दौरान यह आंकड़ा 71,981.08 करोड़ रुपये था।

हालांकि कंपनी की ब्रिटिश शाखा जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) ने 15.6 करोड़ पाउंड (करीब 1,400 करोड़ रुपये) का टैक्स पूर्व मुनाफा दर्ज किया। पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान ये 24.6 करोड़ पाउंड रहा था। समीक्षाधीन अवधि में जेएलआर की बिक्री में 2.9 परसेंट की वृद्धि हुई। इस दौरान कंपनी ने 1,34,489 कारें बेचीं। जेएलआर के सीईओ राल्फ स्पेथ ने कहा कि कंपनी ने अपना मुनाफा और राजस्व ग्रोथ फिर से हासिल कर लिया है। हमारी कोशिशों का नतीजा अच्छा रहा है। चीन में किए गए सुधारों के परिणाम नजर आ रहे हैं। हमने चुनौतियों का डटकर मुकाबला किया है।

बेजोस फिसले, बिल गेट्स फिर दुनिया में सबसे अमीर

- अमेजन के मुनाफे में हुई है भारी गिरावट, पिछले वर्ष बेजोस ने गेट्स को छोड़ा था पीछे

प्रतीकात्मक

सिएटल, आइएएनएस : दिग्गज अमेरिकी रिटेलिंग कंपनी अमेजन इंक के सीईओ जेफ बेजोस के सिर से दुनिया के सबसे बड़े धनकुबेर का ताज छिन गया है। माइक्रोसॉफ्ट के सह संस्थापक बिल गेट्स एक बार फिर दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं। अमेजन के तिमाही नतीजे आने के बाद बेजोस की स्टॉक वैल्यू में करीब सात अरब डॉलर की कमी आई है। खराब तिमाही नतीजों के चलते गुरुवार को अमेजन के शेयरों में सात परसेंट की गिरावट दर्ज की गई थी। इसके बाद बेजोस की संपत्ति घटकर 103.9 अरब डॉलर (7.27 लाख करोड़ रुपये से कुछ ही ज्यादा) बची। बिल गेट्स की संपत्ति इस समय 105.7 अरब डॉलर है।

गौरतलब है कि 24 वर्षों तक दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति रहे गेट्स को पीछे छोड़ते हुए पिछले वर्ष बेजोस सबसे बड़े धनकुबेर बन गए थे। बेजोस 160 अरब डॉलर (11.2 लाख करोड़ रुपये) की संपत्ति तक पहुंचने वाले दुनिया के पहले व्यक्ति थे। अब एक बार फिर गेट्स पहले स्थान पर काबिज हो गए हैं।

अमेजन ने अपने तिमाही नतीजों में बताया है कि इसके शुद्ध मुनाफे में 26 परसेंट की गिरावट आई है। 2017 के बाद ये पहली बार है, जब कंपनी के मुनाफे में गिरावट देखी गई है। नतीजों के बाद कंपनी के शेयरों को नौ परसेंट की गिरावट का सामना करना पड़ा।

आरसेप पर दो-टूक फैसला लेना मुश्किल

जयप्रकाश रंजन, नई दिल्ली

- एक हफ्ते बाद बैंकॉक में आसियान देशों की बैठक में आरसेप रहेगा सबसे बड़ा मुद्दा
- सस्ते आयात को लेकर आश्वस्त होने के बाद ही पत्ते खोलेगा भारत
- आरसेप के 15 देशों में से 11 के साथ भारत का व्यापार घाटा नकारात्मक

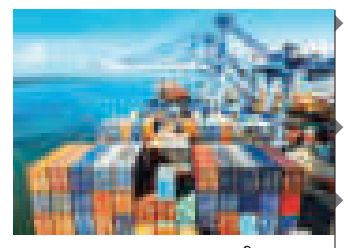

प्रतीकात्मक

मोईली ने पीएम को लिखा पत्र

पूर्व केंद्रीय मंत्री वीरप्पा मोईली ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर आरसेप पर अपनी चिंता से अवगत कराया है। मोईली ने पत्र में आग्रह किया है कि दुग्ध उत्पादों, सुपारी और काली मिर्च को मुक्त व्यापार के दायरे से बाहर रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसान समुदाय असामयिक बारिश और बाढ़ के चलते पहले ही बेहद दबाव में है। ऐसे में इन उत्पादों पर मुक्त व्यापार से किसानों को बड़ा नुकसान होगा।

रीजनल कांप्रिहेंसिव इकोनॉमिक पार्टनरशिप (आरसेप) को लेकर आसियान की अहम बैठक एक हफ्ते बाद बैंकॉक में होने वाली है लेकिन भारत अभी तक इस पर दो टूक राय नहीं बना पाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुआई में कई बार उच्चस्तरीय बैठक होने के बावजूद इस बात की गुंजाइश कम ही है कि भारत आगामी बैठक में आरसेप को हरी झंडी दिखा देगा। चीन समेत दूसरे देशों से आयात के बढ़ने की संभावना अभी भी भारत की सबसे बड़ी चिंता है। सूत्रों के मुताबिक अब आसियान बैठक के दौरान उच्चस्तरीय चर्चा में आरसेप के दूसरे सदस्य देशों की तरफ से आने वाले प्रस्ताव को देखने के बाद ही कोई अंतिम फैसला होगा।

उधर, भारत की कई निजी एजेंसियों ने आरसेप पर जारी अपनी रिपोर्ट में कहा है कि मौजूदा स्वरूप में आरसेप से भारत को कारोबारी तौर पर बहुत फायदा होने की गुंजाइश कम ही है। हालांकि यह भी माना गया है कि यह समझौता भारत के लिए रणनीतिक तौर पर फायदे देने वाला हो सकता है लेकिन इसकी आर्थिक कीमत बड़ी हो सकती है। भारतीय स्टेट बैंक के प्रमुख आर्थिक सलाहकार डॉ. सौम्या कांति घोष की रिपोर्ट के मुताबिक भारत की सबसे बड़ी समस्या यह है कि आरसेप में शामिल दूसरे 15 देशों में से 11 देशों के साथ भारत का व्यापार घाटा नकारात्मक है। यानी इन देशों से आयात ज्यादा किया जाता है व निर्यात कम होता है। वर्ष 2017-18 में इन देशों के साथ व्यापार घाटा 107.28 अरब डॉलर का था। भारत के कुल आयात में इन देशों की हिस्सेदारी 34 फीसद है जबकि निर्यात में हिस्सा 21 फीसद है। यही नहीं, आशंका यह भी है कि जिन देशों के साथ भारत का व्यापार घाटा सकारात्मक है, आरसेप समझौते पर हस्ताक्षर के बाद वह भी नकारात्मक हो सकता है। मसलन, दुग्ध उत्पादों का आयात भारत अभी कम करता है लेकिन आरसेप में शामिल होने के बाद न्यूजीलैंड व ऑस्ट्रेलिया से दुग्ध उत्पाद काफी बढ़ सकता है।

उधर, मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस भी इस मुद्दे पर सरकार की मंशा पर सवाल उठाकर दबाव बनाने लगी है। कांग्रेस ने कहा है कि अगर भारत आरसेप में शामिल होता है तो चीन से आयात होने वाले 80 प्रतिशत उत्पादों पर आयात शुल्क घट जाएगा या वे उत्पाद शुल्क-मुक्त हो जाएंगे। इस बारे में पूछने पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रवीश कुमार का कहना है कि अगले हफ्ते बैंकॉक में होने वाली बैठक तक हमें आरसेप में शामिल होने या नहीं होने को लेकर कयास नहीं लगाने चाहिए। भारत का उच्चस्तरीय दल में उसमें हिस्सा लेगा जिसमें तमाम मुद्दों पर बात होगी। एक बात तय है कि भारत उस सभी बहुराष्ट्रीय समझौते में शामिल होने को तैयार है जिसमें कारोबार से जुड़े हमारे घरेलू संवेदनशील मसलों को भी ध्यान में रखा जाए। यह सबसे जरुरी है।

रौनक

ह्युंडई, किया और एमजी रहीं कारें डिलीवर करने में आगे, मारुति सुजुकी ने अच्छे कारोबार की बात कही

धनतेरस के मौके पर 15 हजार कारों की डिलीवरी

नई दिल्ली, प्रेट्र : धनतेरस के मौके पर ऑटो बाजार में रौनक रही। इस दौरान ह्युंडई मोटर इंडिया, किया मोटर्स और एमजी मोटर्स जैसी कार कंपनियों ने 15 हजार से ज्यादा कारों की डिलीवरी की। हिंदू मान्यताओं के मुताबिक धनतेरस का दिन बहुत शुभ माना जाता है, जिस वजह से ज्यादातर ग्राहकों ने इसी दिन वाहनों की डिलीवरी मांगी थी।

देश की दूसरी बड़ी यात्री कार निर्माता कंपनी ह्युंडई ने बताया कि उसने 12,500 कारों को ग्राहकों तक पहुंचाया। वहीं किया मोटर्स ने 2,184 यूनिट्स कारें ग्राहकों को डिलीवर कीं। एमजी मोटर इंडिया ने भी 700 एसयूवी हेक्टर की चाबियां उनके मालिकों के हवाले कीं। इनमें से 200 कारें सिर्फ राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में डिलीवर की गईं। भारतीय कार बाजार की अग्रणी कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने भी इस दौरान अच्छी बिक्री होने की बात कही है, लेकिन कंपनी ने कोई आंकड़ा जारी नहीं किया है।

किया मोटर इंडिया के सेल्स एंड मार्केटिंग हैड मनोहर लाल भट्ट ने कहा कि धनतेरस के मौके पर 2,184 सेल्टॉस को ग्राहकों के हवाले करके हमने अपना वादा निभाया है। उन्होंने बताया कि कंपनी को सेल्टॉस के लिए रिकॉर्ड बुकिंग मिली थी, जिसे समय पर डिलीवर करना था। कंपनी ने दूसरे चरण का उत्पादन शुरू कर दिया है। उधर एमजी मोटर इंडिया के सेल्स डायरेक्टर राकेश सिदाना ने भी अपने हेक्टर मॉडल की रिकॉर्ड एकदिनी डिलीवरी की बात कही है। उन्होंने कहा कि अब तक इस मॉडल के लिए 38 हजार बुकिंग मिल चुकी हैं। इसे समय पर डिलीवर करने के लिए कंपनी नवंबर से शुरू हो रहे दूसरे चरण में अपना उत्पादन बढ़ाएगी।

प्रतीकात्मक

धनतेरस पर चमके सोना-चांदी

नई दिल्ली, प्रेट्र : शुक्रवार को धनतेरस के मौके पर सोने की कीमतों में चमक देखी गई। इस दौरान पीली धातु 220 रुपये सुधार के साथ 39,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के हिसाब से बिकी। इससे पहले गुरुवार को सोना 39,020 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था। दूसरी ओर चांदी के दाम में भी 670 रुपये की तेजी दर्ज की गई। दिन के कारोबार में यह 47,680 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव पर बंद हुई। हालांकि पिछले वर्ष के मुकाबले इस वर्ष बाजारों में सोना और चांदी की खरीद में करीब 40 परसेंट की गिरावट देखी गई है। खुदरा कारोबारियों के संगठन कैट का कहना है कि इस वर्ष धनतेरस की शाम तक लगभग 6,000 किलोग्राम सोने की खरीद हुई। पिछले वर्ष ग्राहकों ने धनतेरस के मौके पर 17,000 किलोग्राम सोने की खरीदारी की थी। उन्होंने यह भी कहा कि पिछले एक दशक में यह धनतेरस का सबसे खराब दिन साबित हुआ है। हालांकि ज्वैलरी क्षेत्र के शीर्ष संगठन ऑल इंडिया जेम एंड ज्वैलरी डोमेस्टिक काउंसिल (जीजेसी) के चेयरमैन अनंत पद्मनाभन ने कहा कि वॉल्यूम के लिहाज से इस वर्ष बिक्री में 20 परसेंट तक गिरावट की उम्मीद पहले से थी। हालांकि वैल्यू यानी दाम के लिहाज से इस वर्ष बिक्री की रकम लगभग बराबर रही है, क्योंकि सोने का भाव बढ़ा है।

ज्वैलरी स्टॉक्स में गिरावट

नई दिल्ली, प्रेट्र : शुक्रवार के कारोबार में ज्वैलरी स्टॉक्स में 6 .6 परसेंट तक की गिरावट देखी गई। दिन के कारोबार में त्रिभुवनदास भीमजी जावेरी के शेयरों में 6 .65, थंगामायिल ज्वैलर्स में 4 .81, पीसी ज्वैलर्स में 4 .07 और टाइटन इंडस्ट्रीज के शेयरों में 2 .94 परसेंट की गिरावट दर्ज की गई। पूरे उत्तर और पश्चिम भारत में धनतेरस के त्योहार को सोने-चांदी की खरीद के लिए शुभ माना जाता है। इस दिन लोगों ने इन मंहगी धातुओं में अच्छा निवेश किया, लेकिन इसके लिए ज्वैलरी की जगह सिक्कों को अधिक महत्व दिया गया। इसके चलते निवेशकों ने ज्वैलरी स्टॉक्स में ज्यादा रुचि नहीं दिखाई।

पॉजिटिव मूड के साथ शेयर बाजारों में सप्ताह का अंत

- यस बैंक के शेयरों में सबसे ज्यादा उछाल, एसबीआइ के शेयरों का प्रदर्शन भी रहा शानदार

मुंबई, प्रेट्र : शुक्रवार को मिलेजुले घरेलू संकेतों के चलते प्रमुख भारतीय शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। दिन के कारोबार में बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 37.67 अंक यानी 0.10 परसेंट सुधार के साथ 39,058.06 के स्तर पर बंद हुआ। इंट्रा-डे में इसमें 523 अंक का उतार-चढ़ाव देखा गया। वहीं एनएसई का 50 शेयरों वाला निफ्टी 1.30 अंक के मामूली सुधार के साथ 11,583.90 पर बंद हुआ।

शुक्रवार के कारोबार में यस बैंक के शेयरों में सबसे ज्यादा 7.97 परसेंट का इजाफा हुआ। वहीं बेहतर तिमाही नतीजों के चलते एसबीआइ के शेयरों में 7.19 परसेंट की तेजी देखी गई। इसके अलावा आइसीआइसीआइ बैंक, सन फर्मा, टीसीएस, एचसीएल टेक, मारुति सुजुकी, भारती एयरटेल और इन्फोसिस के शेयरों में 3.18 परसेंट तक की वृद्धि दर्ज की गई। दूसरी ओर टाटा मोटर्स, वेदांता, एचडीएफसी, कोटक बैंक, हीरो मोटोकॉर्प और एनटीपीसी के शेयरों में 4.87 परसेंट तक की गिरावट दर्ज की गई। एशिया के अन्य बाजारों में भी मिलाजुला रुख रहा। वहीं सत्र के शुरुआती कारोबार में यूरोप के बाजारों में गिरावट देखी गई।

कैपिटलऐम के रिसर्च हैड रोमेश तिवारी के मुताबिक कंपनियों के तिमाही नतीजों का असर इनके स्टॉक्स के साथ ही ऑटो, रियल्टी जैसे सेक्टर पर भी पड़ेगा। इस दौरान बड़े निजी बैंक द्वारा बाजार की दूसरी कंपनियों की अपेक्षा बेहतर प्रदर्शन करने की उम्मीद है। लगातार कई सत्रों से बेहतर प्रदर्शन कर रहे शेयर बाजारों पर इन्फोसिस मामले का गहरा प्रभाव देखा गया था। इसके चलते शेयर बाजार दबाव में थे। हालांकि बाद के सत्रों में इसमें फिर से सुधार हुआ। लेकिन सप्ताह के कारोबार में सेंसेक्स को 240.32 अंक का नुकसान हुआ।

47.1 फीसद मत मिले हैं बोलीविया के राष्ट्रपति इवो मोरालेस को देश में हुए आम चुनावों में, जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी कार्लोस मेसा ने 36.5 प्रतिशत वोट हासिल किए हैं। यह जानकारी देश के सुप्रीम इलेक्ट्रोलर ट्रिब्यूनल ने दी।

भारत के तेवर पर पाक समर्थकों के खिलाफ सक्रिय हुई लंदन पुलिस

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

कश्मीर मुद्दे पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर समर्थन जुटाने की पाकिस्तान की करतूतें अब उजागर होने लगी हैं। इसके पीछे भारत की सक्रिय कूटनीति भी है, जो पाकिस्तान के समर्थन से चल रही भारत विरोधी गतिविधियों के बारे में लगातार दूसरे देशों को सतर्क कर रही है। इसका नतीजा यह हुआ है कि लंदन की मेट्रोपोलिटन पुलिस ने पाकिस्तान समर्थक ऐसे संगठनों पर नकेल कसना शुरू कर दिया है। इन संगठनों ने पिछले महीने भी भारतीय उच्चायोग के सामने हिंसक प्रदर्शन किया था और अगले रविवार के लिए भी इनकी ऐसी ही तैयारी थी। लेकिन अब लंदन प्रशासन ने आगामी प्रदर्शन पर रोक लगाते हुए भारत सरकार को भी आश्वस्त किया है कि उसके उच्चायोग के कामकाज में व्यवधान डालने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

पाकिस्तान की शह पर फलने-फूलने वाले ऐसे संगठनों का नाम सामने आया है। वे हैं-मुस्लिम एक्शन फोरम, वर्ल्ड मुस्लिम फेडरेशन, पाकिस्तान पेट्रियोटिक फ्रंट, ओवरसीज पाकिस्तान वेलफेयर काउंसिल,

पाक समर्थित सात विदेशी संगठन भारत विरोधी अभियान में जुटे, कार्रवाई शुरू

जम्मू-कश्मीर नेशनल (जेकेएन), अवामी पार्टी और पीटीआइ (आजाद जम्मू व कश्मीर)। भारतीय एजेंसियों के सूत्रों के मुताबिक इन सभी दलों को पाकिस्तान सरकार मदद कर रही है। इनके बीच संपर्क स्थापित करने से लेकर प्रदर्शन की रणनीति तक बनाने में पाकिस्तानी सरकार सहयोग कर रही है।

4 सितंबर, 2019 को ब्रिटेन में भारत विरोधी प्रदर्शन में शामिल होने के लिए पाकिस्तान से कई लोग लंदन गये थे। पाकिस्तान की कोशिश थी कि मुस्लिम एक्शन फोरम, पाकिस्तान पेट्रियॉटिक फ्रंट, जेकेएन जैसे दलों के जरिए 28 अक्टूबर की रैली में 40 हजार लोगों को जमा किया जाए। बहरहाल, लंदन पुलिस ने इस रैली के भारतीय उच्चायोग के पास पहुंचने पर रोक लगा दी है।

सनद रहे कि भारतीय विदेश मंत्रालय ने एक दिन पहले ही उन देशों को सख्त हिदायत दी है जहां भारत विरोधी कार्यक्रमों को आयोजित किया जा रहा है।

'अमेरिकी संसदीय समिति में एकतरफा हुई चर्चा'

वाशिंगटन, प्रेट्र : कश्मीरी पंडितों के शीर्ष संगठन ने कश्मीर मुद्दे पर अमेरिकी संसदीय समिति में हुई चर्चा को पूरी तरह एकतरफा करार देते हुए समिति के चेयरमैन ब्रैड शरमन को पत्र लिखा है। कश्मीरी ओवरसीज एसोसिएशन (केओए) ने पत्र में कहा है कि 22 अक्टूबर को संसदीय समिति में हुई चर्चा के दौरान जम्मू-कश्मीर के उस मूल समुदाय (कश्मीर पंडित) को छोड़ दिया गया, जिसके खिलाफ पिछले 30 वर्षों से मानवाधिकारों का उल्लंघन हो रहा है। इस चर्चा का लक्ष्य 'दक्षिण एशिया में मानवाधिकार' की स्थिति को सामने लाना था।

विदेश मामलों की समिति की 'एशिया, प्रशांत व अप्रसार' उप समिति के अध्यक्ष शरमन को लिखे पत्र में केओए ने कहा, 'हमारा पक्ष लिए बिना की गई चर्चा ने हिंदू विरोधी भावना को बढ़ावा दिया, जिससे अमेरिका और दुनियाभर में मुस्लिम आबादी को खुश करने के लिए भारत विरोधी प्रचार को बल मिला। हालांकि, आपने अलग-

कश्मीरी पंडितों के शीर्ष संगठन ने समित के चेयरमैन ब्रैड शरमन को लिखा पत्र। फाइल

अलग दृष्टिकोण के लोगों को आमंत्रित किया था, लेकिन चर्चा एक पक्षीय हुई। इसमें स्पष्ट तौर पर छह में से केवल तीन पैनलिस्टों का जोर रहा।' पत्र में कहा गया है कि वरिष्ठ पत्रकार आरती टिक्कू सिंह वर्ष 1990 में कश्मीरी हिंदुओं के क्रूर और जबरन पलायन का शिकार हुईं। एक पखवाड़े पहले तक वह घाटी में थीं। उनके अलावा और कौन वहां की स्थिति के बारे में बात कर सकता है? लेकिन उन्हें बोलने से बार-बार रोका गया।

अमेरिका ने कश्मीर में सामान्य स्थिति बहाली पर भारत से योजना मांगी

प्रथम पृष्ठ का शेष

अमेरिका ने भारत से जानना चाहा है कि कश्मीर में राजनीतिक और आर्थिक स्थिति को सामान्य बनाने के लिए उसकी क्या योजना है। साथ ही सभी राजनीतिक बंदियों को जल्द से जल्द रिहा करने की मांग भी की है। दक्षिण एवं मध्य एशिया मामलों की अमेरिकी कार्यवाहक सहायक विदेश मंत्री एलिस जी वेल्स ने कहा कि अनुच्छेद 370 को खत्म करने के फैसले के बाद से कश्मीर में लोगों को रोजमर्रा की जिंदगी पर पड़े प्रभावों को लेकर अमेरिका चिंतित है। मोबाइल पोस्टपैड कनेक्शन शुरू किए जाने से हालात में कुछ प्रगति हुई है। लेकिन हालात को सामान्य बनने तक दबाव बनाना जारी रखेगा।

ह्वाइट हाउस में नहीं दिखेंगे न्यूयॉर्क टाइम्स और वाशिंगटन पोस्ट अखबार

वाशिंगटन, आइएएनएस : अमेरिका के राष्ट्रपति भवन ह्वाइट हाउस में अब न्यूयॉर्क टाइम्स और वाशिंगटन पोस्ट अखबार दिखाई नहीं देंगे। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका के इन दोनों प्रमुख अखबारों के सब्सक्रिप्शन को रद कर दिया है। उन्होंने सभी संघीय एजेंसियों को भी ऐसा करने का आदेश दिया है। ट्रंप ने हफ्तेभर पहले ही अपने इस कदम का संकेत दिया था।

ह्वाइट हाउस की प्रेस सचिव स्टेफनी ग्रिशमी ने गुरुवार को कहा, 'सभी संघीय एजेंसियां सब्सक्रिप्शन का नवीनीकरण नहीं कर रही हैं। खर्च में कटौती करदाताओं के लिए अहम होगी।' अधिकारियों ने बताया कि ह्वाइट हाउस में अब वाल स्ट्रीट, यूएसए टुडे, फाइनेंशियल टाइम्स और न्यूयॉर्क पोस्ट अखबार ही लिए जाएंगे।

ट्रंप ने गत सोमवार को एक इंटरव्यू में कहा था, 'न्यूयॉर्क टाइम्स फेक न्यूजपेपर है। इसे हम ह्वाइट हाउस में अब नहीं चाहते। हम इसे और वाशिंगटन पोस्ट को संभवतः बंद करने जा रहे हैं। ये फेक हैं।' अखबार का सब्सक्रिप्शन रद किए जाने पर न्यूयॉर्क टाइम्स के सीओओ मेरेडिथ लेविएन ने ट्रंप पर कटाक्ष करते हुए कहा, 'वह शायद ही हमारे सबसे

- **राष्ट्रपति ट्रंप ने रद किया दोनों अखबारों का सब्सक्रिप्शन**
- **पढ़ने को मिलेंगे वाल स्ट्रीट, यूएसए टुडे, फाइनेंशियल टाइम्स और न्यूयॉर्क पोस्ट**

मीडिया के खिलाफ ट्रंप का रुख सख्त

सत्ता संभालने के साथ ही ट्रंप का अमेरिकी मीडिया के प्रति रुख सख्त रहा है। वह कई बार मीडिया को फेक न्यूज करार दे चुके हैं। वह खासतौर से अमेरिकी चुनाव में रूस के कथित दखल को लेकर सीएनएन, न्यूयॉर्क टाइम्स और वाशिंगटन पोस्ट की खबरों को लेकर इन अखबारों की निंदा करते हैं।

वफादार पाठक होंगे।'

केनेडी ने भी लगाई थी रोक : ट्रंप ह्वाइट हाउस में किसी अखबार पर रोक लगाने वाले पहले अमेरिकी राष्ट्रपति नहीं हैं। दिवंगत राष्ट्रपति जॉन एफ केनेडी ने भी अपने कार्यकाल के दौरान न्यूयॉर्क हेराल्ड ट्रिब्यून अखबार का सब्सक्रिप्शन रद कर दिया था।

न्यूज गैलरी

ब्राजील जाने के लिए अब वीजा जरूरी नहीं

बीजिंग : सैर सपाटे या कारोबार के लिए ब्राजील जाने वाले भारतीयों को अब वीजा की जरूरत नहीं पड़ेगी। लैटिन अमेरिकी देश ब्राजील के राष्ट्रपति जेयर बोलसोनारो ने भारत के साथ ही चीन के पर्यटकों और कारोबारियों को वीजा से छूट की घोषणा की है। ब्राजीली अखबार फोल्हा डी एस .पाउलो के मुताबिक चीन के पहले आधिकारिक दौरे पर पहुंचे बोलसोनारो ने गुरुवार को यहां एक बैठक में कहा, 'शुरुआत में कोई पारस्परिकता नहीं होगी। अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, जापान और कनाडा को अल्प अवधि के पर्यटन एवं व्यवसाय वीजा में पहले से ही छूट मिली है। अगला देश भारत होना चाहिए।' भारत और चीन दोनों ही ब्रिक्स देश सदस्य हैं। इन दोनों देशों के अलावा ब्रिक्स में ब्राजील, रूस और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं। बोलसोनारो ने शुक्रवार को यहां चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग और प्रधानमंत्री ली केकियांग से मुलाकात की। (प्रेट्र)

इराक में विरोध प्रदर्शन के दौरान 23 की मौत

बगदाद : इराक की राजधानी बगदाद में शुक्रवार को विरोध प्रदर्शन के दौरान 23 लोगों की मौत हो गई। राजधानी समेत समूचे इराक में हुए प्रदर्शनों में 1800 से ज्यादा लोग घायल भी हुए हैं। नसीरिया शहर में जुटे हजारों प्रदर्शनकारियों ने सरकारी इमारतों में आग लगा दी। सरकार के विरुद्ध इस महीने शुरू हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान अभी तक 157 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें आठ सुरक्षाकर्मी भी शामिल हैं। इराक में बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और वर्तमान राजनीतिक प्रणाली को उखाड़ फेंकने की मांग करते हुए लोग सड़कों पर उतर आए हैं। सरकार विरोधी प्रदर्शनों को देखते हुए प्रधानमंत्री अदेल अब्दुल महदी ने अपनी कैबिनेट में बड़े फेरबदल का संकेत दिया है। महदी ने गुरुवार को आगाह किया था कि सरकार के गिर जाने से देश गहरे संकट में जा सकता है। (रायटर)

राजपक्षे ने किया भारत से रिश्ते प्रगाढ़ करने का दावा

कोलंबो : श्रीलंका में 16 नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में भारत के साथ संबंधों को भी मुद्दा बनाया जा रहा है। श्रीलंका पोदुजना पेरुमना (एसएलपीपी) पार्टी ने अपने घोषणा पत्र में वादा किया है कि अगर उसके उम्मीदवार गोतभाया राजपक्षे सत्ता में आए तो भारत और क्षेत्र के दूसरे देशों के साथ संबंधों को प्रगाढ़ किया जाएगा। राष्ट्रपति चुनाव में कुल 35 उम्मीदवार खड़े हैं। विपक्षी दल एसएलपीपी का घोषणा पत्र शुक्रवार को जारी किया गया। इसमें सार्क और बिम्सटेक देशों के साथ संबंधों का भी जिक्र किया गया है। सिंहली भाषा में जारी किए गए घोषणापत्र में कहा गया है, 'हमारा मकसद क्षेत्रीय सुरक्षा को लेकर भारत, सार्क और बिम्सटेक देशों के साथ बेहतर समझ को बढ़ावा देने का है।' गोतभाया (70) पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे के छोटे भाई हैं। (प्रेट्र)

इमरान सरकार ने मौलाना फजलुर से जुड़े संगठन पर लगाई रोक

उठाया कदम ▶ अधिसूचना जारी, कहा- सैन्य संगठन जैसी उलमा-ए-इस्लाम की कार्यप्रणाली

रहमान ने पाकिस्तान सरकार के खिलाफ आजादी मार्च का किया है एलान

इस्लामाबाद, प्रेट्र : इमरान खान के नेतृत्व वाली पाकिस्तान सरकार ने मौलाना फजलुर रहमान के नेतृत्व वाले उलमा-ए-इस्लाम से जुड़े संगठन अंसारुल इस्लाम पर रोक लगा दी है। माना जा रहा है कि सरकार विरोधी प्रदर्शन को कमजोर करने के लिए यह कदम उठाया गया है। मौलाना फजलुर ने इमरान सरकार के खिलाफ 31 अक्टूबर को राजधानी इस्लामाबाद में आजादी मार्च निकालने का एलान किया है।

गृह मंत्रालय ने अंसारुल इस्लाम पर प्रतिबंध लगाने के लिए गुरुवार को अधिसूचना जारी की। इसमें कहा गया है, 'इस संगठन की कार्यप्रणाली किसी सैन्य संगठन जैसी है।' मौलाना फजलुर के आजादी मार्च को पीएमएल-एन और पीपीपी समेत सभी बड़े विपक्षी दलों ने अपना समर्थन दिया है। फजलुर ने सरकार के इस्तीफे की मांग करते हुए आरोप लगाया है कि इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआइ) पार्टी ने पिछले साल जुलाई में हुए चुनाव को धांधली से जीता था। अंसारुल इस्लाम हाल में उस समय चर्चा में आया था, जब इसने सेना की तरह एक परेड की थी। इसमें फजलुर को गार्ड ऑफ ऑनर की तर्ज पर सलामी दी गई थी। इस संगठन के हजारों अनुयायी माने जाते हैं। इसके सदस्य आमतौर पर अपने साथ लाठी रखते हैं।

नवाज शरीफ की हालत बेहद गंभीर, मिली जमानत

- **डॉक्टर ने कोर्ट से कहा, तत्काल इलाज नहीं किया गया तो खतरे में पड़ सकती है पूर्व प्रधानमंत्री की जान**
- **शरीफ को हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज और दिल संबंधी परेशानियों के साथ-साथ आइटीपी ने घेरा**

इस्लामाबाद, आइएएनएस : पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ (69) की हालत बेहद गंभीर है। उनकी जांच करने वाले एक डॉक्टर ने शुक्रवार को इस्लामाबाद हाई कोर्ट को यह जानकारी दी। इसके बाद कोर्ट ने शरीफ को भ्रष्टाचार के मामले में सुनाई गई सजा को निलंबित करने और जमानत की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए उन्हें चिकित्सा आधार पर जमानत दे दी। यह याचिका नवाज के भाई शहबाज शरीफ की तरफ से गुरुवार को दाखिल की गई थी।

जस्टिस आमिर फारूक और मोहसिन अख्तर कयानी की पीठ ने याचिका पर सुनवाई के दौरान नवाज के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी मांगी। इस पर सर्विसेज हॉस्पिटल के चिकित्सा अधीक्षक सलीम चीमा ने कोर्ट को बताया कि शरीफ की हालत बेहद गंभीर है। उन्होंने कहा, 'शरीफ की कई जांच कराई जानी हैं। लेकिन उनकी तबीयत बेहतर होने तक सभी को रोक दिया गया है। अगर तत्काल इलाज नहीं किया गया तो शरीफ की जान और खतरे में पड़ सकती है। शरीफ को हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, दिल संबंधी परेशानी है। उन्हें आइटीपी नामक एक ऐसी बीमारी हो गई है, जिसमें प्लेटलेट्स लगातार खत्म होते जाते हैं।' सुनवाई के दौरान शरीफ के वकील ने स्वास्थ्य आधार पर उनकी

लौहार में नवाज शरीफ को जमानत मिलने की खबर सुनने के बाद जश्न मनाते समर्थक। एएफपी

जमानत की मांग की, जिसका सरकारी वकील ने विरोध नहीं किया।

इमरान ने भी जताई चिंता : पीएम इमरान खान भी शरीफ के खराब स्वास्थ्य पर चिंता जता चुके हैं। उन्होंने शरीफ को बेहतर इलाज मुहैया कराने के आदेश दिए हैं। इमरान ने शरीफ की बेटी मरयम को भी पिता के साथ रखने का आदेश दिया है। गुरुवार को अस्पताल में नवाज से मिलने गई मरयम की तबीयत भी बिगड़ गई थी। बता दें कि भ्रष्टाचार के मामले में नवाज शरीफ को सात साल की सजा हुई है।

मानवाधिकार कार्यकर्ता गुलालाई इस्माइल के पिता का अपहरण

वाशिंगटन, एएनआइ : पाकिस्तान में महिलाओं और अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न के खिलाफ आवाज बुलंद करने वाली गुलालाई इस्माइल ने कहा है कि पेशावर से उनके पिता को अगवा कर शुक्रवार को जब कोर्ट में पेश किया गया तो उनकी हालत खराब थी। उनकी हालत से स्पष्ट था कि बंदी बनाकर उनका शारीरिक उत्पीड़न किया गया। अमेरिका ने गुलालाई के पिता की हिरासत पर चिंता जताई है। कहा है कि गुलालाई का परिवार लगातार उत्पीड़न झेल रहा है। गुलालाई ने मामले में पाकिस्तानी मीडिया की आपराधिक चुप्पी पर सवाल उठाते हुए उसकी निंदा की है।

पाकिस्तान से भागकर अमेरिका पहुंचीं गुलालाई ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान में हो रहे अल्पसंख्यकों और महिलाओं के उत्पीड़न की तमाम दास्तानें उजागर की हैं। वह पाकिस्तानी में मौजूद अपने परिवार के उत्पीड़न की आशंका भी जता रही थीं। गुरुवार को ट्वीट कर उन्होंने बताया कि इस्लामी मिलीशिया की पोशाक में आए कई लोगों ने पेशावर हाई कोर्ट के बाहर से उनके पिता का अपहरण कर लिया गया था। अमेरिका ने गुलालाई के पिता की स्थिति पर चिंता जताते हुए पाकिस्तान से कहा है कि वह नागरिकों के अधिकारों की बहाली करे। अमेरिका की ओर से यह अपेक्षा वहां की

- **अमेरिका ने जताई चिंता, कहा- बहाल किए जाएंगे नागरिक अधिकार**
- **पाक का पर्दाफाश करने के बाद गुलालाई ने ली है अमेरिका में शरण**

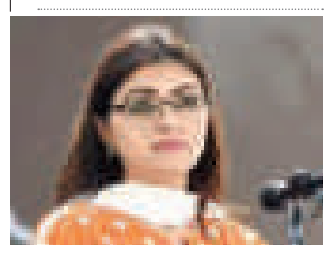

गुलालाई इस्माइल। फाइल

दक्षिण-मध्य एशिया मामलों की सहायक मंत्री एलिस वेल्स ने की है।

एलिस के ट्वीट को रीट्वीट कर गुलालाई ने लिखा- 'अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने मेरे पिता की हिरासत पर चिंता जताई है। लेकिन जो नागरिक मानवाधिकारों के हनन के कारण रोज उत्पीड़न का शिकार हो रहे हैं, उनके चलते पाकिस्तान की छवि खराब हो रही है।' गुलालाई ने कहा, उनके पिता को आतंकित किए जाने की घटना वास्तव में उन महिलाओं को डराने का प्रयास है जो पाकिस्तान में अपने अधिकार मांगने की हिम्मत जुटा रही हैं।

समझौते के बाद रूस ने सीरिया में बढ़ाई सैनिकों की तैनाती

मॉस्को, रायटर : तुर्की के साथ हुए समझौते के बाद रूस ने सीरिया के उत्तर-पूर्वी इलाके में अपने 300 सैनिक और तैनात कर दिए हैं। रूसी सैनिक तुर्की से सटे सीरिया के सीमावर्ती इलाके में गश्त करेंगे। रूस के रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। बीते मंगलवार को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैय्यप एर्दोगन ने समझौता किया था। इसके तहत सीरिया के सीमावर्ती इलाके से कुर्द समर्थित वाइपीजी लड़ाकों को बाहर किया जाना है।

रूस ने दावा किया है कि सीरिया में शांति के लिए किया गया संघर्षविराम पूरी तरह सफल है। रूसी न्यूज एजेंसी आरआइए के मुताबिक, सीरियन डेमोक्रेटिक फोर्सेज (एसडीएफ) ने बताया है कि उत्तरपूर्वी सीमा से कुर्द लड़ाके पहले ही हट चुके हैं। सीरिया से अमेरिका द्वारा अपने सैनिकों को वापस बुलाने के एलान के बाद तुर्की ने इन इलाकों में कुर्दों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी थी। शांति समझौते के बाद इस कार्रवाई को फिलहाल रोक दिया गया है। एसडीएफ ने हालांकि तुर्की पर संघर्षविराम के उल्लंघन का आरोप लगाया है।

रूसी सैनिक ने साथियों पर बरसाईं गोलियां, आठ की मौत

मॉस्को, एएफपी : रूस के साइबेरिया प्रांत में शुक्रवार को एक सैनिक ने अपने साथियों पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दीं। इसमें आठ सैनिकों की मौत हो गई और दो घायल हो गए। यह घटना पूर्वी साइबेरिया में चीता क्षेत्र के एक सैन्य अड्डे में हुई। अधिकारियों ने बताया कि सैनिक की मानसिक दशा ठीक नहीं थी। रूसी न्यूज एजेंसियों ने सेना के बयान के हवाले से बताया, 'हमलावर सैनिक को गिरफ्तार कर लिया गया है' जबकि रक्षा मंत्रालय ने प्रारंभिक सूचना के आधार पर कहा, 'सैनिक का कृत्य मानसिक दशा ठीक नहीं होने का नतीजा हो सकता है।'

सैन्य ठिकाना बनाए रखने पर विचार कर रहा अमेरिका : अमेरिका के एक रक्षा विशेषज्ञ के अनुसार, सीरिया में रूस की फिर से बढ़ती सैन्य उपस्थिति को देखते हुए अमेरिका वहां अपना सैन्य ठिकाना बनाए रखने पर विचार कर रहा है।

39 लाशों के मामले में मानव तस्करी का शक

ग्रेस, रायटर : 39 लाशों के साथ लंदन के निकट पकड़े गए ट्रक से संबंधित मामले में पुलिस ने एक महिला और एक पुरुष को गिरफ्तार किया है। ट्रक का ड्राइवर पहले ही हिरासत में है। ब्रिटेन की पुलिस इसे मानव तस्करी का मामला मानकर जांच आगे बढ़ा रही है। इस बीच चीन ने मामले को गंभीर बताते हुए ब्रिटेन से दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के लिए कहा है।

पुलिस सूत्रों ने बताया है कि उत्तर-पश्चिम इंग्लैंड स्थित वैरिंग्टन से 38-38 साल के आदमी और औरत को गिरफ्तार किया गया है। दोनों पर मानव तस्करी में शामिल होने का शक है। 25 वर्षीय ट्रक ड्राइवर पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। वह रेफ्रीजेरेटिंग बॉडी वाले ट्रक से इन लाशों को बुधवार तड़के लंदन के नजदीक लाया था। माना जा रहा है कि यह ट्रक बेल्जियम से आया था। ड्राइवर का नाम मो रॉबिंसन बताया जा रहा है और वह नॉर्दर्न आयरलैंड के पोर्टाडाउन इलाके का रहने वाला है। ट्रक में मिले शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मृत्यु के सही कारणों का पता लगाया जा रहा है। ब्रिटिश पुलिस के अनुसार मृतक चीन के निवासी थे, तो लंदन स्थित चीनी दूतावास ने जांच के लिए अधिकारियों का दल एसेक्स भेजा है।

कैलिफोर्निया में दावानल...

अमेरिका के कैलिफोर्निया प्रांत के जंगलों में एक बार आग भड़क उठी है। आग से करीब 3,000 एकड़ भूमि को अपनी चपेट में ले लिया है। इस क्षेत्र से करीब 50,000 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। गेएसेरविले में उठती आग की लपटें। रायटर

उम्मीदों पर फिरा पानी

चीन की कंपनी यहां विकसित करना चाह रही थी रिफाइनरी, प्रधानमंत्री सोगावरे बोले-अटॉर्नी जनरल की स्वीकृति के बगैर नहीं हो सकता करार

सोलोमन सरकार ने चीन को लीज पर द्वीप देने पर लगाई रोक

होनियारा, एएफपी : दक्षिण प्रशांत क्षेत्र के देश सोलोमन आइलैंड्स ने अपने एक द्वीप को लीज पर लेने की चीन की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। इस द्वीपीय देश ने प्रांतीय सरकार के साथ चीनी कंपनी के करार पर रोक लगाने के साथ ही इस प्रयास को गैरकानूनी करार दिया है। सोलोमन के मध्य प्रांत और चीन की सरकारी कंपनी सैम ग्रुप के बीच तुलागी द्वीप को लेकर करार हुआ था। इस करार में चीनी कंपनी ने द्वीप पर रिफाइनरी विकसित करने की बात कही थी। लेकिन अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया ने यह चिंता जताई थी कि इस द्वीप का दोहरा इस्तेमाल हो सकता है और वहां चीनी सैन्य अड्डा बनाया जा सकता है।

सोलोमन के प्रधानमंत्री मनास्सेह सोगावरे के कार्यालय ने शुक्रवार को कहा, 'मध्य प्रांत और चाइना सैम ग्रुप के बीच हुआ करार गैरकानूनी है। इसे तुरंत प्रभाव से रद कर दिया गया है। प्रांतीय सरकार को तुलागी द्वीप के संबंध में समझौता करने का अधिकार नहीं है। चाइना सैम को सोलोमन में विदेशी निवेशक का दर्जा नहीं है। अटॉर्नी जनरल जॉन मुरिया की स्वीकृति के बगैर इस तरह का करार नहीं हो सकता।'

बीजिंग के थ्येनआनमन स्क्वायर पर लहराते सोलोमन आइलैंड्स और चीन के राष्ट्रीय ध्वज की यह तस्वीर सात अक्टूबर, 2019 की है। फाइल फोटो (रायटर)

- **प्रांतीय सरकार और चीनी कंपनी के बीच हुए करार को गैरकानूनी करार दिया**
- **अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया ने जताई थी द्वीप पर सैन्य अड्डा बनाए जाने की चिंता**

दो वर्ग किमी में फैला है तुलागी द्वीप

सोलोमन सैकड़ों छोटे-छोटे द्वीपों वाला देश है। चीन ने जिस तुलागी द्वीप को लीज पर लेने के लिए करार किया था, वह करीब दो वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला है। द्वीप पर करीब 1200 लोग रहते हैं। इस द्वीप पर कभी जापान का नौसैनिक अड्डा हुआ करता था। यह द्वीप द्वितीय विश्वयुद्ध का भी गवाह रहा है।

कूटनीतिक संबंध बनने के एक दिन बाद हुआ था करार : चीन और सोलोमन में गत सितंबर में ही औपचारिक तौर पर कूटनीतिक संबंध स्थापित हुए थे। यह संबंध बनने के एक दिन बाद यानी गत 22 सितंबर को चीन ने सोलोमन की प्रांतीय सरकार के साथ करार किया था। सोलोमन के पहले ताइवान से कूटनीतिक संबंध थे, लेकिन चीन ने अपना प्रभाव बढ़ाकर प्रशांत क्षेत्र के इस द्वीपीय देश को अपने साथ कर लिया था।

अमेरिकी सांसदों ने टिकटॉक एप की जांच की मांग की

वाशिंगटन, एएफपी : चीन की वीडियो एप सर्विस टिकटॉक से देश की सुरक्षा को खतरे की आशंका के मद्देनजर अमेरिका के दो वरिष्ठ सांसदों ने जांच की मांग की है। डेमोक्रेटिक पार्टी के सीनेटर चक शुमर और रिपब्लिकन सीनेटर टॉम कॉटन ने राष्ट्रीय खुफिया निदेशालय को पत्र लिखकर टिकटॉक के खिलाफ जांच की अपील की है। सांसदों ने टिकटॉक की मालिकाना कंपनी बाइटीडांस द्वारा अमेरिका में जासूसी कराने की आशंका भी व्यक्त की है। दूरसंचार क्षेत्र में चीन की दिग्गज कंपनी हुआवे भी इसी तरह के आरोपों का सामना कर रही है।

वर्तमान में विश्वभर में टिकटॉक इस्तेमाल करने वाले यूजर्स की संख्या 50 करोड़ के करीब है। अकेले अमेरिका में इसके 11 करोड़ से ज्यादा यूजर्स हैं। अमेरिकी सांसदों ने आशंका व्यक्त की है कि टिकटॉक के जरिये एकत्रित किए गए डाटा को चीन की खुफिया एजेंसी इस्तेमाल कर सकती है। उन्होंने कहा कि चीन टिकटॉक से जुटाए डाटा के जरिये अमेरिका में अगले साल होने वाले राष्ट्रपति चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश कर सकता है। उन्होंने बताया कि चीन के हित को प्रभावित करने वाले संवेदनशील वीडियो को टिकटॉक अपने प्लेटफार्म पर डालने की अनुमति नहीं देता।

गूगल पर लगा दफ्तर में जासूसी का आरोप

सैन फ्रांसिस्को, आइएएनएस : गूगल के कुछ कर्मचारियों ने आरोप लगाया है कि कंपनी दफ्तर में उन पर निगाह रख रही है। कर्मचारियों का कहना है कि उनकी एक कैलेंडर एप के जरिये ब्राउसर एक्सटेंशन से निगरानी की जा रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक कैलेंडर इवेंट क्रिएट करने वाले किसी भी कर्मचारी के बारे में तत्काल पता चल जाएगा। इसे कर्मचारियों की जासूसी माना जा रहा है, क्योंकि कंपनी नहीं चाहती है कि उसके खिलाफ कोई संगठित गतिविधि हो। कंपनी पहले ही कई विवादों का सामना कर रही है।

स्पिन गेंदबाजी में हमारे पास कई सारे विकल्प हैं। सभी गेंदबाज अच्छा कर रहे हैं।
— भरत अरुण, भारतीय टीम के गेंदबाजी कोच

दूसरी बार पिता बनने वाले हैं विकेटकीपर रिद्धिमान साहा

नई दिल्ली, आइएएनएस : भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज रिद्धिमान साहा ने कहा है कि उनकी पत्नी रोमी मित्रा जल्द ही दूसरी बार मां बनने वाली हैं। साहा ने गुरुवार को अपने 35वें जन्मदिन पर ट्विटर के जरिए फैंस को यह जानकारी दी। उन्होंने ट्वीट किया कि यह जन्मदिन मेरे लिए विशेष है। हम अपने परिवार में नए सदस्य का इंतजार कर रहे हैं। हम गर्व के साथ यह घोषणा कर रहे हैं कि हम दूसरी बार माता-पिता बनने वाले हैं।

सफलता ▶ वीजेडी पद्धति से तमिलनाडु को 60 रन से दी शिकस्त, चौथी बार जीता खिताब

विजय हजारे ट्रॉफी पर कर्नाटक का कब्जा

जन्मदिन पर मिथुन ने ली हैट्रिक, मयंक व राहुल ने लगाए नाबाद अर्धशतक

तमिलनाडु को फाइनल में हराने के बाद विजेता ट्रॉफी के साथ कर्नाटक की टीम। प्रेट्र

बेंगलुरु, प्रेट्र : कर्नाटक ने यहां एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में शुक्रवार को विजय हजारे ट्रॉफी के फाइनल में तमिलनाडु को 60 रनों से हराते हुए खिताब अपने नाम कर लिया। शुक्रवार को 30 साल की उम्र पूरे करने वाले अभिमन्यु मिथुन की हैट्रिक की बदौलत कर्नाटक ने तमिलनाडु को 49.5 ओवर में 252 रनों पर रोक दिया। मिथुन ने कुल 34 रन देकर पांच विकेट झटके। इसके बाद कर्नाटक ने जब 23 ओवर में एक विकेट पर 146 रन बना लिए थे तो तभी बारिश आ गई और मैच आगे नहीं हो सका। इसके बाद मैच का परिणाम वीजेडी पद्धति से निकाला गया। यह कर्नाटक का चौथा खिताब है।

मिथुन-कौशिक ने दिए शुरुआती झटके : टॉस जीतकर कर्नाटक ने तमिलनाडु को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। दिनेश कार्तिक की कप्तानी वाली तमिलनाडु की शुरुआत खराब रही। उसके शुरुआती दो विकेट मुरली विजय (00) और आर अश्विन (08) के रूप में महज 24 रनों के स्कोर पर गिर गए। विजय को मिथुन ने आउट किया तो अश्विन को कौशिक ने पवेलियन की राह दिखाई। इसके बाद बाबा अपराजित (66) और अभिनव मुकुंद (85) ने अच्छी बल्लेबाजी की और टीम को संभाला।

संभलने के बाद गिरे विकेट : अपराजित और मुकुंद की जोड़ी खतरनाक होती दिख रही थी कि तभी 148 के टीम स्कोर पर प्रतीक जैन ने मुकुंद को मयंक अग्रवाल के हाथों कैच कराकर तीसरा झटका दिया। इसके बाद अपराजित तेजी से रन चुराने के चक्कर में रन आउट हो गए। मुकुंद ने 110 गेंदों में नौ चौके लगाए, जबकि बाबा ने 84 गेंदों का सामना किया और सात चौके की मदद से 66 रन की पारी खेली। विजय शंकर ने 35 गेंदों में 38 रन और शाह रुख खान ने 23 गेंदों में 27 रन बनाए। उनके अलावा कोई भी बल्लेबाज अधिक देर टिक नहीं सका। कप्तान दिनेश कार्तिक 18 गेंदों में 11 रन बना सके।

मिथुन की हैट्रिक : पारी का आखिरी ओवर करने आए अभिमन्यु मिथुन ने तीसरी गेंद पर शाह रुख खान को आउट किया, जबकि चौथी गेंद पर एम मुहम्मद (10) को चलता किया। इसके बाद पांचवीं गेंद पर मुरुगन अश्विन (00) को पवेलियन की राह दिखाते हुए हैट्रिक पूरी की। यह पारी का 10वां विकेट भी रहा।

मयंक-राहुल के नाबाद अर्धशतक : 253 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी कर्नाटक की टीम को केएल राहुल और देवदत्त ने तेज शुरुआत दी। हालांकि, देवदत्त 11 के स्कोर पर वाशिंगटन सुंदर की गेंद पर बोल्ड हो गए। इसके बाद राहुल और मयंक ने अर्धशतक लगाते हुए टीम को 23 ओवर में 146 रनों तक पहुंचा दिया। इसी स्कोर पर बारिश शुरू हो गई और मैच फिर शुरू नहीं हो सका। उस समय कर्नाटक वीजेडी पद्धति से तमिलनाडु से 60 रन आगे था। इस तरह उसे 60 रनों से विजेता घोषित किया गया। राहुल 72 गेंदों में पांच चौके की मदद से 52 रन और मयंक अग्रवाल 55 गेंदों में सात चौके और तीन छक्के की मदद से 69 रन बनाकर नाबाद रहे।

16 देशों के युवा क्रिकेटरों ने देखा मैच

बेंगलुरु : बेंगलुरु स्थित राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में ट्रेनिंग ले रहे 16 विभिन्न देशों के 18 लड़कों एवं लड़कियों ने एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में तमिलनाडु और कर्नाटक के बीच खेले गए विजय हजारे ट्रॉफी के फाइनल को देखा। बीसीसीआइ ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर की जिसमें बच्चों को स्टेडियम में देखा जा सकता है। पहले यह बताया गया था कि बीसीसीआइ खेल और विदेश मंत्रालय के साथ मिलकर अभी 16 देशों के खिलाड़ियों की मेजबानी कर रहा है ताकि उन्हें भारत के कुछ सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटरों के साथ प्रशिक्षण का अवसर प्रदान किया जा सके। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 19 अप्रैल को लंदन में राष्ट्रमंडल प्रमुखों की बैठक में घोषणा की थी कि भारत 16 साल से कम उम्र के लड़कों एवं लड़कियों के लिए क्रिकेट प्रशिक्षण आयोजित करेगा। ये बच्चे बोत्सवाना, कैमरून, केन्या, मोजांबिक, मॉरीशस, नामीबिया, नाइजीरिया, रवांडा, युगांडा, जांबिया, मलेशिया, सिंगापुर, जमैका, त्रिनिदाद एंड टोबैगो, फिजी और तंजानिया के हैं। वे महीने भर चलने वाले शिविर में भाग ले रहे हैं जो एक अक्टूबर से एनसीए में अकादमी के प्रमुख और भारत के पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ की देखरेख में शुरू हुआ था।

कर्नाटक के विजय हजारे ट्रॉफी के खिताब		
सत्र	मेजबान	बनाम
2013-14	कोलकाता	रेलवे
2014-15	अहमदाबाद	पंजाब
2017-18	दिल्ली	सौराष्ट्र
2019-20	बेंगलुरु	तमिलनाडु

तमिलनाडु : 252/10 (49.5 ओवर)	
अभिनव मुकुंद	85
बाबा अपराजित	66
अभिमन्यु मिथुन	5/34
कर्नाटक : 146/1 (23 ओवर)	
मयंक अग्रवाल नाबाद	69
केएल राहुल नाबाद	52
वाशिंगटन सुंदर	1/51

जसप्रीत बुमराह, स्मृति मंधाना बने 'वर्ष के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर'

क्रिकेट डायरी

बेंगलुरु, प्रेट्र : तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और बल्लेबाज स्मृति मंधाना विजडन इंडिया अलमानाक वर्ष के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर का पुरस्कार जीतने वाले दो भारतीयों में से हैं। एशिया से पाकिस्तान के फखर जमां, श्रीलंका के दिमुथ करुणारत्ने और अफगानिस्तान के राशिद खान ने भी पुरस्कार जीते हैं। सालाना क्रिकेट पुरस्कारों के सातवें सत्र में मयंक अग्रवाल का भी नाम शामिल है। मंधाना 'वर्ष की सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर' का पुरस्कार जीतने वाली तीसरी भारतीय हैं। उनसे पहले मिताली राज और दीप्ति शर्मा यह पुरस्कार जीत चुकी हैं। गुंडप्पा विश्वनाथ और लाला अमरनाथ को विजडन इंडिया हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया। पहली भारतीय टीम के इतिहास को बयां करती प्रशांत किदांबी की किताब 'क्रिकेट कंट्री' को विजडन इंडिया 'वर्ष की सर्वश्रेष्ठ किताब' चुना गया।

सैमसन के चुने जाने से खुश हुए गंभीर

नई दिल्ली, प्रेट्र : क्रिकेटर से राजनेता बने गौतम गंभीर ने बांग्लादेश के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 सीरीज के लिए संजू सैमसन को भारतीय टीम में शामिल किए जाने पर खुशी जताई है। गौतम गंभीर ने कहा कि इसका लंबे समय से इंतजार था। गंभीर लंबे समय से केरल के इस क्रिकेटर को टीम में शामिल किए जाने की पैरवी कर रहे थे। बांग्लादेश के खिलाफ टी-20 सीरीज तीन नवंबर से खेली जाएगी।

गंभीर ने ट्वीट किया कि संजू सैमसन को टी-20 टीम में शामिल किए जाने की बधाई। इस मौके का पूरा फायदा उठाना संजू। इसका लंबे समय से इंतजार था। सैमसन ने भारत के लिए एकमात्र टी-20 मैच जुलाई 2015 में खेला था, जब दूसरे दर्जे की टीम ने जिंबाब्वे का दौरा किया था। वह उस समय 19 साल के थे। उसके बाद से उन्हें अनुशासन कारणों से केरल टीम से भी निकाल दिया गया। संजू ने अपनी फिटनेस पर काफी मेहनत की और विजय हजारे ट्रॉफी में नाबाद 212 रन बनाए थे। इस समय आत्मविश्वास से भरे संजू ने टीम में अपने चयन के बाद कहा है कि वह हर उस जिम्मेदारी के लिए तैयार हैं, जो टीम उन्हें सौंपेगी। चाहे टीम उन्हें शीर्ष क्रम में मौका दे या फिर मध्य क्रम में, संजू खुद को साबित करने के लिए तैयार हैं।

छुट्टी के मूड में कोहली और उनकी पत्नी

मुंबई, आइएएनएस : दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 3-0 से दमदार क्लीन स्वीप करने के बाद भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली छुट्टी के मूड में दिखे और अभिनेत्री पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ एक फोटो शेयर की। फोटो में कोहली को अनुष्का के साथ एक संदुर सी जगह पर देखा जा सकता है। तस्वीर के बैकग्राउंड में एक पहाड़ और समुंद्र है। कोहली को बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली टी-20 सीरीज में आराम दिया गया है। उनकी जगह सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा को मेजबान टीम की कमान सौंपी गई है। शर्मा ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल में समाप्त हुई सीरीज में दमदार प्रदर्शन किया था।

जल्द ठीक हो जाऊंगा : फिंच

ब्रिसबेन, आइएएनएस : ऑस्ट्रेलिया की टी-20 टीम के कप्तान आरोन फिंच को विश्वास है कि वह श्रीलंका के खिलाफ होने वाली टी-20 सीरीज से पहले फिट हो जाएंगे। एडिलेड ओवल मैदान पर सोमवार को ऑस्ट्रेलिया की टीम श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 सीरीज का पहला मैच खेलेगी। फिंच को इस महीने की शुरुआत में मेलबर्न में दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हुए शेफिल्ड शील्ड के मैच में चोट लगी थी।

अफगानिस्तान टीम की हुई घोषणा

काबुल, एएफपी : अफगानिस्तान ने शुक्रवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ खेली जाने वाली टी-20 सीरीज और वनडे सीरीज के लिए टीम का एलान कर दिया है। लखनऊ के अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में यह सीरीज खेली जाएगी। बांग्लादेश के खिलाफ हाल ही में खेली गई टी-20 त्रिकोणीय सीरीज में अफगानिस्तान की जो टीम खेली थी उसमें से पांच खिलाड़ियों को बाहर कर दिया गया है। दोनों प्रारूपों में लेग स्पिनर राशिद खान टीम की कमान संभालेंगे।

तीन वनडे मैचों की सीरीज के मैच छह, नौ और 11 नवंबर से खेले जाएंगे। इसके बाद तीन टी-20 मैचों की सीरीज 14 नवंबर से शुरू होगी। दूसरा मैच 16 और तीसरा मैच 17 नवंबर को खेला जाएगा। दोनों टीमों के बीच एक मात्र टेस्ट 27 नवंबर को खेला जाएगा। वनडे टीम : राशिद खान (कप्तान), असगर अफगान, हजरतुल्लाह जाजाई, रहमत शाह, जावेद अहमदी, अफसर जाजई, गुलबदीन नायब, मुहम्मद नबी, नाजीबुल्लाह जादरान, करीम जनत, शरफुद्दीन अशरफ, इब्राहिम जादरान, यामिन अहमदजई, नवीन उल हक, इकराम अलीखिल, मुजीब उर रहमान।

टी-20 : राशिद खान (कप्तान), असगर अफगान, हजरतुल्लाह जाजई, इब्राहिम जादरान, जावेद अहमदी, रहमतुल्लाह गुरबाज, गुलबदीन नायब, मुहम्मद नबी, नजीबुल्लाह जादरान, करीम जनत, शरफउद्दीन अशरफ, फरीद अहमद मलिक, यमिन अहमदजई, नवीन उल हक, सयैद अहमद शिरजाद, मुजीब उर रहमान।

टी-20 सीरीज में स्मिथ-वार्नर की वापसी

एडिलेड, एएफपी : अगले साल अपनी सरजमीं पर होने वाले टी-20 विश्व कप से पहले श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के लिए स्टीव स्मिथ और डेविड वार्नर ने ऑस्ट्रेलियाई टीम में वापसी की है। दोनों गेंद से छेड़खानी प्रकरण के कारण प्रतिबंध झेल रहे थे, लेकिन टेस्ट और वनडे के बाद अब टी-20 टीम में उनकी वापसी हुई है। ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे प्रारूपों में सफलता के बावजूद अभी तक टी-20 विश्व कप नहीं जीता है। वह 2010 में फाइनल में पहुंची थी। चयनकर्ता ट्रेवर होंस ने कहा कि हमने ऐसी टीम चुनी है, जो हमें आगे तक ले जा सकती है। सभी को अपनी भूमिका पता है और टीम की जरूरत के अनुसार सभी ढल सकते हैं। आरोन फिंच की कप्तानी बरकरार रखी गई है क्योंकि स्टीव स्मिथ मार्च तक कप्तान नहीं हो सकते। एशेज सीरीज में शानदार प्रदर्शन करने वाले स्मिथ पर बल्लेबाजी का अधिकांश दारोमदार होगा। वहीं, वार्नर ने इस प्रारूप में ऑस्ट्रेलिया के लिए सर्वाधिक रन बनाए हैं। गेंदबाजी का जिम्मा पैट कमिंस और मिशेल स्टार्क के साथ एंड्रयू टाई, केन रिचर्डसन और बिली स्टैनलेक संभालेंगे। पाक का तीन मैचों की सीरीज में सूपड़ा साफ करने के बाद श्रीलंका के हौसले बुलंद हैं।

आदित्य वर्मा ने बीसीए अध्यक्ष तिवारी को दिलाया भरोसा

जेएनएन, नई दिल्ली : क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बिहार (सीएबी) के सचिव आदित्य वर्मा ने शुक्रवार को कहा कि बिहार क्रिकेट की खोई हुई छवि को सुधारने के लिए वह हर हाल में बिहार क्रिकेट संघ (बीसीए) के वर्तमान अध्यक्ष राकेश तिवारी के साथ हैं।

वर्मा ने कहा कि पिछले दिनों मुंबई में बीसीसीआइ के नव नियुक्त पदाधिकारियों की घोषणा एवं बैठक के दौरान बीसीसीआइ के सचिव जय शाह के सामने मैंने तिवारी को भरोसा दिलाया कि बिहार क्रिकेट के उत्थान के लिए बीसीए अध्यक्ष तिवारी को जब भी जरूरत होगी तो सीएबी अपनी तमाम 38 जिला क्रिकेट इकाइयों के पदाधिकारियों के साथ उनकी मदद के लिए खड़ा होगा। अगर तिवारी की इच्छा होगी तो सीएबी बीसीए के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खिलाड़ियों के हित के लिए काम करने को तैयार है। आदित्य ने कहा कि सीएबी केवल यही चाहता है कि बिहार क्रिकेट टीम में बाहरी खिलाड़ियों को गलत तरीके से चयन नहीं हो।

ऑलराउंडर शिवम दुबे को टेस्ट क्रिकेट खेलते देखना चाहते हैं पिता

उमेश राजपूत, नई दिल्ली

- दुबे का बांग्लादेश के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए हुआ है चयन
- बचपन में शिवम को रोज अभ्यास कराते थे उनके पिता

बांग्लादेश के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए मुंबई के 26 साल के ऑलराउंडर शिवम दुबे का चयन होने के बाद उनके पिता की खुशी का ठिकाना नहीं है। शिवम के एक दोस्त के जरिये उन्हें बेटे के भारतीय टीम में चुने जाने की बात पता चली। अब उन्हें उस दिन का इंतजार है जब शिवम जल्द ही टीम इंडिया की जर्सी पहने हुए खेलते नजर आएंगे। हालांकि, वह चाहते हैं कि उनका बेटा एक दिन टेस्ट क्रिकेट भी खेले।

अभी कसक बाकी : शिवम के पिता राजेश दुबे कहते हैं कि इस खुशी को वह शब्दों में बयां नहीं कर सकते। उन्होंने कहा, 'शिवम जब चार साल का था तो मैंने उसे क्रिकेट खिलाना शुरू किया था। उस दिन जब मैंने उसे पहली गेंद खिलाई थी तभी तय कर लिया था कि एक दिन उसे भारत के लिए जरूर खिलाऊंगा। हालांकि, अभी एक कसक बाकी है, वह यह कि मैं उसे सफेद कपड़ों में टेस्ट क्रिकेट खेलते हुए देखना चाहता हूं, क्योंकि असल क्रिकेट टेस्ट क्रिकेट ही है।'

चयन की थी उम्मीद : राजेश ने कहा, 'शिवम ने भारत-ए के लिए और विजय हजारे ट्रॉफी में बतौर ऑलराउंडर बहुत अच्छा प्रदर्शन किया था। उस प्रदर्शन के आधार पर हमें उम्मीद थी कि उसे बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज के लिए टीम में चुना जाना चाहिए। साथ ही उसके चुने जाने का एक कारण हार्दिक पांड्या का चोटिल होना भी था।'

असल परीक्षा अब : टीम में चुने जाने के बाद राजेश ने शिवम को कहा कि तुम्हारी असल परीक्षा अब शुरू होगी, क्योंकि टी-20 में जिस जगह पर पांड्या खेलता है वहां खेलने पर तुम्हारे कंधों पर बहुत बड़ी जिम्मेदारी होगी। इस पर शिवम ने कहा कि मैंने मेहनत की है तो ऊपर वाला भी मेरा साथ देगा।

बेटे के लिए पिता ने सब कुछ छोड़ा : मैंने अपने घर में शिवम के लिए विकेट तैयार किया। वहीं सुबह नौ से 12 बजे तक और फिर दोपहर दो बजे से शाम छह बजे तक मैं शिवम को अभ्यास करता था। शिवम को क्रिकेटर बनाने के लिए मैंने सब कुछ छोड़ दिया था, यहां तक कि सामाजिक कार्यक्रमों में भी आना-जाना बंद कर दिया था। शिवम ने करीब पांच साल तक पूर्व भारतीय क्रिकेटर चंद्रकांत पंडित से कोचिंग भी ली।

पिता राजेश दुबे के साथ शिवम दुबे। सोशल मीडिया

फिर छूट गया क्रिकेट : शिवम के परिवार में माता-पिता के अलावा तीन बड़ी बहनें हैं, जिनमें से दो की शादी हो चुकी है। शिवम का जन्म मुंबई का है। शिवम के दादा करीब 40 साल पहले भदोही से मुंबई आए थे और अंधेरी स्थित नागर दास रोड पर उन्होंने मकान बनाया। उन्होंने मुंबई में तबेला शुरू किया, जिसमें करीब 500 भैंस थीं। बाद में शिवम के पिता ने जींस फैक्टरी शुरू की थी। वह कहते हैं, 'बीच में मेरी फैक्टरी की कुछ ऐसी हालात हो गई कि मुझे शिवम का क्रिकेट बंद करना पड़ा। 2011 से लेकर 2016 तक शिवम का क्रिकेट खेलना पूरी तरह से बंद हो गया। इसके बाद हालात सुधरे तो शिवम ने फिर से खेलना शुरू किया।'

विश्वास था आगे जाएगा : राजेश बताते हैं कि शिवम का क्रिकेट में कोई आदर्श तो नहीं है, लेकिन वह वेस्टइंडीज के ब्रायन लारा के बारे में काफी बातें करता है। शिवम ने सिर्फ 10वीं कक्षा तक पढ़ाई की है। शिवम के ज्यादा नहीं पढ़ने के बारे में राजेश बताते हैं, मैं खुद शिवम को बोलता था कि या तो पढ़ाई करो या फिर क्रिकेट खेलो। मुझे विश्वास था कि शिवम क्रिकेट में बहुत आगे जाएगा।

कोहली डे-नाइट टेस्ट के लिए सहमत : गांगुली

- विराट और सौरव की गुरुवार को हुई थी बीसीसीआइ मुख्यालय में मुलाकात
- पूर्व भारतीय कप्तान ने ईपीएल से की आइपीएल की तुलना

कोलकाता, प्रेट्र : बीसीसीआइ के नए अध्यक्ष सौरव गांगुली ने शुक्रवार को यहां कहा कि कप्तान विराट कोहली डे-नाइट टेस्ट मैच खेलने के लिए सहमत हैं। बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली सीरीज के लिए टीम चुनने के उद्देश्य से गांगुली गुरुवार को मुंबई में कोहली एवं उप कप्तान रोहित शर्मा से मिले थे और ऐसा माना जा रहा है कि उन्होंने डे-नाइट टेस्ट मैच खेलने के मुद्दे पर भी चर्चा की।

गांगुली ने शुक्रवार को यहां ईडन गार्डेस स्टेडियम में बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) द्वारा आयोजित स्वागत समारोह में कहा कि हम सभी इस बारे में सोच रहे हैं। हम इस बारे में कुछ करेंगे। मैं डे-नाइट टेस्ट मैच में विश्वास रखता हूं। कोहली भी इसके लिए सहमत हैं। मुझे अखबारों में बहुत सी रिपोर्ट दिखाई देती हैं कि वह इसके पक्ष में नहीं हैं, लेकिन यह सच नहीं है। खेल को आगे बढ़ने की जरूरत है और यही आगे का रास्ता है। लोगों को काम खत्म करके चैंपियंस को खेलते हुए देखने आना चाहिए। मुझे नहीं पता कि ऐसा कब होगा, लेकिन यह जरूर होगा।

बीसीसीआइ अध्यक्ष सौरव गांगुली। फाइल

यह पूछे जाने पर कि आगे का रोडमैप क्या है? गांगुली ने कहा कि टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया है, हम बड़े टूर्नामेंट नहीं जीते हैं इसलिए रोडमैप समय के साथ आएगा। भारतीय क्रिकेट में एक अच्छा ढांचा है और इसमें पैसा भी है। गांगुली ने आइपीएल और ईपीएल की भी तुलना की। गांगुली ने कहा कि आइपीएल अब ईपीएल की तरह दुनिया की सबसे बड़ी लीग है। लोकप्रियता और संचालन के मामले में यह किसी भी तरह से ईपीएल से कम नहीं है। मेरा काम सभी स्तरों पर क्रिकेटरों की मदद करना है। मेरी महत्वाकांक्षा यह है कि प्रथम श्रेणी में खेलने वाले खिलाड़ी, जो भारत के लिए नहीं खेलते हैं, उन्हें सुविधाएं मिलें। मेरी इच्छा क्रिकेट को विश्वसनीय और स्वच्छ बनाने की भी है। उन्होंने कहा कि मैं अपनी समय सीमा के बारे में नहीं जानता, लेकिन जब मैं पद छोड़ूंगा तब जो नए लोग आएंगे वे यह जरूर कह सकेंगे कि मैं एक स्वस्थ प्रणाली पीछे छोड़कर गया हूं। हितों के टकराव के कारण बीसीसीआइ में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ काम नहीं कर पाने पर गांगुली ने कहा कि मैं उसे बदल नहीं सकता। हमें ऐसा करने के लिए सुप्रीम कोर्ट से अनुरोध करना होगा। ऐसा किया भी जा रहा है, स्थिति रिपोर्ट दायर की गई है और उन्होंने कहा कि इसे फिर से देखने की जरूरत है। हितों के टकराव के मुद्दे पर समझदारी से काम करना होगा। हमें उसे सरल बनाए रखने की जरूरत है और मैं इसे ही आगे बढ़ाऊंगा। मैं बड़े खिलाड़ियों को खोना नहीं चाहता। कोहली से अपने रिश्ते पर गांगुली ने कहा कि यह अच्छा होना चाहिए। लोग यह नहीं जानते की अंदर क्या हो रहा है। गांगुली ने मुंबई में अध्यक्ष पद ग्रहण करने के दौरान भारत का ब्लेजर पहना था।

अद्भुत

श्रीलंका और प्रधानमंत्री एकादश के बीच अभ्यास मैच में ड्रिंक्स लेकर मैदान में पहुंचे, प्रधानमंत्री मॉरिसन की इस खेल भावना की हो रही है तारीफ

ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री ने खिलाड़ियों को पानी पिलाया

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली

खेल के मैदान पर कई बार ऐसे लम्हें आते हैं, जो सभी का दिल जीत लेते हैं और इन लम्हों की मिसाल सालों-साल दी जाती है। ऐसा ही एक लम्हा ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट मैदान पर लोगों के दिलों में हमेशा-हमेशा के लिए तब कैद हो गया, जब यहां खिलाड़ियों को पानी पिलाने के लिए कोई और नहीं, बल्कि उनके देश के ही प्रधानमंत्री आए।

सोशल मीडिया पर लोग ऑस्ट्रेलियाई पीएम स्कॉट मॉरिसन की इस खेल भावना की जमकर तारीफ कर रहे हैं। खेल भावना के तौर पर खिलाड़ियों को यही सिखाया जाता है कि खेल के मैदान पर कोई छोटा या बड़ा नहीं होता। गुरुवार को ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री जब खिलाड़ियों के लिए ड्रिंक्स लेकर मैदान पर उतरे तो उन्होंने खेल की इस सीख को एक बार फिर साबित कर दिया।

दरअसल श्रीलंका की टीम इन दिनों ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर है। यहां मनुकार ओवल मैदान पर लंकाई टीम प्रैक्टिस मैच के तौर पर अपना एक मैच प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ खेल रही थी। इस टी-20 मुकाबले में प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन वाटरब्बॉय बने नजर आए। मॉरिसन को उनकी टीम के ही खिलाड़ियों समेत दर्शक दीर्घा में बैठे लोगों ने देखा तो सब हैरान रह गए। टीवी कैमरे और खेल प्रेंजेटर भी हैरान थे कि किसी देश के प्रधानमंत्री अपने ही खिलाड़ियों के लिए ड्रिंक्स मैदान पर लेकर दौड़ते-दौड़ते आ रहे हैं।

मैदान पर ड्रिंक्स ले जाने ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन। ट्विटर

प्रधानमंत्री मॉरिसन जिस वक्त अपने खिलाड़ियों को ड्रिंक्स देने के लिए मैदान पर उतरे, तब श्रीलंका की टीम बल्लेबाजी कर रही थी। पारी के 16वें ओवर के बाद अंपायरों ने ड्रिंक्स का एलान किया तो ऑस्ट्रेलियाई पीएम दौड़ते हुए हाथ में ड्रिंक्स लेकर मैदान पर आए। इस दौरान कंगारू खिलाड़ियों अपने पीएम से ड्रिंक्स ली और सभी ने उनके जज्बे की तारीफ की। पीएम को ड्रिंक्स मैदान में लाता देख मैच का प्रसारण कर रहे चैनल की एंकर भी अपने कैमरामैन के साथ मैदान पर आ गईं।

इस मैच में प्रधानमंत्री एकादश ने श्रीलंका पर एक विकेट से शानदार जीत दर्ज की। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करने आई मेहमान श्रीलंका की टीम निर्धारित 20 ओवर में आठ विकेट गंवाकर सिर्फ 130 रन ही बना पाई। इस लक्ष्य के जबाव में प्रधानमंत्री एकादश की बल्लेबाजी कुछ खास नहीं नजर आई, लेकिन नौ विकेट गंवाने बावजूद प्रधानमंत्री एकादश ने इस मैच में जीत दर्ज की।

प्रधानमंत्री मोदी ने की तारीफ

दरअसल, इस वीडियो में मॉरिसन ने अगले वर्ष होने वाले टी-20 विश्व कप को देखते हुए भारतीय दर्शकों के अधिक संख्या में ऑस्ट्रेलिया पहुंचने की उम्मीद जताई थी और इसको लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सवाल पूछा था। मोदी ने जवाब में लिखा कि प्यारा वीडियो। जब मेरे प्यारे दोस्त और ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री मॉरिसन निजी तौर पर आमंत्रित करेंगे, तो मुझे उम्मीद है कि अधिक टूरिस्ट और क्रिकेट प्रशंसक ऑस्ट्रेलिया पहुंचेंगे।

पहले चयन ट्रायल में नहीं चुने गए थे सचिन तेंदुलकर

- सचिन ने स्कूली छात्रों के साथ साझा कीं पुरानी यादें
- खेल पर और कड़ी मेहनत करने के लिए किया प्रेरित

रहस्योद्घाटन

मुंबई, प्रेट्र : भारत के दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने शुक्रवार को रहस्योद्घाटन किया कि पहले चयन ट्रायल के दौरान उनका चयन नहीं किया गया था, जिसने उन्हें अपने खेल पर और कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित किया।

तेंदुलकर ने मराठी में लक्ष्मणराव दुरे स्कूल के छात्रों के साथ बात करते हुए कहा, 'जब मैं छात्र था तो मेरे दिमाग में सिर्फ एक ही चीज थी, भारत के लिए खेलना। मेरी यात्रा 11 साल की उम्र में शुरू हुई थी। मुझे यहां तक याद है कि जब मैं अपने पहले चयन ट्रायल के लिए गया था तो मुझे चयनकर्ताओं ने चुना नहीं था। उन्होंने कहा था कि मुझे और कड़ी मेहनत करके खेल में सुधार करने की जरूरत है। उस समय मैं निराश था, क्योंकि मुझे लगा कि मैं अच्छी बल्लेबाजी करता था, लेकिन नतीजा उम्मीदों के अनुरूप नहीं था और मुझे नहीं चुना गया था। इसके बाद मेरा ध्यान, प्रतिबद्धता और कड़ी मेहनत करने की क्षमता और ज्यादा बढ़ गई।'

इस यात्रा में सहयोग करने के लिए तेंदुलकर ने अपने परिवार और कोच रमाकांत अचरेकर को श्रेय दिया। उन्होंने कहा, 'मेरी सफलता मुझे अपने परिवार के सभी सदस्यों की मदद से मिली। मैं अपने माता-पिता से शुरुआत करूंगा, जिनके बाद मेरे भाई अजीत और बड़े भाई नितिन ने सहयोग किया। मेरी बड़ी बहन (जो शादी के बाद पुणे में हैं) ने मेरी मदद की, बल्कि मेरी बहन ने मुझे मेरी जिंदगी का पहला क्रिकेट बल्ला भेंट किया था। शादी के बाद पत्नी अंजलि और बच्चे सारा और अर्जुन तथा अंजलि के माता-पिता ने मेरा सहयोग किया। मेरे अंकल और आंटी और कई अन्य लोग भी इसके लिए मौजूद रहे और अंत में निश्चित रूप से रमाकांत अचरेकर सर।'

फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में हारीं साइना नेहवाल

पेरिस, आइएएनएस : भारत की अग्रणी महिला बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल शुक्रवार को यहां जारी बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर सुपर 750 फ्रेंच ओपन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। साइना को क्वार्टर फाइनल मुकाबले में दक्षिण कोरिया की ऐन से यंग ने 22-20, 23-21 से हराया। यह मुकाबला 49 मिनट चला। साइना और यंग के बीच यह अब तक का पहला मुकाबला था।

खिलाड़ियों के करियर में संघर्ष बहुत अहम होता है, क्योंकि इससे ही वह आगे चलकर सफल होते हैं।
– सचिन तेंदुलकर, पूर्व भारतीय क्रिकेटर

फुटबॉल डायरी ▶ यूरोपा लीग में आर्सेनल ने ग्यूमारेस को 3-2 से हराया

पेपे की फ्री किक ने आर्सेनल को बचाया

स्थानापन्न के तौर पर उतरे निकोलस ने दागे दो गोल

पेरिस, एएफपी : यूएफा यूरोपा लीग में स्थानापन्न निकोलस पेपे द्वारा फ्री किक पर दागे गए दो गोल की मदद से आर्सेनल ने शानदार जीत दर्ज की।

ग्रुप-एफ में आर्सेनल ने एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए विक्टोरिया ग्यूमारेस को 3-2 से हराया। आर्सेनल अब उन तीनों क्लबों में शुमार हो गया है जिन्होंने तीन मुकाबलों के बाद नौ अंक हासिल किए हैं। उनमें से एक सेविया भी है जिसने ग्रुप-ए में डुडेलाग्ने ऑफ लक्जमबर्ग को 3-0 से हराया।

विक्टोरिया ग्यूमारेस के खिलाफ मुकाबले में आर्सेनल ने अपनी टीम में 10 बदलाव किए, लेकिन खेल के नौवें मिनट में विक्टोरिया ग्यूमारेस के मार्कस एडवर्ड ने गोल करके उसके लिए मुश्किलें खड़ी कर दीं। मार्कस टॉटनहम के जूनियर टीम के सदस्य रहे हैं और एक समय में टॉटनहम के मैनेजर मॉरिसियो पोचेटिनो ने उनकी तुलना लियोन मेसी से की थी। उधर, ब्राजील के युवा खिलाड़ी गेब्रियल मार्टिनेली ने 32वें मिनट में गोल करके आर्सेनल को बराबरी दिलाई। हालांकि, उसके चार मिनट बाद ही ब्रूनो डुराते ने गोल करके हाफ टाइम से पहले फिर विक्टोरिया ग्यूमारेस को बढ़त पर ला दिया। इसके बाद 80वें मिनट और इंजुरी टाइम के दूसरे मिनट में पेपे ने फ्री किक पर दो शानदार गोल करके आर्सेनल को ना सिर्फ हार से बचाया, बल्कि एक शानदार जीत दिलाई। उधर, अन्य अहम मुकाबलों में ग्रुप-ई में सेल्टिक ने एक गोल से पिछड़ने के बावजूद लाजियो को 2-1 से हरा दिया।

गोल करने के बाद जश्न मनाते आर्सेनल के खिलाड़ी। एएफपी

युनाइटेड की मुश्किल जीत : ग्रुप-एल में एफके पार्टिजन स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में मैनचेस्टर युनाइटेड ने पार्टिजन बेलग्रेड पर 1-0 की मुश्किल जीत दर्ज की। इस जीत के साथ युनाइटेड के सात अंक हो गए हैं और उसे अगले अगले दौर में जाने के लिए केवल एक अंक की जरूरत है। इस मुकाबले में युनाइटेड के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी मैट बस्बी की याद में एक खास कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। इसी मैदान पर बस्सी 1958 में एक विमान दुर्घटना में मरने से पहले आखिरी बार खेलने उतरे थे। युनाइटेड के लिए इकलौता गोल खेल के 43वें मिनट में एंथोनी मार्शल ने पेनाल्टी किक के जरिये किया।

गिनीज विश्व रिकॉर्ड बुक में फोडेन का नाम

फ्लोरिडा, एएनआइ : मैनचेस्टर सिटी के मिडफील्डर फिल फोडेन का नाम इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) में सबसे कम उम्र में खिताब हासिल करने की वजह से गिनीज विश्व रिकॉर्ड बुक में दर्ज हो गया है। जब सिटी ने 2017-18 के ईपीएल का खिताब जीता था तब फोडेन की उम्र 17 साल 350 दिन थी जिसके कारण उन्हें रिकॉर्ड बुक में जगह मिली है। इसके अलावा भी कई खिलाड़ियों के नाम गिनीज विश्व रिकॉर्ड में दर्ज किए गए हैं। इसमें लियोन मेसी का नाम भी शामिल है जिन्हें ला लीगा में सर्वाधिक (417) गोल के लिए इस रिकॉर्ड बुक में जगह मिली है।

हम चाहेंगे गांगुली एनसीए में नई जान डालें : लक्ष्मण

कोलकाता, आइएएनएस : सौरव गांगुली को वेरी वेरी स्पेशल बताते हुए पूर्व बल्लेबाज वीवीएस लक्ष्मण ने शुक्रवार को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआइ) के नए अध्यक्ष से राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) को पुनर्जीवित करने का आग्रह किया ताकि भारतीय टीम की बेंच स्ट्रेंथ मजबूत बनी रहे। यहां ईडन गार्डेंस स्टेडियम में बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) ने गांगुली के लिए एक सम्मान समारोह आयोजित किया। इस समारोह के लिए लक्ष्मण और गांगुली के पहले कप्तान मुहम्मद अजहरुद्दीन विशेष आमंत्रित के रूप में मौजूद थे। लक्ष्मण ने मंच पर गांगुली और अजहर की मौजूदगी में कहा कि यदि आप मुझसे एक बात के बारे में पूछें, तो वह यह होगा कि सौरव एनसीए को कैसे बेहतर कर सकते हैं। इस भारतीय टीम की मजबूती उसकी बेंच स्ट्रेंथ है। आप इस दक्षिण अफ्रीका की टीम को देखें, मैंने दक्षिण अफ्रीका की इतनी खस्ताहाल टीम कभी नहीं देखी। ऐसा इसलिए है क्योंकि उनकी घरेलू क्रिकेट मजबूत नहीं है। भारतीय टीम अच्छा प्रदर्शन कर रही है और इसका कारण घरेलू क्रिकेट का मजबूत होना है। उन्होंने कहा, एनसीए के माध्यम से आप लंबे समय तक भविष्य के चैंपियन बना सकते हैं। जब भी रोटेशन की आवश्यकता होगी तो आप आकर स्थापित खिलाड़ियों को बदल सकते हैं। इस मौके पर अजहर ने भी पूर्व भारतीय कप्तान की जमकर तारीफ की।

पिता से ज्यादा मैच के बारे में सोच रहा था : आदिल

भारतीय फुटबॉल टीम के सेंटर बैक आदिल खान जब बांग्लादेश के खिलाफ फीफा विश्व कप 2020 के क्वालीफायर में खेलने जा रहे थे तब वह खुद से भावनाओं का एक युद्ध लड़ रहे थे। मैच से ठीक पहले आदिल के पिता की सर्जरी होनी थी। ऐसे में आदिल ने देश और खेल को आगे रखा और अपनी भावनाओं पर काबू रखते हुए मैदान पर उतरे और आखिरी लम्हों में गोल करके भारत को हार से बचाया। **आदिल खान** से **विकास पांडेय** ने तमाम विषयों पर बातचीत की। पेश हैं प्रमुख अंश :

साक्षात्कार

● बांग्लादेश के खिलाफ साल्ट लेक स्टेडियम में 60000 से ज्यादा दर्शकों के बीच देश का प्रतिनिधित्व करने का अनुभव कैसा रहा?

-मैं इससे पहले इतने दर्शकों की मौजूदगी में कभी नहीं खेला था। सबसे बड़ी बात यह थी कि इस मैदान पर यह मेरा पहला मुकाबला था। सब बहुत खुश थे। बस नतीजा हमारे पक्ष में नहीं रहा, जिससे सभी थोड़े निराश थे।

● आप जब बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबले के लिए जा रहे थे तब आपके पिता के दिल की सर्जरी हो रही थी। उस समय आपके दिमाग में क्या चल रहा था?

-देखिए, परेशानियां तो सभी के जीवन में होती हैं। कोई निजी जिंदगी की परेशानी से गुजर रहा है तो कोई पेशेवर जिंदगी में परेशानी से गुजर रहा है। शायद उस दिन मेरी परेशानी का दिन था। उस दिन मेरे पिता की सर्जरी थी। सच कहूं तो जब मैं उस दिन बस में बैठा तो सब कुछ भूल चुका था। मैं मैच के बारे में ज्यादा सोच रहा था क्योंकि वह मेरे करियर का बहुत अहम मैच था। लंबे समय बाद मेरी राष्ट्रीय टीम में वापसी हुई थी और उस मौके को मैं हाथ से नहीं जाने देना चाहता था। मैं नहीं चाहता था कि लोग कहें कि मेरे पिता की सर्जरी थी इसलिए मैं खराब खेला।

● इससे पहले भारतीय टीम ने एशियन चैंपियन कतर के खिलाफ गोलरहित ड्रॉ खेला था। उस मैच के बाद ड्रेसिंग रूम के माहौल के बारे में बताइए।

-मैच के बाद ड्रेसिंग रूम का माहौल बहुत खुशनुमा था। सभी बहुत खुश थे। मैच के बाद रात को हम सभी एक साथ थे, लेकिन इसके बाद सभी या तो अपने घर चले गए या फिर अपने-अपने क्लब के लिए निकल गए। तब हमारे कोच ने हमें एक रात की छूट दी कि जाओ खुशी मनाओ। सही मायने में कतर के खिलाफ ड्रॉ खेलना हमारे लिए बड़ी उपलब्धि थी। तभी हमारे कोच ने हमसे कहा कि हमें बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबले के लिए अच्छे से तैयारी करनी होगी। साथ ही उन्होंने यह भी कहा था कि दिमाग से यह बात बिलकुल निकाल दें कि अगर कतर को गोलरहित बराबरी पर रोक दिया तो बांग्लादेश को हरा देंगे।

● फीफा विश्व कप क्वालीफायर में अब भारत को अफगानिस्तान के खिलाफ खेलना है। उस मुकाबले को लेकर कोच इगोर स्टिमक कैसी रणनीति बना रहे हैं?

-फिलहाल तो हम अपने-अपने क्लबों के साथ खेल रहे हैं। हालांकि, बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबले के बाद कोच ने अफगानिस्तान के साथ होने वाले मुकाबले के लिए हमारा उत्साहवर्धन किया। अफगानिस्तान भी एक मजबूत टीम है। हाल के समय में हमने उनके खिलाफ मुकाबले खेले भी हैं। यह भी हमारे लिए एक मुश्किल मुकाबलों में से एक होगा क्योंकि हम उनके खिलाफ अपने घर से बाहर के मैदान पर खेलेंगे। यह मुकाबला तजाकिस्तान में होना है इसलिए हमें थोड़ी उस हिसाब से भी तैयारी करनी पड़ेगी।

● कहा जाता है कि हर पुरुष की सफलता के पीछे एक स्त्री का बहुत बड़ा हाथ होता है। आपकी पत्नी एक एंकर हैं। आपको उनसे कितनी मदद मिलती है?

-मेरे अब तक के करियर में मुझे मेरी पत्नी का बहुत साथ मिला है। एक खिलाड़ी की वजह से मुझे कई दिनों तक घर परिवार से दूर रहना पड़ता है, लेकिन कभी भी मुझे पत्नी की ओर से कोई शिकायत सुनने को नहीं मिली।

कांस्य पदक से चूके केटी इरफान

वुहान, प्रेट्र : ओलंपियन केटी इरफान सातवें विश्व सैन्य खेलों में कांस्य पदक से चूक गए और 20 किलोमीटर पैदलचाल में चौथे स्थान पर रहे। इरफान ने एक घंटे 25 मिनट और नौ सेकेंड का समय निकाला।

चीन के शू ह्याओ एक घंटे 22 मिनट और 18 सेकेंड का समय निकालकर अव्वल रहे। यूक्रेन के शूमिक विक्टर ने रजत और स्लोवाकिया के उराउनिक मिरोस्लाव ने कांस्य पदक जीता।

इरफान इससे पहले लंदन ओलंपिक 2012 में 10वें स्थान पर रहे थे जब उन्होंने एक घंटे 20 मिनट और 21 सेकेंड का समय निकाला था। वह मार्च में एशियाई पैदल चाल चैंपियनशिप में चौथे स्थान पर रहकर पहले ही टोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुके हैं। उन्होंने एक घंटे 20 मिनट और 57 सेकेंड में दूरी तय की थी, जबकि टोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने का मानक एक घंटा 21 मिनट है। इरफान ने पदक से चूकने के बाद कहा कि मैं आगे आने वाले टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन करने की पूरी कोशिश करुंगा।

फेडरर के खिलाफ मुकाबले से हटे वावरिंका

टेनिस डायरी

● पीठ की चोट के कारण क्वार्टर फाइनल से हटे स्टेन, स्विस इंडोर टूर्नामेंट में रोजर को मिला वॉकओवर

बासेल, एएफपी : स्विट्जरलैंड के टेनिस स्टार स्टेन वावरिंका को पीठ की चोट के कारण शुक्रवार को अपने दोस्त और हमवतन रोजर फेडरर के खिलाफ होने वाले स्विस इंडोर टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल से हटने के लिए मजबूर होना पड़ा।

इससे पहले वावरिंका ने दूसरे दौर के मुकाबले में अमेरिका के फ्रांसिस टिएफो को 6-3, 3-6, 7-5 से शिकस्त दी थी और उसके एक घंटे बाद ही उन्होंने हटने का फैसला किया। तीन बार ग्रैंडस्लैम विजेता वावरिंका ने कहा, 'बुरी खबर यह है कि मुझे हटना पड़ रहा है। अंतिम गेम में मेरी पीठ में कुछ समस्या हो गई। मैं शुक्रवार के मुकाबले में नहीं खेल पाऊंगा। मुझे हटना पड़ेगा।' वावरिंका के हटने से शीर्ष वरीय फेडरर को शनिवार को होने वाले सेमीफाइनल के लिए वॉकओवर मिल गया। फेडरर यहां अपने 10वें खिताब की तलाश में खेल रहे हैं। उधर वावरिंका के हटने से अब अगले एटीपी फाइनल्स के लिए क्वालीफाई करने की संभावनाएं कम हो गई हैं और अब उनके पास केवल पेरिस मास्टर्स के रूप में इकलौता टूर्नामेंट है। राफेल नडाल, नोवाक जोकोविक और फेडरर, डेनिल मेदवेदेव, डोमिनिक थिएम और स्टीफानोस सितसिपास पहले ही एटीपी फाइनल्स के लिए क्वालीफाई कर चुके हैं।।

दिग्गज टेनिस खिलाड़ी रोजर फेडरर। फाइल

पेस डेविस कप टीम में वापसी के लिए तैयार

नई दिल्ली, प्रेट्र : भारत के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस ने पाकिस्तान के खिलाफ नवंबर के आखिर में खेले जाने वाले डेविस कप मुकाबले के लिए खुद को उपलब्ध बताया है। इससे गैर खिलाड़ी कप्तान महेश भूपति और कुछ अन्य बड़े खिलाड़ियों की अनुपस्थिति में इस दिग्गज टेनिस खिलाड़ी का चयन लगभग तय है। भूपति और दूसरे खिलाड़ियों सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण पाकिस्तान जाने से इन्कार कर दिया जिससे पेस अप्रैल 2018 के बाद पहली बार भारतीय डेविस कप टीम से जुड़ सकते हैं। अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआइटीए) ने हाल ही में खिलाड़ियों के वीजा प्रक्रिया को शुरू किया है। हालांकि एआइटीए अब भी इस मुकाबले को तटस्थ स्थल पर कराने की मांग कर रहा है। राष्ट्रीय महासंघ 29 और 30 नवंबर को पाक के इस्लामाबाद में खेले जाने वाले मुकाबले को तटस्थ स्थल पर कराने के लिए अंतरराष्ट्रीय टेनिस महासंघ के रुख का इंतजार कर रहा है। एआइटीए के महासचिव हिरणमय चटर्जी ने बताया कि पेस ने इस्लामाबाद में होने वाले मुकाबले के लिए अपनी उपलब्धता की पुष्टि की है। चटर्जी ने कहा, 'आइटीएफ चाहता था कि हम वीजा प्रक्रिया शुरू करें, इसलिए हमने लिएंडर सहित कुछ नाम भेजे। यह मैच ग्रास कोर्ट पर हो रहा है। हम जल्द ही टीम का चयन करेंगे, अभी कुछ भी तय नहीं है। पेस ने संन्यास नहीं लिया है। वह अब भी खेल रहे हैं इसलिए हम उन्हें गैर खिलाड़ी कप्तान के तौर पर नहीं भेज सकते। हमें पहले टीम का चयन करना होगा।' पेस ने अप्रैल 2018 में चीन के खिलाफ डबल्स खिलाड़ी के तौर पर डेविस कप में सबसे ज्यादा जीत दर्ज करने का इतिहास रचा था।

विविध

गुरु नानक जी

चंडीगढ़ की सुखना लेक पर लेजर शो के जरिये श्री गुरु नानक देव जी के 550वें प्रकाश उत्सव को मनाया गया। इस दौरान उनके जीवन और सीख पर आधारित शो किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर यूटी प्रशासक और पंजाब के गवर्नर वीपी सिंह बदनौर पहुंचे। जागरण

अवैध खनन के चलते दरिया में फंसा शिप, दूसरे दिन भी नहीं हो सका शो

राजेश शर्मा, लुधियाना

- लाडोवाल से आठ किमी पहले चूहड़पुर के पास सतलुज में फंसा शिप
- शिप को निकालने में लग गए चार घंटे, तब तक आयोजन का समय बीत गया
- गुरु नानक देव जी के 550वें प्रकाशोत्सव के उपलक्ष्य में सरकार करवा रही है शो

रेत माफिया द्वारा किए गए अवैध खनन के कारण सतलुज दरिया में दूसरे दिन भी फ्लोटिंग लाइट एंड साउंड शो नहीं हो सका क्योंकि शिप रास्ते में ही फंस गया। दरिया में जल स्तर का कम होना भी इसकी वजह रहा। इन कारणों के चलते जिला प्रशासन को पंजाब सरकार के इस महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट के तहत होने वाले शो को दूसरे दिन भी स्थगित करना पड़ा। उल्लेखनीय है कि प्रदेश सरकार श्री गुरु नानक देव जी के 550वें प्रकाशोत्सव के उपलक्ष्य में इस तरह का शो अलग-अलग जिलों में करवा रही है। अवैध खनन की यह स्थिति तब है, जब खुद मुख्यमंत्री ने इस मामले में कड़ी कार्रवाई के आदेश दिए थे।

जिस शिप से इस शो को लाइव करना था वह आयोजन स्थल लाडोवाल से आठ किलोमीटर पहले गांव चूहड़पुर के पास सतलुज में अटक गया। रेत माफिया द्वारा दरिया में उतारे गए वाहनों ने वहां ऐसी स्थिति बना दी थी कि रेत में फंसे हुए शिप को निकालने के लिए पहले ट्रैक्टर मंगवाया गया। जब बात न बनी तो जेसीबी उतारी गई, लेकिन शिप वहां से टस से मस नहीं हुआ। 35 टन वजनी इस शिप को निकालने में चार घंटे तक अधिकारी जुटे रहे। जब तक शिप निकालने में कामयाबी मिली, तब तक आयोजन का समय निकल चुका था। चंडीगढ़ से पहुंचे लोक संपर्क विभाग के डायरेक्टर आइएएस अधिकारी गुरकीरत किरपाल सिंह भी पूरे समय वहीं डटे रहे।

> शिप को सतलुज दरिया से होते हुए रोपड़ से लुधियाना पहुंचना था। दरिया में बेहद कम जलस्तर व हवा के विपरीत रुख की वजह से पहले दिन वह माछीवाड़ा के पास अटक गया। दूसरे दिन चूहड़पुर में फंस गया। ट्रैक्टर व जेसीबी की मदद से उसे निकालने में चार घंटे से अधिक लग गए। लोक संपर्क विभाग के चंडीगढ़ कार्यालय से नया शेड्यूल जारी होने पर फिर से शो का आयोजन किया जाएगा।
> **-अमरजीत सिंह बैंस, एसडीएम पूर्वी**

> मेरे इलाके में लगातार पेट्रोलिंग के जरिये सतलुज किनारों पर नजर रखी जा रही है। रेत तो दूर हम तो अवैध मिट्टी तक वहां से नहीं उठाने दे रहे।
> **-कुलवंत सिंह, एसएचओ, थाना मेहरबान**

बिना इंजन के 35 टन वजनी शिप को खींचकर लाती है मोटरबोट

फ्लोटिंग लाइट एंड साउंड शो के लिए कांट्रेक्टर कंपनी ने बिना इंजन का शिप मंगवाया है। 35 टन वजनी इस शिप को दो मोटरबोट खींचकर लाती है। लाडोवाल में बुधवार व गुरुवार को दो दिन शो होना था। पहले दिन रोपड़ से चलकर शिप माछीवाड़ा पहुंचा था कि मोटरबोट में खराबी आ गई। शिप को वहीं रोक दिया गया। दूसरे दिन दूसरी मोटरबोट के साथ शिप को लुधियाना लाया जा रहा था, लेकिन दरिया में ही फंस गया। हालांकि रोपड़ से सतलुज में पानी भी छोड़ा गया, लेकिन बात नहीं बनी।

राजस्थान में 200 खनिज भंडारण पर एक साथ छापेमारी

संवाद सूत्र, उदयपुर

- 35 करोड़ रुपये के फर्जी स्टॉक की प्रविष्टियां मिलीं, 176 करोड़ रुपये का अघोषित स्टॉक पकड़ा

राजस्थान के खान विभाग ने शुक्रवार रात प्रदेश के दो सौ खनिज भंडारण पर एक साथ छापेमारी की कार्रवाई की। इस दौरान अब तक 35 करोड़ रुपये के फर्जी स्टॉक की प्रविष्टियां मिली हैं, जबकि 176 करोड़ रुपये का अघोषित स्टॉक पकड़ा है। दो सौ खनिज भंडारणों में से दस केवल कागजों में पाए गए। इन स्थानों पर 9.80 लाख टन खनिज होना बताया गया, जबकि मौके पर किसी तरह का खनिज नहीं मिला। यहां तक कुछ खनिज भंडारणों की लोकेशन बताए स्थान की जगह दूसरे जगह पर मिली।

खान एवं भू विज्ञान विभाग उदयपुर के अतिरिक्त निदेशक दीपक तंवर ने बताया कि प्रदेश में एक फरवरी 2018 से ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया शुरू की गई थी। तब विभाग ने रजिस्टर्ड भंडारणकर्ताओं के पेश खनिज की मात्रा को बिना भौतिक सत्यापन के सही मान लिया। पिछले महीनों में विभाग के पास सूचना थी कि खनिज भंडारणकर्ता राजस्व एवं बकाया कर की सही जानकारी नहीं दे रहे। इस पर विभाग के शासन सचिव दिनेश कुमार के मार्गदर्शन में निदेशक गौरव गोयल के साथ उन्होंने राजस्थान में छापेमारी की कार्रवाई की।

इस कार्रवाई के लिए विभाग ने 56 दलों का रातों-रात गठन किया गया। उन्होंने 25 जिलों के 34 कार्यालयों में स्थित दो सौ खनिज भंडारणों में उपलब्ध खनिज की मात्रा का भौतिक सत्यापन किया तो चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। अभी तक प्राप्त 106 खनिज भंडारणों की जांच में दस भंडारण स्थल तो केवल कागजों में पाए गए। बताए गए स्थलों पर ऑनलाइन आकड़ों के अनुसार 9.80 लाख टन खनिज का भंडारण किया जाना बताया, जबकि मौके पर किसी प्रकार का खनिज भंडारण नहीं मिला।

ऑनलाइन आंकड़ों के अनुसार इन पर 34.67 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया। साथ ही इन सभी के ऑनलाइन भंडारण के पास जारी किए जाने पर पाबंदी लगा दी गई। बाकी खनिज भंडारणों में ऑनलाइन दर्शाए गए स्टॉक से मौके पर 57.27 लाख टन खनिज की मात्रा अधिक पाई गई। इसकी कीमत लगभग 176 करोड़ रुपये बनती है। इस तरह अब तक जांच किए गए 106 भंडारणों से विभाग ने लगभग 201 करोड़ रुपये का कर बकाया होने की बात कही है। सबसे ज्यादा बीकानेर जिले में खनिज-बजरी के चार स्टॉक धारकों द्वारा 6.56 लाख टन खनिज-बजरी का भंडारण बताया गया, जबकि मौके पर महज एक टन बजरी भी नहीं मिली। यहां तक इनमें एक स्टॉक की लोकेशन बीकानेर शहर में, दूसरे की बूंदी में तथा तीसरे की लोकेशन गुजरात में मिली।

मेरा निजी सुझाव, खत्म हो उत्तराधिकारी प्रथा : दलाईलामा

जागरण संवाददाता, धर्मशाला

दलाईलामा के उत्तराधिकारी को लेकर चल रहे विवाद के बीच तिब्बती धर्मगुरु दलाईलामा ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए इस प्रणाली का खत्म करने की सुझाव दिए हैं, लेकिन अंतिम फैसला तिब्बतीय समुदाय पर छोड़ा है।

मैक्लोडगंज में अनौपचारिक बातचीत में दलाईलामा ने अपने उत्तराधिकारी की बात पर कहा कि मेरी निजी राय है कि हम 21वीं सदी में प्रवेश कर चुके हैं। हमें भी भारत की मूल परंपरा की ओर जाने की जरूरत है और उत्तराधिकारियों की प्रथा समाप्त कर देनी चाहिए। उत्तराधिकारी को लेकर उनका निर्णय नहीं होगा, तिब्बती समुदाय का निर्णय उन्हें स्वीकार होगा। बता दें कि कुछ समय से दलाईलामा के उत्तराधिकारी को लेकर चीन अलोचना कर रहा है। पिछले माह विभिन्न 24 देशों का एक प्रतिनिधिमंडल मैक्लोडगंज में आया था। प्रतिनिधिमंडल ने सीटीए से बैठक कर एक प्रस्ताव पारित किया था कि दलाईलामा के उत्तराधिकारी का फैसला वे खुद करेंगे। प्रतिनिधिमंडल के सदस्य अगले दिन दलाईलामा से मिले थे और प्रस्ताव की प्रतिलिपि दलाईलामा को सौंपते हुए गुहार लगाई थी कि अपने उत्तराधिकारी का फैसला वे खुद करें।

दलाईलामा। (फाइल)

आपसी कलह में पत्नी व बच्चों को जहर पिलाकर खुद भी पीया

संवाद सहयोगी, नांगल चौधरी (नारनौल) : गांव कमानियां में आर्थिक तंगी के चलते एक व्यक्ति ने पत्नी व दो बच्चों को दूध में जहर मिलाकर पिलाने के बाद खुद भी पी लिया। अस्पताल में चारों की मौत हो गई।

40 वर्षीय कृष्ण यादव ट्रक चालक था। वह दो-तीन महीनों से घर पर रह रहा था। परिवार की आर्थिक हालत कमजोर थी और दंपती का आपस में कलह रहता था। गुरुवार शाम करीब पांच बजे कृष्ण जहर की गोलियां ले आया। उसने इन गोलियों को दूध में मिला दिया और इस दूध को पत्नी मुकेश, बेटे दीपांशु और बेटी मोनिका को पिलाने के साथ ही खुद भी पी लिया। रात में तबीयत खराब होने पर उन्हें नारनौल के अस्पताल लेकर गए। बाद में उन्हें बहरोड़ के कैलाश अस्पताल ले जाया गया। वहां चारों की कुछ समय बाद मौत हो गई।

दिव्यांग अभ्यर्थियों ने आश्वासन के बाद समाप्त किया धरना

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

पिछले दो दिनों से मंडी हाउस पर प्रदर्शन कर रहे रेलवे ग्रुप डी की परीक्षा में उत्तीर्ण दिव्यांग अभ्यर्थियों ने तीसरे दिन शुक्रवार को दिव्यांग कोर्ट व रेलवे बोर्ड की ओर से आश्वासन मिलने के बाद देर रात धरना समाप्त कर दिया है। हालांकि उक्त स्थान पर अभी भी कुछ दिव्यांग तुरंत नौकरी देने की मांग को लेकर अड़े हुए हैं।

प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे सौरभ ने बताया कि पिछले दो दिनों से मंडी हाउस पर धरना देने के बाद रेलवे बोर्ड व कोर्ट की नींद खुली है। देर शाम को रेलवे बोर्ड की ओर से अधिकारियों ने उत्तीर्ण अभ्यर्थियों से मुलाकात कर उन्हें नौकरी देने का आश्वासन दिया है। दिव्यांग कोर्ट की ओर से लिखित पत्र आया है। उन्होंने बताया कि हमें कहा गया है कि सभी उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को जिन्हें पूर्व में संदेश जारी कर प्रमाणपत्र सत्यापन के लिए दिल्ली बुलाया गया था, उन्हें अब एक-एक करके बुलाकर जरूरी जांच पूरी कर नौकरी दी जाएगी।

इसके लिए करीब दो सप्ताह का समय मांगा गया है। जिसके बाद हमनें धरना समाप्त करने का फैसला लिया है। सौरभ ने बताया कि अभी भी कुछ अभ्यर्थी हैं जोकि हाथोंहाथ नौकरी की मांग को लेकर अड़े हुए हैं व चौक पर बैठे हैं। बता दें कि धरने के कारण पिछले दो दिनों से नई दिल्ली इलाके में जाम की स्थिति थी। धरने के कारण पुलिस ने बैरिकेडिंग कर रास्ते को बंद कर रखा था। इस कारण वाहनों को इंडिया गेट घूमकर मंडी हाउस की ओर आना पड़ रहा था। पीक आवर में इससे जाम की स्थिति बन रही थी।

मौसम विशेष

जम्मू-कश्मीर व हिमाचल प्रदेश में सुबह ठंडी और छिटपुट बादलों के साथ दिन सहज रहेगा। पंजाब, राजस्थान, हरियाणा व दिल्ली में मुख्यतः साफ आसमान के साथ शीतल सुबह में धुंध रहेगी। दिन आरामदायक बना रहेगा। प्रदूषण में हल्की वृद्धि जारी रहेगी। रात का मौसम शीतल रहेगा।

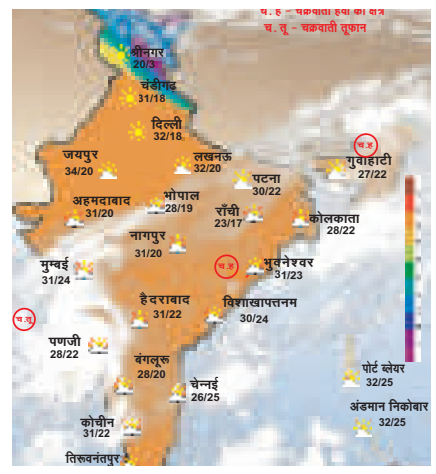

भारत के मुख्य शहरों का तापमान:

शहर		शहर	
मुम्बई	32/24/ध	अहमदाबाद	32/17/ध
कोलकाता	32/22/स्ना	बड़ौदा	30/22/ध
चेन्नई	33/26/ध	नागपुर	32/20/ध
हैदराबाद	32/22/ध	इन्दौर	26/19/स्ना
बंगलूरु	29/19/स्ना	रांची	27/23/स्ना
त्रिवेन्द्रम	29/23/ध	पटना	31/21/स्ना
गुवाहाटी	29/21/ध	जमशेदपुर	32/25/ध
गंगटोक	12/-2/ध	पुणे	29/21/ध

राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
शनिवार 26 अक्टूबर 2019
आजकल
16
www.jagran.com

दुनिया के पहले इलेक्ट्रिक जेनरेटर ने काम करना शुरू किया

1936 में आज ही अमेरिका के हूवर डैम में दुनिया के पहले इलेक्ट्रिक जेनरेटर ने काम करना शुरू किया था। इससे अमेरिका के नवादा, एरिजोना और कैलिर्फोनिया के कई हिस्सों को बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित होती थी।

एक बच्ची को वनमानुष का दिल लगाया गया

1984 में आज ही अमेरिका में हृदयरोग से ग्रसित एक बच्ची को वनमानुष का दिल लगाया गया था। इस बच्ची का नाम था बेबी फे। इस तरह के ट्रांसप्लांट को जेनेटिक ट्रांसप्लांट कहा जाता है। हालांकि इस ट्रांसप्लांट के 21 दिन बाद बच्ची की मौत हो गई थी।

कलम के सिपाही क्रांतिकारी गणेश शंकर विद्यार्थी

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के सिपाही और पत्रकार गणेश शंकर विद्यार्थी का जन्म 1890 में आज ही उत्तर प्रदेश के फतेहपुर में हुआ था। उन्होंने क्रांतिकारी साप्ताहिक पत्रिका प्रताप की शुरूआत की थी, जिसका मकसद पीड़ित किसानों, मिल वर्कर्स और आम लोगों की आवाज बनना था। ब्रिटिश राज के दौरान रायबरेली के किसानों की मुश्किलों के बारे में लिखने की वजह से उन्हें कई बार जेल भी जाना पड़ा। 25 मार्च, 1931 को कानपुर में हुए दंगों के दौरान कई लोगों की जान बचाते हुए वह भीड़ के गुस्से का शिकार बन गए और उनका निधन हो गया।

इधर-उधर की

चीन में बेटे को मां-बाप के तोहफे ने बनाया अरबपति

वाशिंगटन,एजेंसी : माता-पिता से मिले तोहफे ने 24 साल के एक युवक को रातोंरात अरबपति बना दिया। दरअसल, अमेरिका के पेंसिलवेनिया में चीन की सिनो फार्मास्यूटिकल के संस्थापक त्से पिंग और उनकी पत्नी चेयुंग लिन चेंग ने कंपनी की 21.5 फीसद हिस्सेदारी अपने बेटे एरिक त्से को तोहफे में दी। कंपनी की यह हिस्सेदारी 3.8 अरब डॉलर (करीब 26,980 करोड़ रुपये) की है। एरिक के माता-पिता ने इस सप्ताह की शुरुआत में उन्हें यह तोहफा दिया है। उन्हें तोहफे में मिली हिस्सेदारी कंपनी की पूंजी का पांचवां हिस्सा है। कंपनी के मुताबिक, वह एक साल में 5 लाख डॉलर से भी अधिक की कमाई करेंगे। इसी के साथ एरिक अब दुनिया के 550 सबसे धनी लोगों में शुमार हो गए हैं।

सबसे बड़ी गैलेक्सी का लगाया पता

अचरज भरा आकाश

▶ 66 रेडियो दूरबीनों की मदद से अमेरिकी वैज्ञानिकों ने की खोज

इसके तारों की गतिशीलता हमारे मिल्की वे से सौ गुना ज्यादा है

ब्रह्मांडीय धूल के बीच छुपी हुई है नई आकाशगंगा। प्रतीकात्मक

बोस्टन, प्रेट्र : खगोलविदों ने अंतरिक्ष में एक ऐसी आकाशगंगा का पता लगाया है, जो ब्रह्मांडीय धूल के बादलों के बीच छुपी हुई है और माना जा रहा है कि यह आकाशगंगा शुरुआती ब्रह्मांड से भी पुरानी है। खगोलविदों का दावा है कि यह अब तक खोजी गईं सबसे बड़ी गैलेक्सी है। यह खोज नई आकाशगंगाओं का पता लगाने लिए खगोल विज्ञानियों को प्रोत्साहित कर सकती है।

अमेरिका की मैसाच्युसेट्स यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने कहा, 'यह खोज हमें ब्रह्मांड की कुछ सबसे बड़ी आकाशगंगाओं के शुरुआती दौर के बारे में नई जानकारियां देती है। साथ ही इनके बारे में एक नया नजरिया पेश करती है।'

ऑस्ट्रेलिया की स्वाइनबर्न प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के शोधकर्ता और इस अध्ययन के सह-लेखक इवो लाबे ने कहा, 'यह एक विशालकाय आकाशगंगा है, जिसमें लगभग उतने ही तारे हैं जितने हमारे मिल्की वे में है, लेकिन इसमें एक फर्क यह है कि इस आकाशगंगा के तारों की गतिशीलता हमारे मिल्की वे से सौ गुना ज्यादा है।' एस्ट्रोफिजिकल जर्नल में प्रकाशित अध्ययन के लिए शोधकर्ताओं ने अटाकामा लार्ज मिलीमीटर एरे, या अल्मा का उपयोग किया। अल्मा 66 रेडियो दूरबीनों एक संग्रह है, जो चिली के ऊंचे पहाड़ों में स्थित है।

रहस्यमय आकाशगंगा : इस अध्ययन की मुख्य लेखिका क्रिस्टीना विलियम्स ने कहा, यह बहुत रहस्यमय आकाशगंगा है। इसका प्रकाश अन्य आकाशगंगाओं से बिल्कुल अलग है। जब मैंने देखा कि यह आकाशगंगा किसी अन्य तरंग दैर्ध्य में दिखाई नहीं देती, तो इसके प्रति हमारा उत्साह और बढ़ गया, क्योंकि इसका मतलब है कि संभवतः यह आकाशगंगा अंतरिक्ष में बहुत दूर धूल के बादलों के बीच छिपी हुई है।

हल हो सकती है ब्रह्मांड की पहेलियां: शोधकर्ताओं के मुताबिक, इसका सिग्नल इतनी दूर से आया था कि पृथ्वी तक पहुंचने में लगभग 1.25 करोड़ लग गए। खगोलविदों का मानना है कि यह खोज खगोल विज्ञान में लंबे समय से चली आ रही पहेलियों को हल कर सकती है कि प्रारंभिक ब्रह्मांड में सबसे बड़ी आकाशगंगाओं में से कुछ बड़ी गैलेक्सी कैसे दिखाई देती हैं और सैद्धांतिक रूप से यह बहुत जल्दी कैसे परिपक्व हो जाती हैं। इसके अतिरिक्त यह भी पता लग सकता है कि हबल स्पेस टेलीस्कोप से देखी जाने वाली छोटी आकाशगंगाएं तेजी से क्यों नहीं बढ़ रही हैं?

भारतीय टेलीस्कोप ने खोजी थी आकाशगंगा : इससे पहले खगोलशास्त्रियों ने एक भारतीय टेलीस्कोप की मदद से ब्रह्मांड में अब तक की सबसे दूर स्थित आकाशगंगा की खोज की थी। पुणे में स्थित गेंट मीटर-वेव रेडियो टेलीस्कोप द्वारा खोजी गई यह आकाशगंगा उस दौर की बताई गई थी जब ब्रह्मांड की उत्पत्ति को ज्यादा समय नहीं हुआ था। इस आकाशगंगा की दूरी जेमिनी नार्थ टेलीस्कोप और लार्ज बाइनोक्युलर टेलीस्कोप की मदद से निर्धारित की गई थी। रॉयल एस्ट्रोनॉमिकल सोसायटी जर्नल के अनुसार, यह आकाशगंगा उस समय की है, जब ब्रह्मांड की उत्पत्ति को महज एक अरब साल हुए थे।

फिल्म रिव्यू

दिमाग लगाने के लिए नहीं है फिल्म

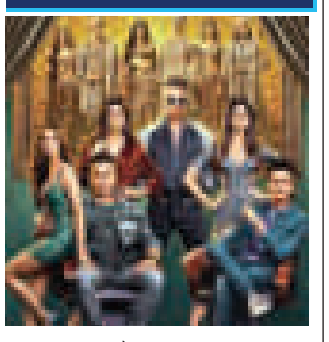

हाउसफुल 4

निर्देशक : फरहाद सामजी
प्रमुख कलाकार : अक्षय कुमार, बॉबी देयोल, रितेश देशमुख, कृति सैनन, कृति खरबंदा, पूजा हेगड़े, जॉनी लीवर, चंकी पांडे, शरद केलकर, राणा डग्गुबाती
अवधि : दो घंटे 26 मिनट

'हाउसफुल' फ्रेंचाइजी की खासियत यह है कि इसे देखने के लिए दिमाग घर में रखकर आना होता है। बेसिर पैर की कहानी, अंग्रेजी को तोड़कर गढ़ी गई कॉमेडी और नामचीन कलाकारों का प्रयोग करके उनसे हास्य पैदा करना इस सीरीज की विशेषता रही है। 'हाउसफुल 4' में पुनर्जन्म का प्रसंग जोड़ कर उसे बड़े पैमाने पर बनाया गया है।

कहानी का आरंभ लंदन में सैलून चलाने वाले हैरी (अक्षय कुमार) को कुछ धुंधली चीजें देखने से होता है। वह तेज आवाज सुनाई देने पर पिछली बातें भूल जाता है। उसके दो भाई राय (रितेश देशमुख) और मैक्स (बॉबी देयोल) हैं। तीनों भाई अरबपति पिता की तीन बेटियों नेहा (कृति खरबंदा), पूजा (पूजा हेगड़े) और कृति (कृति सैनन) से शादी करना चाहते हैं ताकि माइकल भाई (शरद केलकर) का कर्ज उतार सकें। डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए खानदानी गोले (ग्लोब) को घुमाकर जगह चुनी जाती है। गोला सीतमगढ़ पर आकर रुकता है। सब वहां पहुंचते हैं, वहां हैरी को पुनर्जन्म की बातें याद आ जाती हैं।साजिद नाडियाडवाला 'हाउसफुल' सीरीज के निर्माता हैं। 'हाउसफुल 4' का निर्देशन साजिद खान कर रहे थे, लेकिन मी टू अभियान में नाम आने के बाद डायलॉग लेखक फरहाद सामजी को निर्देशन की कमान सौंपी गई। अक्षय कुमार और रितेश देशमुख इस सीरीज के स्थायी नगीने हैं। इस बार बॉबी देयोल को भी शामिल किया गया है।

फिल्म छह सौ साल पीछे जाती है, उसमें अक्षय का राजकुमार बाला देव सिंह के किरदार का लुक मराठा योद्धा बाजीराव की तरह दिखता है। फिल्म का भार अक्षय कुमार के कंधों पर है। वह कॉमेडी में अपने चिरपरिचित अंदाज में नजर आते हैं। वहीं राणा डग्गुबाती का गेटअप और जानवरों के साथ क्रूरता के दृश्य प्रभावित नहीं करते। आखिरी पास्ता यानी चंकी पांडे का किरदार पिछली फिल्मों की तरह है। इस बार जॉनी लीवर को भी जोड़ लिया गया है। कहानी में 1419 में पास्ता की बीवी वर्तमान में जॉनी लीवर के रूप में जन्म लेती है। रितेश देशमुख को 'हाउसफुल 4' में डांसर के तौर पर देखना नया अनुभव होगा। बॉबी देयोल के हिस्से में कॉमेडी कम, थोड़ा-बहुत एक्शन है। फिल्म की तीनों हीरोइनों कृति सैनन, कृति खरबंदा और पूजा हेगड़े को सुंदर दिखाने का खास ख्याल रखा गया है। उन्हें ज्यादातर दिखने-दिखाने और गानों के लिए ही रखा गया है। कृति सैनन को दोनों अभिनेत्रियों की तुलना में ज्यादा लंबी भूमिका मिली है।

फिल्म में नवाजुद्दीन सिद्दीकी का कैमियो है। उसमें वह याद रह जाते हैं। फिल्म में गानों की अधिकता है। गीत-संगीत पीरियड दौर के अनुरूप नहीं है। कोई भी गाना याद नहीं रहता। कहीं-कहीं सिनेमैटोग्राफी मनमोहक है। फिल्म को देखते हुए लॉजिक इस्तेमाल करने की गलती कदापि न करें।

स्मिता श्रीवास्तव

★★★★★ उत्कृष्ट ★★★★ बहुत अच्छी ★★★ अच्छी ★★ औसत ★ औसत से कम

शोध अनुसंधान

डिमेंशिया से बचना है तो कम खाएं नमक

एक हालिया अध्ययन से जाहिर होता है कि कम नमक वाले आहार का सेवन कर मस्तिष्क में रक्त वाहिकाओं को स्वस्थ बनाए रखकर डिमेंशिया रोग से बचा जा सकता है। डिमेंशिया मानसिक बीमारी है। इसमें व्यक्ति की याददाश्त कमजोर हो जाती है। अमेरिका के वेल कार्नेल मेडिसिन इंस्टीट्यूट के असिस्टेंट प्रोफेसर ग्यूसेप फारको ने कहा, 'हमारा अध्ययन खानपान की आदत और स्मृति संबंधी कार्यप्रणाली के बीच संबंध का नया साक्ष्य मुहैया कराता है।' साल 2018 में किए गए एक अध्ययन में उच्च नमक वाले आहार के चलते चूहे में डिमेंशिया के लक्षण देखे गए थे। नए अध्ययन के आधार पर शोधकर्ताओं ने पाया कि नमक डिमेंशिया का कारण बन सकता है, क्योंकि यह मस्तिष्क में रक्त प्रवाह में रुकावट पैदा करता है। -एएनआइ

कम उम्र की माताओं के बच्चों में एडीएचडी का खतरा

कम उम्र की माताओं के बच्चों में कई तरह की समस्याओं का खतरा रहता है। एक नए अध्ययन में पाया गया है कि ऐसे बच्चे अटेंशन डेफिशिट हाइपरएक्टिव डिसआर्डर (एडीएचडी) से भी जूझ सकते हैं। किसी काम में मन नहीं लगना और अति सक्रियता इस मनोविकार के लक्षण हैं। साइंटिफिक रिपोर्ट्स जर्नल में छपे अध्ययन के अनुसार, 20 साल से कम उम्र की माताओं के बच्चे एडीएचडी से पीड़ित हो सकते हैं। शोधकर्ताओं ने इस अध्ययन में मादा प्रजनन लक्षणों और मनोविकारों के बीच आनुवांशिक जुड़ाव पर गौर किया। उन्होंने बच्चों में एडीएचडी के आनुवांशिक खतरे और 20 से कम उम्र में मां बनने वाली महिलाओं के बीच गहरा ताल्लुक पाया। यह निष्कर्ष करीब दो लाख 20 हजार महिलाओं के डाटा के विश्लेषण के आधार पर निकाला गया है। इस अध्ययन से जुड़े यूनिवर्सिटी ऑफ ऑस्ट्रेलिया के एसोसिएट प्रोफेसर हांग ली ने कहा, 'निष्कर्षों से इस समस्या से बचाव का बेहतर तरीका ईजाद करने में मदद मिल सकती है।' -एएनआइ

वैज्ञानिकों ने पारिस्थितिकी तंत्र की वापसी के कारकों को खोज निकाला

- भारतीय उपमहाद्वीप पर हुए ज्वालामुखी विस्फोटों का भी हो सकता है योगदान
- 6.6 करोड़ साल पहले हुआ था क्रेटेशियस-पेलोजीन एक्सटिंक्शन

डेक्कन ट्रैप भारत के पश्चिमी घाट में स्थित है। फाइल

डेनवर, प्रेट्र : वैज्ञानिकों ने क्रेटेशियस-पेलोजीन एक्सटिंक्शन (केपीजीई) के बाद स्थलीय पारिस्थितिकी तंत्र की वापसी के कारकों का पता लगाया है। धरती से तीन चौथाई पौधों तथा जीवों के विलुप्त होने की घटना को केपीजीई कहा जाता है। यह घटना करीब 6.6 करोड़ साल पहले हुई थी और इसमें डायनासोर भी खत्म हो गए थे। संभावना है कि पारिस्थितिकी तंत्र की वापसी में भारतीय उपमहाद्वीप पर हुए ज्वालामुखी विस्फोटों का योगदान रहा होगा।

अमेरिका के डेनवर म्यूजियम ऑफ नेचर एंड साइंस के शोधकर्ताओं सहित अन्य ने स्थलीय पौधों और जानवरों के अत्यंत दुर्लभ जीवाश्म हासिल किए हैं। ये जीवाश्म सेंट्रल कोलोराडो के कोरल ब्लफ्स में केपीजीई के बाद पृथ्वी को विरासत में मिले थे।

शोधकर्ताओं के अध्ययन का निष्कर्ष प्रतिष्ठित विज्ञान पत्रिका साइंस में प्रकाशित हुआ है। इसमें विलोपन के बाद के पहले दस लाख वर्षों में प्रजातियों और उनके पारिस्थितिकी तंत्र की वापसी का विस्तृत ब्योरा प्रस्तुत किया गया है। रिपोर्ट में पौधों, जानवरों और जलवायु के गतिशील अंतर्संबंधों के बारे में भी रोचक जानकारी दी गई है।

शोधकर्ताओं ने बताया है कि विलोपन के बाद पारिस्थितिकी तंत्र के कई पहलुओं की वापसी पहले तीन लाख वर्षों में हुई। इन वर्षों में स्तनधारी जीवों के शरीर में तीन गुना वृद्धि हुई। उन्हें संदेह है कि स्तनधारियों की यह वृद्धि मेगाफ्लोरल (दुर्लभ बड़े पौधे) प्रजाति के विकास से जुड़ी है।

शोधकर्ताओं ने कहा, 'केपीजीई के बाद भारतीय उपमहाद्वीप के डेक्कन ट्रैप में बार-बार ज्वालामुखी विस्फोट हुए। इन विस्फोटों ने ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन के माध्यम से तापमान को नियंत्रित करने में मदद की।'

शोध के लिए भारतवंशी प्रोफेसर पुरस्कृत

ब्रिसबेन, एएनआइ : भारतवंशी प्रोफेसर नीना मित्तर को उनके शानदार शोध के लिए 2019 का इंडिया ऑस्ट्रेलिया बिजनेस एंड कम्युनिटी अवार्ड्स (आइएबीसीए) प्रदान किया गया। ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड विश्वविद्यालय में सेंटर फॉर हॉर्टीकल्चरल स्टडीज की निदेशक नीना को यह पुरस्कार ऑस्ट्रेलिया भारत विज्ञान, अनुसंधान एवं विकास श्रेणी में बीते 11 अक्टूबर को दिया गया। उनका शोध एवोकाडो फल की उत्पादकता के लिए काफी उपयोगी साबित हुआ है।

नीना पिछले 20 वर्षों से मोलेक्यूलर बायोलॉजी व जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र में शोध कर रही हैं। उन्होंने बायोक्ले नाम का एक विशेष स्प्रे बनाने में भी अपना बहुमूल्य योगदान दिया है। बायोक्ले के इस्तेमाल से फसलों को कीड़ों से बचाने में सफलता प्राप्त हुई है। प्रोफेसर नीना ने एक ऐसी टिश्यू कल्चर प्रणाली की खोज की है जिससे पारंपरिक तरीके की तुलना में पांच सौ गुना ज्यादा एवोकाडो के पौधे तैयार किए जा सकते हैं। नई तकनीक के इस्तेमाल से विश्व भर में एवोकाडो फल के उत्पादन में काफी बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है।

पचास साल बाद भारतीय ने छोड़ी इजरायली आर्केस्ट्रा की कमान

तेल अवीव, रायटर : मुंबई में पैदा हुए संगीतकार जुबिन मेहता ने 25 साल की उम्र में पहली बार इजरायल फिलहार्मोनिक आर्केस्ट्रा का संचालन किया था। वह करीब 53 तक साल तक इस प्रसिद्ध आर्केस्ट्रा के संगीत निर्देशक रहे। अब मेहता (83) इस आर्केस्ट्रा की कमान अपने इजरायली शिष्य लाहव शानी को सौंप रहे हैं। तीस वर्षीय शानी पियानोवादक हैं और कई आर्केस्ट्रा का संचालन कर लोगों को पहले ही अपना मुरीद बना चुके हैं।

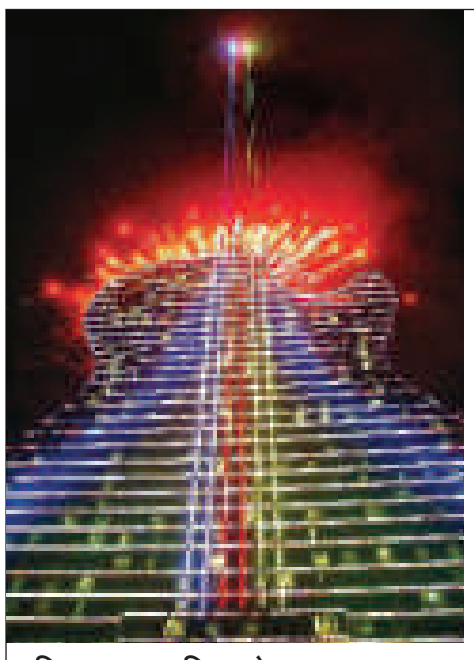

दुनिया का पहला गिटार होटल

अमेरिकी राज्य फ्लोरिडा के हॉलीवुड में अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस गिटार के आकार का होटल बनाया गया है। शुक्रवार को इसका उद्घाटन किया गया। इसमें कृत्रिम नदियां और झरने बनाए गए हैं। इसकी ऊंचाई करीब 450 फीट है और इसमें कुल 638 कमरे हैं। इसे इंजीनियरिंग का बेहतरीन नमूना कहा जा रहा है। इसके निर्माण पर करीब डेढ़ बिलियन डॉलर (करीब एक खरब रुपये) लागत आई है। इसके निर्माण में करीब तीन साल का वक्त लगा। इसे सेमीनॉल हार्ड रॉक होटल एंड कैसिनो ने बनवाया है। एएफपी

अंतिम बार आयर्स रॉक पर की पर्यटकों ने चढ़ाई

ऑस्ट्रेलिया के उत्तरी क्षेत्र में स्थित उलुरु पर्वत पर पर्यटकों ने शुक्रवार को अंतिम बार चढ़ाई की। इसे आयर्स रॉक भी कहा जाता है और यह रंग बदलने वाले पहाड़ के रूप में प्रसिद्ध है। पर्यावरण की दृष्टि से सरकार ने इस पर पर्यटकों के जाने पर प्रतिबंध लगा दिया है। रेगिस्तान के बीच में इस विशाल पत्थर को देखने वाले पहले व्यक्ति अर्नेस्ट जाइल्स थे, लेकिन वह उस तक पहुंच नहीं पाए थे। हालांकि, एक साल बाद ब्रिटिश खोजकर्ता विलियम गौसे इस की चोटी पर चढ़ने में सफल हुए थे। दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के एक राज्य की सचिव हेनरी आयर्स के सम्मान में इसका नाम 'आयर्स रॉक' रखा था। ऑस्ट्रेलियाई आदिवासी इस चट्टान को पवित्र मानते हैं।

300 लाख साल पहले जलवायु परिवर्तन की वजह से हुआ था उलुरु का निर्माण

1873 में जी गौसे नामक अंग्रेज यात्री ने की थी इस पर्वतनुमा विशालकाय चट्टान की खोज

348 मीटर की ऊंचाई पर है यह पर्वत और इसकी परिधि करीब 9.4 किमी है

स्क्रीन शॉट

रणवीर ने सीखा स्टारडम के साथ आगे बढ़ना

हिंदी सिनेमा के व्यस्त कलाकारों में शामिल रणवीर सिंह के पास बड़े बैनर की फिल्मों की लाइन लगी हुई है। अगले साल कबीर खान की फिल्म '83, यशराज बैनर की 'जयेशभाई जोरदार' और करण जौहर के 'तख्त' में अलग-अलग भूमिका में नजर आएंगे। रणवीर सिंह का मानना है कि यह स्टारडम उन्हें उनकी अदाकारी की वजह से मिला है। उनके मुताबिक, उनका सपना हमेशा से कलाकार बनने का था। स्टारडम उसी का नतीजा है। जब युवा मुझसे सलाह लेते हैं, तो उनसे मेरा पहला सवाल यही होता है कि आपमें अभिनय को लेकर उत्साह है या स्टारडम की चमक-दमक से प्रभावित हैं? रणवीर का मानना है कि स्टारडम का मतलब सशक्तीकरण है। इससे दूसरों के बीच खुशियां फैलाने की क्षमता बढ़ती है। स्टारडम जितनी जिम्मेदारियां लेकर आता है, वह बिना बताए चला भी जाता है। अब मैंने स्टारडम के साथ आगे बढ़ना सीख लिया है। रणवीर का कहना है कि अच्छा कलाकार बनने के लिए अपने क्राफ्ट को बेहतर बनाने के लिए लगातार काम करते रहना पड़ता है। वर्सटाइल अभिनेता होने का टैग उन्हें अच्छा काम करने की ओर प्रेरित करता है। उनका कहना है कि मैं एक वर्सटाइल अभिनेता के रूप में पहचाना जाना चाहता था। पिछले डेढ़ वर्षों में प्रशंसकों ने मुझे 'पद्मावत' के अलाउद्दीन खिलजी, 'सिंबा' के संग्राम भालेराव और 'गली ब्वॉय' के मुराद जैसे किरदारों में देखा है। आगे भी अलग किरदार करने की कोशिश है।

थ्रिलर फिल्म करना चाहती हैं अथिया शेट्टी

हिंदी सिनेमा के स्टार किड्स के बीच सुनील शेट्टी की बेटी अथिया शेट्टी भी धीमी गति से अपनी पहचान बनाने में लगी हुई हैं। वर्ष 2015 में रिलीज हुई फिल्म 'हीरो' से उन्होंने अपने अभिनय करियर का आगाज किया था। उसके बाद वह 'मुबारकां' में नजर आई थीं। अब अथिया फिल्म 'मोतीचूर चकनाचूर' में नवाजुद्दीन सिद्दीकी के अपोजिट नजर आएंगी। इस रोमांटिक और कॉमेडी फिल्मों के बाद आने वाले दिनों में अथिया अपने लिए नए जॉनर की तलाश में हैं। अथिया का कहना है कि वह ऐसी फिल्में करना चाहती हैं, जो उनकी पिछली फिल्मों से अलग हों और चैलेंजिंग हों। अथिया का कहना है कि मैं एक थ्रिलर और डार्क किस्म की फिल्म करना चाहती हूं। मुझे लगता है कि मैं ऐसी फिल्मों में अच्छा प्रदर्शन कर पाऊंगी। पापा सुनील शेट्टी के साथ काम करने के सवाल पर वह कहती हैं कि उनके साथ जरूर काम करना चाहती हूं, लेकिन उसके लिए एक अच्छी स्क्रिप्ट होनी चाहिए। ऐसा जरूरी नहीं है कि हम पिता-पुत्री के ही किरदार में आएं। सब कुछ स्क्रिप्ट पर निर्भर करता है।

मैं कॉमेडी फिल्मों में डबल मीनिंग का शॉर्टकट नहीं लेता : अनीस बज्मी

कॉमेडी फिल्में बनाने के लिए प्रसिद्ध निर्देशक अनीस बज्मी अपनी आगामी फिल्म 'पागलपंती' की लंबी-चौड़ी स्टारकास्ट के साथ तैयार हैं। फिल्म में अनिल कपूर, जॉन अब्राहम, अरशद वारसी, इलियाना डिक्रूज, कृति खरबंदा, पुलकित सम्राट, उर्वशी ढोलकिया जैसे सितारे हैं। 'पागलपंती' के ट्रेलर में पहले ही डिस्क्लेमर लगा दिया गया है, जिसमें लिखा गया है 'दिमाग मत लगाना, क्योंकि इनमें दिमाग है नहीं'। इस पर अनीस बज्मी का कहना है कि भले ही यह डिस्क्लेमर हमने लगाया है, लेकिन इस तरह की फिल्म लिखने में बहुत ज्यादा दिमाग लगता है। 'नो एंट्री', 'वेलकम', 'सिंह इज किंग' और 'रेडी' जैसी फिल्मों का निर्देशन कर चुके अनीस के मुताबिक कॉमेडी फिल्में लिखना बहुत मुश्किल काम है। वह इमोशनल, रोमांटिक, ड्रामा, सस्पेंस थ्रिलर लिख चुके हैं। लेकिन अब भी जब कॉमेडी लिखने की बारी आती है, तो उन्हें घबराहट होती है। इन दिनों कॉमेडी फिल्मों में चल रही डबल मीनिंग वाली लाइनों पर अनीस कहते हैं कि वह बच्चों को दिमाग में रखकर फिल्में लिखते हैं, इसलिए वह अपनी फिल्मों में डबल मीनिंग वाली लाइनें लिखना पसंद नहीं करते हैं। उनका कहना है कि डबल मीनिंग वाली फिल्मों से उन्हें एतराज नहीं है, लेकिन अगर आपके पास कलम, कला, दिमाग है और आप मेहनत करने के लिए तैयार हैं, तो शॉर्टकट्स की जरूरत नहीं पड़ती है। 'पागलपंती' 22 नवबंर को रिलीज होगी।

शादी की सालगिरह पर शाह रुख की रोमांटिक पोस्ट...

शाह रुख खान और गौरी खान की शादी को 28 साल पूरे हो गए हैं। 25 अक्टूबर 1991 को शाह रुख और गौरी ने हिंदी रीति-रिवाज से शादी रचाई थी। शाह रुख खान ने बेहद रोमांटिक अंदाज में गौरी के साथ अपनी तस्वीर साझा करते हुए लिखा, 'हमेशा लगता है कि कल की ही बात है। लगभग तीन दशक और तीन बच्चे। जितनी भी परियों की कहानियां मैंने सुनी हैं, उनमें से मैं इस पर यकीन रखता हूं कि मुझे उतनी ही खूबसूरत परी मिली, जितनी खूबसूरत हो सकती थी।'

चिंताजनक

दूध की गुणवत्ता और इसका सेवन करने वाले लोगों की सेहत पर पड़ सकता है असर, शोधकर्ताओं ने दवाओं के इस्तेमाल पर विचार करने की बताई जरूरत

खुले दूध में पाए गए एंटीबायोटिक्स के प्रमाण

नई दिल्ली, आइएसडब्ल्यू : एंटीबायोटिक्स के बढ़ते दुरुपयोग से खाने-पीने की वस्तुओं में भी दवाओं के अवशेष मिलने का खतरा बढ़ रहा है। एक नए अध्ययन में पता चला है कि बाजार में मिलने वाले खुले दूध में भी एंटीबायोटिक दवाओं की मात्रा लगातार बढ़ रही है। इसका असर पशुओं के स्वास्थ्य, दूध की गुणवत्ता और दूध का सेवन करने वाले लोगों की सेहत पर पड़ सकता है। भारतीय शोधकर्ताओं के एक ताजा अध्ययन में यह दावा किया है।

इस अध्ययन के दौरान गाय के दूध में एजिथ्रोमाइसिन और टेट्रासाइक्लिन नामक एंटीबायोटिक दवाओं के अवशेष सामान्य से अधिक मात्रा में पाए गए हैं। गाय के प्रति लीटर दूध में भी 9708.7 माइक्रोग्राम एजिथ्रोमाइसिन और 5460 माइक्रोग्राम टेट्रासाइक्लिन की मात्रा पाई गई है। इन दवाओं का उपयोग आमतौर पर पशु चिकित्सा में किया जाता है। शोधकर्ताओं ने इस अध्ययन में दोनों एंटीबायोटिक दवाओं की स्थिरता को प्रभावित करने वाले तापमान और पीएच मान के स्तर का भी मूल्यांकन किया है। एंटीबायोटिक दवाओं की अत्यधिक मात्रा गाय की आंतों में पाए जाने वाले बेसिलस सबटिलिस नामक बैक्टीरिया की वृद्धि को बाधित कर सकती है। यह बैक्टीरिया जुगाली करने वाले पशुओं और मनुष्यों की आंतों में प्राकृतिक रूप से पाया जाता है। इस बैक्टीरिया की वृद्धि बाधित होने का असर गाय के स्वास्थ्य एवं उसके दूध की गुणवत्ता पर पड़ सकता है।

यह अध्ययन पीएलओएस वन नामक जर्नल में प्रकाशित हुआ है। प्रतीकात्मक

ऐस किया अध्ययन : शोधकर्ताओं ने दूध के 13 नमूने कर्नाटक के धारवाड़ के विभिन्न डेयरी फार्म से एकत्रित किए हैं और फिर उनका सूक्ष्मजीव परीक्षण किया गया है। दूध में मौजूद तत्वों का पता लगाने के लिए लिक्विड क्रोमैटोग्राफी विश्लेषण किया गया है। क्रोमैटोग्राफी का उपयोग जटिल मिश्रण में प्रोटीन, न्यूक्लिक एसिड या छोटे अणुओं को अलग करने के लिए किया जाता है।

प्रभावित होती हैं सूक्ष्म जीवों की गतिविधियां : एजिथ्रोमाइसिन और टेट्रासाइक्लिन एंटीबायोटिक की स्थिरता का पता लगाने के लिए इन दोनों दवाओं पर तापमान और पीएच मान के प्रभाव का मूल्यांकन किया गया है। एजिथ्रोमाइसिन को 70 से 100 डिग्री सेल्सियस तापमान पर 24 घंटे रखने पर उसकी स्थिरता एवं सूक्ष्मजीव गतिविधियों में महत्वपूर्ण रूप से कमी देखी गई है। यह प्रक्रिया टेट्रासाइक्लिन पर दोहराए जाने पर उसकी स्थिरता में भी कमी दर्ज की गई है, पर सूक्ष्मजीव गतिविधि में उल्लेखनीय गिरावट नहीं देखी गई।

खराब हो सकता है स्वास्थ्य: दूध में मिले दोनों एंटीबायोटिक्स का उच्च स्तर सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए खतरा बन सकता है। अध्ययन में यह बात भी सामने आई है कि उपभोक्ताओं के लिए दूध और उससे बने उत्पादों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उचित कार्रवाई से एंटीबायोटिक दवाओं की स्थिरता को कम किया जा सकता है। शोधकर्ताओंन ने कहा कि एंटीबायोटिक्स अवशेषों के लिए दूध की स्क्रीनिंग से पहले इसे उपभोक्ताओं तक पहुंचाने की सख्त आवश्यकता होती है क्योंकि यह खाद्य श्रृंखला के अवशिष्ट संदूषण के खतरे को कम करने में मदद करेगा।